राष्ट्रीय संस्करण

भारत के साथ रिश्तों में आई खटास को दूर करेंगे कनाडा के नए पीएम >> 11

दैनिक जागरण

वर्ष 8 अंक 273

मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, मंगलवार, 11 मार्च, 2025

www.jagran.com

पृष्ठ 14

बजट सत्र के दूसरे चरण की हंगामेदार शुरुआत

वोटर लिस्ट-ईपीआइसी मसले पर विपक्ष ने दोनों सदनों में किया हंगामा, राहुल ने की मतदाता सूची विवाद पर चर्चा की मांग

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- राज्यसभा में खरगे ने उठाया मुद्दा, नोटिस खारिज होने के विरोध में राज्यसभा से विपक्ष का वाकआउट
- विपक्षी सांसदों ने परिसीमन में दक्षिण के राज्यों में लोकसभा सीटें घटने की चिंताओं पर चर्चा की मांग भी उठाई

नई दिल्ली में सोमवार को लोकसभा में बोलते नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सदस्य राहुल गांधी। प्रेट्र

संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले ही दिन यानी सोमवार को विपक्षी दलों ने महाराष्ट्र, हरियाणा और बंगाल सहित कई राज्यों में वोटर लिस्ट और मतदाता पहचान पत्र में कथित हेरफेर के मुद्दे को जोर-शोर से उठाया। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने इस पर चर्चा की मांग की। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए वोटर लिस्ट में गंभीर विसंगतियों पर चर्चा आवश्यक है। राहुल ने कहा कि देशभर में विपक्ष की ओर से मतदाता सूची पर सवाल उठाए जा रहे हैं, इन पर सदन में चर्चा होनी चाहिए। राज्यसभा में मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआइसी)-वोटर लिस्ट की विसंगतियों पर चर्चा का नोटिस खारिज होने के बाद विपक्ष ने सदन से वाकआउट किया।

लोकसभा में शून्यकाल के दौरान तृणमूल कांग्रेस के सौगत राय ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा राज्य के मुर्शिदाबाद और बर्धमान संसदीय क्षेत्रों में समान नंबर के ईपीआइसी होने के दावे को उठाया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग को देश को यह जवाब देना चाहिए कि मतदाता सूचियों में यह गलतियां क्यों हुईं। टीएमसी सांसद के मुद्दा उठाने के बाद राहुल गांधी ने विपक्ष की ओर से स्पीकर के समक्ष चर्चा की मांग रखी। इसके बाद शून्यकाल में टीएमसी के कल्याण बनर्जी ने बंगाल में मतदाताओं की संख्या में वृद्धि का दावा करते हुए आरोप लगाया कि गुजरात और हरियाणा से इन्हें लाया जा रहा है, जो बर्दाश्त करने लायक नहीं है। आयोग चाहे दावे करे, मगर स्पष्ट है कि पिछले कुछ सालों में कोई निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव नहीं हुआ है और उचित काम नहीं करने के लिए चुनाव आयोग के खिलाफ कार्यवाही की जानी चाहिए।

हम हर मुद्दे पर चर्चा को तैयार, विपक्ष की इसमें दिलचस्पी नहीं : नड्डा

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा ने वाकआउट को गैर-जिम्मेदाराना बताते हुए विपक्षी सांसदों को संसदीय नियमों का रिफ्रेशर कोर्स करने की नसीहत दी। उन्होंने आरोप लगाया कि नियम 267 के तहत नोटिस देकर संसद और लोकतंत्र को बदनाम करने की कोशिश हो रही है। सरकार किसी भी मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है, मगर विपक्ष की बहस में दिलचस्पी नहीं है।

राज्यसभा में उपसभापति हरिवंश ने वोटर लिस्ट विसंगतियों पर नियम 267 के तहत चर्चा का विपक्षी सांसदों का नोटिस खारिज कर दिया। नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इसे उठाने की कोशिश की, मगर इजाजत नहीं दी गई। इसके विरोध में विपक्षी सांसदों ने पहले हंगामा किया और फिर सदन से वाकआउट कर विरोध दर्ज कराया।

इससे पूर्व द्रमुक के त्रिची शिवा और केपी विल्सन, एमडीएमके के वाइको, सीपीआइ के के. संतोष कुमार आदि ने अगले परिसीमन में दक्षिण के राज्यों में लोकसभा सीटें घटने की चिंताओं पर चर्चा की मांग उठाई। बीजू जनता दल ने भी विपक्षी दलों के साथ मिलकर डुप्लीकेट वोटर आइडी नंबरों पर चर्चा की मांग की है।

खरगे ने एक्स पर कहा कि पूरा विपक्ष मतदाता सूची में विसंगतियों को लेकर उत्पन्न शंकाओं पर विस्तृत चर्चा चाहता है। महाराष्ट्र में लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच सिर्फ छह महीनों में लाखों मतदाताओं की अचानक वृद्धि का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस ने मतदाता सूची मांगी है, मगर चुनाव आयोग ने जवाब नहीं दिया है। संसद को लोकतंत्र और संविधान के प्रति लोगों की आस्था की रक्षा करनी चाहिए।

डुप्लीकेट ईपिक नंबर में से ज्यादातर 2013 के पहले के बने पेज>>4

इंटनेट मीडिया एक्स कई बार हुआ ठप, मस्क बोले- यह साइबर हमला

सैन फ्रांसिस्को, एपी: इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' का सर्वर कई बार ठप हुआ। इससे भारत सहित दुनियाभर के लाखों यूजर्स परेशान हुए। यूजर्स को 'एक्स' पर पोस्ट करने और लागिन करने में दिक्कतें आईं। यूजर्स आउटेज की वजह से 'एक्स' पर न तो कुछ पोस्ट कर पा रहे थे और न ही किसी की पोस्ट को देख पा रहे थे। हालांकि, अब 'एक्स' सेवाएं सामान्य हैं। देर रात एलन मस्क ने दावा किया कि एक्स पर बड़े पैमाने पर साइबर हमला हुआ है। इसके चलते पूरे दिन बार-बार व्यवधान हुआ है। उन्होंने कहा कि हम पर हर दिन हमला होता है, लेकिन यह बहुत सारे संसाधनों के साथ किया गया था। इसके पीछे एक बड़ा समूह या एक देश शामिल हो सकता है।

ट्रैकिंग वेबसाइट डाउनडिटेक्टर डाट काम के अनुसार, सोमवार को सुबह छह बजे और फिर 10 बजे उसके बाद दोपहर करीब तीन बजे व्यवधान की शिकायतें आईं, जिसमें 40,000 से अधिक यूजर्स ने प्लेटफार्म तक पहुंच नहीं होने की सूचना दी। अन्य देशों के मुकाबले भारत में इस आउटेज का असर काफी हद तक कम रहा। यहां 2600 से अधिक शिकायतें रिपोर्ट की गईं। यूजर्स का कहना था कि उन्हें फीड में 'रिट्राई' लिखा हुआ दिखाई दे रहा था। कई यूजर्स ने 'एक्स' पर 'फिर से लोड करें' या 'पुनः प्रयास करें' लिखा हुआ संदेश दिखाई देने की शिकायत की।

- यूजर्स नहीं कर पा रहे थे कोई पोस्ट, एक्स की सेवाएं अब सामान्य

एलन मस्क। फाइल

कहा- इसके पीछे बड़ा समूह या एक देश शामिल हो सकता है

डाउन डिटेक्टर के अनुसार, दोपहर करीब तीन बजे के आसपास यूजर्स ने 'एक्स' की सेवाओं का लाभ न उठा पाने की शिकायत की। दोपहर 3.22 बजे सबसे ज्यादा यूजर्स ने 'एक्स' के सर्वर डाउन होने की शिकायत दर्ज कराई। वेब पर 54 प्रतिशत और एप पर 42 प्रतिशत शिकायतें रिपोर्ट की गईं।

संपादकीय

भारत के लिए आपदा में अवसर: भारत को चाहिए कि ट्रंप द्वारा टैरिफ बढ़ाने से डरने के बजाय अपना निर्यात अन्य देशों में करने के उपाय खोजे। **भरत झुनझुनवाला** का आलेख।

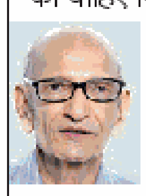

भाषा पर भड़कने वाली राजनीति: स्टालिन भारतीय भाषाओं को आपस में लड़ाने और अंग्रेजी को आधिपत्य जमाए रखने का अवसर ही दे रहे हैं? **कृपाशंकर चौबे** की टिप्पणी। ● पेज-8

विमर्श

स्वास्थ्य व्यवस्था में हो समग्र सुधार : हमारी स्वास्थ्य जरूरतों और सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाओं के बीच में बड़ा अंतर है। उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में कहा है कि राज्य सरकारें किफायती चिकित्सा और बुनियादी ढांचा देने में नाकाम रही हैं। **लालजी जायसवाल** का आलेख।

हिंदी का राजनीतिक विरोध: तमिलनाडु में पिछले कुछ समय से एक बार फिर हिंदी विरोध के राजनीतिक स्वर मुखर हैं। अगले साल यहां विधानसभा चुनाव है, लिहाजा डीएमके ने अभी से भाजपा के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है। **बिनय ठाकुर** का दृष्टिकोण। ● पेज-9

जागरण विशेष

सिर्फ एक बार छिड़काव और महीने भर होगा बचाव

वाराणसी: बीएचयू छात्र ने ऐसा सैनेटाइजर तैयार किया जिसके छिड़काव से एक माह तक फफूंद, बैक्टिरिया व वायरस से बचाव हो जाएगा। ● पेज-14

छग में पूर्व सीएम बघेल और उनके बेटे के करीबियों के ठिकानों पर ईडी के छापे

नईदुनिया प्रतिनिधि, भिलाई

- जांच एजेंसी ने 2161 करोड़ रुपये के शराब घोटाले से जुड़े मामले में की कार्रवाई

11 घंटे तक चली कार्रवाई, छापे के दौरान नोट गिनने की मशीन भी मंगाई गई

छत्तीसगढ़ में 2161 करोड़ रुपये के कथित शराब घोटाले में ईडी ने सोमवार को कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के भिलाई-3 मानसरोवर कालोनी स्थित निवास व कैंप कार्यालय समेत उनके बेटे चैतन्य बघेल के करीबियों के कुल 14 ठिकानों पर छापेमारी की। जांच एजेंसी ने भूपेश बघेल के निवास व कैंप कार्यालय में एक साथ दबिश दी। छापे के दौरान ईडी ने भूपेश बघेल के आवास में नोट गिनने की मशीन भी मंगवाई। अधिकारियों ने पूर्व मुख्यमंत्री के वाहन सहित परिवार के सदस्यों के वाहनों की भी बारीकी से जांच की और दस्तावेज को खंगाला। 11 घंटे तक चली जांच के बाद शाम छह बजे ईडी की टीम पूर्व मुख्यमंत्री के आवास से रवाना हुई। उधर, कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कार्रवाई के बाद बाहर आती टीम के वाहनों के घेराव का प्रयास किया और वाहनों पर घूंसे बरसाए। सुरक्षा बल ने टीम को सुरक्षित राजमार्ग तक पहुंचाया।

ईडी ने जिन अन्य जगहों पर छापा मारा, उनमें दुर्ग लोकसभा से कांग्रेस प्रत्याशी रहे राजेंद्र साहू, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मुकेश चंद्राकर, सहेली ज्वेलर्स संचालक सुनील जैन, होटल कैंबियन संचालक कमल अग्रवाल, ट्रांसपोर्ट व्यवसायी संदीप सिंह, अभिषेक ठाकुर, बिल्डर अजय चौहान, बिल्डर मनोज राजपूत, बिल्डर पप्पू बंसल, राइस मिलर विनोद अग्रवाल, सुनील अग्रवाल आदि के ठिकाने शामिल हैं। इनमें कई बिल्डर और कारोबारी चैतन्य के करीबी बताए जाते हैं। बता दें कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में सामने आए घोटाले में रिटायर्ड आइएएस अनिल टूटेजा, कारोबारी अनवर ढेबर, पूर्व आबकारी अधिकारी अरुणपति त्रिपाठी, पूर्व बीएसपी कर्मी अरविंद सिंह जेल में हैं। ईडी ने संशोधित आरोप पत्र में 20 आरोपितों के नाम जोड़े हैं। इसी मामले में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा भी जेल में हैं।

दुर्ग में ईडी की छापेमारी पर मीडिया से चर्चा करते छग के पूर्व सीएम भूपेश बघेल। एएनआइ

33 लाख रुपये नकद ले गई ईडी : भूपेश

बाद में भूपेश बघेल ने बताया कि ईडी उनके घर से 33 लाख रुपये नकद ले गई है, जिसमें स्त्री धन भी शामिल है। उनकी 150 एकड़ जमीन के दस्तावेज भी देखे गए हैं। एक पेन ड्राइव की भी जांच हुई। बघेल ने कहा कि कार्रवाई विधानसभा में उनके सवाल पूछने का परिणाम है।

छापे के विरोध में सदन के भीतर-बाहर हंगामा

ईडी की कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेस विधायकों ने सोमवार को विधानसभा में जमकर हंगामा मचाया। कांग्रेसी विधायक गर्भगृह में पहुंचे और नारेबाजी करने लगे। सदन की कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित करनी पड़ी। विधानसभा अध्यक्ष डा. रमन सिंह ने कांग्रेस के 14 विधायकों को निलंबित होने की घोषणा की, इसके बाद कांग्रेसी विधायक सदन के बाहर गांधी प्रतिमा के सामने धरने पर बैठ गए।

> कांग्रेस के पांच वर्षों के शासनकाल में तरह-तरह के घोटाले हुए, जिसकी जांच केंद्रीय एजेंसियां कर रही हैं। इसमें प्रदेश का कोई दखल नहीं है।
>
> - विष्णु देव साय, मुख्यमंत्री।

एनईपी पर तमिलनाडु सरकार के यूटर्न के आरोप पर भड़के द्रमुक सांसद, दोनों सदनों में हंगामा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- शिक्षा मंत्री के स्टालिन सरकार को निशाना बनाने पर और फूटा गुस्सा
- विरोध होने पर धर्मेंद्र प्रधान ने शब्द वापस लिए, स्पीकर ने रिकार्ड से हटाए
- प्रधान ने कहा, एनईपी पर स्टालिन सरकार कर रही बच्चों के भविष्य से खिलवाड़

नई दिल्ली में सोमवार को बजट सत्र के दूसरे चरण के दौरान लोकसभा में बोलते केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान। एएनआइ

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के त्रिभाषा फार्मूले और परिसीमन के मुद्दे पर तमिलनाडु की एमके स्टालिन सरकार के साथ केंद्र सरकार की पहले से चल रही तनातनी सोमवार को और बढ़ गई। बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले ही दिन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने एनईपी पर स्टालिन सरकार के रवैये की कड़ी आलोचना की और यूटर्न लेने का आरोप लगाया। उन्होंने स्टालिन सरकार के विरुद्ध कुछ कठोर शब्दों का इस्तेमाल भी किया। बाद में द्रमुक सांसदों की आपत्ति के बाद प्रधान ने अपने शब्द वापस ले लिए। इस मुद्दे पर द्रमुक सदस्यों ने लोकसभा के वेल में आकर जमकर हंगामा किया, फिर बहिर्गमन कर गए। राज्यसभा में भी द्रमुक सदस्यों ने जमकर नारेबाजी व हंगामा किया और एनईपी के मुद्दे को लेकर केंद्र पर तमिल भाषा के साथ भेदभाव का आरोप लगाया। उल्लेखनीय है कि तमिलनाडु में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव हैं, लिहाजा स्टालिन सरकार भाषा और परिसीमन का मुद्दा गरमाए हुए है।

लोकसभा में हंगामा तब हुआ जब पीएम-श्री स्कीम से जुड़े सवाल पर तमिलनाडु को राशि नहीं दिए जाने को लेकर द्रमुक सदस्य ने पूरक सवाल पूछे। इस पर शिक्षा मंत्री प्रधान ने कहा कि पीएम-श्री की राशि किसी भी राज्य को तभी मिलती है, जब वह एनईपी लागू करने का करार करता है। तमिलनाडु भी इस योजना पर तैयार हो गया था। इसमें तमिलनाडु को भी कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश व पंजाब जैसे गैर-भाजपा शासित राज्यों की तरह छूट दी गई थी कि उन्हें कौन-सी भाषा पढ़ानी है। केंद्र किसी पर कुछ थोपेगा नहीं। बाद में करार के समय तमिलनाडु सरकार इससे पलट गई।

प्रधान ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री स्टालिन व राज्य के शिक्षा मंत्री इसे लेकर तैयार थे। शिक्षा मंत्रालय के साथ सहमति भी बन गई थी, लेकिन राज्य के किसी 'सुपर सीएम' के दबाव में मुख्यमंत्री ने अपना फैसला बदल दिया। कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश समेत कई गैर-भाजपा शासित राज्यों ने समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। जबकि द्रमुक का कहना है कि शिक्षा मंत्री को स्पष्ट किया गया था कि तमिलनाडु एनईपी को पूरी तरह स्वीकार नहीं कर सकता और त्रि-भाषा फार्मूला भी स्वीकार नहीं है।

प्रधान बोले, केंद्र सरकार किसी भी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोप रही पेज>>3

मारीशस से रिश्तों के सुनहरे अध्याय की होगी शुरुआत : मोदी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि 11 मार्च से शुरू दो दिवसीय उनकी मारीशस यात्रा के साथ ही दोनों देशों के रिश्तों में नए और सुनहरे अध्याय की शुरुआत होगी। मारीशस हिंद महासागर में भारत का अहम साझीदार है। साथ ही वह अमेरिकी महाद्वीप का प्रवेश द्वार भी है। (पेज-3)

संभल में जहरीला इंजेक्शन लगाकर भाजपा नेता की हत्या

संभल : उत्तर प्रदेश के संभल में भाजपा नेता गुलफाम सिंह यादव की जहरीला इंजेक्शन लगाकर हत्या कर दी गई। सोमवार दोपहर डेढ़ बजे अपाचे बाइक सवार तीन लोग गांव के बाहर स्थित उनके घेर (पशुपालन व कृषि कार्य स्थल) में आए। नमस्ते कर दो लोग बाहर चले गए। कुछ देर बैठकर तीसरा आरोपित पेट में इंजेक्शन लगाकर भाग गया। (पेज-5)

दैनिक जागरण सप्तरंग

अंतस और अध्यात्म का

कृष्ण के साथ एकांतवास है होली

जीवन का सत्य है हिरण्यकशिपु-प्रह्लाद कथा

● पेज-13

'औरंगजेब की कब्र संभाजीनगर से हर कोई हटाना चाहता है'

राज्य ब्यूरो, जागरण ● मुंबई

- फडणवीस बोले, कानून के तहत हो सकती है कार्रवाई
- सपा विधायक के मुगल शासक की तारीफ करने से गरमाया विवाद

मुगल शासक औरंगजेब की कब्र को लेकर महाराष्ट्र में सियासत तेज हो गई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि सभी का मानना है कि छत्रपति संभाजीनगर (पूर्व नाम औरंगाबाद) से औरंगजेब की कब्र को हटा दिया जाना चाहिए। लेकिन, यह भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) द्वारा संरक्षित स्थल है। इसलिए यह काम कानून के दायरे में किया जाना चाहिए। पिछली कांग्रेस सरकार ने इस स्थल को एएसआइ के संरक्षण में रखा था।

महाराष्ट्र के सपा विधायक अबू आसिम आजमी द्वारा औरंगजेब की तारीफ में दिए गए एक बयान के बाद से महाराष्ट्र में औरंगजेब को लेकर विवाद गरमा गया है। अबू आसिम आजमी के विरुद्ध पुलिस में दो एफआइआर भी दर्ज हो चुकी हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा अब छत्रपति संभाजीनगर स्थित औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग भी जोर पकड़ रही है। छत्रपति शिवाजी महाराज के वंशज एवं महाराष्ट्र सरकार में मंत्री शिवेंद्र राजे भोसले तथा उनके चाचा एवं सातारा से भाजपा सांसद उदयन राजे भोसले महाराष्ट्र से औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग कर चुके हैं।

देवेंद्र फडणवीस। फाइल

इसलिए औरंगाबाद में बनी कब्र

औरंगजेब की मौत महाराष्ट्र के अहमदनगर में हुई थी। औरंगाबाद में दफनाने की बात उसने अपनी वसीयत में लिखी थी। वह सूफी संत सैयद जैनुद्दीन को अपना गुरु मानता था। औरंगाबाद में ही सैयद जैनुद्दीन की कब्र बनाई गई थी। इसलिए औरंगजेब चाहता था कि उसका मकबरा भी उनके पास में ही बने।

भाजपा विधायक सुधीर मुनगंटीवार ने कहा है कि हमने अफजल खान की कब्र के पास स्थित अतिक्रमण हटाया था, तो इस मुद्दे पर हमारा विचार अलग कैसे हो सकता है? महाविकास आघाड़ी सरकार कब्र बनाए रखना चाहती थी। लेकिन हमारी सरकार इसे हटाने के पक्ष में है।

हिंदुत्व की राह पर नहीं चल रहा एएसआइ : केंद्रीय मंत्री

नई दिल्ली, प्रेट्र : केंद्र सरकार ने सोमवार को इन आरोपों को खारिज कर दिया कि एएसआइ हिंदुत्व विचारधारा की राह पर चल रहा है और कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार किसी समुदाय को विशेषाधिकार दिए बिना 'सबका साथ, सबका विकास' के सिद्धांत पर काम कर रही है। एआइएमआइएम के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने लोकसभा में कहा कि एएसआइ को हिंदुत्व की विचारधारा का पालन करने के चलते स्वच्छ किया जाना चाहिए। इस पर केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जवाब दिया कि शायद वोट बैंक की राजनीति को ध्यान में रखते हुए अतीत में कुछ विशेषाधिकार दिए गए थे। लेकिन, मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद से ऐसा नहीं है। सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' के सिद्धांत पर काम कर रही है।

रोजगार

नई नियुक्ति के लिए जाब पोर्टल और इंटर्नल रेफरल पर कंपनियों को सबसे अधिक विश्वास, भर्ती प्रक्रिया में स्क्रीनिंग से लेकर साक्षात्कार तक एआइ का उपयोग 38% बढ़ने की उम्मीद

कैंपस प्लेसमेंट सिर्फ 10%, पांच वर्ष तक के अनुभव की सर्वाधिक मांग

जितेंद्र शर्मा ● जागरण

नई दिल्ली : वर्ष 2025 में उद्योगों में नियुक्तियों में 11.1 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान है, जो समग्र रूप से युवाओं के लिए सकारात्मक है। हालांकि, इस वर्ष कालेज से पढ़ाई पूरी कर कैंपस प्लेसमेंट की उम्मीद रखने वाले छात्रों के लिए यह चुनौतीपूर्ण है। इसका मुख्य कारण यह है कि उद्योग जगत में सर्वाधिक मांग एक से पांच वर्ष का अनुभव वाले उम्मीदवारों की है। ताजा रिपोर्ट के अनुसार, कंपनियां नई नियुक्तियों में फ्रेशर्स मात्र 14 प्रतिशत रखना चाहती हैं, जिसमें कैंपस प्लेसमेंट के लिए केवल 10 प्रतिशत का अनुमान है। इसके अलावा, नियुक्ति प्रक्रिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) का उपयोग 38 प्रतिशत तक बढ़ने की संभावना है।

इंडिया हायरिंग इंटेंट सर्वे-2025 के अनुसार, भारत में रोजगार के बाजार में एक से पांच वर्ष के अनुभव वाले उम्मीदवारों की मांग सबसे अधिक है। इस वर्ग के लिए 55.2 प्रतिशत कंपनियों ने सकारात्मक रुख दिखाया है और कुल नियुक्तियों में इस वर्ग की भागीदारी 47 प्रतिशत संभावित है। फ्रेशर्स की मांग सभी उद्योगों में कम है, औसतन 14 प्रतिशत नई नियुक्तियां फ्रेशर्स की होने की उम्मीद है। हालांकि, 10 वर्ष से अधिक अनुभव रखने वालों की मांग फ्रेशर्स से भी कम है। कुछ उद्योग जैसे आटोमोटिव आदि फ्रेशर्स को काम पर रखने में रुचि दिखा रहे हैं, जहां 21% नए कर्मचारी फ्रेशर्स होंगे। इसके विपरीत, विनिर्माण उद्योग में फ्रेशर्स की मांग सबसे कम है, केवल पांच प्रतिशत। बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और इंश्योरेंस सेक्टर में 20% नए कर्मचारी फ्रेशर्स होंगे। फार्मा-हेल्थकेयर और आइटी उद्योगों में क्रमशः नौ और 20% फ्रेशर्स की मांग है।

नियुक्ति प्रक्रिया में बदलाव भी ध्यान देने योग्य है। कंपनियां 10 प्रतिशत नई नियुक्तियां कैंपस प्लेसमेंट के माध्यम से करना चाहती हैं, जबकि जाब पोर्टल पर सबसे अधिक विश्वास है। आंतरिक अनुशंसा (इंटरनल रेफरल) पर भी कंपनियां भरोसा करती हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव से रोजगार का बाजार भी प्रभावित हो रहा है। इंडिया स्किल्स रिपोर्ट के अनुसार, भर्ती प्रक्रिया में स्क्रीनिंग, मूल्यांकन, भर्ती अनुशंसा से लेकर साक्षात्कार में एआइ के उपयोग में 38 प्रतिशत वृद्धि की संभावना है। बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और इंश्योरेंस सेक्टर के 100% नियोक्ताओं ने एआइ पर विश्वास जताया है, जबकि आइटी में इसका प्रभाव 67 प्रतिशत तक पहुंच चुका है।

अनुभव वर्ग और मांग

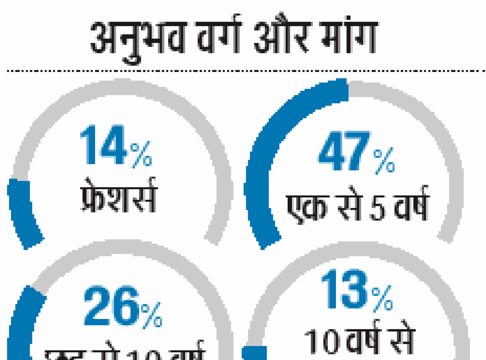

नौकरियों में अनुभव को प्राथमिकता। प्रतीकात्मक

नियुक्ति माध्यम

माध्यम	प्रतिशत
जाब पोर्टल	37%
इंटर्नल रेफरल	32.5%
इंटरनेट मीडिया	13%
कैंपस प्लेसमेंट	10%
रिक्रूटमेंट एजेंसी	5%
कंपनी वेबसाइट	2.5%

वनातु की सरकार ने ललित मोदी की नागरिकता रद करने का दिया आदेश

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- वनातु के पीएम बोले, अपने प्रत्यर्पण से बचने का प्रयास कर रहा है भगोड़ा

आर्थिक अपराध करने के बाद भारत से फरार उद्योगपति ललित मोदी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ललित मोदी ने हाल में प्रशांत महासागर के एक छोटे से द्वीपीय देश वनातु की नागरिकता ले ली थी। लेकिन अब वनातु के प्रधानमंत्री जोथन नापाट ने अपने देश के नागरिकता आयोग को निर्देश दिया है कि वह ललित मोदी की नागरिकता रद करे क्योंकि वह प्रत्यर्पण से बचने की कोशिश कर रहा है। वनातु ने इससे पहले भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के भी नागरिकता आवेदन को रद कर दिया था।

भारत के विदेश मंत्रालय ने पिछले हफ्ते स्वीकार किया था कि ललित मोदी ने वनातु की नागरिकता ले ली है और भारत की नागरिकता वापस करने का आवेदन (सात मार्च को लंदन स्थित भारतीय उच्चायोग में) किया है। वैसे ललित मोदी पिछले 15 वर्षों से फरार है और बताते हैं कि लंदन में रह रहा है। उसे स्वदेश लाने की सारी कोशिशें असफल साबित हुई हैं। इंटरपोल ने भी रेड कार्नर नोटिस जारी करने के भारतीय एजेंसियों के प्रस्ताव खारिज कर दिया है।

ललित मोदी। फाइल

पिछले 15 वर्षों से है फरार, प्रत्यर्पण की सारी कोशिशें अब तक साबित हुई हैं असफल

वनातु की नागरिकता वैध कारणों से ही लेनी चाहिए : जोथन पेज>>11

****

197 रहा सोमवार को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआइ)। यह मध्यम श्रेणी गुणवत्ता वाली हवा मानी जाती है। एनसीआर के शहरों में भी हवा की गुणवत्ता मध्यम से खराब श्रेणी में रही। हाल- फिलहाल इसमें अधिक वृद्धि के कोई आसार नहीं हैं।

आज का मौसम

आसमान साफ रहेगा। सुबह के समय धुंध हो सकती है। दिन में 20 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलेंगी।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
11 मार्च	34.0	17.0
12 मार्च	33.0	18.0
नोएडा		
11 मार्च	34.0	19.0
12 मार्च	35.0	20.0
गुरुग्राम		
11 मार्च	31.0	19.0
12 मार्च	33.0	19.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

आज से दो दिन चलेंगी तेज हवाएं

नई दिल्ली: लगातार गर्म होते मौसम के बीच अधिकतम के साथ-साथ न्यूनतम तापमान में भी वृद्धि होने लगी है। हालांकि अगले दो दिन तेज हवाएं भी चलेंगी। इसके बाद तीन दिन हल्की वर्षा का भी पूर्वानुमान है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि मंगलवार को सुबह के समय धुंध रह सकती है जबकि दिन में आसमान साफ रहेगा। 20 से 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चलेंगी। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34 और 17 डिग्री रहने की संभावना है। बुधवार को भी कमोबेश ऐसा ही मौसम बना रहेगा। (राब्यू)

एक अप्रैल से लागू हो सकता है ईवी नीति का दूसरा चरण

नई दिल्ली : परिवहन मंत्री डा पंकज कुमार सिंह ने दिल्ली में ईवी 2.0 यानी ईवी नीति के दूसरे चरण की समीक्षा की और कहा कि दिल्ली ईवी पालिसी 2.0 का लक्ष्य 2027 तक 95 प्रतिशत नए इलेक्ट्रिक व्हीकल का पंजीकरण करना है। प्रस्तावित दिल्ली ईवी पालिसी 2.0 में सभी सीएनजी आटो-रिक्शा, टैक्सियों और हल्के वाणिज्यिक वाहनों को चरणबद्ध तरीके से ईवी (इलेक्ट्रिक वाहनों) में बदला जाएगा। यह नीति एक अप्रैल से लागू हो सकती है। (राब्यू)

जनता की समस्या सरकार तक पहुंचाएंगे भाजपा कार्यकर्ता

नई दिल्ली : विधानसभा चुनाव से पहले तक भाजपा कार्यकर्ता आम आदमी पार्टी के विरुद्ध धरना-प्रदर्शन करने के साथ ही जनसंपर्क अभियान चलाते थे। अब दिल्ली में भाजपा की सरकार बन गई है, इसलिए कार्यकर्ताओं की भूमिका भी बदल गई है। कार्यकर्ताओं को जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को संगठन और सरकार तक पहुंचाने का निर्देश दिया गया है। (राब्यू)

जाम से निजात को वन-वे यातायात व्यवस्था पर विचार

सुगम होगी यात्रा ▸ सरकार ने पीडब्ल्यूडी, यातायात पुलिस को योजना पर काम करने का दिया निर्देश

शुरुआत में प्रयोग के तौर पर कुछ मार्गों पर इसे अपनाया जाएगा

वी के शुक्ला ● जागरण

डीडीयू से विष्णु दिगंबर मार्ग वनवे (एकतरफा) यातायात व्यवस्था लागू है। मगर वाहन चालक नियमों का उल्लंघन करने से बाज नहीं आते। जागरण

नई दिल्ली : दिल्ली की भाजपा सरकार शहर को जाम से निजात पाने के लिए दिल्ली में कुछ सड़कों पर वन-वे यानी एकतरफा यातायात व्यवस्था अपनाने पर विचार कर रही है। नई सरकार ने इस बारे में पीडब्ल्यूडी और यातायात पुलिस से काम करने के लिए कहा है। दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों के विधायकों से भी इस बारे में राय ली जाएगी। उनसे भी पूछा जाएगा कि उनके क्षेत्र के ऐसे जाम वाले ऐसे कौन से मार्ग हैं जिन पर एकतरफा यातायात व्यवस्था अपनाई जा सकती है। शुरुआत में प्रयोग के तौर पर कुछ मार्गों पर इसे अपनाया जाएगा।

राजधानी में रहने वाला या अपने काम से आया हर व्यक्ति समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचाने की कोशिश करता है और कई बार समय से पहले भी घर से निकलता है, मगर यातायात के हालात कुछ ऐसे हैं कि व्यक्ति समय पर गंतव्य तक पहुंच पाएगा, इसकी उम्मीद कम ही होती है। इसके पीछे कारण यातायात जाम की समस्या है। सड़कों पर अक्सर जाम लगा रहता है। जाम के कारण प्रतिदिन बहुत बड़े पैमाने पर वाहनों का ईंधन व्यर्थ जलता है। इससे प्रदूषण बढ़ता है और लोग देर से गंतव्य तक पहुंचते हैं, यह अलग परेशानी है।

सरकारी तंत्र और सरकार के तमाम प्रयासों के बाद भी इस समस्या का हल नहीं निकल पा रहा है। विशेषज्ञ जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए तरह-तरह के सुझाव दे रहे हैं। इस सब के बीच दिल्ली में सत्ता में आई भाजपा सरकार ने एक नई पहल की है।

> यह एक अच्छी व्यवस्था है। मगर देखना यह भी होगा कि इसे किन सड़कों पर उपयोग में लाया जा सकता है कि जिससे लोग इसे परेशानी न समझ, इसमें अपना सहयोग करें।
>
> – एस वेलमुरुगन, मुख्य वैज्ञानिक, केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआइ)

> मुंबई में कई प्रमुख सड़कों पर एकतरफा यातायात शुरू किया गया है और इसके अच्छे परिणाम दिखे हैं। एकतरफा यातायात से कुछ दूरी जरूर बढ़ जाती है, मगर जाम से निजात मिल जाती है। मुंबई की तर्ज पर हम दिल्ली में भी यह प्रयोग करने की कोशिश कर रहे हैं इसके लिए लोक निर्माण विभाग और यातायात पुलिस सहित संबंधित विभागों से काम करने के लिए कहा है। – प्रवेश वर्मा, लोक निर्माण मंत्री, दिल्ली

दिल्ली में इन मार्गों पर एकतरफा यातायात व्यवस्था अपनाई गई है

- कनाट प्लेस मार्केट में लंबे समय से एकतरफा यातायात व्यवस्था है जो एक सफल प्रयोग है।
- खान मार्केट में कुछ साल पहले एकतरफा यातायात शुरू किया गया था, जो सफल रहा है।
- आइटीओ चौराहे के पास डीडीयू मार्ग से बाल भवन की ओर जाने वाला करीब डेढ़ सौ मीटर मार्ग पर एकतरफा यातायात व्यवस्था लागू है।
- पुराने पुलिस मुख्यालय भवन के पीछे रिंग रोड से बहादुर शाह जफर मार्ग पर आने के लिए एकतरफा यात्रा व्यवस्था लागू है, मगर इस मार्ग पर इसका पालन नहीं हो रहा है
- रफी मार्ग से प्रेस क्लब आफ इंडिया की तरफ आने वाले मार्ग के कुछ भाग में एकतरफा यातायात की व्यवस्था की गई है।

सड़कों की जिम्मेदारी लेंगे पीडब्ल्यूडी अधिकारी

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली : राजधानी दिल्ली में पहली बार ऐसी व्यवस्था की जा रही है कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के वरिष्ठ अधिकारी अब शहर की अलग-अलग सड़कों की निगरानी और उनका रखरखाव सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राजधानी में सड़कों की खराब स्थिति से निपटने के लिए यह निर्णय लिया गया है कि अधीक्षण अभियंता स्तर तक के लोक निर्माण विभाग के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को विभाग की कम से कम एक सड़क के रखरखाव की जिम्मेदारी लेनी होगी।

अधीक्षण अभियंता के पद तक के पीडब्ल्यूडी के सभी वरिष्ठ अधिकारियों को अपनी पसंद की कम से कम एक पीडब्ल्यूडी सड़क को अपनाने का निर्देश देने और उसकी देखभाल की जिम्मेदारी सौंपने का निर्णय विभाग ने लिया है। अधिकारियों के नाम वाली एक एक्सेल शीट साझा की गई है और अधिकारियों से सात दिन में अपनी पसंद की सड़क बताने को कहा गया है। इसके बाद विभाग के एक अधिकारी को निगरानी करने और संबंधित कार्यान्वयन अधिकारियों को सूचनाएं प्रदान करने के लिए एक-एक सड़क खंड आवंटित किया जाएगा।

हादसे के बाद पानी भरे गड्ढे में डूबा सिर, बाइक सवार की मौत

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली की सड़कें गड्ढों की वजह से जानलेवा बनती जा रही हैं। इसके शिकार अक्सर बाइक सवार बन रहे हैं। ताजा मामला तिगड़ी थाना क्षेत्र में पीडब्ल्यूडी की सड़क का है। जामिया हमदर्द मोड़ के पास एमबी रोड पर पानी से भरे करीब एक फीट के गड्ढे में गिरने से सोमवार तड़के एक बाइक सवार की मौत हो गई। आशंका है कि बाइक सवार मुंह के बल पानी में गिरा और बेहोशी की हालत में दम घुटने से उसकी मौत हो गई।

मृतक की शिनाख्त जी-2/256/18 रतिया मार्ग, संगम विहार निवासी राशिद खान (38) के रूप में हुई है। फुफेरे भाई बुलंद अफसर के मुताबिक राशिद हमेशा हेलमेट पहनकर ही बाइक चलाते थे। मौके पर उनका हेलमेट मिला। पुलिस के मुताबिक किसी वाहन की टक्कर से दुर्घटना हुई होगी। या फिर राशिद ने हेलमेट हाथ में ले रखा होगा। गड्ढे की वजह से बैलेंस बिगड़ा और वह गड्ढे में गिर पड़े। आस-पास के सीसीटीवी फुटेज में भी अंधेरा होने की वजह से कुछ स्पष्ट नहीं दिख पा रहा है। घटनास्थल के आगे और पीछे के भी फुटेज चेक किए जा रहे हैं।

देर शाम पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव स्वजन को सौंप दिया। रात में ही परिवार ने जनाजे को सिपुर्द-ए-खाक कर दिया।

समय पर जवाब नहीं दाखिल करने पर सोमनाथ को हाई कोर्ट की फटकार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : नई दिल्ली लोकसभा सीट पर वर्ष 2024 में निर्वाचित हुईं सांसद बांसुरी स्वराज के चुनाव को चुनौती देने वाले आप पूर्व विधायक सोमनाथ भारती को सोमवार को दिल्ली हाई कोर्ट को फटकार लगाई। निर्धारित समयसीमा के भीतर जवाब नहीं दाखिल करने पर न्यायमूर्ति अनीश दयाल की पीठ ने कहा कि चुनाव में व्यस्त क्यों न हों, जवाब दाखिल किया जाना चाहिए।

सुनवाई के दौरान व्यक्तिगत तौर पर पेश हुए सोमनाथ भारती ने दावा किया कि उनकी याचिका पर बांसुरी स्वराज का जवाब अभी तक नहीं मिला है। इसके जवाब में पीठ ने दर्ज किया कि सोमनाथ की तरफ से पेश हुए प्राक्सी अधिवक्ता ने नौ दिसंबर 2024 को जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगा था। सोमनाथ ने मामले में दोबारा जवाब दाखिल करने का समय देने का अनुरोध किया। सोमनाथ के अनुरोध का विरोध करते हुए बांसुरी स्वराज की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता ने कहा कि जवाब दाखिल करने के लिए 30 दिन की वैधानिक अवधि समाप्त हो गई है।

एम्स के कैंसर सेंटर में आएंगी दो नई अत्याधुनिक रेडियोथेरेपी मशीन

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

एम्स में बढ़ेगी कैंसर रोगियों की सुविधा।

एम्स के कैंसर सेंटर आइआरसीएच (इंस्टीट्यूट रोटरी कैंसर हास्पिटल) में अत्याधुनिक रेडियोथेरेपी मशीनों की कमी मरीजों के इलाज में आड़े आ रही है। इसके मद्देनजर एम्स के कैंसर सेंटर की पुरानी एक्सीलेरेटर मशीनों को बदलकर दो नई अत्याधुनिक लीनियर एक्सीलेरेटर मशीनें लगेंगी। एम्स के अनुसार मशीनों की खरीद की प्रक्रिया चल रही है। ऐसे में उम्मीद है कि इस वर्ष के अंत तक एम्स के कैंसर सेंटर में रेडियोथेरेपी की दो नई लीनियर एक्सीलेरेटर मशीनें उपलब्ध हो जाएंगी। इसका संचालन शुरू होने पर कैंसर मरीजों को इलाज में सहूलियत होगी। उन्हें इलाज जल्दी मिल सकेगा।

एम्स के कैंसर सेंटर में हर वर्ष करीब एक लाख 80 हजार मरीज इलाज के लिए पहुंचते हैं। इनमें से करीब 15 हजार नए मरीज शामिल होते हैं। वैसे तो एम्स में रेडियोथेरेपी की छह मशीनें हैं, जिसमें तीन कोबाल्ट व तीन लीनियर एक्सीलेरेटर मशीन शामिल हैं। कोबाल्ट मशीनों की तकनीक बेहद पुरानी हो चुकी है। कोबाल्ट मशीनों से कैंसर मरीजों को रेडियोथेरेपी देने पर दुष्प्रभाव की आशंका ज्यादा रहती है। इस वजह से निजी क्षेत्र के अस्पतालों में कैंसर के इलाज में कोबाल्ट मशीन का इस्तेमाल कम हो गया है। कैंसर मरीजों की रेडियोथेरेपी के लिए अब ज्यादा लीनियर एक्सीलेरेटर मशीन ही इस्तेमाल होती है। एम्स के कैंसर सेंटर में मौजूद तीन लीनियर एक्सीलेरेटर मशीनों में से दो मशीनें निर्धारित उम्र से दो से ढाई गुना अधिक पुरानी हो चुकी हैं। एक मशीन करीब 19 वर्ष और दूसरी मशीन करीब 24 वर्ष पुरानी हो चुकी है। इस वजह से ये दोनों मशीनों में अक्सर खराबी की समस्या आती है। इस वजह से रेडियोथेरेपी के लिए मरीजों को वेटिंग का सामना करना पड़ता है।

मुख्यमंत्री पद मिलेगा, यह तो कभी सोचा नहीं था : रेखा गुप्ता

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- एबीवीपी के छात्र संसद के द्वितीय सत्र में मुख्यमंत्री ने छात्राओं को किया संबोधित
- कहा- एबीवीपी मात्र छात्र संगठन नहीं, बल्कि नेतृत्व निर्माण की है एक पाठशाला
- छात्र संसद में शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य व स्वावलंबन के मुद्दों पर छात्राओं ने रखी बात

एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में एबीवीपी द्वारा आयोजित छात्र संसद में अपने विचार रखती मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता। ध्रुव कुमार

मुख्यमंत्री पद मिलेगा, ऐसा कभी सोचा नहीं था। मेहनत को सराहना मिलती है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मुझे बढ़ाने का काम किया। जो भावना देश के लिए जगाई, उसी की बदौलत आज कुछ नहीं से बहुत कुछ तक का सफर तय किया है। यह बात मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) की ओर से एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित छात्र संसद के दूसरे दिन के सत्र में बतौर मुख्य अतिथि कही। उन्होंने यहां देशभर से आईं छात्राओं को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि एबीवीपी मात्र छात्र संगठन नहीं, बल्कि यह नेतृत्व निर्माण की पाठशाला है। इस मंच ने मुझे दीप पकड़ाने से लेकर दीप जलाने तक की यात्रा करवाई है। प्रत्येक छात्रा को आगे बढ़ाने और नेतृत्व का पाठ पढ़ाने का कार्य एबीवीपी ने किया है और यही कारण है कि आने वाले समय में इस संगठन से केवल एक नहीं, बल्कि सैकड़ों रेखा गुप्ता तैयार होंगी। आप यहां आकर एक सीढ़ी चढ़ चुकी हैं। छात्र संसद के माध्यम से एबीवीपी एक विचार रूपी वट वृक्ष तैयार कर रही है, जिसकी छांव में राष्ट्र निर्माण की नींव रखी जाएगी। मैं यह गर्व से कह सकती हूं कि मैं एबीवीपी में रही हूं। इस मौके पर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया रहाटकर, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष प्रो. मिलिंद मराठे, सुप्रीम कोर्ट की अधिवक्ता मोनिका अरोड़ा, एबीवीपी के राष्ट्रीय मंत्री वीरेंद्र सोलंकी आदि मौजूद रहे।

छात्र संसद में छात्राओं से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई और सदन के समक्ष कई महत्वपूर्ण मांगें प्रस्तुत की गईं। छात्राओं ने शिक्षा और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए कौशल विकास पाठ्यक्रमों को लागू करने, उच्च शिक्षा में छात्राओं की बढ़ती भागीदारी को देखते हुए छात्रावासों की संख्या में बढ़ोतरी, ग्रामीण क्षेत्रों से शहरों में अध्ययन करने आने वाली छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति योजना का प्रविधान, पाठ्यक्रम में वीरांगनाओं, महिला विज्ञानियों, खिलाड़ियों और नेतृत्वशील महिलाओं के योगदान को सम्मिलित करने, महिला शोधार्थियों के लिए विशेष योजना एवं अनुदान सुनिश्चित करने आदि महत्वपूर्ण विषयों पर बल दिया गया।

आज पूर्वोतर छात्र संसद में मुख्य अतिथि होंगे केंद्रीय गृह मंत्री : एबीवीपी के राष्ट्रीय मंत्री वीरेंद्र सोलंकी ने बताया कि 11 मार्च को पूर्वोत्तर छात्र संसद का आयोजन होगा, जिसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। साथ ही पूर्वोत्तर राज्यों से छात्र प्रतिनिधि शिक्षा, संस्कृति और क्षेत्रीय विकास जैसे विषयों पर मंथन करेंगे।

'मेरे पास 10 हजार विकास कामों की सूची'

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता रविवार की रात खाटू श्याम दिल्ली धाम मंदिर पहुंचीं और वहां पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके पास 10 हजार कामों की सूची है। इन कामों के माध्यम से पूरी दिल्ली सुधारनी है। दिल्ली के लोगों के लिए बहुत सारी सुविधाएं लानी हैं, ताकि लोगों को उनका अधिकार मिल सके। इस दौरान सीएम ने हरियाणवी लहजे में कहा, चुनाव के दौरान बाबा से कहती रही, तन्ने सब बातां को बैरा स, इबकै नंबर मेरा स (तुझे सब बातों का पता है, इस बार मेरा नंबर है)। साथ ही जोड़ा कि चुनाव में बाबा से विधायक बनाने के लिए प्रार्थना कर रहीं थी। मुझे क्या पता था बाबा मुख्यमंत्री बना देंगे।

अलीपुर स्थित खाटू श्याम दिल्ली धाम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के अलावा विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता, विधायक तिलक राम गुप्ता व करनैल सिंह भी पहुंचे। मंदिर की ओर से मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष व दोनों विधायकों का अभिनंदन किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपकी बहन को बड़ी जिम्मेदारी मिली है, मेरा साथ देना होगा। बाबा की कृपा से हम लोग मिलकर समाज के काम करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि श्याम बाबा ने बड़ी कृपा की और बड़ी जिम्मेदारी दी। बाबा कराते जाएंगे, मैं करती जाऊंगी। मैंने थोड़े ही सोचा था, मुख्यमंत्री बनूंगी, बाबा ने बनाया और बाबा ही काम कराएंगे। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने भी पूजा-अर्चना की। उन्होंने श्रद्धालुओं को होली की शुभकामना दी।

लगातार सातवें वर्ष आइजीआइ एयरपोर्ट को मिला एएसक्यू अवार्ड

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट को एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चार करोड़ से अधिक यात्रियों वाले एयरपोर्ट की श्रेणी में एयरपोर्ट सर्विस क्वालिटी (एएसक्यू) एयरपोर्ट एक्सपीरियंस अवार्ड, 2024 से सम्मानित किया गया है। आइजीआइ एयरपोर्ट को लगातार सातवें वर्ष यह पुरस्कार मिला है। एयरपोर्ट काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआइ) द्वारा एएसक्यू अवार्ड्स को वैश्विक स्तर पर एयरपोर्ट के अनुभव में स्वर्ण मानक माना जाता है। इस पुरस्कार की प्रक्रिया में दुनियाभर के 400 से अधिक एयरपोर्ट भाग लेते हैं। पुरस्कार यात्रियों से व्यापक, निष्पक्ष प्रतिक्रिया पर आधारित होते हैं।

डायल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विदेह कुमार जयपुरियार का कहना है कि हमें यह सम्मान पाकर बेहद गर्व है। यह पुरस्कार यात्री अनुभव को बेहतर बनाने, परिचालन उत्कृष्टता को बढ़ाने और आइजीआइ एयरपोर्ट को दुनियाभर के यात्रियों का स्वागत करने वाले विमानन सेवा केंद्र के रूप में बढ़ावा देने की हमारी निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।

होटल या मकान मालिक को 24 घंटे में देना होगा विदेशी का पूरा विवरण

▸ दिल्ली पुलिस ने संपत्ति किराए पर देने के बावत जारी किए दिशानिर्देश

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

प्रतीकात्मक

दिल्ली पुलिस ने विदेशी नागरिकों को संपत्ति किराए पर देने के संबंध में आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसके तहत विदेशी नागरिकों के आगमन के 24 घंटे के भीतर उसका पूरा विवरण विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) कार्यालय में जाकर जमा करना अनिवार्य होगा। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त व दिल्ली पुलिस के पीआरओ संजय कुमार त्यागी के मुताबिक, कुछ अवसरों पर यह देखा गया है कि संपत्ति मालिक विदेशी नागरिकों को अपनी संपत्ति किराये पर देते समय, उसकी पूरी जानकारी एफआरआरओ से साझा नहीं करते हैं।

विदेशी नागरिक (संशोधन) आदेश, 2016 के खंड 16 व विदेशी अधिनियम की धारा 7 के प्रविधानों के अनुसार, होटल मालिक या संपत्ति मालिक को अपने परिसर में ठहरने वाले विदेशी नागरिकों के आगमन के 24 घंटे के भीतर उसकी पूरी जानकारी जैसे राष्ट्रीयता, संपर्क नंबर, यात्रा का उद्देश्य, रहने का स्थान व अवधि, वीजा आदि का विवरण एफआरआरओ में जाकर फार्म 'सी' पर या आनलाइन वेबसाइट https://indianfrro.gov.in द्वारा सूचित करना अनिवार्य है।

विदेशी नागरिक (संशोधन) अधिनियम 2016 के प्रविधानों के अनुसार, होटल मालिक या संपत्ति मालिक की ये भी जिम्मेदारी है कि विदेशी नागरिकों की जानकारी एफआरआरओ के साथ साझा करने के अलावा, निर्धारित प्रारूप (फार्म-बी) के अनुसार, एक अतिथि रजिस्टर तैयार करेंगे।

ड्रग तस्करी में मां-बाप गिरफ्तार, बेटा नेपाल बार्डर से चला रहा गैंग

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : नेब सराय थाने की टीम ने अंतरराज्यीय ड्रग तस्कर गिरोह का पर्दाफाश कर एक महिला तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से 512 ग्राम हशीश और 1,200 ग्राम मोरोकान (मारिजुआना पाउडर) से भरा एक बैग बरामद हुआ है। महिला का पूरा परिवार अंतरराज्यीय तस्करी गिरोह से जुड़ा है। गिरोह का संचालन उसका बेटा करता है, जो फिलहाल बंगाल में रहता है।

महिला ने बताया कि तस्करी मामले में मालवीय नगर थाने की टीम ने कुछ समय पहले ही उसके पति को पकड़ा था। वह हाल ही में गिरोह से जुड़ी, जिसे उसका बेटा संभालता है। बेटा वर्तमान में नेपाल सीमा के पास जलपाईगुड़ी, पश्चिम बंगाल के बीरपारा में रहता है। वह नेपाल से गांजा और हशीश खरीदकर ट्रेन के जरिये दिल्ली भेजता था। वह दिल्ली, गुरुग्राम और नोएडा के पाश इलाकों में सप्लाई करती थी। उसका बेटा ग्राहकों के लोकेशन को वाट्सएप के जरिये पोर्टर से साझा करता था।

व्यवस्था सुधार

आरक्षित कोच में सिर्फ कंफर्म टिकट वालों को ही प्रवेश की अनुमति, नई दिल्ली स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 16 से चलेंगी होली विशेष ट्रेनें

रेलवे स्टेशनों पर मिनी कंट्रोल रूम से निगरानी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

भीड़ नियंत्रण के लिए होंगे सुरक्षात्मक उपाय। प्रतीकात्मक

होली पर घर जाने वाले यात्रियों की भीड़ रेलवे स्टेशनों पर पहुंचने लगी है। महाकुंभ के बाद रेलवे प्रशासन के सामने होली की भीड़ संभालने की चुनौती है। 15 फरवरी को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ से सबक लेते हुए रेलवे प्रशासन भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यान दे रहा है। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली, आनंद विहार टर्मिनल, हजरत निजामुद्दीन, गाजियाबाद और पानीपत रेलवे स्टेशन पर मिनी कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। ट्रेन संचालन, भीड़ प्रबंधन की निगरानी करने और मिनी कंट्रोल रूम से समन्वय स्थापित करने के लिए विशेष ड्यूटी अधिकारी की तैनाती की गई है।

प्लेटफार्म पर भीड़ रोकने के लिए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन और आनंद विहार टर्मिनल पर अस्थायी प्रतीक्षालय बनाए गए हैं। ट्रेन आने के कुछ समय पहले यात्रियों को प्लेटफार्म पर जाने की अनुमति होगी। यात्रियों को अनारक्षित टिकट लेने में परेशानी न हो, इसके लिए अस्थायी प्रतीक्षालय में टिकट काउंटर की व्यवस्था की गई है। स्टेशन परिसर में आटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीन पर्याप्त संख्या में लगाए गए हैं। सिर्फ वैध टिकट के साथ ही यात्रियों को प्रवेश मिलेगा।

बड़े स्टेशनों पर अतिरिक्त टिकट चेकिंग स्टाफ की तैनाती की गई है। मिनी कंट्रोल रूम से बेहतर तालमेल के लिए टिकट चेकिंग स्टाफ और आरपीएफ जवानो को वाकी-टाकी उपलब्ध कराया गया है। भीड़ संभालने के लिए फुट ओवरब्रिज (एफओबी) और प्लेटफार्म पर पर्याप्त संख्या में आरपीएफ जवानों की तैनाती की गई है।

उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया कि सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों से आरक्षित और अनारक्षित विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। ट्रेन में चढ़ने में परेशानी न हो इसके लिए कतारें लगवाने की व्यवस्था की गई है। आरक्षित कोच में सिर्फ कंफर्म टिकट वाले यात्रियों को चढ़ने की अनुमति होगी। प्रतीक्षा सूची वाले और अनारक्षित टिकट वाले यात्रियों को आरक्षित कोच में चढ़ने से रोकने के लिए विशेष टीम बनाई गई है।

प्लेटफार्म पर प्रवेश व निकास के लिए अलग-अलग गेट निर्धारित

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सभी विशेष ट्रेनों और अधिक भीड़ वाले कुछ ट्रेनों को प्लेटफार्म नंबर 16 से चलाने का निर्णय लिया गया है। प्लेटफार्म पर प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग गेट निर्धारित किए गए हैं। प्लेटफार्म नंबर एक से 15 पर जाने वाले यात्रियों को प्लेटफार्म नंबर 16 पर बने गेट नंबर 10 से जाने की अनुमति नहीं होगी। वहीं, आरक्षित टिकट वाले यात्री प्लेटफार्म नंबर 16 पर गेट नंबर 10 से और अनारक्षित टिकट वाले यात्री गेट नंबर 12 से प्रवेश करेंगे।

नकली शराब बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़, दो लोग गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

पुलिस की गिरफ्त में महिला आरोपित व बरामद नकली शराब और उपकरण। सौजन्य : दिल्ली पुलिस

उत्तरी जिले की स्पेशल स्टाफ की टीम ने उत्तर-पूर्वी दिल्ली में नकली शराब बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ कर महिला और एक आटो चालक को गिरफ्तार किया है। गोकुलपुरी इलाके में चल रही फैक्ट्री से बड़ी संख्या में बारकोड, बोतलें, ढक्कन, डिब्बे, कैनिंग मशीन, फ्लेवर आदि के लेबल भी बरामद हुए हैं। साथ ही 242 कार्टन देशी शराब (12,045 क्वार्टर बोतलें), 1,885 लीटर स्प्रिट/केमिकल और कई टन कच्चा माल बरामद हुआ है। आरोपित महिला की पहचान गोकुलपुरी निवासी सुमन और आटो चालक पप्पू के रूप में हुई है। गिरोह एनसीआर में अवैध शराब की आपूर्ति कर रहा था।

उत्तरी जिले के उपायुक्त राजा बांठिया के मुताबिक, 24 फरवरी को स्पेशल स्टाफ की टीम को सूचना मिली कि सुमन नामक महिला नकली शराब की आपूर्ति करने उत्तरी दिल्ली के पुल मिठाई क्षेत्र में आने वाली है। पुलिस टीम ने सिग्नेचर ब्रिज के पास जाल बिछाया और मुखबिर की निशानदेही पर एक आटो चालक को चेकिंग के लिए रोका, जो केवल हरियाणा में बिक्री के लिए 20 कार्टन नकली शराब ले जा रहा था। सुमन ने बताया कि वह गोकुलपुरी निवासी वीरेंद्र यादव के लिए काम करती है, जो गोकुलपुरी में ही शराब बनाने की फैक्ट्री चलाता है।

****

16 मार्च से पांच दिवसीय दौरे पर भारत आ रहे हैं न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन, वह व्यापार और निवेश समेत प्रमुख क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए पीएम नरेन्द्र मोदी के साथ वार्ता करेंगे। पीएम के रूप में लक्सन की यह पहली भारत यात्रा होगी। वह 17 मार्च को दिल्ली में 10वें रायसीना डायलाग के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

मारीशस से रिश्तों के नए व सुनहरे अध्याय की होगी शुरुआत : मोदी

पीएम दो दिनी यात्रा पर रवाना, बोले– हिंद महासागर में अहम साझीदार

मोदी मारीशस के 57वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में विशेष अतिथि होंगे

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि 11 मार्च से शुरू दो दिवसीय उनकी आधिकारिक मारीशस यात्रा के साथ ही भारत–मारीशस द्विपक्षीय रिश्तों के नए और सुनहरे अध्याय की शुरुआत होगी। मारीशस हिंद महासागर में भारत का अहम साझीदार है। साथ ही वह अमेरिकी महाद्वीप का प्रवेश द्वार भी है।

पीएम मोदी सोमवार को आधी रात मारीशस की यात्रा के लिए निकलने से पहले जारी एक बयान में यह बात कही है। पीएम मोदी वहां मारीशस के 57वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में विशेष अतिथि के तौर पर भी हिस्सा लेंगे। मारीशस को समुद्री सीमा में एक निकट पड़ोसी बताते हुए पीएम मोदी ने कहा है कि भारत का इससे ऐतिहासिक व सांस्कृतिक संबंध रहा है। हम एक दूसरे पर पूरा भरोसा करते हैं और लोकतंत्र के प्रति विश्वास साझा करते हैं, विविधता ही हमारी शक्ति है। दोनों देशों की जनता के बीच ऐतिहासिक संबंध हैं जिस पर हमें गर्व है। हमने पिछले 10 वर्षों में आम जनता के हितों को ध्यान रखने वाली परियोजनाओं को बढ़ावा देने पर खास ध्यान दिया है।

पीएम मोदी ने विश्वास व्यक्त किया है कि उनकी इस यात्रा के दौरान मारीशस के नेताओं के साथ होने वाली वार्ताओं में साझेदारी को और मजबूत करने का मौका मिलेगा। दोनों देशों के बीच हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा की स्थिति पर भी चर्चा होगी। सनद रहे कि इसके पहले जब पीएम मोदी ने मारीशस की यात्रा की थी तब वहां हिंद प्रशांत क्षेत्र में सभी देशों को सुरक्षित बनाए रखने के लिए 'सागर' (सिक्योरिटी एंड ग्रोथ फार आल इन द रीजन) का नारा दिया था। जब से प्रशांत महासागर में चीन की आक्रामक गतिविधियां बढ़ी हैं, तब से इस छोटे से देश की अहमियत भी बढ़ गई है। भारत की सामरिक रणनीति में मारीशस का काफी महत्व है। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने शनिवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा था कि पीएम मोदी की इस यात्रा के दौरान समुद्री सुरक्षा अहम विषय होगा। भारत समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में मारीशस के साथ कई रणनीतिक हितों वाले कदम उठाना चाहता है। मारीशस के सहयोग से भारत हिंद महासागर के कुछ अहम हिस्सों पर निगरानी का तंत्र विकसित कर सकता है। भारत व मारीशस के बीच कई अहम समझौतों पर भी हस्ताक्षर होंगे। इस बीच, भारत का नौसैनिक जहाज 'इंफाल' राष्ट्रीय दिवस समारोह में शामिल होने के लिए मारीशस की राजधानी पोर्ट लुइस पहुंच गया है।

मोदी का 27 साल पुराना नाता

नई दिल्ली, एएनआइ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कोई पहली बार मारीशस नहीं जा रहे हैं। बल्कि वह 27 साल पहले भी वहां जा चुके हैं। लेकिन तब वर्ष 1998 में उनके पास कोई पद नहीं था। वह मारीशस में तब भाजपा के लिए कार्य करते हुए दिन–रात एक कर रहे थे, तब उनके पास कोई पद नहीं था। वह मोका में हुए अंतरराष्ट्रीय रामायण कांफ्रेंस में शामिल होने गए थे। तब उन्होंने भारत और मारीशस के बीच रामायण की भूमिका और भगवान राम के वैश्विक मूल्यों पर व्याख्यान दिया था। पीएम मोदी ने एक्स पर 'मोदी आर्काइव' से कुछ फोटो, वीडियो, आडियो रिकार्डिंग, पत्रों, अखबार की कतरनों और अन्य सामग्रियों को साझा करते हुए बताया कि भारत और मारीशस के बीच हिंद महासागर साझा करने के अलावा इतिहास, वंशावली, संस्कृति और भाषा का गहरा नाता है।

संसद में बोले पर्यावरण मंत्री, महाकुंभ के दौरान स्नान के उपयुक्त था गंगा का पानी

- भूपेंद्र यादव ने सदन में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ताजा रिपोर्ट का दिया हवाला
- सपा सांसद आनंद भदौरिया एवं कांग्रेस सांसद सुधाकरन के सवाल का दिया जवाब
- बोले, सरकार ने राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन को कुल 7,421 करोड़ रुपये प्रदान किए

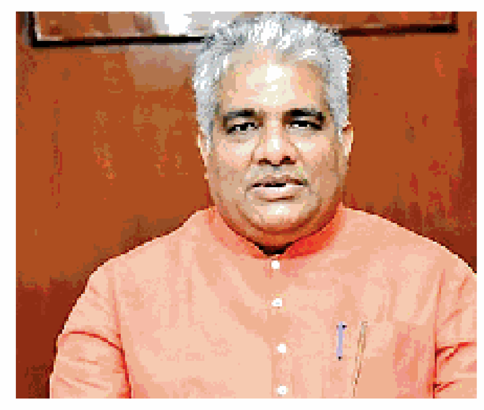

भूपेंद्र यादव। फाइल

नई दिल्ली, प्रेट्र : पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सोमवार को संसद में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की ताजा रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि हाल ही में संपन्न महाकुंभ के दौरान प्रयागराज में त्रिवेणी संगम पर गंगा का पानी स्नान के लिए बिल्कुल उपयुक्त था। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ने 2022-23, 2023-24 और 2024-25 (नौ मार्च तक) में नदी की सफाई के लिए राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) को कुल 7,421 करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। उल्लेखनीय है कि त्रिवेणी संगम वह स्थान है जहां गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों से मिलती है।

बहरहाल, समाजवादी पार्टी के सांसद आनंद भदौरिया और कांग्रेस सांसद के. सुधाकरन के सवाल के जवाब में भूपेंद्र यादव ने कहा कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, सभी निगरानी स्थलों पर पीएच, घुलित आक्सीजन (डीओ), जैव रासायनिक आक्सीजन (बीओडी) की डिमांड और फेकल कोलीफार्म (एफसी) का स्तर स्नान के लिए स्वीकार्य सीमा के भीतर था।

पीएच को रसायन विज्ञान में अम्लता या क्षारीयता भी कहा जाता है। यह 'हाइड्रोजन की क्षमता'' (पोटेंशियल आफ हाइड्रोजन) को दर्शाता है। इसका उपयोग जलीय घोल की अम्लता या क्षारीयता को बताने के लिए किया जाता है। डीओ पानी में आक्सीजन की मात्रा को दर्शाता है, बीओडी कार्बनिक पदार्थों को तोड़ने के लिए आवश्यक आक्सीजन को मापता है और एफसी सीवेज प्रदूषण का संकेतक है। ये सभी पानी की गुणवत्ता के प्रमुख संकेतक हैं।

सीपीसीबी की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि औसत फेकल कोलीफार्म (एफसी) का स्तर 1,400 एमपीएन/100 मिली था, जो 2,500 एमपीएन/100 मिली की स्वीकार्य सीमा के भीतर था। घुलित आक्सीजन (डीओ) 8.7 मिलीग्राम/लीटर दर्ज की गई, जो आवश्यक न्यूनतम पांच मिलीग्राम/लीटर से अधिक थी, जबकि जैव रासायनिक आक्सीजन (बीओडी) की मांग 2.56 मिलीग्राम/लीटर थी, जो तीन मिलीग्राम/लीटर की स्वीकार्य सीमा के भीतर थी।

उल्लेखनीय है कि तीन फरवरी की एक रिपोर्ट में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को सूचित किया था कि महाकुंभ के दौरान धार्मिक नगरी प्रयागराज में कई स्थानों पर पानी उच्च फेकल कोलीफार्म स्तरों के कारण स्नान के लिए जल गुणवत्ता मानक को पूरा नहीं करता था।

हालांकि, 28 फरवरी को राष्ट्रीय हरित अधिकरण को सौंपी गई एक नई रिपोर्ट में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने कहा कि सांख्यिकीय विश्लेषण से पता चला है कि महाकुंभ के दौरान पानी की गुणवत्ता स्नान के लिए उपयुक्त थी।

पूरक अनुदान के दूसरे चरण के तहत 51.4 हजार करोड़ की मांग

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- यूपीएस के लिए 7,000 करोड़ की मांग की गई
- रक्षा पेंशन की मद में 8,476 करोड़ का अनुरोध

चालू वित्त वर्ष 2024-25 में 6,27,044 करोड़ के अतिरिक्त व्यय के लिए सरकार ने सोमवार को पूरक अनुदान मांगों का दूसरा चरण संसद के समक्ष पेश किया। अनुदानों की पूरक मांगों के दूसरे चरण में 52 अनुदान और तीन विनियोजन शामिल हैं जिसके लिए 51,462.86 करोड़ रुपये की मांग की गई है। इसके अलावा नई सेवा या सेवा से जुड़े नए प्रविधानों के लिए प्रत्येक मद में एक लाख रुपये के हिसाब से 67 लाख रुपए का सांकेतिक प्रविधान भी मांगा जा रहा है।

पूरक अनुदान मांगों के तहत यूनिफायड पेंशन स्कीम (यूपीएस) के लिए 7,000 करोड़ की मांग की गई है। रक्षा पेंशन की मद में 8,476 करोड़ की मांग की गई है। इसके अलावा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, उर्वरक विभाग, यूरिया सब्सिडी, नागर विमानन मंत्रालय, दूरसंचार विभाग, डाक विभाग, रक्षा मंत्रालय, संस्कृति मंत्रालय व कई अन्य विभाग व मंत्रालयों के लिए पूरक मांग की गई है। खर्च के लिए संसद से मंजूर राशि के कम पड़ने पर सरकार संसद से पूरक अनुदान की मांग करती है। इन मांगों पर संसद में चर्चा होती है और फिर वित्त वर्ष के समाप्त होने से पहले इसे पारित किया जाता है। आगामी 31 मार्च को चालू वित्त वर्ष समाप्त हो जाएगा। चालू वित्त वर्ष के अंतरिम बजट में सरकार ने 44.90 लाख करोड़ रुपये के खर्च का लक्ष्य तय किया था।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की घोषणा को मंजूरी के लिए लोस में एक घंटे की बहस

- स्पीकर ओम बिरला की अध्यक्षता में लोस की कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में फैसला
- सीतारमण ने पेश किया 35,104 करोड़ रुपये खर्च के प्रविधान वाला मणिपुर का बजट

नई दिल्ली, प्रेट्र: मणिपुर में राष्ट्रपति शासन की घोषणा को मंजूरी के वैधानिक प्रस्ताव पर लोकसभा में मंगलवार को एक घंटे की चर्चा होगी। सोमवार को स्पीकर ओम बिरला की अध्यक्षता में लोकसभा की कार्यमंत्रणा समिति की बैठक में यह फैसला लिया गया।

लोकसभा में मंगलवार से केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए मणिपुर बजट पर चर्चा होगी। चर्चा को 2024-25 के लिए अनुदानों की अनुपूरक मांगों के दूसरे बैच और 2021-22 के लिए अतिरिक्त अनुदानों की मांगों पर बहस के साथ जोड़ दिया गया है। इसके लिए छह घंटे आवंटित किए गए हैं।

कार्यमंत्रणा समिति ने होली के कारण 13 मार्च को होने वाली बैठक को रद करने का भी फैसला किया है। समिति ने सिफारिश की है कि 13 मार्च की बैठक की भरपाई के लिए लोकसभा शनिवार (29 मार्च) को बैठे। इसने रेलवे पर चर्चा के लिए 10 घंटे, जल शक्ति, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालयों की अनुदानों की मांगों पर बहस के लिए एक-एक दिन आवंटित किया है। इससे पहले, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में मणिपुर का 2025-26 का बजट पेश किया। इसमें 35,103.90 करोड़ रुपये खर्च का प्रविधान है, जो चालू वित्त वर्ष में 32,656.81 करोड़ रुपये था।

सीतारमण ने बजट पेश करते हुए कहा, ''13 फरवरी, 2025 को संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत जारी उद्घोषणा के परिणामस्वरूप, मणिपुर राज्य विधानमंडल की शक्तियां संसद द्वारा या उसके अधिकार के तहत प्रयोग की जा सकती हैं।'' कुल प्राप्तियां 35,368.19 करोड़ रुपये आंकी गई हैं, जो 2024-25 में 32,471.90 करोड़ रुपये थीं। दस्तावेजों के अनुसार, मार्च 2025 को समाप्त होने वाले चालू वित्त वर्ष में पूंजीगत परिव्यय 19 प्रतिशत बढ़ाकर 7,773 करोड़ रुपये कर दिया गया है।

मणिपुर के तीन जिलों में 17 उग्रवादी गिरफ्तार : मणिपुर पुलिस ने तीन अलग-अलग जिलों से विभिन्न संगठनों के 17 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। उग्रवादियों से कार, दोपहिया वाहन व नकदी बरामद हुई है। अधिकारियों ने बताया कि इंफाल पश्चिम जिले से 13 और इंफाल पूर्वी जिले से तीन उग्रवादियों को पकड़ा गया। एक को म्यांमार की सीमा से लगे टेंग्नौपाल जिले से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए 17 उग्रवादियों में से तीन महिलाएं भी हैं। पुलिसकर्मियों ने 14 मोबाइल फोन, दो कारें, एक दोपहिया वाहन, 1.07 लाख रुपये नकद और कई आपत्तिजनक दस्तावेज भी बरामद किए हैं।

खुद को राजा समझने के 'अहंकार' के लिए स्टालिन ने की प्रधान की आलोचना

- कहा, सिर्फ यह बताएं कि वह पीएम–श्री की धनराशि जारी कर सकते हैं या नहीं

तमिलनाडु सरकार ने केंद्र की पीएम–श्री योजना लागू करने पर नहीं भरी थी हामी

चेन्नई, प्रेट्र : तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रमुक की आलोचना करने के लिए मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने धर्मेंद्र प्रधान पर कड़ा प्रहार करते हुए सोमवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्री पर खुद को राजा समझने के उनके 'अहंकार' के लिए निशाना साधा और उनसे अपनी जुबान पर नियंत्रण रखने को कहा।

पीएम–श्री योजना एवं राज्य को धनराशि के आवंटन को लेकर लोकसभा में द्रमुक सदस्यों व प्रधान के बीच गर्मा-गर्मी के मद्देनजर स्टालिन ने यह टिप्पणी की। राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू करने से इन्कार और राजनीति के लिए इस मुद्दे पर यू-टर्न के लिए प्रधान ने तमिलनाडु सरकार की आलोचना की थी। स्टालिन ने स्पष्ट किया कि तमिलनाडु सरकार ने केंद्र की पीएम–श्री योजना लागू करने पर हामी नहीं भरी थी और ऐसी स्थिति में कोई भी उन्हें इस संबंध में राजी नहीं कर सकता। मुख्यमंत्री ने इंटरनेट मीडिया पोस्ट में कहा, 'सिर्फ यह बताइए कि क्या आप वह धनराशि जारी कर सकते हैं या नहीं, जो हमसे एकत्र की गई थी और जो तमिलनाडु के छात्रों के लिए है।'

प्रधान की ओर से उन्हें लिखे गए पत्र का हवाला देते हुए, जिसमें तमिलनाडु द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति, त्रि-भाषा नीति और पीएम–श्री पर एमओयू को अस्वीकार करने की बात कही गई थी, स्टालिन ने कहा कि द्रमुक सरकार लोगों की राय का सम्मान करते हुए काम करती है, जबकि भाजपा नेता नागपुर के शब्दों से बंधे हुए हैं। उन्होंने द्रमुक सांसदों को निशाना बनाने के लिए एक शब्द का इस्तेमाल करने के लिए प्रधान की आलोचना की और कहा कि केंद्रीय मंत्री ने धनराशि जारी नहीं करके तमिलनाडु को धोखा दिया है।

कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायाधीश जी. बागची सुप्रीम कोर्ट के जज नियुक्त

- छह वर्ष से अधिक होगा जस्टिस जायमाल्या का कार्यकाल, 2031 में चीफ जस्टिस का पदभार संभालेंगे

जायमाल्या बागची। फाइल

कोलेजियम ने की थी उनके नाम की सिफारिश, कानून मंत्री ने की नियुक्ति की घोषणा

नई दिल्ली, प्रेट्र: कलकत्ता हाई कोर्ट के न्यायाधीश जायमाल्या बागची को सोमवार को सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया। देश के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले पांच सदस्यीय कोलेजियम ने छह मार्च को बागची के नाम की सिफारिश की थी। इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उनकी नियुक्ति की घोषणा कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने की।

बागची का सुप्रीम कोर्ट में कार्यकाल छह से अधिक वर्षों का होगा। इस दौरान वे भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) के रूप में भी सेवा देंगे। 25 मई, 2031 को जस्टिस केवी विश्वनाथन की सेवानिवृत्ति के बाद बागची सीजेआइ का पद संभालेंगे और दो अक्टूबर, 2031 को अपनी सेवानिवृत्ति तक इस पद पर रहेंगे। वैसे 18 जुलाई 2013 को अल्तमस कबीर के सेवानिवृत्त होने के बाद से कोई भी कलकत्ता हाई कोर्ट का न्यायाधीश भारत का मुख्य न्यायाधीश नहीं बना है।

जहां हाई कोर्ट के न्यायाधीश 62 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं, वहीं सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश 65 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्त होते हैं। तीन अक्टूबर, 1966 को जन्मे बागची को 27 जून, 2011 को कलकत्ता हाई कोर्ट में जज नियुक्त किया गया था। उन्हें चार जनवरी, 2021 को आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट स्थानांतरित किया गया था। आठ नवंबर, 2021 को उन्हें कलकत्ता हाई कोर्ट में पुनः नियुक्त किया गया। तब से वे वहां कार्यरत हैं। उन्होंने हाई कोर्ट जज के रूप में 13 से अधिक वर्षों तक सेवाएं दी हैं। बागची सुप्रीम कोर्ट में 33वें न्यायाधीश होंगे। शीर्ष अदालत में जजों की स्वीकृत संख्या 34 है।

जेएंडके और लद्दाख हाई कोर्ट को मिले तीन स्थायी जज

सोमवार को केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट में तीन स्थायी न्यायाधीशों की नियुक्ति को भी मंजूरी दी। कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने एक्स पर पोस्ट में बताया कि राष्ट्रपति ने सीजेआइ के साथ परामर्श के बाद जस्टिस वसीम सादिक नर्गल, जस्टिस राजेश सेखरी व जस्टिस मो. यूसुफ वानी को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट के स्थायी न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया है।

राहुल, प्रियंका ने लोकसभा अध्यक्ष बिरला से की मुलाकात

नई दिल्ली में सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात करते कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा। प्रेट्र

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात की। इस बैठक में क्या चर्चा हुई, इसकी फिलहाल कोई जानकारी नहीं मिल सकी। अधिकारियों ने राहुल व प्रियंका को सूचित किया था कि अध्यक्ष उनसे मिलना चाहते हैं जबकि निचले सदन यानी लोकसभा की कार्यवाही चल रही थी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पहले चुनाव आयोग द्वारा तैयार की गई मतदाता सूचियों पर चर्चा की मांग की थी, जिस पर कई राजनीतिक दलों ने सवाल उठाए थे।

केंद्र सरकार किसी भी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोप रही : प्रधान

प्रथम पृष्ठ से आगे

प्रधान ने यह भी कहा कि जिनके पास कोई तथ्य नहीं है, वह केवल हल्ला करके विषय को भ्रमित करना चाहते हैं। केंद्र किसी भी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोप रहा। तमिलनाडु सरकार ओछी राजनीति, लोगों को गुमराह और राज्य के बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ व उनके साथ अन्याय कर रही है। वह अलोकतांत्रिक है। सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर द्रमुक सदस्य कनीमोरी ने प्रधान के कठोर शब्दों पर गहरी नाराजगी जताई और कहा कि यह राज्य के लोगों का अपमान है। प्रधान ने कहा, यदि उन्हें किसी शब्द से तकलीफ हुई है, वह उसे वापस लेते हैं। बाद में स्पीकर ओम बिरला ने उन शब्दों को कार्यवाही से हटा दिया। बिरला ने द्रमुक सदस्यों के रवैये की कड़ी आलोचना की और कहा, यदि उनका रवैया ऐसा ही रहा तो उन्हें सवाल पूछने का मौका नहीं मिलेगा।

वित्त वर्ष खत्म होने में कुछ ही दिन शेष : पत्रकारों से बातचीत में प्रधान ने कहा कि छात्रों के हित में तमिलनाडु सरकार को राजनीतिक हितों से ऊपर उठना चाहिए। चालू वित्त वर्ष खत्म होने में सिर्फ कुछ दिन बाकी हैं। केंद्र को पीएम–श्री के तहत तमिलनाडु को आवंटन में कोई परेशानी नहीं है, लेकिन इसमें उनकी दिलचस्पी नहीं है। पीएम–श्री छात्रों के हित की योजना है और तमिलनाडु में निर्देशों का माध्यम सिर्फ तमिल ही रहेगा। उन्हें समझ नहीं आता कि विरोध किस बात को लेकर है। वहीं, कनीमोरी का कहना था कि केंद्र को स्कूली शिक्षा की धनराशि को एनईपी के क्रियान्वयन से नहीं जोड़ना चाहिए। उन्होंने विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाने पर विचार की बात भी कही। भाजपा के निशिकांत दुबे ने कहा कि द्रमुक एनईपी का विरोध कर रही है। वह तमिल, तेलुगु, मैथिली, संथाली व कन्नड़ का विरोध कर रही है। वह हर जगह अंग्रेजी थोपना चाहती है और भावनाएं भड़काकर चुनाव जीतना चाहती है।

नड्डा ने दिया रिफ्रेशर कोर्स का सुझाव

राज्यसभा में नेता सदन जेपी नड्डा ने बहिर्गमन के लिए विपक्ष की आलोचना की और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार संसद में किसी भी मुद्दे पर चर्चा कराने के लिए तैयार है। लेकिन किसी भी बहस के लिए कुछ नियम–कानून होते हैं। अगले 10 दिनों तक बजट पर चर्चा होगी और सभी को बोलने का मौका मिलेगा। विपक्ष का गैरजिम्मेदार व्यवहार अस्वीकार्य है। वह नेता प्रतिपक्ष समेत सभी को सुझाव देते हैं कि वे रिफ्रेशर कोर्स करें। उन्हें नियम और कानून समझने चाहिए।

रास प्रश्नोत्तर

सरकार ने राज्यसभा में दी जानकारी, बंगाल पर लगाया पूर्व सैनिकों की उपेक्षा का आरोप, पंजाब में सबसे ज्यादा 75,821 वीर नारियां, उत्तर प्रदेश में यह संख्या 72,071

देश में वीर नारियों की संख्या सात लाख से ज्यादा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

संजय सेठ। फाइल

रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने सोमवार को राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में बताया कि 31 दिसंबर, 2024 तक देश में वीर नारियों (बलिदानी सैनिकों की पत्नियों) की संख्या सात लाख 40 हजार 766 है। सरकार के अनुसार, पंजाब में सबसे ज्यादा 75,821 वीर नारियां हैं। उप्र में यह संख्या 72,071, केरल में 71,570 और बिहार में 12,558 है।

संजय सेठ से तृणमूल कांग्रेस की सागरिका घोष ने पूछा था कि वीर नारियों को दी जाने वाली मासिक सहायता में नियमित रूप से संशोधन किया जाता है या नहीं? और क्या सरकार युद्ध में बलिदान सैनिकों की पत्नियों व सशस्त्र बल कर्मियों के परिवारों के लिए कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करती है या नहीं? जवाब देने के दौरान सेठ ने बंगाल में वीर नारियों की उपेक्षा का आरोप लगाया और सागरिका को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि पूर्व सैनिकों की जिम्मेदारी राज्य और केंद्र दोनों की संयुक्त रूप से है। किंतु बंगाल के नौ जिलों में सैनिक कल्याण बोर्ड नहीं है। 2015 के बाद राज्य सैनिक बोर्ड की एक भी बैठक नहीं हुई। संजय सेठ ने सागरिका को सुझाव दिया कि राज्य सरकार की नौकरियों में भी पूर्व सैनिकों को अंधेरे में रखा जाता है। ग्रुप सी की नौकरियों में पांच प्रतिशत एवं ग्रुप डी में 10 प्रतिशत आरक्षण है। लेकिन बंगाल सरकार के विज्ञापन में इसका जिक्र नहीं किया जाता है।

संजय सेठ ने सदन को बताया कि वीर नारियों को मासिक सहायता पारिवारिक पेंशन के रूप में दी जा रही है। साथ ही वेतन आयोग की सिफारिशों और सरकार द्वारा उनकी स्वीकृति के आधार पर पारिवारिक पेंशन की समीक्षा की जाती है। समय-समय पर महंगाई राहत की भी समीक्षा होती है, जिसके परिणामस्वरूप वितरित राशि में वृद्धि की जा सकती है।

केंद्रीय मंत्री से यह भी पूछा गया कि युद्ध में बलिदान सैनिकों की पत्नियों को उनकी शैक्षणिक योग्यता के अनुसार अनुकंपा के आधार पर क्या अन्य रोजगार उपलब्ध कराया गया है? इसके जवाब में उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के लिए अधिकारी के चयन में वीर नारियों और युद्ध में बलिदान सैनिकों के आश्रितों एवं बच्चों के लिए आरक्षण की व्यवस्था है। उन्हें शार्ट सर्विस कमीशन (तकनीकी) और शार्ट सर्विस कमीशन (गैर-तकनीकी) पदों पर नियुक्ति में वरीयता दी जाती है। बलिदानी रक्षाकर्मियों की पत्नियों को भी 35 वर्ष की उम्र तक भर्ती में छूट प्रदान की जाती है। सेना कल्याण आवास संगठन ने प्रत्येक परियोजना में बलिदानी सैनिकों की पत्नियों के लिए तीन प्रतिशत कोटे का प्रविधान किया है।

देशभर की जेलों में 70 प्रतिशत कैदी विचाराधीन

नई दिल्ली, प्रेट्र: संसद की एक समिति ने यह पाया है कि देशभर की जेलों में बंद 70 प्रतिशत कैदी विचाराधीन हैं। मुचलका नहीं भरने या जुर्माना राशि अदा न कर पाने के कारण उन्हें रिहा नहीं किया जा रहा है। जेल प्रशासन ऐसे कैदियों को जेलों में रखने पर, उनकी रिहाई के लिए आवश्यक जमानत राशि से कहीं अधिक धन खर्च कर रहा है। गरीब कैदियों के लिए जुर्माना राशि के भुगतान के लिए आंध्र प्रदेश जेल विभाग द्वारा की गई पहल की तर्ज पर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एक कोष बनाया जाना चाहिए। गृह मामलों पर संसद की स्थायी समिति द्वारा राज्यसभा में पेश की गई रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ड्रग्स का पता लगाने के लिए जेलों के प्रत्येक प्रवेश द्वार पर निगरानी प्रौद्योगिकी का उपयोग किया जाना चाहिए। समिति ने पाया कि जेल के अंदर मोबाइल फोन आदि का प्रयोग कैदियों द्वारा जेल के बाहर आपराधिक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए किया जाता है। कैदियों के पास फोन होने से जेल के अंदर गिरोहों के बीच झड़पें भी हो सकती हैं।

****

कह कर रहेंगे
माधव जोशी

15 करोड़ रुपये से ज्यादा है अभिनेत्री रान्या राव से जब्त सोने । रान्या कर्नाटक के डीजीपी रैंक के अधिकारी रामचंद्र राव की सौतेली बेटी है।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार 11 मार्च, 2025

कर्नाटक में अभिनेत्री रान्या से जुड़े सोना तस्करी मामले में राजनीतिक घमासान

एक दूसरे पर मामले को दबाने का आरोप लगा रही कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी

रान्या को बचाने में एक प्रभावशाली मंत्री की संलिप्तता का भी आरोप

रान्या राव

बेंगलुरु, प्रेट्र : कन्नड़ फिल्मों की अभिनेत्री रान्या राव की सोना तस्करी मामले में कथित संलिप्तता को लेकर कर्नाटक में राजनीतिक राजनीतिक घमासान शुरू हो गया है। सत्तारूढ़ कांग्रेस और विपक्षी भाजपा एक दूसरे पर पक्षपात और मामले को दबाने का आरोप लगा रही है। भाजपा ने रान्या को बचाने में प्रभावशाली मंत्री की संलिप्तता का आरोप लगाया है जबकि कांग्रेस ने कहा कि भाजपा जब सत्ता में थी तो उसने स्टील फैक्ट्री के लिए रान्या को 12 एकड़ जमीन आवंटित की थी।

रान्या को तीन मार्च को सोने की तस्करी करते हुए बेंगलुरु अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उस समय गिरफ्तार किया गया था जब वह दुबई से बेंगलुरु पहुंची थी। उसके पास से जब्त सोने की कीमत लगभग 12.56 करोड़ रुपये है। रान्या कर्नाटक के डीजीपी रैंक के अधिकारी रामचंद्र राव की सौतेली बेटी है। रामचंद्र कर्नाटक राज्य पुलिस आवास और बुनियादी ढांचा विकास निगम लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हैं।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीवाई. विजयेंद्र ने एक्स पर पोस्ट किया, हाल के दिनों में सबसे बड़ी सोने की तस्करी में सिद्दरमैया सरकार के प्रमुख मंत्री की संलिप्तता को लेकर मीडिया में आई खबरों पर आश्चर्य की बात नहीं है! सरकारी प्रोटोकाल का घोर उल्लंघन, जिसके कारण रान्या को सोने की तस्करी में सफलता मिली। सरकार के भीतर प्रभावशाली व्यक्तियों के प्रत्यक्ष समर्थन के बिना यह संभव नहीं हो सकता। मध्यम एवं भारी उद्योग मंत्री एमबी. पाटिल ने पलटवार करते हुए कहा कि जब भाजपा सत्ता में थी, तो उसने स्टील संयंत्र स्थापित करने के लिए रान्या की कंपनी को तुमकुरु में 12 एकड़ जमीन आवंटित की थी।

विधानसभा में भी उठा मुद्दा : कर्नाटक विधानसभा में भी सोमवार को यह मामला उठाया गया। भाजपा विधायक सुनील कुमार ने शून्यकाल के दौरान सोना तस्करी मामले और इसमें कर्नाटक के मंत्रियों की कथित संलिप्तता की खबरों पर सवाल उठाए। इसके जवाब में राज्य के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा कि कर्नाटक सरकार को रान्या से जुड़े सोना तस्करी मामले की कोई जानकारी नहीं है क्योंकि मामले की जांच कर रहे राजस्व खुफिया निदेशालय और सीबीआइ से सरकार का कोई संपर्क नहीं हुआ है।

मंत्री ने कहा कि अभिनेत्री के सौतेले पिता डीजीपी रैंक के अधिकारी हैं। आरोप हैं कि उन्होंने रान्या की मदद की और पुलिस ने भी उसकी मदद की। सीबीआइ जांच कर रही है। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने भी पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाया।

तस्करी रैकेट के सरगनाओं में से एक है रान्या : डीआरआइ

आइएएनएस ने सूत्रों के हवाले से बताया कि डीआरआइ ने अदालत को बताया कि पता चला है कि 12.56 करोड़ रुपये मूल्य का सोना तस्करी किया गया है। रान्या सोना तस्करी रैकेट के सरगनाओं में से एक है। जांच की जा रही है कि रान्या ने सोने की तस्करी में पुलिस प्रोटोकाल का दुरुपयोग कैसे किया। सुनवाई के बाद विशेष अदालत ने रान्या को 24 मार्च तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। रान्या तीन दिनों से डीआरआइ की हिरासत में थी।

सूत्रों ने बताया कि डीआरआइ के अधिकारियों को वर्तमान और पूर्व मंत्रियों के नंबर मिले हैं और वह प्रभावशाली लोगों के संपर्क में थी। उसके मोबाइल में शीर्ष स्तर के अधिकारियों के नंबर भी मिले हैं। अधिकारियों ने रान्या का लैपटाप भी जब्त कर लिया है।

एक और आरोपित गिरफ्तार : राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआइ) ने रान्या से जुड़े सो ना तस्करी मामले में होटल कारोबारी के बेटे तरुण राजू को गिरफ्तार किया है। आरोपित तरुण को सोमवार को आर्थिक अपराध न्यायालय में पेश किया गया। अदालत ने उसे पांच दिनों के लिए डीआरआइ की हिरासत में भेज दिया। पता चला है कि तरुण रान्या का दोस्त है। तरुण पर रान्या राव के साथ कई बार दुबई जाने का भी आरोप है।

हिमाचल की खराब वित्तीय हालत के लिए केंद्र जिम्मेदार : राज्यपाल

राज्य ब्यूरो, जागरण ● शिमला : राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने सोमवार को कहा है कि हिमाचल प्रदेश की खराब वित्तीय हालत के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार है। शिमला स्थित हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन अभिभाषण में उन्होंने कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू होने से हिमाचल को सर्वाधिक नुकसान हुआ है। राजस्व घाटा अनुदान में कमी ने राज्य की वित्तीय स्थिति को अधिक प्रतिकूल बनाया है। एक घंटा 27 मिनट व 21 सेकंड के अभिभाषण में उन्होंने सरकार की उपलब्धियों को गिनाया।

ज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि दुर्गम पहाड़ी प्रदेश होने के कारण हिमाचल के पास आय के पर्याप्त संसाधन नहीं हैं। जीएसटी लागू होने के बाद राज्य की केंद्र पर निर्भरता बढ़ी है क्योंकि राज्य द्वारा लगाए जाने वाले अधिकांश टैक्स जीएसटी में समाहित हो गए हैं।

ज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने कहा कि इसकी भरपाई केंद्र ने जीएसटी मुआवजे के रूप में पांच वर्ष तक ही की। यह व्यवस्था जुलाई 2022 से बंद है। 15वें वित्तायोग में वित्त वर्ष 2020-21 के लिए अंतरिम रिपोर्ट में 11,431 करोड़ रुपये का राजस्व घाटा अनुदान अनुशंसित किया था। वित्तायोग के अंतिम वित्त वर्ष 2025-26 में यह मात्र 3257 करोड़ रुपये रह जाएगा।

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में कठुआ की हत्याओं की गूंज

जागरण टीम, जम्मू/कठुआ

- भाजपा ने जताया कड़ा विरोध, हत्यारों को मार गिराने की मांग, तीनों का अंतिम संस्कार हुआ
- दूसरे दिन भी जिलेभर में धरने-प्रदर्शन जारी, लोगों ने कहा-यह आतंकी वारदात

उमर अब्दुल्ला

दो दिन पहले किशोर सहित तीन लोगों की हत्या की गूंज सोमवार को कठुआ से लेकर जम्मू-कश्मीर विधानसभा तक सुनाई दी। विधानसभा में भाजपा ने हत्याओं का कड़ा विरोध जताया और हत्यारों को मार गिराने की मांग की। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की मौजूदगी में इन हत्याओं के मुद्दे पर विपक्ष और सत्ता पक्ष के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। इस बीच, कठुआ के पहाड़ी क्षेत्र बिलावर में गम और गुस्से के बीच तीनों का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

कठुआ में लगातार दूसरे दिन भी हत्याओं के विरोध में धरने-प्रदर्शन जारी रहे। वहीं, सुरक्षाबलों का कठुआ के पहाड़ी क्षेत्रों में तलाशी अभियान भी जारी रहा। इस दौरान पुलिस व सुरक्षाबलों को हत्या वाले स्थल के पास एक बैग मिला है, जिसमें घरेलू प्रयोग का सामान कपड़े बरामद हुए हैं। समीक्षा करने के लिए डीआइजी (जम्मू-सांबा-कठुआ रेंज) शिवकुमार शर्मा ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक कर उन्हें जनता के साथ बेहतर संबंध स्थापित करने के निर्देश दिए।

बता दें कि कठुआ के बिलावर में पांच मार्च को बरात में जाते समय फौजी दूल्हे के भाई योगेश, चाचा दर्शन सिंह और 14 वर्षीय भांजा वरुण लापता हो गए थे। आठ मार्च को तीनों के शव नाले से मिले थे।

सदन की कार्यवाही शुरू होते ही भाजपा सदस्यों ने कठुआ में हुई हत्याओं का मुद्दा उठाया। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी भाजपा को निशाना बनाते हुए इस मुद्दे पर सियासत करने का आरोप लगाया। उमर ने पुलिस पर निशाना साधा और कहा कि विपक्ष के नेता को बिलावर जाने की अनुमति दे दी गई जबकि उपमुख्यमंत्री को स्थिति नाजुक होने का हवाला देकर बिलावर जाने से रोका गया।

केरल के मीनाचिल में चार सौ लड़कियां 'लव जिहाद' की शिकार!

- भाजपा नेता पीसी जार्ज का दावा, ईसाई समुदाय से लड़कियों की जल्द शादी की अपील, कहा-बेटियों को सुरक्षित रखने के लिए 22-23 की उम्र तक शादी कर देने की नसीहत

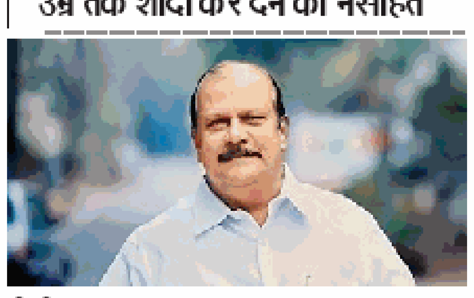

पीसी जार्ज

कोट्टयम, प्रेट्र : नफरत भरे भाषण देने के मामले में जमानत पर बाहर आए भाजपा नेता पीसी जार्ज ने केरल में ईसाई समुदाय के लोगों से आग्रह किया है कि वह अपनी बेटियों का ब्याह हर हाल में उनके 24 साल के होने तक कर दें। भाजपा नेता जार्ज का दावा है कि राज्य के अकेले मीनाचिल तालुक में ही अब तक 400 से अधिक लड़कियां 'लव जिहाद' का शिकार हो चुकी हैं।

जार्ज ने अपने विवादास्पद बयान में विगत रविवार को पाला में आयोजित एक विशेष सम्मेलन में कहा कि कोट्टयम जिले के मीनाचिल तालुक से गायब होने वाली लड़कियों में केवल 41 लड़कियों की ही वापसी हो पाई है। यहां तक कि इसी शनिवार (आठ मार्च) को एक लड़की घर से जा चुकी है। वह रात 9.30 बजे घर से गई थी और उसकी तलाश अब तक जारी है। भाजपा नेता ने कहा कि वह पूछना चाहते हैं कि अपनी बेटी को 25 बरस की उम्र तक अविवाहित रखने के लिए क्या उनके पिता को दंडित नहीं करना चाहिए? अब इस विषय पर चर्चा किए जाने की आवश्यकता है। जार्ज ने कहा कि एक लड़की का विवाह 22 या 23 की उम्र तक कर दिया जाना चाहिए। अगर उसकी उम्र 28-29 हो जाती है तो वह कमाने लगती है और वह शादी नहीं करती। उसका परिवार भी उसकी आय का हिस्सेदार बन जाता है। यहीं से समस्या शुरू होती है। इसलिए अपने बेटियों को मुसलमानों के 'लव जिहाद' के चंगुल से बचाने के लिए उनकी समय रहते शादी कर दें। उल्लेखनीय है कि ईसाई बहुल मीनाचिल तालुक सीरियन कैथोलिक आबादी के प्रभुत्व वाला है।

बिहार में इस बार होली के पहले रंगों के बदले बयानों की हो रही बौछार

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

- भाजपा विधायक बचौल के बयान पर गरम हुई राजनीति
- होली और जुमे की नमाज पर हो रही तकरार
- तेजस्वी ने कहा, भाजपा विधायक की हो गिरफ्तारी

तेजस्वी यादव। फाइल

बिहार में इस बार होली के पहले रंगों के बदले बयानों की बौछार शुरू हो गई है। होली शुक्रवार को है। उस दिन मुस्लिम समाज के लोग विशेष नमाज पढ़ते हैं। भाजपा विधायक हरिभूषण ठाकुर बचौल ने सोमवार को कह दिया- होली का पर्व वर्ष में एक बार आता है। मुस्लिम भाइयों से आग्रह है कि उन्हें रंगों से आपत्ति है तो उस दिन वे घर पर ही रहें। यदि कोई रंग डाल दे तो उसका बुरा नहीं मानें। इससे माहौल खराब होता है। बता दें, इस समय उप्र के संभल में सीओ अनुज चौधरी ने अपने उस बयान से सियासत गर्मा दी, जिसमें उन्होंने कहा था कि जिन्हें रंगों के परेशानी हो वे होली के दिन घर से न नकिलें।

बचौल के बयान पर विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा है कि घृणा फैलाने के आरोप में बचौल की गिरफ्तारी होनी चाहिए। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बचौल को बुलाकर डांटें। तेजस्वी ने कहा कि सत्ता मिले न मिले, जब तक राजद है, लालू प्रसाद की विचारधारा है, वे किसी को गंगा-जमुनी संस्कृति के विरुद्ध काम करने की अनुमति नहीं देंगे। अगर जरूरत पड़ी तो एक मुस्लिम की सुरक्षा के लिए पांच-छह हिन्दू सामने आएंगे। उन्होंने यहां तक पूछा कि क्या बिहार बचौल के पिता के बाप का है? पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने कहा कि किसी में हिम्मत नहीं जो मुसलमानों को भगा सके। बिहार की जनता भाजपा और प्रधानमंत्री को बिहार से और देश से भी भगाएगी। पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव और राजद के दूसरे विधायकों ने भी कहा कि ये दंगा कराने और भाईचारा में खलल डालने वाले लोग हैं। राजद के जो मुस्लिम नेता हैं वे जुमा के दिन मस्जिद में नमाज अदा करेंगे।

भाजपा विधायक और राजद के बीच होली और जुमा पर छिड़ी लड़ाई के बीच राज्य सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि बिहार में सभी धर्मों के लोग प्रेम और भाईचारा के साथ रहते हैं। यदि किसी ने इसके विरुद्ध काम करने की कोशिश की तो कानूनी कार्रवाई होगी। इसके खिलाफ किसी ने काम करने की कोशिश की तो कानून उसके खिलाफ काम करेगा। यहां कानून का राज स्थापित है। श्रवण जदयू कोटा के मंत्री हैं।

गुलमर्ग फैशन शो पर उमर बोले-सरकार की इसमें भूमिका नहीं

राज्य ब्यूरो, जागरण ● जम्मू

गुलमर्ग फैशन शो को लेकर उठा विवाद सोमवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा में भी गूंजा। इस पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को कहा कि उनकी सरकार रमजान माह ही नहीं, साल के किसी भी महीने में इस तरह के आयोजन की अनुमति नहीं देती। इसके पहले पीडीपी विधायकों ने इस मामले को सदन में उठाते जांच कराने की मांग की। पीडीपी विधायकों ने कहा कि शो की इजाजत देने वालों के विरुद्ध कार्रवाई हो। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि गुलमर्ग में आयोजित फैशन शो में सरकार की कोई भूमिका नहीं थी। सरकार ने इसकी कोई अनुमति नहीं दी है। यह पूरी तरह से निजी समारोह था फिर भी हमने जांच के आदेश दिए हैं। इसमें कानून का उल्लंघन हुआ होगा तो सख्त कार्रवाई होगी। गुलमर्ग में यह फैशन शो सात मार्च को हुआ था। पीडीपी समेत नेकां के कुछ विधायकों ने विधानसभा में कहा कि शो की इजाजत देने वालों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। इसके जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि गुलमर्ग में फैशन शो में कई विधायकों में नाराजगी सही है। हमने जांच के आदेश दिए हैं ताकि तथ्य सामने आएं। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जानकारी में पता चला है कि एक निजी पार्टी ने चार दिन का शो एक निजी होटल में किया। कुछ ऐसी बातें हैं कि जिससे लोगों के जज्बात को ठेस पहुंची है। लोग गलत नहीं हैं।

झूठ बोल रहे सीएम : सुनील

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष सुनील शर्मा ने मुख्यमंत्री उमर की आलोचना करते हुए कहा कि गुलमर्ग में फैशन शो के मामले में मुख्यमंत्री झूठ बोल रहे हैं। पत्रकारों के बातचीत करते हुए शर्मा ने कहा कि यह कैसे संभव है कि इतना बड़ा कार्यक्रम आपके रिश्तेदारों के होटल में हो गया। मुख्यमंत्री को सच कबूल करना चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि एक्साइज विभाग में इसके लिए छोटी अवधि का लाइसेंस दिया था।

विरोध के भय से रात के अंधेरे में जत्थेदार की ताजपोशी

जागरण टीम, अमृतसर

- रात्रि 2.50 बजे ही तख्त श्री केसगढ़ साहिब के जत्थेदार की सेवा संभाली
- नए जत्थेदार को संस्थाओं के प्रमुख सिरोपा भेंट करके देते हैं मान्यता

तख्त श्री केसगढ़ साहिब के नवनियुक्त जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज को दस्तार भेंट कर ताजपोशी करते पांच प्यारे। जागरण

विरोध की आशंका को देखते हुए तख्त श्री केसगढ़ साहिब का जत्थेदार नियुक्त किए गए ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज की ताजपोशी सोमवार सुबह दस बजे के स्थान पर रविवार रात्रि 2:50 बजे कर दी गई। उन्होंने दोपहर बाद चार बजे श्री अकाल तख्त साहिब के कार्यकारी जत्थेदार के रूप में सेवा संभाली। एसजीपीसी ने गत दिवस प्रेस नोट जारी कर ताजपोशी समारोह का समय सोमवार सुबह 10 बजे बताया था।

मालूम हो कि शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) कार्यकारिणी के आदेश पर जत्थेदार रघबीर सिंह को हटाकर ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज को श्री अकाल तख्त साहिब का कार्यकारी जत्थेदार व तख्त श्री केसगढ़ साहिब का जत्थेदार नियुक्त किया गया था। एसजीपीसी के इस फैसले का विरोध हो रहा था। निहंग शिरोमणि अकाली बुड्डा दल के प्रमुख बाबा बलबीर सिंह ने गत दिवस इन नियुक्तियों को मान्यता प्रदान नहीं करते हुए एवं जत्थेदारों को हटाने के लिए ताजपोशी समारोह नहीं होने देने की घोषणा की थी। निहंग सिंहों के अलावा दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, पटना साहिब कमेटी, चीफ खालसा दीवान व अन्य संगठनों ने भी ताजपोशी समारोह का बायकाट किया। उल्लेखनीय है कि जब भी किसी नए जत्थेदार की ताजपोशी होती है तो सिख संस्थाओं के प्रमुख आकर उन्हें सिरोपा भेंट करते हैं जिसका मतबल कौम की तरफ से जत्थेदार के रूप में मान्यता देना होता है।

तख्त श्री केसगढ़ साहिब में सेवा संभालने पर एसजीपीसी सचिव प्रताप सिंह, मैनेजर मलकीत सिंह व तख्त के स्थानीय प्रबंधकों ने ज्ञानी कुलदीप सिंह को दस्तारें भेंट की। इस दौरान चीफ गुरुद्वारा इंस्पेक्टर जगदीश सिंह, तख्त साहिब के मैनेजर हरदेव सिंह, एसजीपीसी के उपसचिव गुरचरण सिंह ही उपस्थित थे। एसजीपीसी के सूचना विभाग ने ज्ञानी कुलदीप सिंह की तख्त श्री केसगढ़ साहिब में सेवा संभालने की जानकारी की प्रेस रिलीज सुबह 6:19 बजे तथा सेवा संभालने के चित्र सुबह 6:05 बजे जारी कर दिए। प्रेस रिलीज में केवल उपस्थित अधिकारियों के नाम हैं, संप्रदायों, संस्थाओं व गणमान्य धार्मिक नेताओं के नाम नहीं हैं। उधर, गत 11 वर्षों से श्री हरिमंदिर साहिब स्थित मंजी साहिब में कथा करने वाले एमए पास ज्ञानी कुलदीप सिंह की श्री अकाल तख्त साहिब पर ताजपोशी पांच प्यारों ने दस्तार भेंट करके की।

पदभार संभालते ही जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह ने स्पष्ट किया कि उन्होंने तख्त श्री केसगढ़ साहिब की सेवा गुपचुप तरीके से अंधेरे में नहीं बल्कि श्री गुरु ग्रंथ साहिब की हजूरी में अमृतवेला में सेवा संभाली है।

हिमाचल में मंदिरों के पैसे पर छिड़ा राजनीतिक घमासान

राज्य ब्यूरो, जागरण ● शिमला

- मुख्यमंत्री सुक्खू बोले भाजपा करें तो पुण्य, हम करें तो पाप
- नेता प्रतिपक्ष जयराम ने कहा-वेतन देने लायक पैसे नहीं छोड़े

हिमाचल प्रदेश में मंदिरों के पैसे पर राजनीतिक घमासान छिड़ गया है। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर के आरोपों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि पूर्व जयराम सरकार ने 28 करोड़ रुपये मंदिरों से अपनी योजनाएं चलाने को लिए। स्वयं करें तो पुण्य और हम करें तो पाप।

सुक्खू ने कहा कि मंदिरों से पैसा लेने का कोई नियम नहीं है। उपायुक्त को इसकी शक्तियां होती हैं। इस पैसे को सड़क और रास्ते जैसे काम पर भी खर्च किया जाता है। उन्होंने कहा कि मंदिरों का पैसा सरकारी कोष में नहीं आता। मंदिरों के पैसे देने की एसओपी बनी होती है। इसलिए उन्होंने जयराम को हर चीज को राजनीति से नहीं जोड़ने की सलाह दी।

इससे पहले जयराम ठाकुर ने कहा कि हणोगी माता मंदिर के कर्मचारियों को पांच-छह माह से वेतन तक नहीं दिया गया, लेकिन मंदिर में जमा पांच लाख रुपये ट्रांसफर करके सुख आश्रय योजना के लिए दे दिए गए। उन्होंने कहा कि गाय को हम मां कहते हैं। गाय सड़क पर नहीं गोसदन में होनी चाहिए। इसलिए पूर्व सरकार ने गाय के लिए गोशालाएं बनाईं। तब पूर्व सरकार ने मंदिरों का 15 प्रतिशत बजट गोशाला को देने का प्रविधान किया। मगर कांग्रेस सरकार ने अपनी योजनाओं के लिए मंदिरों से पैसा मांगा है।

उन्होंने कांग्रेस सरकार को सनातन विरोधी बताते हुए सरकार के इस फैसले की निंदा की। उन्होंने कहा कि हमने सिर्फ 15 प्रतिशत बजट मांगा था, लेकिन मौजूदा सरकार सारे का सारा पैसा मंदिरों से मांग रही है।

नीतेश राणे ने झटका मीट विक्रेताओं के लिए शुरू कराया मल्हार प्रमाणपत्र

राज्य ब्यूरो, मुंबई : झटका मीट पसंद करने वाले हिंदू-सिख समुदाय की सुविधा के लिए महाराष्ट्र के मंत्री नीतेश राणे ने 'मल्हारसर्टिफिकेशन डाट काम' की शुरुआत की है। इस पहल के अंतर्गत हिंदू मीट विक्रेता खटिक समाज को संगठित कर उन्हें अपनी दुकान पर लगाने के लिए मल्हार प्रमाणपत्र दिया जाएगा। राणे का यह प्रयास मुस्लिम समाज में प्रचलित 'हलाल सर्टिफिकेट' का जवाब माना जा रहा है। महाराष्ट्र के मछली पालन एवं बंदरगाह मंत्री नीतेश राणे ने सोमवार को अपने एक्स एकाउंट पर लिखा कि मैंने महाराष्ट्र के हिंदू समाज के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। उनके लिए 'मल्हारसर्टिफिकेशन डाट काम' की शुरुआत की गई है। मल्हार सर्टिफिकेट के माध्यम से आपको आपके पसंद की मीट की दुकान उपलब्ध होगी। इससे हिंदू समाज मजबूत होगा और इसे बेचने वाला व्यक्ति हिंदू होगा। किसी प्रकार की मिलावट भी नहीं की जा सकेगी।

राष्ट्रीय फलक

'रोहित शर्मा से माफी मांगें राहुल और खरगे'

राज्य ब्यूरो, जागरण ● लखनऊ : आइसीसी चैंपियंस ट्राफी में भारत की जीत के बाद उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस पर हमला बोला। प्रतियोगिता के दौरान कांग्रेस प्रवक्ता ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा को लेकर विवादास्पद टिप्पणी की थी। फाइनल मुकाबले में शर्मा के शानदार प्रदर्शन पर उपमुख्यमंत्री ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी सांसद राहुल गांधी से नैतिकता के आधार पर उनसे माफी मांगने की मांग की।

पिछले दिनों चैंपियंस ट्राफी के दौरान कांग्रेस की प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने एक्स पर लिखा था कि रोहित शर्मा को अपना वजन कम करने की जरूरत है। उनको भारत का सबसे खराब कप्तान भी करार दिया था। हालांकि, विवाद खड़ा होने और आलोचना के बाद उन्होंने पोस्ट को हटा दिया था।

डुप्लीकेट ईपिक नंबर में से ज्यादातर 2013 के पहले के बने

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- आयोग ने 25 साल पुरानी बताई है समस्या, 2000 से हुई थी शुरूआत

मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपिक) के नंबरों से जुड़ी गड़बड़ियां जगजाहिर हैं। चुनाव आयोग भी इस गलती को स्वीकार कर चुका है। बावजूद इसके कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस सहित दूसरे विपक्षी दल इस मुद्दे को लेकर संसद में सरकार को ऐसे घेरने में जुटे हैं, जैसे ईपिक नंबरों की यह गड़बड़ी उसने ही कराई है। हालांकि इस बीच ईपिक नंबरों को लेकर जो चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि तृणमूल कांग्रेस ने जिन नकली ईपिक नंबरों को लेकर चुनाव आयोग से शिकायत की थी, उनमें से पड़ताल में बड़ी संख्या में ईपिक वर्ष 2008 से 2013 के बीच बने हुए हैं।

सूत्रों के मुताबिक आयोग ने इन डुप्लीकेट ईपिक नंबरों को लेकर तृणमूल कांग्रेस की शिकायत को गंभीरता से लेते हुए इसकी जांच के आदेश दिए थे। इस बीच एक ही नंबर वाले बंगाल और हरियाणा के जो भी ईपिक तृणमूल कांग्रेस ने मुहैया कराए थे, पता चला है कि इनमें से बड़ी संख्या में ईपिक वर्ष 2008 से 2013 के बीच के बने हुए हैं। इस दौरान कुछ उदाहरण भी दिए गए हैं, जैसे शिकायत में क्रम संख्या 62 और 82 के सामने के जो ईपिक दिए गए हैं, वे भी उसी दौरान के बने हुए हैं। गौरतलब है कि आयोग पहले से साफ कर चुका है कि ईपिक नंबरों की यह गडबड़ी 2000 से शुरू हुई है। यह कई राज्यों की ओर से एक जैसे ईपिक सीरियल नंबरों के अपनाए जाने से पैदा हुई है।

मुंबई में एमजीएल गैस पाइपलाइन में आग लगने से घायल युवक की मौत

मिड डे, मुंबई : मुंबई के अंधेरी ईस्ट क्षेत्र में एमजीएल गैस पाइपलाइन में आग लगने से घायल 22 वर्षीय मोटरसाइकिल सवार की सोमवार को मौत हो गई। यह आग इतनी भयावह थी कि इसकी लपटें लगभग 40 फीट ऊपर तक उठ रही थीं। इस घटना के बाद आसपास के क्षेत्रों में दहशत फैल गई थी। यह आग अंधेरी ईस्ट में शेयर-ए-पंजाब सोसायटी के पास रविवार देर रात जेसीबी से सड़क निर्माण कार्य के दौरान सड़क के नीचे पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से लगी थी।

इस घटना में अमन हरिशंकर सरोज, अरविंद कुमार कैथल और एक अन्य बुरी तरह से झुलस गए थे। इन्हें जोगेश्वरी के बालासाहेब ठाकरे ट्रामा केयर सेंटर ले जाया गया था, जहां से बाद में कैथल और सरोज नवी मुंबई के एयरपोली में नेशनल बर्न्स सेंटर में भर्ती हो गए थे।

****

'छात्रों के लिए भावनात्मक सपोर्ट को कम नहीं आंका जा सकता'

विनीत त्रिपाठी ● जागरण

- हत्या के मामले में आरोपित की अंतरिम जमानत को बरकरार रखते हुए की टिप्पणी, बेटे की 12वीं की बोर्ड परीक्षा के लिए मिली अंतरिम जमानत को दी गई थी चुनौती

नई दिल्ली : हत्या के मामले में एक आरोपित को ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई अंतरिम जमानत को दिल्ली हाई कोर्ट ने यह कहते हुए बरकरार रखा है कि छात्र पर बोर्ड परीक्षा का अत्यधिक दबाव रहता है और इस दौरान पिता से मिलने वाले भावनात्मक सपोर्ट को कम नहीं आंका जा सकता है। अदालत ने कहा कि मामले में आरोप पत्र दाखिल हो चुका है और मृतक की विसरा रिपोर्ट नहीं आने के कारण अभी आरोप नहीं तय हुए हैं। ऐसे में आरोपित को अंतरिम जमानत को रद करने का कोई आधार नहीं है।

न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा की पीठ ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि जहां तक शिकायतकर्ता का गवाहों को धमकाने या सुबूतों से छेड़छाड़ करने का तर्क है, उसे अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वारा लगाई गई जमानत शर्तों से रोक जा सकता है। अदालत ने दर्ज किया कि आरोपित ने बेटे की 12वीं की बोर्ड परीक्षा के आधार पर अंतरिम जमानत की मांग की थी। शिकायतकर्ता मीनू सलूजा ने 17 फरवरी को आरोपित को सात मार्च से 27 मार्च तक के लिए अंतरिम जमानत देने के आदेश को चुनौती दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके 71 वर्षीय पिता की आरोपित ने निर्मम हत्या की थी। मीनू ने कहा कि उनके पिता को दुकान में बंधक बनाकर आरोपित ने एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगी थी।

यूएपीए के प्रविधानों को चुनौती देने वाली याचिका पर केंद्र से मांगा जवाब

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) (यूएपीए) अधिनियम के कुछ प्रविधानों को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार को जवाब देने का निर्देश दिया है। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय व न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी करते हुए सुनवाई मई के लिए स्थगित कर दी।

फाउंडेशन फार मीडिया प्रोफेशनल्स और एसोसिएशन फार प्रोटेक्शन आफ सिविल राइट्स (एपीसीआर) की ओर से दायर अलग-अलग याचिकाओं में यूएपीए के उन प्रविधानों को चुनौती दी गई जो गैरकानूनी घोषित संगठनों की सदस्यता को आपराधिक बनाती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने एपीसीआर की याचिकाओं को चार फरवरी को हाई कोर्ट को स्थानांतरित कर दिया था।

160 करोड़ रुपए की आमदनी हुई है प्रयागराज मंडल में रेलवे को यात्री परिवहन से महाकुंभ 2025 के दौरान। कुंभ-2019 के दौरान प्रयागराज मंडल को 86.65 करोड़ रुपये की आय हुई थी।

बिहार में तनिष्क शोरूम से 25 करोड़ के आभूषण लूटे, मुठभेड़ में दो बदमाश घायल

दुस्साहस ▸ दो थैलों में भरे आभूषण, दो देसी पिस्टल और 10 कारतूस बरामद, बाइक जब्त

अन्य चार की गिरफ्तारी को छापेमारी, आभूषण भरा एक थैला उन्हीं के पास

जागरण संवाददाता, आरा

बिहार के भोजपुर जिले में आरा शहर के बाजार शीशमहल चौक स्थित तनिष्क शोरूम में सोमवार की सुबह छह अपराधियों ने हथियार के बल पर लूट की बड़ी घटना को अंजाम दिया। सोना-चांदी एवं हीरे जड़ित लगभग 25 करोड़ रुपये मूल्य के आभूषण बटोर लिए। लूट के दौरान अपराधियों ने सेल्समैन रोहित मिश्रा के साथ मारपीट की एवं शोरूम में तैनात निजी सुरक्षाकर्मी मनोज ठाकुर की लाइसेंसी बंदूक भी छीन ली। अपराधियों ने शोरूम में दो-दो करके घुसने और आभूषण लूट के भागने में कुल 22 मिनट का समय लगाया। सूचना पर एसपी राज ने जिले से बाहर निकलने वाले सभी रास्तों की नाकेबंदी करा दी। लूट के लगभग डेढ़ घंटे बाद 12:30 बजे आरा शहर से लगभग 25 किमी दूर बबुरा छोटी पुल के पास लूटपाट कर भाग रहे

तनिष्क शोरूम में लूटपाट के दौरान पिस्तौल के बल पर गार्ड को घुटने के बल र बैठाते एवं दूसरे गार्ड पर पिस्तौल ताने अपराधियों का सीसीटीवी फुटेज, दूसरे हाथ में छीना गया लाइसेंसी बंदूक। सौ वीडियो लैब

अपराधियों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। आमने-सामने की फायरिंग में दो अपराधी पैरों में गोली लगने से घायल होकर गिर पड़े। उनके पास से पुलिस ने लूट के आभूषण भरे दो झोले भी बरामद किए। जख्मी लुटेरों में कुणाल कुमार राय एवं विशाल कुमार गुप्ता शामिल हैं। दोनों के पास से दो देसी पिस्टल और 10 गोलियां बरामद की गई हैं। उनकी बाइक जब्त कर ली गई है। पुलिस अभिरक्षा में दोनों का उपचार स्थानीय अस्पताल में कराया जा रहा है। शाहाबाद डीआइजी सत्य प्रकाश घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे मामले की जांच की।

एसपी राज ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान दो बाइक पर सवार चार अपराधी भाग निकले हैं। आभूषण से भरा एक अन्य थैला और लूटी गई बंदूक उन्हीं अपराधियों के पास है। गिरफ्तार लुटेरों पर पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। दोनों ने पूछताछ में साथियों की पहचान बता दी है। उनकी गिरफ्तारी को सदर एएसपी परिचय कुमार के नेतृत्व में गठित एसआइटी टीम सारण, वैशाली व पटना में अलग-अलग ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। राज्य एसटीएफ भी अपराधियों की तलाश कर रही है।

घटना सुबह लगभग 10.30 बजे की है। अपराधी तीन अलग-अलग बाइक से छह की संख्या में थे। सीसीटीवी फुटेज में सभी अपराधियों का चेहरा कैद हो गया है। किसी अपराधी ने चेहरा नहीं ढंका था। शोरूम के प्रबंधक कुमार मृत्युंजय ने बताया कि लगभग 25 करोड़ रुपये के आभूषण की लूट हुई है। बरामद आभूषण का मिलान करने के बाद ही पता चलेगा कि अभी लुटेरों के पास कितने मूल्य के आभूषण रह गए हैं।

न्यायिक आयोग ने पुलिस अफसरों से पूछा-कैसे हुई भगदड़ की घटना

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : महाकुंभ में मौनी अमावस्या पर संगम के पास हुई भगदड़ की घटना की जांच कर रहा तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग सोमवार को प्रयागराज पहुंचा। सबसे पहले जिम्मेदार 15 पुलिस अधिकारियों के आयोग ने बयान दर्ज किए। इसके बाद पुलिस व प्रशासन के उच्चाधिकारियों के साथ बैठक की। आयोग संगम क्षेत्र में घटना की रात तैनात 30 जिम्मेदार पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों का बयान दर्ज करेगा।

संगम तट के पास 28 जनवरी की आधी रात के बाद भगदड़ की घटना हुई थी, जिसमें कम से कम 30 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। कई लोग घायल भी हुए थे। झूंसी तथा अन्य स्थानों पर भी भगदड़ हुई थी, जिसमें कुछ लोगों की मौत हो गई थी और कई जख्मी हो गए थे। उत्तर प्रदेश सरकार ने उच्च स्तरीय जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन किया है। इसमें न्यायमूर्ति हर्ष कुमार के साथ सेवानिवृत्त आइएएस अधिकारी डीके सिंह व सेवानिवृत्त आइपीएस अधिकारी वीके गुप्ता शामिल हैं।

आयोग पहले भी दो बार आ चुका है। पहली बार मौके पर जाकर जांच की थी, जबकि दूसरी बार सीसीटीवी कैमरे में भगदड़ को देखा था। तीसरी बार सोमवार को आयोग पहुंचा तो मेला क्षेत्र में 15 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों के बयान लिए।

संभल में जहरीला इंजेक्शन लगाकर भाजपा नेता की हत्या

जागरण संवाददाता, संभल

▸ बाइक सवार तीन लोग आए और इंजेक्शन लगाकर हो गए फरार

▸ राजनीतिक रंजिश की आशंका, विभिन्न पदों पर रहे गुलफाम

उत्तर प्रदेश के संभल में भाजपा नेता गुलफाम सिंह यादव की जहरीला

गुलफाम सिंह यादव। स्वजन

इंजेक्शन लगाकर हत्या कर दी गई। सोमवार दोपहर डेढ़ बजे अपाचे बाइक सवार तीन लोग गांव के बाहर स्थित उनके घेर (पशुपालन व कृषि कार्य स्थल) में आए। नमस्ते कर दो लोग बाहर चले गए। कुछ देर बैठकर तीसरा आरोपित पेट में इंजेक्शन लगाकर भाग गया। आरोपितों का हेलमेट मौके पर रह गया है। निडिल का कवर भी नाली में मिला है। अलीगढ़ ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई। अलीगढ़ में ही उनका पोस्टमार्टम कराया जाएगा। जहर के बारे में स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है। वारदात के पीछे राजनीतिक रंजिश की आशंका व्यक्त की जा रही है।

जिले में जुनावई-नरौरा मार्ग के दवथरा हिमाचल में घर से तीन सौ मीटर दूर भाजपा नेता का घेर है। घेर में दो मजदूर काम कर रहे थे। बाइक सवार गुलफाम यादव के पास बैठ गए। करीब पांच मिनट बाद एक आरोपित इंजेक्शन लगाकर भागा तो गुलफाम भी उसके पीछे भागे। कुछ दूर जाकर वह बेसुध होकर गिर पड़े। ग्रामीणों के एकत्र होने तक आरोपित फरार हो गए। हमलावर साथियों के साथ दूसरे गांव की ओर से जा रहे कच्चे मार्ग पर बाइक से भाग गया। उसके दोनों साथी पहले से ही बाइक स्टार्ट कर खड़े थे। फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। भाजपा नेता के बेटे दिव्यप्रकाश ने अलीगढ़ से फोन पर हत्यारोपितों के बारे में जानकारी होने के संकेत दिए हैं। उनका कहना है कि गांव लौटकर प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि मामले में महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। जल्द ही राजफाश किया जाएगा।

संघ के जिला कार्यवाह भी रहे गुलफाम : गुलफाम ने भाजपा में विभिन्न पदों की जिम्मेदारी संभाली। वह भाजपा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, प्रदेश कार्यसमिति समिति के सदस्य और बदायूं जिले के महामंत्री रहे थे। उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग में सदस्य थे। इसके साथ ही 1976 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह भी रहे हैं। 2004 में उन्होंने तत्कालीन मुख्यमंत्री मुलायम सिंह के खिलाफ गुन्नौर विधानसभा सीट से भाजपा से उपचुनाव लड़ा था।

पत्रकार हत्याकांड में लाइन हाजिर किए गए एसओ, चौकी प्रभारी समेत तीन निलंबित

जागरण संवाददाता, सीतापुर

▸ एसपी ने लापरवाही बरतने के कारण पुलिसकर्मियों पर की कार्रवाई

▸ पुलिस ने चार लेखपालों समेत अब तक 25 संदिग्धों को हिरासत में लिया

दैनिक जागरण के पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी हत्याकांड में थानाध्यक्ष महोली विनोद कुमार मिश्र को लाइन हाजिर कर दिया गया है। एसपी चक्रेश मिश्र ने पड़रखा चौकी प्रभारी सतीश चंद्र तथा सिपाही राजकुमार और नरेंद्र को निलंबित किया है। हेमपुर ओवरब्रिज पर राघवेंद्र को गोली मारी गई थी, जोकि इसी चौकी के अंतर्गत आता है। हत्याकांड की तेजी से चल रही पड़ताल के दौरान सोमवार को 13 और संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया गया है, इस तरह से अब तक चार लेखपालों समेत 25 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। विभिन्न बिंदुओं पर जांच के लिए पुलिस की 15 टीमें लगी हुई हैं।

सोमवार को घटनास्थल पर पहुंची एसटीएफ ने भी सक्रिय मिले फोन का विवरण खंगाला। हाईवे पर लगे करीब 50 कैमरों से हत्या के समय की एक घंटे की रिकार्डिंग जांच के लिए ली गई है, जिनकी गहराई से जांच हो रही है।

राघवेंद्र बाजपेयी। फाइल

वारदात के बाद गुजरी थार पर भी जांच टीम की नजर है। राघवेंद्र की शनिवार को दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

एक सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में बाइक सवार दो युवक राघवेंद्र का पीछा करते नजर आए हैं। ये युवक मुंह पर कपड़ा लपेटे नजर आ रहे हैं। बाइक के पीछे एक थार भी नजर आती है। पुलिस की जांच के बिंदुओं में यह दोनों वाहन शामिल हैं। खैराबाद टोल प्लाजा पर पांच थार गुजरी हैं। यह सभी घटना के समय के बाद की हैं। इनमें एक थार 3.07 बजे, दूसरी 3.20 बजे, तीसरी 3.46 बजे, चौथी 3.49 बजे, पांचवीं 4.02 बजे गुजरी है। पुलिस इन वाहनों को ट्रेस कर रही है। एक बाइक को भी पुलिस ने कब्जे में लिया है।

आठ संदिग्ध नंबरों पर नजर

घटनास्थल पर सक्रिय मिले 18 हजार मोबाइल में 12 हजार की जांच की गई है। इसमें आठ नंबर संदिग्ध पाए गए हैं। पुलिस इन नंबरों को सर्विलांस पर लेकर जांच कर रही है। हत्याकांड के पर्दाफाश को लेकर एसटीएफ ने भी जांच तेज कर दी है। लखीमपुर, शाहजहांपुर, हरदोई, बाराबंकी सहित आसपास के अन्य जिलों के ऐसे अपराधियों पर भी पुलिस की नजर है, जो इस तरह की शैली वाली वाली वारदात में शामिल रहे हैं। राघवेंद्र को हाईवे पर चार गोलियां मारी गई थीं।

अमित शाह पर टिप्पणी मामले में राहुल गांधी ने वापस ली याचिका

राज्य ब्यूरो, जागरण. रांची : झारखंड हाई कोर्ट में सोमवार को भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अमित शाह के खिलाफ टिप्पणी किए जाने के मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान उनकी ओर से याचिका वापस ले ली गई। चाईबासा की निचली अदालत ने इस मामले में राहुल गांधी को सशरीर हाजिर होने का निर्देश दिया था, जिसके खिलाफ राहुल ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। सोमवार को राहुल गांधी के आग्रह पर हाई कोर्ट ने याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी। हाई कोर्ट ने चाईबासा कोर्ट में राहुल गांधी के खिलाफ चल रही कार्यवाही पर पूर्व में लगाई रोक भी वापस ले ली। यह मामला वर्ष 2018 का है। राहुल ने अमित शाह को भाजपा का अध्यक्ष बनाए जाने पर कहा था कि हत्या के आरोपित को भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जा सकता है, लेकिन कांग्रेस में ऐसा नहीं हो सकता है। इसके बाद भाजपा नेता प्रताप कटियार ने मानहानि का मामला चलाने के लिए शिकायतवाद दाखिल की।

आगरा में छत्रपति शिवाजी महाराज का भव्य स्मारक बनवाएगी महाराष्ट्र सरकार

राज्य ब्यूरो, जागरण ● मुंबई

▸ महाराष्ट्र सरकार ने वर्ष 2025-26 के बजट में की घोषणा

▸ मुख्यमंत्री लाडकी बहन योजना के लिए 36 हजार करोड़ रुपए

महाराष्ट्र सरकार ने आगरा में छत्रपति शिवाजी महाराज का भव्य स्मारक बनवाने की घोषणा की है। स्मारक के लिए भूमि की व्यवस्था उत्तर प्रदेश सरकार करेगी। शिवाजी आगरा के किले से औरंगजेब की कैद से अपने पुत्र संभाजी के साथ बचकर निकल गए थे। सरकार ने 2025-26 के अपने बजट में मुख्यमंत्री लाडकी बहन योजना के लिए 36 हजार करोड़ रुपए घोषित कर इस योजना को जारी रखने के प्रति प्रतिबद्धता जताई है।

इन दिनों छत्रपति संभाजी महाराज पर बनी फिल्म 'छावा' को पूरे देश में प्रदर्शित किया जा रहा है। इतिहास के नए पहलू सामने आ रहे हैं। महाराष्ट्र सरकार ने इन ऐतिहासिक पहलुओं को और उभारने के लिए शिवाजी महाराज एवं उनके पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज से जुड़े स्थानों पर उनके भव्य स्मारक बनाने की घोषणा बजट में की है। इनमें एक स्मारक आगरा में बनाया जाएगा, क्योंकि वर्ष 1666 में आगरा के किले से ही शिवाजी महाराज अपने पुत्र के साथ औरंगजेब की कैद से बचकर निकले थे।

दो वर्ष पहले मुख्यमंत्री रहते एकनाथ शिंदे शिवाजी जयंती मनाने आगरा किले में पहुंचे थे। अब फडणवीस सरकार ने अपने बजट में आगरा में उस स्थान पर छत्रपति शिवाजी महाराज का स्मारक बनाने की घोषणा की है, जहां उन्हें कैद करके रखा गया था।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी 14 जनवरी को पानीपत के काला आम्ब में घोषणा करके आए थे कि पानीपत युद्ध में अहमदशाह अब्दाली के विरुद्ध मराठों की वीरता को चिह्नित करने के लिए वहां छत्रपति शिवाजी महाराज की भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी। अब महाराष्ट्र के बजट में इस स्मारक की भी घोषणा कर दी गई है। कोंकण के संगमेश्वर में जहां औरंगजेब के सिपाहियों ने छत्रपति संभाजी महाराज को कैद किया था, वहां संभाजी महाराज का भव्य स्मारक बनाने की घोषणा की गई है। सरकार संभाजी महाराज के बलिदान स्थल मौजे तुलापुर एवं समाधि स्थल मौजे वधु बुद्रक में उनके भव्य स्मारक पहले से बनवा रही है। पुणे के अंबेगांव में 'शिवसृष्टि' परियोजना के लिए भी 50 करोड़ रुपए आवंटित करने की घोषणा की है।

शिरडी में रात में भी उड़ान भर सकेंगे विमान

महाराष्ट्र के शिरडी हवाईअड्डे से रात में भी विमान उड़ान भर सकेंगे। सरकार ने बजट में इस हवाईअड्डे के आधुनिकीकरण के लिए 1,367 करोड़ रुपयों की मंजूरी दी है। में बड़ी संख्या में साईं बाबा के भक्त पहुंचते हैं। शिरडी हवाईअड्डे को 2021 में प्रमुख हवाईअड्डे का दर्जा दिया गया था, लेकिन यहां अभी रात की उड़ानें नहीं हो पातीं।

भोपाल में कांग्रेस के प्रदर्शन में मंच टूटा, प्रदेश उपाध्यक्ष के पेट में घुसा सरिया

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया ● भोपाल : किसानों की समस्याओं को लेकर भोपाल में मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान सोमवार को मंच टूटने से करीब 400 लोग एक-दूसरे के ऊपर गिर गए। घटना में कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष राजीव सिंह सहित 12 लोगों को गंभीर चोट आई है। राजीव सिंह की पसली के पास टेंट का सरिया घुसने से सिद्धांता रेडक्रास अस्पताल में चार घंटे तक सर्जरी करनी पड़ी। हादसे में पूर्व विधायक रवि जोशी, भोपाल जिला कांग्रेस अध्यक्ष संतोष सिंह कंसाना का पैर टूट गया। कांग्रेस ने प्रदर्शन के लिए भोपाल में रोशनपुरा चौराहे के पास लगभग 50 की क्षमता के हिसाब से दो मंच बनाए थे। दोनों में मिलाकर लगभग 200 लोग पहले से उपस्थित थे। अतिरिक्त जगह नहीं बची थी। दोपहर 12.48 बजे प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी नीचे वाले मंच पर पहुंचे तो उनके साथ लगभग 200 कार्यकर्ता और मंच पर चढ़ गए। इसी बीच ऊपर वाला मंच उससे सटे नीचे वाले मंच पर गिरा, जिससे दोनों मंच पर उपस्थित लोग गिर गए।

कैंसर पीड़ित जीएसटी डिप्टी कमिश्नर ने 15वीं मंजिल से कूदकर दी जान

जागरण संवाददाता, नोएडा

▸ पुलिस को न सुसाइड नोट मिला और न स्वजन की ओर से कोई शिकायत, कैंसर से अवसाद की चर्चा

15वीं मंजिल से कूदकर कैंसर पीड़ित जीएसटी डिप्टी कमिश्नर संजय सिंह ने जान दे दी। पुलिस को मौके से सुसाइड नोट व स्वजन की ओर से कोई शिकायत नहीं मिली है। वे प्रोस्टेट कैंसर से काफी परेशान थे, इसी के चलते उन्होंने ये कदम उठाया है।

प्रतापगढ़ के संजय सिंह पत्नी व दो बेटों के साथ सेक्टर-75 स्थित एपैक्स एथेना सोसायटी के ई टावर की 20वीं मंजिल के फ्लैट में करीब छह साल से रहते थे। बड़ा बेटा गुरुग्राम में नौकरी करता है, जबकि छोटा बेटा ग्रेटर नोएडा की शारदा यूनिवर्सिटी में पढ़ रहा है। पुलिस के मुताबिक, सोमवार सुबह घटना के वक्त घर पर पत्नी ही थी। दोनों बेटे घर से बाहर थे। पुलिस को स्वजन व आसपास के लोगों से मिली शुरुआती जानकारी में सामने आया है कि संजय सिंह कैंसर से पीड़ित थे। इससे वे जीवन को लेकर निराशाजनक बातें भी बोलते थे। 15वीं मंजिल में जहां से वे कूदे, वहां टैरेस गार्डन है। उधर, गाजियाबाद जीएसटी विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, संजय की दो साल पहले जिले में तैनाती हुई थी। उधर, विभागीय सूत्र बताते हैं कि संजय कार्यालय के तनाव को लेकर सीनियर को फोन कर चार्ज हटवाने को कह रहे थे।

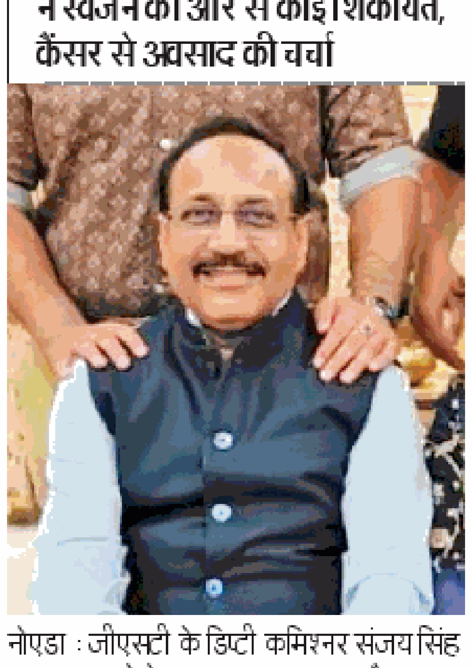
नोएडा : जीएसटी के डिप्टी कमिश्नर संजय सिंह का फाइल फोटो। सौ. स्वजन

अयोध्या में अब्दुल रहमान के जमाती नेटवर्क की पड़ताल, कई चरमपंथियों से सबंध

रविप्रकाश श्रीवास्तव ● जागरण

पड़ताल

▸ एसटीएफ हरियाणा के साथ ही एटीएस ने बढ़ाया पड़ताल का दायरा

▸ जांच के दायरे में अभी कई और लोगों के भी आने की आशंका

अयोध्या : आतंकी अब्दुल रहमान के स्थानीय नेटवर्क की छानबीन तेज हो गई है। रविवार को उसे लेकर रामनगरी पहुंची हरियाणा एसटीएफ देर रात वापस हो चुकी है। मिल्कीपुर स्थित रहमान के पैतृक गांव मंजनाई ही नहीं शहर में भी उसका संबंध कई चरमपंथियों से पाया गया है, जो जमात में उसके साथी बताए गए हैं। साथियों का नाम एवं लोकेशन सुरक्षा तंत्र ने साझा नहीं किया है। शहर के एक मुस्लिम धर्मगुरु को भी रहमान का करीबी बताया गया है। रहमान की काल डिटेल की पड़ताल ने एसटीएफ का ध्यान मंजनाई की ओर आकृष्ट कराया है।

रहमान को सिम उपलब्ध कराने वाले से लेकर उसकी गांव में, जिन लोगों से अधिक बात होती थी, उनके बारे में जानकारी जुटाई गई है। रविवार को इन लोगों से एसटीएफ ने पूछताछ करके छोड़ दिया। रहमान के पिता अबू बकर से भी एसटीएफ ने दोबारा पूछताछ की है। सुरक्षा एजेंसियां रामनगरी में मरकज एवं जमात से जुड़े ऐसे लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही हैं, जिनका संपर्क रहमान से है। आशंका है कि धर्म प्रचार के नाम पर ऐसे तत्व मुस्लिम युवाओं को आर्थिक प्रलोभन देकर आतंक के रास्ते पर ले जाने का कार्य कर रहे हैं, जो गरीब हैं। रहमान का ननिहाल भी मिल्कीपुर क्षेत्र में है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सुरक्षा एजेंसियों को इतना स्पष्ट हो गया है कि रहमान कट्टरपंथियों की जमात में शामिल हो गया है, जिनकी मानसिकता भारत विरोधी है।

फरीदाबाद में ग्रेनेड के साथ पकड़ा गया था रहमान : गत दो मार्च को आतंकी गतिविधियों में संलिप्तता के कारण हरियाणा के फरीदाबाद से अब्दुल रहमान को ग्रेनेड के साथ पकड़ा गया था। वह एक मार्च को घर से बता कर निकला था कि दिल्ली में दोस्त से मिलने जा रहा है। गिरफ्तारी के बाद हरियाणा एवं गुजरात पुलिस जब उसके पैतृक गांव पहुंची तो घर वालों को उसके कृत्य का पता चला।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि रहमान दिल्ली के निजामुद्दीन स्थित मरकज से जुड़ा तो अक्सर वहां जाता रहता था। रहमान ई-रिक्शा चलाता था और उसके पिता अबू बकर मीट बेचते हैं। पूछताछ में उसके आइएसआइ समर्थित आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रोविंस से संबंध मिले हैं। यह संगठन राम मंदिर पर हमले की साजिश रच रहा है, जिसके लिए रहमान का उपयोग किया जाना था। राम मंदिर पर हमले के लिए संगठन ने रहमान को प्रशिक्षित किया था। हरियाणा पुलिस को रहमान का 10 दिन का कस्टडी रिमांड मिला है, जिसके क्रम में टीम उसे लेकर पड़ताल कर रही है।

आतंकी लिंक को लेकर इंटरपोल से मांगी बांग्लादेशी भाइयों की जानकारी

नईदुनिया प्रतिनिधि, रायपुर : छत्तीसगढ़ एटीएस की गिरफ्त में आए तीन बांग्लादेशी सगे भाइयों के तार आतंकी संगठन से जुड़े होने का संदेह है। शेख इस्माइल, शेख अकबर और शेख साजन के काल डिटेल से कई राज खुले हैं। तीनों अक्सर सीरिया, इराक, वियतनाम, इजराइल, मलेशिया, सऊदी अरब समेत पाकिस्तान के नंबरों पर आइएमओ एप के जरिए वाट्सएप काल कर लंबी बातचीत करते थे। एटीएस ने इंटरपोल को पत्र लिखकर बातचीत की पूरी जानकारी मांगी है। इन देशों में भारत विरोधी कई आतंकी संगठन सक्रिय हैं, लिहाजा उनके कनेक्शन को खंगाला जा रहा है। उल्लेखनीय है कि तीनों पिछले महीने मुंबई से इराक जाने के फिराक में थे। एटीएस ने तीनों को मुंबई से गिरफ्तार किया था।

एटीएस के सूत्रों ने बताया कि इनका ओडिशा निवासी चचेरा भाई शेख कबीर और मुंबई निवासी चाचा हमेशा रायपुर आते-जाते थे। तीनों के पकड़े जाने के बाद से दोनों के मोबाइल नंबर बंद हो चुके हैं और अपने घर से गायब हैं।

जैसे को तैसा

फर्जी सीबीआइ अधिकारी से ही युवक ने कर ली ठगी

कानपुर का मामला, मम्मी की चेन बेचने का झांसा देकर ट्रांसफर करा लिए साढ़े सात हजार रुपये

अंकुर श्रीवास्तव ● जागरण

कानपुर : साइबर ठगों के जाल में फंसकर लोग जहां अपनी गाढ़ी कमाई गंवा रहे हैं, वहीं कानपुर के एक युवक ने सीबीआइ अधिकारी बनकर ठगी करने वाले से ही चार दिनों में साढ़े सात हजार रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। युवक ने उसे अपनी मां की सवा लाख रुपये की चेन बेचकर रुपये भेजने का झांसा दे रखा है, जिसके मिलने की आस अब भी साइबर ठग को है।

भूपेंद्र सिंह ने बताया कि उनके मोबाइल पर छह मार्च को एक काल आई थी, जिसमें एक व्यक्ति ने खुद को सीबीआइ अफसर बताया था। उसने उनका नाम राजू लेते हुए आरोप लगाया कि तुम एक लड़की को अश्लील फोटो-वीडियो भेज रहे हो। हमारे पास 36 अश्लील वीडियो व 10 फोटो हैं। सीबीआइ की टीम व पुलिस फोर्स तुम्हारे घर पहुंच रही है। उसने पुलिस का लोगो लगाकर पत्र भी वाट्सएप पर भेजा, जिसमें भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र, नई दिल्ली लिखा था। उसके वाट्सएप अकाउंट पर वर्दी पहने व्यक्ति की फोटो लगी थी। उसमें नाम आनंद तिवारी पुलिस सीबीआइ लिखा था। जिस नंबर से काल आ रही थी, उसमें संजय अरोड़ा नाम दिख रहा है। भूपेंद्र के मुताबिक, वह साइबर ठग की करतूत को भांप गए। वह नाबालिग बनकर बात करते हुए उन्हें सर बोलने लगे। भूपेंद्र ने ठगों से कहा- वह पढ़ाई करते हैं। मम्मी-पापा को कुछ न बताना, वरना वे बहुत पीटेंगे। घर से निकलना बंद हो जाएगा।

इस पर साइबर ठग ने उनसे कहा कि एफआइआर है। फोर्स रोक रहे हैं, लेकिन फार्म भरने समेत खर्च 16 हजार रुपये लगेंगे। आनलाइन पैसे भेजो। भूपेंद्र ने बताया कि ठग ने उनसे जेल जाने की बात से डराकर माफीनामा लिखने के लिए भी रुपये मांगे। भूपेंद्र ने ठग से कहा कि सर रुपये नहीं हैं। दोस्त से मांगते हैं। इस पर ठग ने इंतजार करने की बात कहकर फोन काट दिया। सात मार्च को फिर फोन आया और डराया कि रुपये नहीं मिले तो हम कुछ नहीं कर पाएंगे। भूपेंद्र ने उसे बताया कि दोस्त ने पैसे नहीं दिए। उनकी मम्मी की चेन ज्वेलर्स के यहां गिरवी रखी है। उसे छुड़ाने के लिए तीन हजार रुपये चाहिए। अगर वह भेज दें तो काम बन जाएगा। ठग ने उन्हें यूपीआइ के जरिये रुपये भेज दिए। भूपेंद्र ने उससे एक दिन इंतजार करने के लिए कहा। ठग ने आठ मार्च को फोन किया और पैसे मांगे। भूपेंद्र ने बताया कि वह चेन बेचने आए थे, लेकिन ज्वेलर्स ने उन्हें नाबालिग बताकर बैठा लिया है। साढ़े तीन हजार रुपये और भेजें तो चेन दूसरी जगह बेचेंगे।

> अब तक ऐसा सुनने में नहीं आया है, लेकिन ऐसा हुआ तो अच्छा है, लेकिन उस युवक को सतर्क रहने की जरूरत है। कहीं साइबर ठगों का ये कोई नया तरीका न हो। वह युवक ठग के नंबर आदि डिटेल देता है तो जांच करा कार्रवाई की जाएगी, जिससे ठग को पकड़ा जा सके। बाकी युवक ने ठगी से बचाव के दौरान ऐसा किया है तो ये अपराध नहीं है।
>
> – आशीष श्रीवास्तव, डीसीपी क्राइम (दक्षिण)

साइबर ठग के वाट्सएप पर डीपी में पुलिस अधिकारी की फोटो व पुलिस का लोगो लगा पत्र, जिसे पीड़ित को भेजा गया था। पीड़ित

****

माधव टाइगर रिजर्व में छोड़ी गई पन्ना से लाई गई बाघिन

नईदुनिया प्रतिनिधि, शिवपुरी

▸ मुख्यमंत्री ने किया मध्य प्रदेश के नौवें टाइगर रिजर्व का लोकार्पण

▸ माधव टाइगर रिजर्व में पहले से हैं तीन बाघ और दो शावक

मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने सोमवार को पन्ना से लाई गई बाघिन को छोड़कर नए घोषित माधव टाइगर रिजर्व का विधिवत उद्घाटन किया। यह मध्य प्रदेश का नौवां और देश का 58वां टाइगर रिजर्व है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर भी मौजूद रहे। 25 माह की इस बाघिन को एमटी-4 नाम दिया गया। टाइगर रिजर्व में पहले से तीन बाघ और दो शावक हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने टाइगर रिजर्व के प्रतीक चिह्न और 13.5 करोड़ की लागत से तैयार बाउंड्रीवाल का भी लोकार्पण किया। यह दीवार ही रिजर्व क्षेत्र को शिवपुरी जिले से गुजरने वाले मुख्य हाइवे से आमजन की आवाजाही से अलग करती है। बाद में मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि माधवराव सिंधिया की जयंती पर माधव नेशनल पार्क शिवपुरी में टाइगर रिजर्व के लोकार्पण कार्यक्रम में सहभागिता कर बाघिन को नए आवास में छोड़ा है। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि रणथंभौर में शेर, कूनो में चीते, शिवपुरी में टाइगर, पन्ना में टाइगर और कार्बेट नेशनल पार्क फिर से जीवित हो उठे हैं। नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि माधव टाइगर रिजर्व बनने से प्रदेश के इतिहास में नया अध्याय जुड़ गया है। पहले माधव नेशनल पार्क की कुल सीमा 375 वर्ग किमी थी, लेकिन अब यह बढ़कर एक हजार 650 वर्ग किमी हो गई है।

3,738 बांग्लादेशी घुसपैठियों की पहचान की गई है ओडिशा में। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोमवार को विधानसभा में यह जानकारी दी।

न्यूज गैलरी

कम नंबर पर छात्र तो होगा पास, शिक्षक पर होगी कार्रवाई

जयपुर : राजस्थान में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की परीक्षा में 80 में 40 से कम नंबर लाने वाला छात्र तो पास होगा, लेकिन शिक्षक के खिलाफ कार्रवाई होगी। शिक्षा विभाग के मापदंडों में उन्हें फेल माना जाएगा। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि ऐसे शिक्षक का तबादला उनके घर से कई किलोमीटर दूर किया जाएगा। अन्य कार्रवाई भी की जाएगी। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षा में एक पेपर सौ अंक का होता है। इसमें सत्रांक के 20 प्रतिशत अंक शिक्षकों के हाथ में होते हैं। बच्चों को इसमें 18-20 मिल जाते हैं। फिर बच्चे को पास होने के लिए 13-15 अंक लाना ही आवश्यक होता है। ऐसे में बच्चे को शिक्षित नहीं कह सकते। इसे शिक्षक की कमजोरी मानी जाएगी। (जासं)

विराट के आउट होते ही छात्रा की हार्ट अटैक से मौत

देवरिया : चैंपियंस ट्राफी के फाइनल में भारत को मिली जीत पर पूरा देश जहां जश्न में डूबा था, वहीं देवरिया जिले में एक हृदय विदारक घटना हुई। घर में स्वजन के साथ मैच देख रही किशोरी विराट कोहली के एक रन पर आउट होते ही सदमे में बेहोश होकर गिर पड़ गई। मेडिकल कालेज एवं अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने दिल का दौरा पड़ने की बात कहते हुए मृत घोषित कर दिया। (जासं)

छग में 15 लाख के इनामी तीन नक्सलियों का समर्पण

गरियाबंद : छत्तीसगढ़ में गरियाबंद जिले के कुल्हाड़ी घाट के जंगल में 19 से 21 जनवरी के बीच हुई मुठभेड़ में घायल एसडीके एरिया कमेटी के डिप्टी कमांडर दिलीप उर्फ सतु ने सोमवार को आत्मसमर्पण कर दिया। उसके साथ मंजुला उर्फ लखमी और सुनीता उर्फ जुनकी ने भी समर्पण किया है। तीनों नक्सली पांच-पांच लाख के इनामी थे। सतु ने मुठभेड़ से जुड़े कई राजफाश भी किए हैं। सुरक्षाबल की घेराबंदी इतनी कड़ी थी कि न भागने का रास्ता बचा और न ही छिपने का ठिकाना था। उसने स्वीकार किया कि पिछले 10 वर्षों में उसने कई बड़े नक्सली हमलों में हिस्सा लिया, लेकिन अब उसे लगने लगा था कि नक्सलवाद का कोई भविष्य नहीं बचा है। (नईदुनिया)

महाराष्ट्र सदन को मिली बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली : दिल्ली के महाराष्ट्र सदन में सोमवार को बम की सूचना से हड़कंप मच गया। हालांकि जांच में कुछ नहीं मिला। दमकल विभाग के अधिकारी के मुताबिक, सोमवार दोपहर 2:45 बजे सूचना मिली कि किसी ने महाराष्ट्र सदन में काल कर बम होने की जानकारी दी है। सूचना पर दमकल की एक गाड़ी के साथ, बम स्क्वाड और पुलिस मौके पर पहुंची। (जासं)

मप्र में चैंपियंस ट्राफी में भारत की जीत का जश्न मना रहे लोगों पर हमला

ढाई घंटे हुआ बवाल, पथराव, आगजनी, वाहनों में तोड़फोड़, 13 गिरफ्तार

पुलिस ने उपद्रवियों को आंसू गैस छोड़कर व लाठी फटकार कर खदेड़ा

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर

आइसीसी चैंपियंस ट्राफी में भारत की जीत का जश्न मना रहे लोगों पर रविवार रात मध्य प्रदेश में इंदौर जिले के महू में जामा मस्जिद के सामने हमला कर दिया गया। इस दौरान पथराव और आगजनी के बीच वाहनों में तोड़फोड़ भी की गई। बवाल में 13 लोग घायल हो गए। संविधान निर्माता डा. भीमराव आंबेडकर की जन्मनगरी में यह उपद्रव ढाई घंटे चला। मस्जिद के बाद नगर में और भी कई जगह उपद्रवियों ने पत्थरबाजी की। उन्होंने जगह-जगह लगी सीसीटीवी भी तोड़ डाली। पुलिस ने उपद्रवियों को आंसू गैस छोड़कर और लाठी फटकार कर खदेड़ा।

सोमवार सुबह पुलिस ने चार प्रकरण दर्ज कर 13 आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। मामले में बलवा, मारपीट, आगजनी, तोड़फोड़ की धाराओं के तहत करीब 40 नामजद व अन्य पर एफआइआर दर्ज की गई है। नगर में चप्पे-चप्पे पर 300 से अधिक पुलिस बल तैनात हैं। छह ड्रोन के माध्यम से निगरानी की जा रही है। कलेक्टर आशीष सिंह का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपितों की पहचान की जा रही है। कुछ लोगों पर रासुका की भी कार्रवाई करेंगे। उधर, सोमवार को हिंदू संगठन ने बंद का आह्वान किया था। आमतौर पर सोमवार को बाजार बंद रहता है, परंतु कुछ दुकानें खुली थीं, जिन्हें निवेदन कर बंद कराया गया।

महू में बवाल के विरोध में सोमवार को दुकानें बंद कराने के लिए रैली के रूप में निकले हिंदूवादी संगठन के लोग। नईदुनिया

शहर काजी का आरोप, बिना अनुमति जुलूस निकाला

शहर काजी मोहम्मद जाबिर का कहना है कि बदनाम करने की कोशिश हो रही है कि मुसलमानों को भारत की जीत से परेशानी थी। शासन-प्रशासन की चूक के कारण घटना हुई। शासन-प्रशासन की मौजूदगी में ही यह तय हुआ था कि जामा मस्जिद के सामने से कोई जुलूस नहीं निकलेगा। रात को निकले जुलूस की कोई अनुमति नहीं थी। वह उपद्रवियों की भीड़ थी, जो भारत की जीत के नाम पर मस्जिदों और धार्मिक स्थलों पर नारे लगा रहे थे। उन्होंने सुतली बम मस्जिद पर फेंका। पथराव दोनों ओर से हुआ।

भारत की जीत के बाद गुजरात में बाइक रैली में भड़की हिंसा

गांधीनगर, प्रेट्र : चैंपियंस ट्राफी जीतने का जश्न मनाने के लिए गुजरात के गांधीनगर जिले में निकाली गई एक बाइक रैली के दौरान हिंसा भड़क गई। इस मामले में लगभग 11 लोगों को हिरासत में लिया गया है। प्राथमिकी के अनुसार, रात करीब साढ़े दस बजे जब यह रैली एक अल्पसंख्यक बहुल इलाके में स्थित मस्जिद के पास से गुजरी तो कुछ बाइक चालकों ने तेज रफ्तार में गाड़ियां दौड़ाई और हार्न बजाया। इस पर मस्जिद में रमजान के दौरान बैठे करीब 15 लोगों ने आपत्ति जताई और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। डंडों से हमला करने की कोशिश की। इसके बाद बाइक चालक वहां से भाग गए। पुलिस उपाधीक्षक पीएन वंडा के अनुसार, ज्यादातर बाइक चालक मौके से भाग गए, लेकिन पांच-छह लोगों की बाइक वहीं छूट गई। आरोपितों ने उन मोटरसाइकिलों में तोड़फोड़ की। अब तक 11 को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है।

अयोध्या में भूमि अधिग्रहण का मामला पहुंचा सुप्रीम कोर्ट

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कांग्रेस नेता आलोक शर्मा और दो अन्य ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की जनहित याचिका
- भूमि विकास गृह स्थान और बाजार पूरक प्रथम योजना अयोध्या 2023 की तीसरी योजना को दी गई है चुनौती

अयोध्या में भूमि अधिग्रहण का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। कांग्रेस प्रवक्ता आलोक शर्मा और दो अन्य ने सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दाखिल कर भूमि अधिग्रहण पर सवाल उठाया है। याचिका में भूमि विकास गृह स्थान एवं बाजार पूरक प्रथम योजना अयोध्या 2023 की (तीसरी योजना) को चुनौती दी गई है। साथ ही 19 अगस्त 2023 को लांच हुई इस योजना का नोटिस रद करने की मांग की गई है। यह भी मांग की गई है कि मनमाने भूमि अधिग्रहण पर रोक लगाई जाए। भूमि अधिग्रहण, पुर्नवास में उचित मुआवजा और पारदर्शिता अधिकार कानून 2013 के प्रविधान लागू करना सुनिश्चित किया जाए।

वकील नरेंद्र मिश्रा के जरिये दाखिल याचिका में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश आवास विकास परिषद ने 2020 और 2022 की अधिसूचना से अधिग्रहित 1407 एकड़ जमीन का मास्टर प्लान तैयार करने के लिए कंपनियों का चयन करने को 26 अगस्त 2023 को एक टेंडर निकाला। इससे यह संकेत मिलता है कि पूर्व में अधिग्रहित की गई उस 1407 एकड़ जमीन पर कोई विकास कार्य शुरू नहीं हुआ है। इसके बावजूद भूमि विकास गृह स्थान एवं बाजार पूरक प्रथम योजना अयोध्या 2023 की तीसरी स्कीम 19 अगस्त 2023 को लांच कर दी गई। यह आवासीय योजना है।

याचिका में कहा गया है कि आवास विकास परिषद ने 2020, 2022 तथा 2023 की पूरक आवासीय योजना अयोध्या में आवास की जरूरतों को पूरा करने के लिए लांच की थी। जबकि शुरुआती योजना में अधिग्रहित की गई जमीन पर निजी होटलों के लिए व्यावसायिक भूखंड काटे गए और वह जमीन भूमालिक किसानों को दिए गए मुआवजे से 30 गुना ज्यादा कीमत पर उद्योगपतियों को बेची गई। यह भूअधिग्रहण अधिनियम 2013 की धारा-2 का स्पष्ट उल्लंघन है।

महाराष्ट्र में 9वीं का छात्र 'कैटफिशिंग' का शिकार, आरोपित शिक्षक गिरफ्तार

मिड-डे, मुंबई

- शिक्षक ने लड़की के नाम से फर्जी इंटरनेट मीडिया प्रोफाइल बनाई और लड़के को फंसाया
- आरोपित कोचिंग क्लास के शिक्षक ने ब्लैकमेल और धमकी देकर छात्र से किया दुष्कर्म

महाराष्ट्र में 9वीं कक्षा का एक छात्र 'कैटफिशिंग' अपराध का शिकार हो गया। पीड़ित छात्र के कोचिंग क्लास के शिक्षक ने इंटरनेट मीडिया पर खुद को महिला बताकर एक फर्जी प्रोफाइल बनाया और छात्र के साथ अश्लील बातचीत शुरू की और उससे उसका नग्न वीडियो प्राप्त किया। इसके बाद आरोपित शिक्षक ने छात्र को वीडियो प्रसारित करने की धमकी देकर छात्र को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। आरोपित शिक्षक द्वारा छात्र का बार-बार यौन शोषण किया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, अरे कालोनी पुलिस ने 22 वर्षीय कोचिंग क्लास के शिक्षक को छात्र को ब्लैकमेल करने और उसका यौन शोषण करने के आरोप में मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया है। पीड़ित लड़का, उसकी छोटी बहन और कई अन्य छात्र आरोपित की कक्षाओं में कोचिंग के लिए जाते थे।

पुलिस ने बताया कि कुछ महीने पहले पीड़ित को इंस्टाग्राम पर एक लड़की का मैसेज मिला, जिसने बातचीत शुरू की। उसकी प्रोफाइल से प्रभावित होकर लड़के ने उससे चैट करना शुरू कर दिया। इस दौरान लड़की की ओर से आकर्षक तस्वीरें और अश्लील संदेश मिलने लगे। इंस्टाग्राम पर दोनों अश्लील वीडियो आदान-प्रदान करना शुरू कर दिए। एक दिन कथित लड़की ने लड़के को अपनी शिक्षिका के साथ शारीरिक संबंध बनाते हुए वीडियो बनाने और भेजने को कहा। इसके अगले दिन कोचिंग शिक्षक ने छात्र से कहा कि उसे पता चला है कि तुम एक लड़की से चैट कर रहे हो और गंदे वीडियो भेज रहे हो, तो लड़का हिचकिचाने लगा। आरोपित शिक्षिक ने यह बात उसकी मां को बताने की धमकी देकर यौन संबंध बनाने की मांग की, जिससे पीड़ित छात्र डर गया।

आतंकी जैसल के अमेरिका में पकड़े जाने की चर्चा, घर पहुंचीं खुफिया एजेंसियां

जागरण संवाददाता, तरनतारन : पंजाब व आसपास के राज्यों में आतंकी वारदात को अंजाम दिलाने वाले आतंकी लखबीर सिंह हरिके व सत्ता नौशहरा का दाहिना माने जाने वाले गुरदेव सिंह उर्फ जैसल चंबल के अमेरिका में गिफ्तार किए जाने की चर्चा है। बताया जा रहा कि जैसल को भारतीय समय के मुताबिक शुक्रवार सुबह कैलिफोर्निया के स्टोक्टन शहर में पैट्रोलिंग टीम ने उस समय काबू किया, जब कार से जाते समय उसने स्कूल के पास से यातायात नियमों का उल्लंघन किया। जांच के दौरान कार चोरी की पाई गई। उससे पिस्टल बरामद हुई। उसके आवास से साथी सुखजिंदर सिंह को एके 47 असाल्ट राइफल के साथ काबू किया गया। सोमवार को जैसल पट्टी स्थित घर पर खुफिया एजेंसियों के अधिकारी पहुंचे। गुरदेव सिंह उर्फ जैसल के खिलाफ तरनतारन में ही 20 से ज्यादा मामले दर्ज हैं। वह आतंकी लखबीर व सतनाम सिंह सत्ता के साथ मिलकर पंजाब में आरपीजी हमला करवाने, हत्या, अगवा, लूटपाट व रंगदारी की वारदातों को अंजाम दिलाने के लिए काम करता था।

अमेरिका में नशे का नेटवर्क चला रहा भिंडर गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, तरनतारन

- बीते माह अमेरिका में छह साथियों की गिरफ्तारी हुई तो भाग आया भारत
- अमेरिका की खुफिया एजेंसी एफबीआइ का वांछित है शहनाज उर्फ भिंडर

पंजाब पुलिस ने अमेरिका की खुफिया एजेंसी एफबीआइ को वांछित अंतरराष्ट्रीय नशा तस्कर गिरोह के सरगना शहनाज सिंह उर्फ भिंडर को गिरफ्तार किया है। वह गुरदासपुर जिले के गांव मंडियाला का रहने वाला है। जांच में सामने आया है कि फरवरी में तस्कर भिंडर के छह साथियों की अमेरिका में गिरफ्तारी हुई थी। पुलिस से बचने के लिए गत दो मार्च को वह स्वदेश लौट आया था।

भिंडर ने अमेरिका में नशे का बड़ा नेटवर्क बना रखा था। फरवरी में उसके साथी अमृतपाल सिंह बल, अमृतपाल सिंह चीमा, तकदीर सिंह रोमी, सरबजीत सिंह साबी, गुरलाल सिंह लाली, फर्नांडानो वेलार्डेरिस उर्फ फ्रैंको को 391 किलो मेथामफेटामाइन (आइस ड्रग), 109 किलो कोकेन समेत गिरफ्तार किया गया था। इस दौरान भिंडर अमेरिका पुलिस को चकमा देकर भारत लौट आया था। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि तरनतारन के एसएसपी अभिमन्यु राणा ने इनपुट के आधार पर रविवार रात लुधियाना में छापेमारी कर आरोपित को काबू किया। उन्होंने बताया कि भिंडर वर्ष 2014 में कनाडा गया था। वहां उसने ट्रांसपोर्ट का कारोबार शुरू किया। वह ब्रैंप्टन, ओंटारियो में रहता था। इसके बाद कोलंबिया-मेक्सिको के रास्ते से अमेरिका पहुंचकर ड्रग का बड़ा नेटवर्क स्थापित किया। ट्रांसपोर्ट के कारोबार की आड़ में करीब 450 ट्रक चालकों के जरिये वह सप्ताह में करीब 400 से 600 किलो कोकेन सप्लाई करता था। यह सप्लाई कोलंबिया से की जाती थी। ड्रग का यह नेटवर्क अमेरिका के साथ-साथ कनाडा व अन्य देशों से भी जुड़ा था। 2023 के बाद एफबीआइ ने भिंडर पर नजर रखनी शुरू की थी। डीआइजी स्वपन शर्मा के मुताबिक आरोपित के खिलाफ तरनतारन के थाना सदर में भी नशा तस्करी का केस दर्ज है। आरोपित के विदेश में रहते तस्कर अमृतपाल सिंह बाठ, गुरजंट सिंह भोलू हवेलियां, तजिंदर सिंह तेजी काहलों व हरमन वड़ैच के साथ भी संबंध हैं।

लुधियाना से गिरफ्तार अंतरराष्ट्रीय तस्कर के बारे में जानकारी देते हुए फिरोजपुर रेंज के डीआइजी स्वपन शर्मा (दाएं)। पुलिस

सियासी नेता भी थे गिरोह के निशाने पर

जनवरी 2025 में तरनतारन पुलिस ने पांच शूटरों को असलहा के साथ गिरफ्तार किया गया था। यह गिरोह राजनीतिक नेताओं को निशाना बनाने की फिराक में था। पांच शूटरों की गिरफ्तारी के बाद भिंडर का नाम सामने आया था। तरनतारन में आप से संबंधित दो सरपंचों की हुई हत्या के तार भी भिंडर गिरोह से जुड़ रहे हैं।

बरेली में बराती बन कर पहुंची उत्तराखंड पुलिस, 25 नशा तस्करों को उठा लाई

- 50 वाहनों से पहुंचे 300 पुलिसकर्मियों ने बरेली में आधी रात बाद की कार्रवाई

नशा तस्करों की धरपकड़ को बरेली में दबिश देने टीम के साथ पहुंचे एसएसपी मणिकांत मिश्रा। सौ. पुलिस

जागरण संवाददाता, रुद्रपुर

उत्तराखंड में मादक पदार्थों की सप्लाई के गढ़ बरेली में ऊधम सिंह नगर पुलिस ने स्ट्राइक कर तस्करों और सप्लायरों की कमर तोड़ दी। बरेली के अगरास और फतेहगंज पश्चिमी में 50 वाहनों से पहुंचे 300 पुलिसकर्मियों ने आधी रात बाद ताबड़तोड़ छापामारी कर पांच घंटे में 25 ड्रग्स सप्लायर और तस्कर गिरफ्तार कर लिए। पूछताछ में कई और तस्करों के नाम प्रकाश में आए हैं। जल्द ही पुलिस उन्हें भी गिरफ्तार कर सकती है। अब तक की सबसे बड़ी इस कार्रवाई में ऊधम सिंह नगर पुलिस बराती बन बस में शादी का स्टीकर लगाकर नशा तस्करों के गढ़ तक पहुंची थी।

उत्तराखंड के उधम सिंह नगर की पुलिस को पता चला था कि नशीले पदार्थ बरेली के सप्लायरों से लाए जाते हैं। जिसके बाद पुलिस ने बरेली के सप्लायर और तस्करों को चिह्नित करना शुरू कर दिया था। चिह्नीकरण के बाद रविवार रात एसएसपी मणिकांत मिश्रा के नेतृत्व में कई एसपी और भारी पुलिस बल एक बरात की शक्ल में बस व कई सरकारी वाहनों पर सवार होकर बरेली पहुंचा। पकड़े गए ड्रग्स तस्करों पूछताछ में मादक पदार्थों के एक बड़े रैकेट का पता चला है। उत्तराखंड में बरेली से आने वाला मादक पदार्थ बिहार, पंजाब, असम के साथ ही बंगाल से आता है।

धर्मशाला में चीन के विरुद्ध गरजे तिब्बती

जागरण संवाददाता, धर्मशाला : तिब्बती विद्रोह दिवस की 66वीं वर्षगांठ पर तिब्बती संगठनों ने सोमवार को चीन के विरुद्ध हिमाचल में मैक्लोडगंज से धर्मशाला तक रोष रैली निकाली गई। तिब्बती संगठनों का कहना था कि तिब्बत में रह रहे लोगों को चीन की दमनकारी नीतियों का सामना करना पड़ रहा है और कई तरह की यातनाओं को भी सहना पड़ रहा है। चीन सरकार ने 10 मार्च, 1959 को तिब्बत की राजधानी ल्हासा में क्रूर सशस्त्र दमन किया था।

इससे पहले मैक्लोडगंज स्थित मुख्य बौद्ध मंदिर में निर्वासित सरकार ने कार्यक्रम का आयोजन किया और इसमें स्लोवाकिया के पूर्व राष्ट्रपति आंद्रेज किस्का मुख्य अतिथि रहे जबकि एस्टोनिया के मेंबर आफ पार्लियामेंट जुकु कैलेे रेड विशेष अतिथि रहे। निर्वासित सरकार के प्रधानमंत्री पेंपा सेरिंग ने दोनों अतिथियों का स्वागत किया। रैली के दौरान तिब्बती वूमेन एसोसिएशन की उपाध्यक्ष सेरिंग डोलमा ने कहा कि इस दिन तिब्बत पर चीन ने कब्जा कर तिब्बतियों के हजारों बौद्ध मठों को लूट लिया था।

केरल के कूडलमाणिक्यम मंदिर में पिछड़ी जाति के व्यक्ति से भेदभाव

- राज्य मानवाधिकार आयोग ने मामले की जांच के आदेश दिए
- केरल के देवस्वोम मंत्री ने इसे समाज के लिए अपमान बताया

त्रिशूर, प्रेट्र: केरल के त्रिशूर जिले के कूडलमाणिक्यम मंदिर में जातिगत भेदभाव का मामला सामने आया है। एक पिछड़ी जाति के व्यक्ति को देवस्वम भर्ती बोर्ड की परीक्षा पास करने के बाद मंदिर में कझकम पद पर नियुक्त किया गया था। लेकिन मंदिर के मुख्य पुजारी के विरोध के कारण उसे दूसरे कार्य में लगा दिया गया। फूलों की माला बनाना और अन्य पूजा से जुड़ी सजावट व रस्मों को पूरा करने का काम कझकम के अंतर्गत आता है।

राज्य मानवाधिकार आयोग ने मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच के आदेश दिए हैं। मामले में आयोग की सदस्य वी गीता ने कोचीन देवस्वम कमिश्नर और कूडलमाणिक्यम मंदिर के कार्यकारी अधिकारी को दो हफ्ते के भीतर जांच रिपोर्ट सौंपने को कहा है। केरल के देवस्वोम मंत्री वीएन वासवन ने मंदिर में कथित जातिगत भेदभाव पर सरकार के रुख की पुष्टि करते हुए कहा कि मौजूदा अधिनियमों और नियमों के अनुसार नियुक्त पिछड़े समुदाय के व्यक्ति को वहां काम करने की अनुमति दी जानी चाहिए। विधानसभा में वासवन ने कहा कि जातिगत भेदभाव के आधार पर नौकरी देने से इन्कार करना केरल के सांस्कृतिक समाज के लिए अपमान है। उन्होंने कहा कि राज्य ने 36 गैर-ब्राह्मण लोगों को मंदिरों में पुजारी के रूप में नियुक्त किया है और यह केवल 'कझकम' नौकरी से संबंधित मुद्दा है। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा दर्शाता है कि छुआछूत और अनैतिक प्रथाएं अभी भी कई लोगों के दिमाग में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि जाति के आधार पर नौकरी देने से इन्कार करना बेहद निंदनीय है। कूडलमाणिक्यम मंदिर में भगवान राम के तीसरे भरत की पूजा होगी है। मंदिर के पुजारियों ने कथित तौर पर पिछड़ी जाति से आने वाले व्यक्ति की नियुक्ति का विरोध किया और मंदिर की पूजा-पाठ में भाग लेने से इन्कार कर दिया। हालांकि, मंदिर प्रशासन ने साफ कहा कि मुख्य पुजारी मंदिर प्रशासन के फैसलों में हस्तक्षेप नहीं कर सकते और भर्ती बोर्ड द्वारा की गई नियुक्ति को बदला नहीं जा सकता।

सरकारी जमीन हड़पने में सैम पित्रोदा समेत छह पर केस दर्ज

बेंगलुरु, प्रेट्र : कांग्रेस ओवरसीज के प्रमुख सैम पित्रोदा उर्फ सत्यनारायण गंगाराम पित्रोदा और अन्य के खिलाफ सोमवार को स्पेशल एंटी-लैंड ग्रैबिंग कोर्ट में मामला दर्ज किया गया। यह मामला कर्नाटक के बेंगलुरु में सरकारी जमीन के कथित अवैध इस्तेमाल से जुड़ा है। कांग्रेस के ओवरसीज यूनिट के अध्यक्ष सैम पित्रोदा, एफआरएलएचटी (फाउंडेशन फार रिविटलाइजेशन आफ लोकल हेल्थ ट्रेडिशंस) संगठन के संस्थापक दर्शन शंकर और कर्नाटक वन विभाग के चार वरिष्ठ अधिकारियों पर कथित तौर पर सरकारी जमीन हड़पने का आरोप है। 1996 में एफआरएलएचटी ने कर्नाटक राज्य वन विभाग से येलाहंका के पास जराकबांडे कवल में पांच हेक्टेयर (12.35 एकड़) आरक्षित वन भूमि पांच साल के पट्टे पर प्राप्त की। इस पट्टे को 2001 में 10 और वर्षों के लिए नवीनीकृत किया गया था। हालांकि, पट्टा 2011 में समाप्त हो गया और तब से एफआरएलएचटी ने कथित तौर पर 14 वर्षों से अधिक समय से अवैध रूप से भूमि पर कब्जा करना जारी रखा है। भूमि का मूल्य 150 करोड़ रुपये से अधिक है और इसका बाजार मूल्य 300 करोड़ रुपये से अधिक है। संगठन ने भूमि पर उगाए गए दुर्लभ हर्बल पौधों को बेचकर सालाना लगभग पांच से छह करोड़ रुपये कमाए हैं।

इच्छाओं पर नियंत्रण रखने के साथ धैर्य सिखाता है रमजान

रमजान इस्लामी कैलेंडर में सबसे महत्वपूर्ण महीनों में से एक है। इसका महत्व विभिन्न आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक पहलुओं से समझा जा सकता है। इस महीने मुसलमान सूर्य उदय से सूर्यास्त तक उपवास रखते हैं। यह इस्लाम के पांच स्तंभों में से एक है। मुसलमानों का मानना है कि पैगंबर मोहम्मद को रमजान माह में विशेष रूप से लैलत अल-कद्र की रात के दौरान कुरान प्रकट किया गया था। यह महीना आत्म-चिंतन, बढ़ी हुई भक्ति और इबादत का समय है। मुसलमान प्रार्थना, कुरान पढ़ने और अच्छे कर्म करने के माध्यम से अल्लाह (ईश्वर) के साथ अपने रिश्ते को बढ़ाने का प्रयास करते हैं। उपवास का कार्य आत्म-अनुशासन, इच्छाओं पर नियंत्रण और धैर्य सिखाता है। विभिन्न संस्कृतियों में रमजान से जुड़ी अपनी अनूठी रीति-रिवाज और परंपराएं हैं, जिनमें विशेष खाद्य पदार्थ, सजावट और सामूहिक प्रार्थनाएं शामिल हैं। रमजान का समापन ईद-उल-फितर के उत्सव के साथ खत्म होता है, जो उपवास के अंत का प्रतीक है। यह सामूहिक प्रार्थना, दावत और उपहार देने का अवसर है, जो पारिवारिक और सामुदायिक संबंधों को मजबूत करता है।

डा. एमजे खान
अध्यक्ष, इंडियन मुस्लिम फार प्रोग्रेस एंड रिफार्म व मुस्लिम मामलों के विशेषज्ञ

लठामार होली

बांकेबिहारी संग खेली रंगों की होली, खूब लगे जयकारे

सोने की पिचकारी थामे रसिया के दर्शन कर भक्त निहाल, मंदिर में बरसा टेसू का रंग तो भक्तों में छाया उल्लास

जागरण टीम, मथुरा

बरसाना की प्रसिद्ध लठामार होली के बाद सोमवार को ठाकुर बांकेबिहारी के आंगन में खूब रंग बरसा। मंदिर के जगमोहन पर चांदी के सिंहासन पर विराज जब आराध्य ने सोने की पिचकारी थाम दर्शन दिए तो भक्तों की खुशी का ठिकाना न रहा। सेवायतों ने प्रतिनिधि के रूप में रंग बरसाया। जिसके तन पर रंग पड़ा, वह धन्य हो गया।

रंगभरनी एकादशी पर बांकेबिहारी मंदिर में सोमवार को श्वेत पोशाक धारण कर कमर में रंगों की पोटली बांध छलिया ने रसिया के रूप में दर्शन दिए। फूलों की होली से शुरुआत हुई तो मंदिर जयकारों से गूंज उठा। सेवायतों ने सोने की पिचकारी से आराध्य का प्रतिनिधित्व करते हुए भक्तों पर टेसू का चटक रंग बरसाना शुरू किया तो सभी में आराध्य के प्रसादी रंग में सराबोर होने की होड़ मची। मंदिर में बरसते रंग में सराबोर श्रद्धालु बाहर निकलने को तैयार न थे। मंदिर के जगमोहन से सेवायतों ने रंगों की वर्षा की। मंदिर खुलने का समय सुबह पौने नौ बजे का है, लेकिन भीड़ को देख सोमवार को सुबह सात बजे ही पट खुल गए। शाम को रंगों की वर्षा और तेज हुई। ठाकुर बांकेबिहारी ने दिनभर भक्तों संग होली खेली।

ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर के जगमोहन पर चांदी के सिंहासन पर विराज जब आराध्य ने सोने की पिचकारी थाम दर्शन दिए तो भक्तों की खुशी का ठिकाना न रहा। जागरण

कान्हा के आंगन में बरसा भक्ति, प्रेम का रंग

कान्हा का आंगन, भाव से भरे भक्त। श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर प्रेम, भक्ति का रंग बरसा तो द्वापरयुग की होली जीवंत हुई। अबीर, गुलाली के बदरा छाने पर देवलोक जन्मभूमि पर उतर आया। रंग बरसते ही तन-मन झंकृत हो गया। हुरियारिनों ने जब प्रेम पगी लाठियां बरसाईं तो सूर्य देवता भी थम गए। होली दोपहर दो बजे शुरू होनी थी, लेकिन श्रद्धालु इससे पहले ही पहुंचने लगे। केशव वाटिका पर मंच सजा था। कलाकारों ने ब्रज वंदना चारों धामों से निराला ब्रज धाम से शुभारंभ किया तो होली का रंग चढ़ने लगा। रावल के हुरियारे और हुरियारिनों के बीच लठामार होली हुई तो श्रद्धालु इसके साक्षी बने।

काशी विश्वनाथ धाम से आया प्रसाद

काशी विश्वनाथ धाम से जन्मभूमि होली का प्रसाद आया है। इसमें कर्पूरी भस्म, रंग, गुलाल, अबीर, वस्त्र, फल, पुष्प, माखन मिश्री आदि अनेक प्रसाद सामग्री है। इन्हें ठाकुर जी को अर्पित करने के बाद सोमवार को प्रसाद के रूप में भक्तों को बांटा गया।

****

6 श्रमिकों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में रविवार आधी रात गन्ना लेकर जा रहे ट्रक के पलट जाने से। कन्नाड से पिशोर जा रहे ट्रक पर 17 श्रमिक सवार थे।

संभल जामा मस्जिद की सफेदी, अतिरिक्त लाइटिंग की जरूरत है या नहीं : हाई कोर्ट

एएसआइ से मांगा हलफनामा, कहा– विवादित निर्माण के निरीक्षण की जरूरत पर भेज सकते हैं टीम

महाधिवक्ता से मांगी मस्जिद तथा सरकार के बीच हुए करार की कापी, 12 मार्च को पुन: सुनवाई

विधि संवाददाता, जागरण ● प्रयागराज

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने संभल जामा मस्जिद में सफेदी, अतिरिक्त लाइटिंग व भवन के बाहर सजावटी लाइट लगाने की मांग पर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) से हलफनामा मांगा है। पूछा है कि सफेदी, अतिरिक्त लाइटिंग व बाहरी सजावटी लाइट लगाने की जरूरत है भी अथवा नहीं? महाधिवक्ता से कहा है कि सरकार व मस्जिद मुतवल्ली के बीच वर्ष 1927 में हुए करारनामा की प्रति उपलब्ध कराएं। मामले में 12 मार्च को फिर सुनवाई होगी।

प्रबंध समिति जामा मस्जिद संभल की पुनरीक्षण याचिका की सुनवाई न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल कर रहे हैं। याची की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता एसएफए नकवी ने कहा कि एएसआइ की रिपोर्ट में उनकी आपत्ति के तीसरे पैराग्राफ का जवाब एएसआइ के हलफनामे में नहीं

संभल जामा मस्जिद। फाइल

इलाहाबाद हाई कोर्ट। फाइल

दिया गया है। सफेदी, अतिरिक्त लाइटिंग व बाहरी सजावटी लाइट को लेकर कुछ भी नहीं कहा गया है। याची ने केवल बाहरी सफेदी, अतिरिक्त लाइटिंग व सजावटी लाइट लगाने की ही मांग की है। इसके लिए कलर फोटोग्राफ भी दाखिल किया है। भीतर सफेदी की मांग नहीं की है। इस पर एएसआइ के अधिवक्ता मनोज कुमार सिंह ने कहा कि संस्था की आर्केलाजिस्ट कंजर्वेशन एवं साइंस विंग की मदद से सर्वे से तय होगा कि सफेदी की जरूरत है अथवा नहीं। विवादित निर्माण राष्ट्रीय धरोहर है। कोर्ट का कहना था कि याची की तरफ से कहा गया है कि एएसआइ की रिपोर्ट में उसकी आपत्ति के कुछ पैराग्राफ का जवाब नहीं है, इसलिए 24 घंटे में जवाब दिया जाए। यदि विवादित निर्माण के निरीक्षण की जरूरत हो तो एएसआइ की टीम भेजी जा सकती है। इसके साथ ही कोर्ट ने पूर्व में पारित अंतरिम आदेश बढ़ा दिया है। मस्जिद कमेटी की तरफ से पूर्व में रमजान माह का हवाला देते हुए एएसआइ के समक्ष आवेदन देकर मस्जिद की सफेदी-मरम्मत व लाइटिंग की मांग की गई थी। एएसआइ ने इसे खारिज कर दिया था। इसके उपरांत हाई कोर्ट में अपील दायर की गई है।

1927 के समझौते पर अलग-अलग दावे : जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी के सदर जफर अली के अनुसार 1927 में एएसआइ के साथ करार हुआ था। कई शर्तें इसमें थीं, फिलहाल ज्यादा याद नहीं है। करार में स्पष्ट था कि मस्जिद का संरक्षण एएसआइ करेगा, लेकिन मुस्लिमों को नमाज पढ़ने की इजाजत होगी। रंगाई-पुताई का अधिकार भी इंतजामिया कमेटी को दिया गया था। इधर, एएसआइ के अधिवक्ता विष्णु कुमार शर्मा ने ऐसे किसी करार से इन्कार किया है। उनका कहना है कि यदि करार हुआ होता, तो उसकी कापी एएसआइ व जिला प्रशासन के पास भी होती। कहीं ऐसी कापी नहीं है।

बता दें, 24 नवंबर 2024 को संभल में शाही जामा मस्जिद के एक अदालती आदेश के सर्वेक्षण के दौरान हिंसा भड़क उठी। इस हिंसा में चार की मौत हो गई थी और कई घायल हो गए थे।

सर्वेक्षण इस दावे के बाद शुरू किया गया था कि मस्जिद का निर्माण मुगल काल के दौरान कथित रूप से ध्वस्त किए गए एक हिंदू मंदिर के खंडहर पर किया गया था। जामा मस्जिद के सर्वे के पहले दिन यानी 19 नवंबर 2024 को करीब डेढ़ घंटे की वीडियोग्राफी हुई थी। जबकि, दूसरे दिन करीब तीन घंटे की वीडियोग्राफी हुई। इस दौरान करीब 1200 फोटो लिए गए।

गुरप्रीत का शव मिलने के बाद शेष सात का पता लगाने का अभियान तेज

नागरकुरनूल, प्रेट्र : तेलंगाना सुरंग हादसे में जान गंवाने वाले गुरप्रीत सिंह के पार्थिव शरीर को पंजाब में उनके पैतृक स्थान भेज दिया गया है। सुरंग में फंसे सात अन्य लोगों का पता लगाने के लिए सोमवार को 17वें दिन भी बचाव अभियान जारी रहा। रविवार को तलाशी अभियान के दौरान टनेल बोरिंग मशीन (टीबीएम) आपरेटर गुरप्रीत का शव बरामद किया गया था।

गुरप्रीत राबिन्स कंपनी के लिए टीबीएम आपरेटर के रूप में काम करते थे। 22 फरवरी को सुरंग के आंशिक रूप से ढहने के बाद अंदर फंसे आठ लोगों में गुरप्रीत भी थे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि नगरकुरनूल के सरकारी अस्पताल में पोस्टमार्टम और अन्य प्रक्रियाओं के बाद शव को एक विशेष एम्बुलेंस में पंजाब में उनके पैतृक स्थान ले जाया गया। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने उनके परिवार को 25 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 48 घंटे से अधिक समय तक 'बहुत सावधानी से'' खोदाई और अन्य प्रयासों के बाद शव को निकाला जा सका। करीब 10 फीट की गहराई पर गाद के नीचे शव दबा हुआ था। गुरप्रीत सिंह की पहचान उसके बाएं कान की बाली और दाहिने हाथ पर टैटू के आधार पर की गई। अधिकारी ने बताया कि शेष श्रमिकों की तलाश जारी है।

दैनिक वेतनभोगियों के मामले में अधिकारियों को 'सुप्रीम' फटकार

- उन्हें नियमित किए जाने के मुद्दे पर जम्मू-कश्मीर के अधिकारियों को सुनाई खरी-खरी
- हाईकोर्ट के आदेश का पालन नहीं करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने दैनिक वेतनभोगियों को नियमित किए जाने के मामले में हाईकोर्ट के आदेश का पालन न करने पर जम्मू-कश्मीर के अधिकारियों को फटकार लगाई है। कोर्ट ने इसे 'हठ का स्पष्ट एवं पाठ्यपुस्तक वाला उदाहरण'' बताया। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि ग्रामीण विकास विभाग में 14-19 साल तक काम करने वाले दैनिक वेतनभोगियों को नियमित करने के लिए हाईकोर्ट के 2007 के आदेश का पालन करने के बजाय, राज्य के अधिकारी उन्हें परेशान करने के लिए 'गुप्त आदेश'' पारित करते रहे।

पीठ ने सात मार्च को अपने आदेश में कहा, 'हम यह मानने के लिए बाध्य हैं कि वर्तमान मामला राज्य के अधिकारियों/प्राधिकारियों द्वारा प्रदर्शित हठधर्मिता का एक स्पष्ट और पाठ्यपुस्तक वाला उदाहरण है। वे खुद को कानून की पहुंच से ऊपर और परे मानते हैं।'' कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों ने तीन मई, 2007 के 'हाईकोर्ट के सरल आदेश'' का पालन करने में लगभग 16 साल लगा दिए। उनकी यह 'निष्क्रियता चौंकाने वाली और प्रथम दृष्टया अवमाननापूर्ण'' थी। इसलिए, पीठ ने हाईकोर्ट की खंडपीठ द्वारा लगाए गए 25,000 रुपये के जुर्माने में हस्तक्षेप करने से इन्कार कर दिया और कहा कि अधिकारियों के साथ सख्ती से निपटा जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट।

कोर्ट ने कहा, ''हमें जिस बात की चिंता है, वह केवल वर्षों की देरी नहीं है, बल्कि यह अकाट्य तथ्य भी है कि बेचारे प्रतिवादियों – जो दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी हैं, को याचिकाकर्ताओं द्वारा बार-बार रहस्यमय आदेश पारित करके परेशान किया गया है। इससे एकल जज द्वारा तीन मई, 2007 को पारित आदेश के वास्तविक महत्व और भावना की अनदेखी की गई है। सुप्रीम कोर्ट ने महसूस किया कि हाईकोर्ट द्वारा 25,000 रुपये के 'प्रतीकात्मक जुर्माने'' में किसी भी हस्तक्षेप का औचित्य नहीं है।

गढ़वा में पटाखा दुकान में आग लगने से पांच की दम घुटने से मौत

जागरण संवाददाता, गढ़वा : झारखंड के गढ़वा जिले के गोदरमाना में सोमवार को एक किराना दुकान के बाहर बिक्री के लिए रखे पटाखों में आग लग जाने से दम घुटने से महिला व दो बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। आग की चपेट में आकर कुछ लोग घायल हुए हैं, जिनका इलाज चल रहा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने घटना पर दुख व्यक्त किया है। आग कैसे लगी, यह स्पष्ट नहीं सका है। प्रशासन ने मृतकों के स्वजन को तीन-तीन लाख रुपये की सहायता देने की बात कही है।

बताया जाता है कि घटना की शिकार 18 वर्षीया सुशीला केरकेट्टा रविवार को गोदरमाना में लगने वाले साप्ताहिक बाजार आई थी। इस बीच उसने पटाखा दुकानदार 46 वर्षीय कुश कुमार की दुकान में जाकर नौकरी देने का अनुरोध किया। कुश ने उसे सोमवार को नौकरी देने के लिए बुलाया था। सुशीला सोमवार को दुकान में नौकरी करने पहुंची थी, जबकि 32 वर्षीय अजीत केसरी दुकान पर पटाखा लेने आया था।

तेलंगाना की अदालत ने आनर किलिंग में मौत की सजा सुनाई

- मौत की सजा पाने वाला सुभाष कुमार शर्मा बिहार का मूल निवासी
- मामले में छह अन्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई

हैदराबाद, आइएएनएस : तेलंगाना के नलगोंडा की एक विशेष अदालत ने सोमवार को 2018 के आनर किलिंग मामले में एक भाड़े के हत्यारे को मौत की सजा और छह अन्य को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। एससी/एसटी अदालत ने छह साल पहले दलित युवक पी. प्रणय की हत्या के लिए बिहार के मूल निवासी सुभाष कुमार शर्मा को मौत की सजा सुनाई। प्रणय की सार्वजनिक रूप से उस समय हत्या कर दी गई, जब वह गर्भवती पत्नी अमृता और मां के साथ 14 सितंबर 2018 को मिर्यालगुडा के एक निजी अस्पताल से बाहर आ रहा था। यह हत्या सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी।

प्रणय ने ऊंची जाति की अमृता से विवाह किया था। वे बचपन के दोस्त थे। उनकी शादी 30 जनवरी 2018 को हैदराबाद के आर्य समाज मंदिर में हुई थी। प्रणय की हत्या के लिए भाड़े पर हत्यारे बुलाने वाले अमृता के पिता मामले में पहले आरोपित थे। वह जब जमानत पर थे तो सात मार्च 2020 को आत्महत्या कर ली। मारुति राव पर अन्य आरोपित

प्रतीकात्मक।

के माध्यम से भाड़े के हत्यारे सुभाष शर्मा को एक करोड़ रुपये देकर हत्या की साजिश रचने का आरोप था। अन्य दोषियों में असगर अली, अब्दुल बारी, एमए करीम, मारुति राव के भाई श्रवण कुमार, आटो चालक निजाम और मारुति राव के कार चालक शिवा को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है।

खाद्य पदार्थ की पालीथिन में थूकने और पेशाब करने का वीडियो प्रसारित

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरनगर : उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में एक हलवाई द्वारा खाद्य पदार्थ की पालीथिन में थूकने और पेशाब करने का वीडियो प्रसारित हो रहा है। ग्रामीणों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित हलवाई को शांतिभंग की आशंका में गिरफ्तार कर लिया। मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किए जाने पर उसको जमानत मिल गई। इरशाद की दुकान किराये पर लेकर विशाल उसमें समोसे एवं मिठाई बनाता था। रविवार को विशाल का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुआ, जिसमें वह दुकान के अंदर ही खाद्य पदार्थ रखकर देने वाली पालीथिन में पेशाब करते और थूकते दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों ने फोन पर हलवाई की इस करतूत की शिकायत की थी।

पूछताछ में विशाल ने बताया कि वह नशे में था और उल्टी कर रहा था। उसी दौरान किसी ग्रामीण ने वीडियो बना लिया और भ्रामक तरीके से प्रसारित कर दिया। हलवाई के खिलाफ किसी भी व्यक्ति ने तहरीर नहीं दी थी, जिस कारण उसका शांतिभंग की आशंका में चालान किया गया।

गलत दिशा में दौड़ रही जीप ट्रक से भिड़ी, आठ की मौत, 14 घायल

- मप्र के सीधी जिले में हादसा, बच्चे के मुंडन के लिए जा रहे थे लोग

नईदुनिया प्रतिनिधि, सीधी

मध्य प्रदेश के सीधी जिले में रविवार देर रात ढाई बजे बड़ा सड़क हादसा हो गया। सीधी से मैहर जा रही 22 लोगों से भरी जीप सामने से आ रहे ट्रक से जा टकराई। हादसे में मौके पर ही सात लोगों की मौत हो गई। आठवें ने रीवा में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। 14 घायलों में से सात की हालत गंभीर होने पर रीवा के संजय गांधी मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, जीप चालक ने रात दो बजे डीजल भरवाया और गलत दिशा में जीप दौड़ा दी, कुछ दूर चलने के बाद ही जीप सामने से आ रहे ट्रक से जा भिड़ी। मृतकों में पांच महिलाएं और तीन पुरुष हैं। सभी आपस में रिश्तेदार थे।

घटना सिटी कोतवाली अंतर्गत बहरी मार्ग के उपनी गांव पेट्रोल पंप हुई। घायलों में छह बच्चे भी हैं। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने मृतकों के प्रति गहन शोक जताते हुए आर्थिक सहायता दिए जाने

सीधी में हादसे के बाद घटनास्थल पर खड़ा क्षतिग्रस्त ट्रक और जीप। नईदुनिया

की घोषणा की है। पुलिस के अनुसार, शिवशंकर साहू अपने तीन वर्षीय बेटे सौरव का मुंडन कराने के लिए सीधी से रिश्तेदारों के साथ मैहर माता के मंदिर को रवाना हुए थे। जीप (तूफान) में 22 लोग सवार थे। जीप से पुलिस ने दो बकरे भी बरामद किए हैं।

उल्टी दिशा में आ रहे ट्रक से भिड़ी कार, पांच की मृत्यु

जागरण संवाददाता, बस्ती : अहमदाबाद (गुजरात) से होली मनाने घर आ रहे गोरखपुर और गोपालगंज के पांच लोगों की सड़क हादसे में मृत्यु हो गई। सभी कार में सवार थे। बस्ती में लेन बदल उल्टी दिशा में जा रहे ट्रक से आमने-सामने की टक्कर में कार के परखचे उड़ गए। हादसे में तीन लोग गंभीर घायल हैं। गुजरात में ठेकेदारी करने वाले प्रेमचंद पासवान अपनी एसयूवी कार से गोरखपुर आ रहे थे। गाड़ी में उनके साथ गोरखपुर और गोपालगंज के रहने वाले सात अन्य कारोबारी मित्र, सहयोगी और परिचित थे। सोमवार सुबह साढ़े छह बजे गोरखपुर-लखनऊ फोरलेन पर बस्ती में गोटवा के पास पहुंचे थे कि लखनऊ की तरफ जा रहे ट्रक ने लेन बदल ली और उल्टी दिशा में चलने लगा।

बंगाल में 'विदेशियों' के उम्मीदवार बनने का मामला पहुंचा हाई कोर्ट

- विदेश मंत्रालय व चुनाव आयोग के खिलाफ दायर की गई जनहित याचिका

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

पंचायत चुनाव हो या विधानसभा चुनाव, बंगाल में विदेशियों की उम्मीदवारी पर बार-बार विवाद होता रहा है। विदेशी नागरिक भविष्य में चुनाव नहीं लड़ सकें, यह सुनिश्चित करने के लिए विदेश मंत्रालय, राष्ट्रीय चुनाव आयोग और राज्य चुनाव आयोग के खिलाफ कलकत्ता हाई कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है। वादी माणिक फकीर ने अपनी याचिका में कहा है कि बंगाल में विदेशी (बांग्लादेशी) नागरिक फर्जी वोटर कार्ड बनवाकर चुनाव में खड़े हो रहे हैं। पिछले पंचायत व विधानसभा चुनावों में बांग्लादेशी उम्मीदवारों के खड़े होने के आरोप लगे हैं। इसके खिलाफ हाई कोर्ट में मामला चल रहा है। मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम और न्यायमूर्ति चैताली चटर्जी की खंडपीठ में अगले गुरुवार को इस मामले पर सुनवाई होने की संभावना है।

वादी ने अपने कथन के समर्थन में कई उदाहरण भी दिए हैं। 2023 में लवली

कलकत्ता हाई कोर्ट।

खातून ने मालदा के हरिश्चंद्रपुर में ग्राम पंचायत का चुनाव लड़ा और जीत गईं। बाद में नामांकन पत्र पर पिता के नाम को लेकर विवाद हो गया। हाई कोर्ट में मामला दायर होने के बाद पता चला कि लवली खातून बांग्लादेश की नागरिक हैं। उनका असली नाम नासिया शेख है। 2015 के बाद वह अवैध रूप से भारत में घुस आईं और फर्जी वोटर कार्ड बनवाए। उन्हें 2018 में फर्जी जन्म प्रमाण-पत्र दिया गया था।

राजस्थान में 44 सरकारी भर्ती परीक्षाओं का कैलेंडर जारी

जागरण संवाददाता, जयपुर : राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने मार्च 2025 से सितंबर 2026 तक आयोजित होने वाली 44 भर्ती परीक्षाओं का कैलेंडर जारी किया है, जिसमें रीट मेन्स 2025, जेल प्रहरी, पटवारी, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता, सीएचओ, प्लाटून कमांडर समेत अन्य भर्तियां शामिल हैं। बोर्ड ने परीक्षा परिणाम की संभावित तारीख भी बताई है। कैलेंडर के अनुसार मार्च 2025 से दिसंबर तक 35 और वर्ष 2026 में नौ भर्ती परीक्षाएं होंगी।

बोर्ड के सचिव भागचंद बधाल ने बताया कि लेखा सहायक संविदा भर्ती, ग्राम विकास अधिकारी, पुस्तकालय सहायक, प्लाटून कमांडर, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों, प्रयोगशाला सहायक, परिचालक, जमादार भर्ती परीक्षाएं इस वर्ष अगस्त से दिसंबर तक आयोजित होंगी। वर्ष 2026 में प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्कूलों में शिक्षक, कृषि पर्यवेक्षक, समान पात्रता परीक्षा, कर सहायक, लिपिक, कंप्यूटर अनुदेशक व शारीरिक शिक्षक भर्ती परीक्षाएं होंगी।

टायलेट जाम होने से एअर इंडिया के विमान को वापस लौटना पड़ा

- शिकागो-दिल्ली एअर इंडिया की उड़ान में 300 यात्री थे सवार
- विमान में स्थित 12 में से 11 टायलेट नहीं कर रहे थे काम

नई दिल्ली, एएनआइ: एअर इंडिया के विमान ने गुरुवार को अमेरिका के शिकागो से दिल्ली के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन करीब 10 घंटे बाद विमान को वापस शिकागो लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, शिकागो से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाले विमान में कथित तौर पर सभी टायलेट जाम हो गए थे। विमान के 12 में से 11 टायलेट काम नहीं कर रहे थे और सिर्फ बिजनेस क्लास का ही एक टायलेट चल रहा था। अब घटना को लेकर एयरलाइन ने सफाई दी है।

एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि छह मार्च को शिकागो से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली एआइ126 विमान तकनीकी समस्या के कारण शिकागो वापस लौट गया।

घटना की जांच के दौरान हमारी टीमों को टायलेट में पालीथीन बैग और कपड़े मिले थे, जिन्हें नीचे बहा दिया गया था और पाइपलाइन में फंस गए थे। इससे टायलेट जाम हो गए थे। एअर इंडिया

प्रतीकात्मक।

ने यात्रियों से टायलेट का उपयोग केवल उन्हीं उद्देश्यों के लिए करने का आग्रह किया, जिसके लिए वे बने हैं। उन्होंने कहा कि विमान के शिकागो में उतरने पर यात्रियों और चालक दल को आवासीय सुविधा प्रदान की गई। इसके बाद यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई।

बम की धमकी के बाद न्यूयार्क जा रहा विमान मुंबई लौटा

मुंबई, प्रेट्र : न्यूयार्क जा रहा एयर इंडिया का एक विमान सोमवार को वापस मुंबई हवाई अड्डे पर लौट आया, क्योंकि उसके टायलेट में बम की धमकी वाला पर्चा मिला। विमान में 320 से अधिक लोग सवार थे। विमान सुरक्षित रूप से मुंबई में उतरा और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा इसकी अनिवार्य जांच की जा रही है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक यात्री ने टायलेट के अंदर ''विमान में बम है'' संदेश लिखा नोट देखा और चालक दल को इसकी जानकारी दी। बाद में विमान को छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात स्थिति में उतारा गया। अधिकारी ने कहा कि हम जांच कर रहे हैं। पुलिस इस मामले में अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआइआर दर्ज करने की प्रक्रिया में है।

अब जीत की बधाई देकर बोले मौलाना, कजा रोजे रखें शमी

जासं, बरेली : भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को शरई तौर पर अपराधी बताने पर घिर चुके मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने सोमवार को भी बयान जारी किया। इस बार उन्होंने चैंपियंस ट्राफी जीतने पर भारतीय टीम एवं मोहम्मद शमी को बधाई दी। साथ में यह भी कहा कि मोहम्मद शमी का रोजा टूट गया था। अब वह कजा रोजे रखें। यानी, रमजान में जितने दिन रोजे नहीं रख सके थे, उतने दिन बाद में रख लें।

पिछले मंगलवार को दुबई में आस्ट्रेलिया से मैच के दौरान मोहम्मद शमी शीतल पेय पीते दिखे थे। इस पर मौलाना ने तल्ख टिप्पणी की थी। उनके इस बयान पर मोहम्मद शमी के स्वजन आदि ने तीखी प्रतिक्रिया दी थी। कई अन्य लोगों ने भी तर्क दिया था कि मोहम्मद शमी देश से बाहर हैं, भारत के लिए मैदान पर पसीना बहा रहे हैं। वह अपने लिए नहीं, देश के लिए मेहनत कर रहे हैं। ऐसे में उनका मनोबल नहीं तोड़ना चाहिए।

कोर्ट की सख्ती

पूर्व जज की पत्नी की पेंशन रोकी, अब फटकार

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने कहा, पेंशन किसी भी व्यक्ति की संपत्ति के समान, अकारण नहीं रोकी जा सकती : हाई कोर्ट, पूर्व जज के खिलाफ चार्जशीट रद होने के बावजूद पेंशन रोकने पर लगाई कड़ी फटकार

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़

एक पूर्व सिविल जज की पत्नी को पेंशन व अन्य सेवानिवृत्ति लाभ जारी करने में देरी करने पर पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने हाई कोर्ट प्रशासन व पंजाब सरकार को 25,000 रुपये का जुर्माना लगाया है।

पंजाब के एक पूर्व सिविल जज गुरनाम सिंह की पत्नी प्रीतम कौर की याचिका पर सुनवाई करते हुए हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस शील नागू व जस्टिस सुधीर सिंह की पीठ ने सरकार व हाई कोर्ट प्रशासन को कड़ी फटकार भी लगाई। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि सेवानिवृत्ति लाभ व पेंशन किसी भी व्यक्ति की संपत्ति के समान हैं और बिना किसी कानूनी कारण के उन्हें रोका नहीं जा सकता।

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने ने कहा कि मार्च 2018 से मार्च 2024 तक जज व उनकी पत्नी को पेंशन नहीं मिलना कानून की पूरी तरह अवहेलना भी है। यह तय कानून है कि जैसे ही पेंशन देय होती है, उसे तुरंत जारी

पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट।

किया जाना चाहिए। यदि ऐसा नहीं किया जाता है तो उस पर ब्याज व जुर्माने सहित भुगतान करना होगा।

गुरनाम सिंह 1973 में पंजाब सिविल सेवा (न्यायिक) परीक्षा पास कर न्यायिक सेवा में आए थे। 1996 में उन्होंने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के लिए आवेदन किया था पर एक विभागीय जांच के कारण उसे खारिज कर दिया गया था। उन्हें निलंबित भी कर दिया गया था। 2001 में उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। 2018 में हाई कोर्ट ने उनके खिलाफ चार्जशीट, जांच रिपोर्ट व कार्रवाई रद कर दी। गुरनाम सिंह के सेवानिवृत्ति लाभ उनके खिलाफ लंबित जांच के कारण रोके गए थे।

2021 में उनके निधन के बाद उनकी पत्नी ने 2022 में हाई कोर्ट में याचिका दायर की जिसमें पेंशन व बकाया राशि जारी करने की मांग की गई। हाई कोर्ट के प्रशासनिक पक्ष ने 1,87,411 की राशि की वसूली की शर्त लगा दी जो गुरनाम सिंह को निलंबन अवधि में निर्वाह भत्ते के रूप में मिली थी। इस कारण न तो उन्हें पेंशन दी गई और न ही पारिवारिक पेंशन तय की गई। 2023 में, हाई कोर्ट की सतर्कता अनुशासन समिति ने उनके खिलाफ चार्जशीट रद करने और निलंबन अवधि को अर्जित अवकाश के रूप में मानने का फैसला दिया।

इसके बाद प्रशासन ने पंजाब महालेखाकार को इसकी जानकारी दी और 2024 में पेंशन व ग्रेच्युटी मंजूर की गई। कोर्ट ने यह सवाल उठाया कि जब 2018 में ही बर्खास्तगी की सजा रद कर दी गई थी तो फिर पेंशन क्यों रोकी गई?

****

देहरादून में नियम विरुद्ध संचालित 10 और मदरसे सील

जागरण संवाददाता, देहरादून: उत्तराखंड में नियमों और मानकों को ताक पर रखकर संचालित मदरसों पर प्रशासन की कार्रवाई जारी है। सोमवार को प्रशासन की टीम ने देहरादून के विकासनगर क्षेत्र में 10 और मदरसों को सील कर दिया। पिछले 10 दिन के अंदर क्षेत्र में 19 मदरसे और एक मस्जिद सील की जा चुकी हैं। पुलिस-प्रशासन की टीम ने सोमवार को सहसपुर थाना क्षेत्र में बिना पंजीकरण और बिना नक्शा पास कराए संचालित किए जा रहे 10 मदरसे सील किए। दस मदरसों में से किसी का भी नक्शा पास नहीं था। सोमवार को सहसपुर थाना क्षेत्र के मदरसा जामिया सायिदा फातिमा तुज्जाहरा, जामिया सबीलुर्रशाद इहाता मोहसिन शाखा, जामिया हुजैनबिन अली शिक्षा समिति, इदारा एम हबीबिया लिल बनात और मदरसा दार ए अरकन को प्रशासन की टीम ने सील करने की कार्रवाई की।

ड्रोन बनाने का बड़ा उद्योग लगाने की तैयारी कर रहा था सौरभ

- लोकायुक्त पुलिस की पूछताछ में हुआ राजफाश, करोड़ों के निवेश की थी तैयारी

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया,भोपाल

काली कमाई का आरोपित मध्य प्रदेश परिवहन विभाग के पूर्व परिवहन आरक्षक सौरभ शर्मा ड्रोन टेक्नोलाजी का बड़ा उद्योग लगाने की तैयारी में था। वह जल्द से जल्द ड्रोन बनाने का कारोबार शुरू करने जा रहा था, उसके पहले ही उसकी काली कमाई का खेल सामने आ गया। पता लगा है कि सौरभ अपने करीबी लोकेश सदाशिवन के साथ यह काम शुरू करने की तैयारी में था। इसमें करोड़ों रुपये का निवेश किया जाना था। इसका राजफाश सदाशिवन ने लोकायुक्त पुलिस से पूछताछ में किया है।

दिसंबर 2024 में भोपाल निवासी जिस शिकायतकर्ता ने दस्तावेजों के साथ सौरभ की काली कमाई से बनाई संपत्ति की जानकारी लोकायुक्त पुलिस को दी थी, उसने ही लोकेश सदाशिवन के बारे में जांच एजेंसी को बताया था। शिकायत यह

सौरभ शर्मा। फाइल

की गई थी कि सदाशिवन सौरभ के लिए हवाला का काम करता है। इस आधार पर पुलिस ने एफआइआर में शिकायत के हवाले से इस तथ्य का उल्लेख किया। जांच अधिकारियों ने अब सदाशिवन से पूछताछ की है। सौरभ के यहां छापे के साथ उसके करीबी चेतन सिंह गौर और शरद जायसवाल का नाम उछला था, पर सदाशिवन का नाम सामने नहीं आया था।

दैनिक जागरण
धैर्य का परिणाम सदैव सुखद होता है

शिक्षा नीति पर रार

जैसा अंदेशा था, वैसा ही हुआ। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत हंगामे से हुई। जिन मुद्दों पर हंगामा हुआ, उनमें नई शिक्षा नीति भी है। इससे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण और कुछ नहीं कि नई शिक्षा नीति को दलगत राजनीतिक हितों से जोड़कर देखा जा रहा है और कुछ राज्यों की ओर से केवल इसलिए उसका विरोध किया जा रहा है, ताकि लोगों की भावनाओं को भड़काकर राजनीतिक लाभ उठाया जा सके। नई शिक्षा नीति का सबसे अधिक विरोध तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की ओर से किया जा रहा है। इस विरोध के पीछे क्षुद्र राजनीति है। स्टालिन को सबसे अधिक आपत्ति नई शिक्षा नीति के त्रिभाषा फार्मूले पर है। यह फार्मूला नया नहीं है। यह 1968 में ही बन गया था। इसमें यह प्रविधान था कि गैर हिंदी भाषी राज्य अपनी स्थानीय भाषा और अंग्रेजी के साथ तीसरी भाषा के रूप में हिंदी पढ़ाएंगे। यह उल्लेखनीय है कि 2020 की नई शिक्षा नीति में हिंदी की अनिवार्यता खत्म कर दी गई है। इसके बाद भी स्टालिन यह शोर मचाने में लगे हुए हैं कि त्रिभाषा फार्मूले के जरिये मोदी सरकार तमिलनाडु पर हिंदी थोपना चाहती है। यह निरा झूठ है और इसका उद्देश्य लोगों को बरगलाना है।

तमिलनाडु में अगले वर्ष विधानसभा चुनाव होने हैं। स्टालिन इन चुनावों में अपने पक्ष में माहौल बनाने के लिए ही नई शिक्षा नीति का विरोध करने में लगे हुए हैं। समस्या यह है कि इसके लिए वह झूठ बोलने से भी नहीं चूक रहे हैं। संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थों के फेर में उन्होंने इतना उग्र रूप धारण कर लिया है कि हिंदी के साथ संस्कृत पर भी आपत्ति जता रहे हैं। हिंदी विरोध के अलावा उन्होंने परिसीमन को लेकर भी यह माहौल बनाना शुरू कर दिया है कि इससे दक्षिण के राज्यों को राजनीतिक क्षति उठानी पड़ेगी। हालांकि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री यह स्पष्ट कर चुके हैं कि परिसीमन से किसी राज्य को कोई नुकसान नहीं होने दिया जाएगा, लेकिन स्टालिन ऐसा ही होने का हौवा खड़ा करने में लगे हुए हैं। यह सही है कि लोकसभा सीटों का परिसीमन प्रस्तावित है, लेकिन वह तो तब होगा, जब जनगणना होगी। जब न जनगणना हुई है और न ही यह तय हुआ है कि वह किस आधार पर होगा, तब फिर स्टालिन उसे लेकर लोगों को आशंकित करने में क्यों जुटे हुए हैं? इससे बुरी बात और कोई नहीं कि डीएमके नेता शिक्षा नीति को अपनी सस्ती राजनीति का विषय बनाएं और वह भी झूठ का सहारा लेकर। उन्हें ऐसा करने से रोका जाना चाहिए, क्योंकि त्रिभाषा फार्मूले में हिंदी का उल्लेख तक नहीं है। यदि स्टालिन को यकीन न हो तो वह नई शिक्षा नीति तैयार करने वाली समिति के प्रमुख के. कस्तूरीरंगन से संपर्क करें, जो खुद तमिलियन हैं।

पुलिस के लिए चुनौती

तस्करों के खिलाफ पंजाब पुलिस की ओर से चलाए जा रहे अभियान के बीच सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से हेरोइन एवं हथियारों को मंगवाने की घटनाओं का न रुकना गंभीर मामला है। पुलिस की ओर से कई आरोपितों के घर गिराए जा चुके हैं और यह कार्रवाई जारी है। इसके बाद भी यदि तस्करों की सक्रियता बरकरार है तो इसे दुस्साहस ही कहा जाएगा। फिरोजपुर में जहां पाकिस्तान से मंगवाई गई तीन किलो हेरोइन के साथ दो आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है, वहीं अमृतसर में भी एक तस्कर को गिरफ्तार करके उससे दो पिस्तौल बरामद की गई है। यह पिस्तौल भी पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से मंगवाई गई थी। बीएसएफ के मुस्तैद जवान सीमा पार से आने वाले ड्रोनों को फायर करके गिरा देते हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि कुछ ड्रोन उनकी नजरों से बच जा रहे हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले ऐसे लोगों पर पैनी नजर रखी जानी चाहिए, जिनकी गतिविधियां संदिग्ध हैं। पुलिस को ऐसे लोगों की पहचान करने के लिए अपना सूचना तंत्र मजबूत करना होगा, जो ड्रोन के माध्यम से पाकिस्तान से हेरोइन एवं हथियार मंगवाते हैं। पाकिस्तान में बैठे तस्करों से जिन लोगों के संबंध हैं यदि उनको सलाखों के पीछे पहुंचा दिया जाता है तो काफी हद तक ड्रोन की गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सकता है। बेशक पुलिस के लिए यह चुनौतीपूर्ण कार्य है, लेकिन इच्छाशक्ति दिखाई जाए तो तस्करों का नेटवर्क खत्म किया जा सकता है।

पाकिस्तान में बैठे तस्करों से सीमावर्ती जिलों के जिन लोगों के संबंध हैं उनको सलाखों के पीछे पहुंचाना आवश्यक है

भारत के लिए आपदा में अवसर

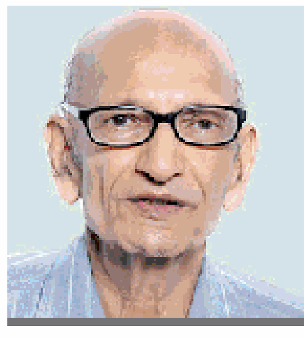

भरत झुनझुनवाला

भारत को चाहिए कि ट्रंप द्वारा टैरिफ बढ़ाने से डरने के बजाय अपना निर्यात अन्य देशों में करने के उपाय खोजे

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आयातित होने वाले माल पर आयात कर (टैरिफ) बढ़ाने की घोषणा की है। नए कर 2 अप्रैल से प्रभावी हो जाएंगे। ट्रंप को चिंता है कि अमेरिका द्वारा दूसरे देशों से जो माल खरीदा जा रहा है, उससे अमेरिकी उद्योग चौपट हो रहे हैं। अमेरिका दूसरे देशों पर निर्भर होता जा रहा है, विशेषकर भारत और चीन पर। ऐसे में ट्रंप चाहते हैं कि अमेरिका में खपत होने वाले माल का अधिकाधिक उत्पादन देश में ही किया जाए, जिससे अमेरिका दूसरे देशों के शिकंजे से बच सके। इस दिशा में ट्रंप ने एलान किया है कि दो अप्रैल से वह भारत से आयातित होने वाले माल पर उतना आयात कर लगाएंगे, जितना भारत द्वारा अमेरिका से आयातित होने वाले माल पर लगाया जाता है। ट्रंप का सोच है कि ऊंचे आयात कर लगाने से आयात महंगे हो जाएंगे और इसकी तुलना में घरेलू उत्पादन सस्ता पड़ने लगेगा, जिससे अमेरिका में उद्योग चल निकलेंगे, रोजगार उत्पन्न होंगे और अमेरिकी आर्थिकी स्वावलंबन की ओर बढ़ेगी। हालांकि आयात कर लगाने से व्यापार घाटा कम नहीं होगा। जब आयात अधिक और निर्यात कम हो तो देश का व्यापार घाटे में चला जाता है, जैसे घर के खर्च अधिक और आय कम हो तो परिवार को घाटा झेलना पड़ता है।

आर्थिकी के लिए किसी भी देश को विदेशी मुद्रा बहुत आवश्यक होती है। विदेशी मुद्रा मुख्य रूप से दो स्रोतों से प्राप्त होती है। एक निर्यात और दूसरे, ऋण से। निर्यात और ऋण से मिलने वाली विदेशी मुद्रा का उपयोग आयात भुगतान के लिए किया जाता है। इसमें एक फार्मूला बनता है: निर्यात+ऋण=आयात। स्वाभाविक है कि निर्यात और आयात बराबर तब ही होंगे, जब ऋण शून्य हो जाए। अर्थात व्यापार घाटा तभी शून्य होगा, जब ऋण शून्य हो जाए। इसे एक उदाहरण से समझा जा सकता है। मान लीजिए एक दुकानदार को ऊंचे जीवन स्तर की आदत है। वह ऋण लेकर महंगी कार में घूमता है। ऋण पर ब्याज देने के कारण उसकी दुकान घाटे में चल रही है। ऐसे में यदि वह विक्रय की राशि में से 10 प्रतिशत रकम ऋण पर ब्याज देने के लिए अलग रख दे तो दुकान का घाटा बढ़ेगा। तब 100 रुपये की बिक्री में से दुकान चलाने के लिए केवल 90 रुपये मिलेंगे और दुकान का घाटा बढ़ता जाएगा। जैसे कैंसर के रोगी को घी पिलाने से उपचार नहीं होता और उसे रेडिएशन थेरेपी देनी ही पड़ती है, वैसे ही घाटे के रोगी अमेरिका का आयात कर बढ़ने से उपचार नहीं होगा। उसे अपने सरकारी खर्च घटाने होंगे। इस दिशा में पहल तो हुई, पर विरोध भी शुरू हो गया है।

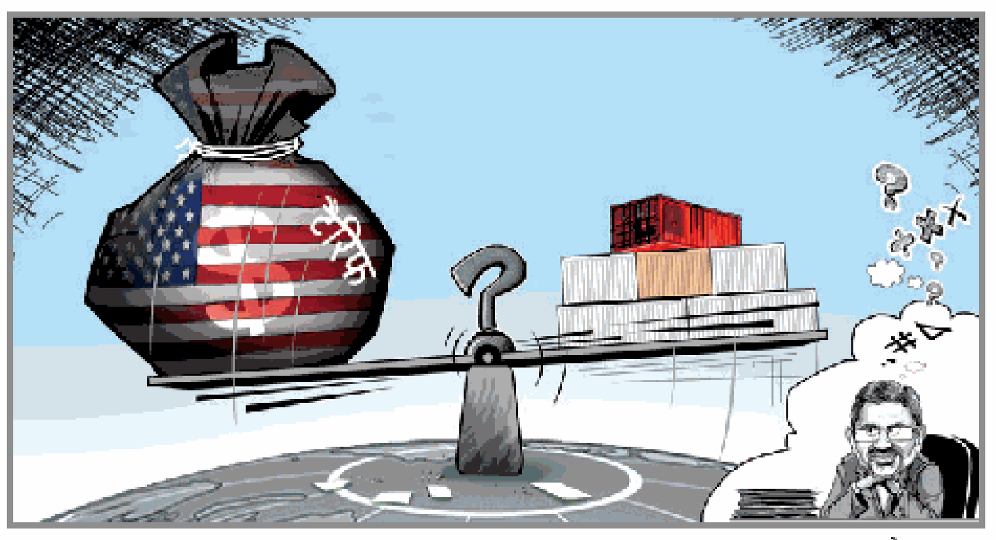

अवधेश राजपूत

अमेरिका का वार्षिक घाटा करीब 1.8 ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर का है। इस घाटे की भरपाई के लिए अमेरिकी सरकार भारी मात्रा में ऋण ले रही है। इस ऋण से मिले डालर का उपयोग अमेरिका द्वारा भारत, चीन आदि देशों से माल का आयात करने के लिए किया जा रहा है। इस कारण अमेरिका का व्यापार घाटा बढ़ा हुआ है। इस ऋण से अमेरिकी सरकार अपने नागरिकों को बेरोजगारी भत्ता एवं स्वास्थ्य सेवाएं इत्यादि मुहैया कराती है, जिससे अमेरिकी नागरिक का जीवन स्तर ऊंचा बना हुआ है। जिस प्रकार दुकानदार को ऋण लेकर लक्जरी कार में सैर करने की लत लग जाए तो उसकी दुकान घाटे में चली जाती है, उसी प्रकार अमेरिकी नागरिकों की ऊंचे जीवन स्तर की लत से अमेरिका की दुकानदारी घाटे में चल रही है। जब तक अमेरिकी सरकार ऋण लेती रहेगी, तब तक निश्चित रूप से निर्यात कम और आयात अधिक होंगे और व्यापार घाटा शून्य नहीं हो सकता।

यदि ट्रंप द्वारा आयात कर बढ़ाए जाते हैं तो व्यापार घाटा कम होने के स्थान पर बढ़ेगा। आयात कर बढ़ाने से वस्तुएं महंगी होंगी और आयात घटेंगे। आयात घटने से अमेरिका में चीनी मुद्रा युआन की मांग घटेगी। उसकी मांग कम होने से युआन के दाम गिरेंगे और फिर डालर के दाम बढ़ेंगे। डालर के दाम बढ़ने से अमेरिकी निर्यात दबाव में आएंगे। आयात कर बढ़ाने से आयात कम अवश्य होंगे, पर निर्यात भी घटेंगे और व्यापार घाटा पूर्ववत बना रहेगा। व्यापार घाटे को कम करने का उपाय है कि अमेरिकी सरकार अपने बजट घाटे पर नियंत्रण करे। जब अमेरिकी सरकार विदेशी ऋण लेकर आयात करना बंद कर देगी तब निर्यात और आयात का कांटा बराबर हो जाएगा।

पहले कार्यकाल में भी आयात कर बढ़ाकर ट्रंप घाटे पर नियंत्रण नहीं कर पाए थे, लेकिन यह भी सही है कि ट्रंप के पहले कार्यकाल में चीन से अमेरिका का व्यापार घाटा कम हुआ था, लेकिन वियतनाम और दूसरे देशों से व्यापार घाटा उतना ही बढ़ गया था। ट्रंप बजट घाटे को लेकर भी चिंतित हैं। उन्होंने एलन मस्क को जिम्मेदारी दी है कि वह सरकार में निहित अकुशलताओं को चिह्नित करें और सरकारी फिजूलखर्ची पर नियंत्रण करें, लेकिन यह पहल ऊंट के मुंह में जीरा साबित होगी। इस शोर का उद्देश्य घरेलू वोटर को लुभाना मात्र है। सच यह है कि अमेरिकी जनता अपनी कमाई से अधिक खपत कर रही है। इस ऊंचे जीवन स्तर को पोषित करने के लिए अमेरिका द्वारा भारी मात्रा में ऋण लिया जा रहा है, जिसका तार्किक परिणाम व्यापार घाटा है।

भारत को चाहिए कि ट्रंप द्वारा लगाए जाने वाले आयात कर से डरने के बजाय अपना निर्यात अन्य देशों में करने के उपाय खोजे। कई विश्लेषकों का मत है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था आने वाले समय में संकट में पड़ सकती है। इसलिए भारत को चाहिए कि अपने निर्यात दूसरे देशों में बढ़ाने के प्रयास करे, जिससे अमेरिकी सरकार द्वारा आयात कर लगाने अथवा अमेरिकी अर्थव्यवस्था के संकट आने के कारण हमारे ऊपर परेशानी न आए। ट्रंप की कवायद डी-ग्लोबलाइजेशन या वि-वैश्वीकरण की तरफ एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत से बड़ी मात्रा में पूंजी का पलायन हो रहा है। ऐसे में भारत को चाहिए कि वैश्वीकरण के रास्ते विदेशी पूंजी को आकर्षित करने के पीछे भागने के स्थान पर अपनी पूंजी को बाहर जाने से रोकने के लिए उचित उपाय करे। यदि हमने इस संभावित चुनौती का सही तरीके से समाधान तलाश लिया तो ट्रंप द्वारा लगाए गए आयात कर हमारे लिए वरदान साबित हो सकते हैं।

(लेखक अर्थशास्त्री हैं)
response@jagran.com

भाषा पर भड़काने वाली राजनीति

कृपाशंकर चौबे

स्टालिन भारतीय भाषाओं को आपस में लड़ाने और अंग्रेजी को आधिपत्य जमाए रखने का अवसर ही दे रहे हैं?

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और द्रमुक नेता एमके स्टालिन हिंदी विरोध के लिए हद से ज्यादा आगे बढ़ गए हैं। वह अब हिंदी के खिलाफ उसकी बोलियों को खड़ा करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा है, 'अन्य राज्यों के मेरे प्यारे भाइयों और बहनों, कभी सोचा है कि हिंदी ने कितनी भारतीय भाषाओं को निगल लिया है? भोजपुरी, अवधी, ब्रज, बुंदेली, गढ़वाली, कुमाऊंनी, मगही, मारवाड़ी, मालवी, छत्तीसगढ़ी, संथाली, अंगिका, हो, खरिया, खोरठा, कुरमाली समेत कई अन्य अब अस्तित्व के लिए हांफ रही हैं। एक अखंड हिंदी पहचान के लिए जोर देने से प्राचीन मातृभाषाएं खत्म हो रही हैं। यूपी और बिहार कभी भी सिर्फ हिंदी के गढ़ नहीं थे। उनकी असली भाषाएं अब अतीत की निशानी बन गई हैं। तमिलनाडु इसका विरोध करता है।' कहने की जरूरत नहीं कि स्टालिन का यह वक्तव्य भड़काने वाला है। स्टालिन द्वारा हिंदी पर लगाया गया यह आरोप इसलिए निरर्थक है, क्योंकि हिंदी क्षेत्र की इन बोलियों-भाषाओं के सम्मिलित रूप को ही हिंदी कहा जाता है। इनसे प्राप्त जीवनशक्ति से हिंदी फलती-फूलती है। ठेठ हिंदी का ठाठ उसकी बोलियों के सौंदर्य से निर्मित होता है।

हिंदी समाज एक साथ अपनी जनपदीय भाषा जैसे भोजपुरी, अवधी, ब्रज, बुंदेली, गढ़वाली, कुमाऊंनी, मगही भी बोलता है और हिंदी भी। लिखने-पढ़ने का अधिकांश कार्य वह हिंदी में जरूर करता है। इसीलिए राजभाषा अधिनियम के अनुसार उन्हें 'क' श्रेणी में रखा गया और दस राज्यों में बंटने के बावजूद उन्हें 'हिंदी भाषी' कहा गया। भोजपुरी, राजस्थानी, अवधी, ब्रज आदि हिंदी के अभिन्न अंग हैं। इन बोलियों एवं उपभाषाओं की समृद्धि से हिंदी को और हिंदी की समृद्धि से उसकी उपभाषाओं एवं बोलियों को लाभ होता रहा है। जब हिंदी की स्वीकार्यता बढ़ रही है, तब स्टालिन जैसे नेता उसके घर को बांटने की कोशिश कर रहे हैं। सूचना-संचार में हिंदी का हस्तक्षेप तेजी से बढ़ रहा है। दुनिया के तमाम देश भारत जैसे बड़े बाजार के निमित्त हिंदी को अपने भविष्य का रास्ता मान रहे हैं। हिंदी के घर को बांटकर और समाज में विभेद पैदा कर स्टालिन खाई खोदने का काम कर रहे हैं।

हिंदी के विरुद्ध माहौल बनाते स्टालिन। फाइल

इसके पहले उन्होंने संस्कृत का भी बेतुका विरोध किया था। इसी तरह वह यह दुष्प्रचार भी कर रहे हैं कि त्रिभाषा फार्मूला दरअसल हिंदी थोपने की कोशिश है। क्या ऐसे बयान देकर स्टालिन भारतीय भाषाओं को आपस में लड़ाने और अंग्रेजी को आधिपत्य जमाए रखने का अवसर नहीं दे रहे हैं?

हिंदी थोपने का नाहक आरोप लगाने वाले स्टालिन को यह बोध होना चाहिए कि भारतीय भाषाओं को खतरा अंग्रेजी से है। हिंदी का तमिल या किसी भारतीय भाषा से कोई झगड़ा नहीं। यह नहीं भूलना चाहिए कि सभी भारतीय भाषाओं में एक सहकार संबंध रहा है। भारतीय भाषाओं एवं राज्यों को अलग-अलग खंडों में बांटे जाने के बावजूद भारत अपने सांस्कृतिक संदर्भों के कारण एक सूत्र में बंधा है। भारतीय भाषाओं के सहकार संबंध से तमिल कवि सुब्रह्मण्य भारती भलीभांति परिचित थे। इसीलिए वह हिंदी के प्रबल पक्षधर थे। वह तमिल समाचार पत्र 'इंडिया' के संपादक थे और उसमें वह एक पृष्ठ हिंदी को देते थे। 'इंडिया' के 15 दिसंबर, 1906 के अंक में उन्होंने लिखा था, 'तीस करोड़ लोगों में से आठ करोड़ से अधिक लोग हिंदी बोलते हैं। महाराष्ट्र से लेकर बंगाल के लोग हिंदी आसानी से समझ लेते हैं। तमिलभाषी, तेलुगुभाषी थोड़ा सा परिश्रम करेंगे तो हिंदी सीख सकते हैं।'

केंद्र सरकार 2022 से सुब्रह्मण्य भारती के जन्मदिन 11 दिसंबर को भारतीय भाषा दिवस के रूप में मनाती है। इसके अलावा भारतीय भाषाओं के संबंध को बल देने के लिए तीन वर्षों से काशी तमिल संगमम का आयोजन सफलतापूर्वक किया जा रहा है। लगता है इन आयोजनों से स्टालिन की बेचैनी बढ़ी है। तमिलनाडु में सत्ता विरोधी माहौल भी है। कदाचित स्टालिन ने इसीलिए भाषा के पुराने हथियार का उपयोग शुरू किया है। तमिलभाषी क्षेत्र में भाषा को राजनीति का हथियार बनाने का प्रयोग दशकों पुराना है। 1937 में मद्रास सरकार के प्रमुख के रूप में चक्रवर्ती राजगोपालाचारी ने हाईस्कूल स्तर पर हिंदुस्तानी को अनिवार्य विषय बना दिया तो उसके खिलाफ उग्र आंदोलन शुरू हो गया था।

आत्मसम्मान आंदोलन के नेता ईवी रामास्वामी नायकर यानी पेरियार ने गिरफ्तारी दी थी। इनमें पेरियार की छत्रछाया में ही पनपे सीएन अन्नादुरई और करुणानिधि जैसे नेता भी थे। करुणानिधि की राजनीति हिंदी विरोधी आंदोलन में हुई उनकी गिरफ्तारी से ही चमकी। इस आंदोलन का प्रभाव दक्षिण के अन्य हिस्सों में भी दिखा, मगर उसकी तीव्रता और विस्तार तमिलनाडु जैसा नहीं था।

संविधान के अनुसार 1965 में हिंदी को भारत की राजभाषा घोषित होना था। तब अंग्रेजी संघ की सहयोगी राजभाषा नहीं रह जाती, किंतु उसके कुछ दिन पूर्व ही मद्रास में सी. राजगोपालाचारी की स्वतंत्र पार्टी और अन्नादुरई की द्रमुक के नेतृत्व में तमिलभाषियों ने राजभाषा के रूप में हिंदी का विरोध करते हुए हिंसक आंदोलन शुरू कर दिया। यह वही राजगोपालाचारी थे, जिन्होंने कभी हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने के पक्ष में न केवल वक्तव्य दिया था, बल्कि मद्रास की सरकार के प्रमुख के तौर पर हिंदी को लागू भी किया था। तब से नाहक हिंदी विरोध की राजनीति वहां जारी है। यह देश की एकता के लिए घातक है।

(लेखक महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा में प्रोफेसर हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

इच्छाओं का संजाल

इच्छा का अर्थ है-कुछ पाने की अभिलाषा। इच्छा जीवन के लिए वरदान साबित हो सकती है एवं अभिशाप भी। इच्छा हमारे लिए लाभदायक सिद्ध होगी अथवा हानिकारक, यह हमारे अंतर्मन पर निर्भर है। प्रायः इच्छा को शत्रु के रूप में देखा जाता है, किंतु इच्छाएं सदैव हानिकारक नहीं होतीं। यदि हम अपनी इच्छाओं को नियंत्रण एवं सकारात्मकता का कवच पहना दें तो निःसंदेह वही इच्छाएं कहीं न कहीं हमारे आत्मविकास एवं आत्मोन्नति का मार्ग भी प्रशस्त करेंगी।

मन में उठने वाली इच्छा के साथ कौनसा भाव संयुक्त है, इस पर ही उसके प्रभावों एवं परिणामों की आधारशिला निर्मित होती है। यदि इच्छा के साथ शांति एवं अपेक्षारहित कर्म करने का भाव जुड़ा हुआ है, तो वह निश्चित रूप से हमारे व्यक्तित्व का विकास करके उसे प्रगति के उच्चतम शिखर तक ले जाएगी, किंतु यदि वही इच्छा बेचैनी एवं उत्कंठा के भाव से घिरी हुई है, तो निश्चित रूप से वह हमारे अंतर्मन की शांति के लिए एक बहुत बड़ा खतरा उत्पन्न करेगी। इसका परिणाम यह होगा कि हम अपने किसी भी कार्य को पूर्णता के साथ संपन्न कर पाने में अक्षम एवं असमर्थ हो जाएंगे।

इच्छाएं पूर्णता को प्राप्त करते ही अंतर्मन के भीतर एक संजाल निर्मित करने लगती हैं। एक इच्छा से अन्य इच्छाओं की उत्पत्ति होने लगती है। यह स्थिति हमें अशांति की ओर ले जाती है। हमें इच्छाओं के इस संजाल को अनंत की ओर बढ़ने से रोकना चाहिए, क्योंकि यदि यह संजाल बढ़ता गया तो अंतर्मन अनंत इच्छाओं से घिर जाएगा। ऐसी दशा में हम जीवन के वास्तविक आनंद को भोगने से वंचित रह जाएंगे। जब इच्छाओं पर नियंत्रण की लगाम लगी होगी एवं उनका स्वरूप अभिसारी होगी तो वे हमारे लिए लाभदायक होंगी। यदि वे नियंत्रणमुक्त होंगी एवं अपसारी भाव को समावेशित किए होंगी तो वे हमारे लिए हानिकारक होंगी।

प्रेरणा अवस्थी

मियावाकी पद्धति से पर्यावरण संरक्षण

रंजना मिश्रा

प्रदूषण नियंत्रित करने के साथ-साथ यह पद्धति स्थानीय जैवविविधता को भी संरक्षित करने में मददगार सिद्ध होती है

महाकुंभ के अवसर पर प्रयागराज को हरभरा बनाने के लिए मियावाकी पद्धति का प्रयोग किया गया। प्रशासन का पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह एक सकारात्मक कदम है। जापान में विकसित इस पद्धति के अंतर्गत पौधों को उनकी प्राकृतिक वृद्धि दर, मिट्टी की गुणवत्ता और जलवायु के अनुसार चुना जाता है, ताकि पौधे न केवल जल्दी विकसित हों, बल्कि लंबे समय तक हरियाली प्रदान कर सकें। इस प्रक्रिया में पौधों के बीच की दूरी का खास ध्यान रखा जाता है, जिससे पौधे आपस में प्रतिस्पर्धा करते हुए तेजी से बढ़ें और घना वन क्षेत्र तैयार हो सके। इससे न केवल वायु में मौजूद कार्बन डाईआक्साइड की मात्रा कम होती है, बल्कि शहर के तापमान में भी संतुलन बना रहता है। बड़े आयोजन के दौरान भीड़ के कारण उत्पन्न प्रदूषण को नियंत्रित करने में यह पहल अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो सकती है। प्रयागराज में इसे अपनाकर लोगों को त्वरित हरियाली का अनुभव कराने का प्रयास किया गया।

यदि मियावाकी पद्धति को अपनाया जाए, तो यह न केवल शहरी प्रदूषण को कम करने में सहायक होगी, बल्कि शहरों में हरित आवरण के विस्तार का एक आदर्श माडल भी प्रस्तुत करेगी। प्रदूषण नियंत्रित करने के साथ-साथ यह तकनीक स्थानीय जैवविविधता को भी संरक्षित करने में मददगार सिद्ध होती है, जिससे शहर में रहने वाले जीव-जंतुओं के लिए भी अनुकूल वातावरण बनता है। हरा-भरा शहर लोगों के जीवन स्तर में सुधार करता है। साफ-सुथरे वातावरण में रहने से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं कम होती हैं और लोगों में ताजगी का अनुभव होता है। हरित शहरों का आकर्षण निवेशकों और पर्यटकों दोनों में बढ़ता है, जिससे आर्थिक विकास की संभावनाएं भी उजागर होती हैं। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान इस तरह की पहल से न केवल शहर की छवि में निखार आया, बल्कि स्थानीय लोगों में भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति नई ऊर्जा का संचार हुआ।

हालांकि इस तरह के प्रयासों में कुछ चुनौतियां भी सामने आती हैं। महाकुंभ जैसे बड़े आयोजन के दौरान पौधों की सही देखभाल और निरंतर सिंचाई सुनिश्चित करना प्रशासन के लिए एक बड़ी जिम्मेदारी होती है। यदि पौधों का समय-समय पर उचित रख-रखाव नहीं किया गया, तो उनके विकास पर प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए इस पद्धति के सफल क्रियान्वयन के लिए स्थानीय प्रशासन को तकनीकी विशेषज्ञों के साथ मिलकर एक दीर्घकालिक योजना बनानी होगी। नियमित निरीक्षण, जल प्रबंधन के आधुनिक तरीके और स्थानीय समुदाय का सहयोग इस प्रयास को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रयागराज में मियावाकी पद्धति का सफल प्रयोग भविष्य के लिए एक आदर्श माडल प्रस्तुत करता है, जिसे अन्य शहर भी अपनाने में रुचि दिखा सकते हैं।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

मेलबाक्स

न्याय में देरी अन्याय

संपादकीय आलेख 'जानी-पहचानी सुस्ती' न्यायालयों में न्यायाधीशों की नियुक्ति व्यवस्था पर चिंता जाहिर की है। सर्वोच्च न्यायालय चाहता है कि लाखों की संख्या में लंबित मामलों का निपटारा कछुए की चाल से न हो, अपितु न्याय को अपेक्षित गति प्रदान करने हेतु अस्थायी न्यायाधीशों की नियुक्ति से भी उसे परहेज नहीं है, किंतु उच्च न्यायालय इस दिशा में कोई खास या उल्लेखनीय पहल नहीं कर रहे। यह वास्तव में चिंतनीय है। न्याय में देरी किसी अन्याय से कम नहीं। रिक्त पदों को अस्थायी रूप से भरने की मंशा यही है कि किसी के साथ अन्याय न हो। इतिहास गवाह है कि 'तारीख पे तारीख' के चक्कर में लोगों की पीढ़ियां बदल जाती हैं। इसलिए न्याय तंत्र में नियुक्ति की व्यवस्था को बदलने की महती आवश्यकता है। लोकतंत्र का एक मजबूत स्तंभ न्याय तंत्र है। इसे मजबूत बनाने की जरूरत से इन्कार नहीं किया जा सकता। न्याय में देरी का फायदा उठाकर अपराधी वर्षों तक समाज का हिस्सा बने रहते हैं और फिर किसी अपराध का डर हमेशा बना रहता है। न्यायिक प्रणाली का मुस्तैद रहना और त्वरित गति से कार्य करते रहना इसलिए भी जरूरी है कि लोगों का विश्वास बना रहे, उन्हें तसल्ली मिलती रहे कि एक जगह है, जहां उन्हें इंसाफ मिलेगा। उनकी आवाज सुनी जाएगी। स्थायी भर्ती में लंबी प्रक्रिया से हो रही देरी का खामियाजा न्याय की गुहार लगाने वाले को भुगतना पड़ रहा है। इसके अभाव में लाखों मामले वर्षों तक विचाराधीन बने हैं। आखिर व्यवस्था में कब सुधार होगा? कब त्वरित न्याय मिलेगा? यह प्रश्न अपने आप में विचारणीय है। अस्थायी न्यायाधीशों की नियुक्ति की अनुमति देने के बावजूद अब तक नियुक्ति नहीं होना, वास्तव में जिम्मेदारों की उदासीनता और लापरवाही का प्रत्यक्ष प्रमाण है। न्याय तंत्र को सुधारने की नीयत ठीक हो तो फिर न्याय में देरी का सवाल ही पैदा नहीं होगा। अन्यथा न्याय मिलना औचित्यहीन रह जाएगा।

मोहित सोनी, कुक्षी, मध्य प्रदेश

सही कदम

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आठ मार्च को दिल्ली सरकार की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा गरीबी रेखा के नीचे रहने वाली महिलाओं को प्रतिमाह 2,500 रुपये वितरित करने की घोषणा को मुफ्त की रेवड़ी बांटने की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता, बल्कि इसे अंत्योदय की श्रेणी में रखा जाना चाहिए। जहां सीढ़ी के अंतिम सोपान पर खड़े व्यक्ति को सहायता देने का प्रयास किया जा रहा है। इसमें वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन या कोई अन्य पेंशन पाने वाली या सरकार की अन्य किसी योजना की लाभार्थी महिलाओं को लाभ नहीं मिलेगा। केवल गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाली 21 से 60 वर्ष की महिलाएं ही इस योजना में पंजीकरण हेतु आवेदन कर सकती हैं। पंजीकृत महिलाओं को ही इस योजना में शामिल किया जाएगा। इसके लिए सरकार ने इस वर्ष 5,100 करोड़ रुपये का प्रविधान किया है। प्रतिमाह 2,500 रुपये के हिसाब से प्रतिवर्ष प्रति महिला 30,000 देय होंगे। एक अनुमान के अनुसार दिल्ली में ऐसी महिलाओ की संख्या 17 लाख है।

धर्मेंद्र नाथ रस्तोगी, गाजियाबाद

होली उमंग और उत्साह का प्रतीक

भारत त्योहार और पर्वों की संस्कृति का देश है। इसमें हर माह कोई न कोई त्योहार मनाया जाता है। ये त्योहार मानव-समाज की उमंगों एवं आशाओं के प्रतीक हैं। मनुष्य सहज ही आशावादी होता है, आशा ही उसे प्रसन्न और कार्यशील रखती है। इसलिए आशाओं को जीवित और प्रचंड रखने के लिए वह पर्व, त्योहार आदि उत्सव मनाता रहता है। त्योहारों में मानव जाति को संस्कार और विचार देने की एक अंतरधारा छिपी रहती है। होली का त्योहार अपने ढंग का अनोखा और निराला त्योहार है। अन्य त्योहारों में देव-मूर्तियों की पूजा होती है, परंतु इसमें किसी मूर्ति की पूजा नहीं की जाती। यह त्योहार बुराइयों के विध्वंस का प्रतीक है। यह गुलाल-अबीर उड़ाने-लगाने का त्योहार है। इसके मूल में भी मानव जाति की समानता, भाईचारा और एक-दूसरे के संग हर्ष-उल्लास मनाने की भावना निहित है।

कांतिलाल मांडोत, नई दिल्ली

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।
अपने पत्र इस पते पर भेजें:
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: response@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष: नई दिल्ली कार्यालय: 011-43166300, नोएडा कार्यालय: 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।
****

70 हजार अस्पताल हैं देशभर में, वर्ष 2019 के अनुमानित आंकड़ों के अनुसार, जिनमें से लगभग 63 प्रतिशत निजी क्षेत्र में हैं, जबकि 37 प्रतिशत सार्वजनिक क्षेत्र में हैं।

आजकल

स्वास्थ्य व्यवस्था में हो समग्र सुधार

हमारे लिए यह एक बड़ी चिंता का विषय है कि आजादी के साढ़े सात दशक बीतने के बावजूद देश में स्वास्थ्य सेवाओं का अभाव है। हमारी स्वास्थ्य जरूरतों और सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध सुविधाओं के बीच में बड़ा अंतर है। उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में कहा है कि राज्य सरकारें किफायती चिकित्सा और बुनियादी ढांचा देने में नाकाम रही हैं। इससे निजी अस्पतालों को बढ़ावा मिल रहा है। इसे रोकने के लिए केंद्र सरकार को दिशानिर्देश बनाना चाहिए। लिहाजा इससे व्यवस्था में सुधार की उम्मीद जगी है

लालजी जायसवाल
लोक नीति विश्लेषक

प्रतीकात्मक

शिक्षा और स्वास्थ्य का अधिकार एक नागरिक का मूल अधिकार है। हमारे देश में भले ही स्वास्थ्य व्यवस्था का ढांचा तुलनात्मक रूप से निरंतर मजबूत हो रहा है, परंतु सभी तक इसकी पहुंच अभी भी नहीं हो पाई है। राज्य सरकारें इस दिशा में कामयाब नहीं हो पाई हैं, लिहाजा निजी स्वास्थ्य सेवाओं को प्रोत्साहन मिल रहा है। इससे यह महंगी होती जा रही है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका लगाई गई थी, जिसमें कहा गया था कि प्राइवेट अस्पतालों में मरीजों और उनके परिवारों को अस्पताल की फार्मेसी से महंगी दवाएं और मेडिकल उपकरण खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है। इसलिए ऐसे अस्पतालों पर नकेल कसी जाए। इसे रोकने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को आदेश दिया जाए।

शीर्ष न्यायालय ने राज्य सरकारों से कहा कि वे निजी अस्पतालों को नियंत्रित करें, जो मरीजों को अस्पताल की दुकान से दवाई खरीदने के लिए मजबूर करते हैं। खासकर, वे दवाइयां जो किसी और जगह सस्ते में मिल जाती हैं। कोर्ट ने केंद्र सरकार को गाइडलाइन बनाने को भी कहा, ताकि निजी अस्पताल आम लोगों का शोषण न कर सकें। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सभी राज्यों को नोटिस भेजा था, जिनमें से ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश और राजस्थान समेत कई राज्यों ने जवाब भी दाखिल किए थे। दवाइयों की कीमतों के मुद्दे पर राज्यों ने कहा कि वे केंद्र सरकार पर निर्भर हैं। केंद्र सरकार ही दवाओं की कीमत तय करती है। इसलिए सरकार को चाहिए कि कुछ ऐसी व्यवस्था लेकर आए जिससे निजी अस्पताल आमजन का शोषण न कर सकें।

निगरानी समितियां : निजी अस्पताल की मनमानी पर लगाम लगाने के लिए सरकार को निजी अस्पताल में इलाज की दरें तय करनी चाहिए। इसकी निगरानी के लिए समिति गठित करनी चाहिए, जो अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई करे। यदि अस्पताल तय शुल्क से अधिक वसूले तो मरीज इसकी शिकायत करे। यदि सरकार गंभीर होगी तो अस्पताल भी नियमों का पालन जरूर करेंगे। निजी अस्पतालों का सदैव एक ध्येय वाक्य 'आपदा में अवसर' रहा है जिसका वो हर हाल में पालन करते हैं। निजी अस्पतालों के लिए विभिन्न स्तर पर निगरानी समितियां बना कर भी इनकी मनमानी पर रोक लगाई जा सकती है।

सार्वजनिक हो सेवा शुल्क : प्रत्येक अस्पताल को अपने सेवा शुल्क संबंधी जानकारी को सार्वजनिक करना चाहिए। सरकार को इनके लिए एक प्रारूप भी तय करवाना चाहिए। निजी अस्पताल टेस्ट परीक्षण, भोजन, बेड इत्यादि सुविधाओं के नाम पर बड़ी रकम वसूलते हैं। निजी चिकित्सालय मरीज को जरूरत से ज्यादा दवाएं देते हैं और इन दवाओं की कीमत भी ज्यादा होती है। निजी अस्पतालों की मनमानी पर लगाम कसने के लिए प्रशासन को निगरानी तंत्र मजबूत बनाना चाहिए। साथ ही, गलती करने वाले को कानूनी प्रविधानों के अनुरूप सजा दिलाने की त्वरित कार्रवाई निष्पक्ष रूप से की जानी चाहिए।

वैसे यह बात भी सही है कि मनमानी करने वाले सभी नहीं हैं, किंतु जो भी निजी अस्पताल अनियमितता और मुनाफाखोरी में लिप्त हैं, उनके विरुद्ध समय पर कार्रवाई नहीं होने से अन्य अस्पतालों का भी हौसला बढ़ जाता है। अतः केवल कठोर कार्रवाई की चेतावनियां देते रहने के बजाय प्रशासन को सख्त कार्रवाई करनी चाहिए और वह दिखाई भी देनी चाहिए। तभी वास्तविक रूप में आमजन को चिकित्सकीय शोषण से बचाया जा सकेगा।

व्यावहारिक निर्णय : सरकार को एक विधेयक यह भी लाने के बारे में विचार करना चाहिए कि किसी भी निजी अस्पताल में यदि मरीज की मृत्यु हो जाती है तो उसका सारा मेडिकल बिल माफ कर दिया जाए। इसका एक लाभ यह होगा कि इससे निजी अस्पताल इलाज में लापरवाही नहीं बरतेंगे। इसके बहुत कई फायदे हैं। एक तो डाक्टर अच्छे से काम करेंगे और किसी कारणवश मृत्यु होती है तो प्राइवेट हास्पिटल वाले उसे वेंटिलेटर पर रख कर बिल नहीं बढ़ाएंगे। हालांकि ऐसे मामलों में सरकार की ओर से निजी अस्पतालों को कुछ सहयोग राशि भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए, ताकि उन पर आर्थिक बोझ न बढ़े।

देखा गया है कि निजी अस्पताल रोगी के स्वास्थ्य देखभाल, उपचार लागत के बारे में जवाबदेही से बचते हैं। कई बार प्रसव जैसे मामलों को निजी अस्पतालों की ओर भेज दिया जाता है। रोगी के उपचार में घोर लापरवाही और बिल की वसूली में अराजकता जैसे तथ्य अस्पतालों की मनमानी प्रवृत्ति को दर्शाते हैं। हालांकि ऐसा सभी अस्पतालों या चिकित्सकों पर आरोप नहीं लगाया जा सकता, परंतु अमूमन समाज में जो चित्र देखने को मिलता है, वह लगभग इससे मिलता-जुलता ही है। वैसे इस तरह का निर्णय आसान नहीं है, और इससे कई प्रकार की व्यावहारिक समस्याएं सामने आ सकती हैं। वस्तुतः किसी गंभीर बीमारी से ग्रस्त बुजुर्ग के निधन के मामले में इसे लागू करने में निजी अस्पतालों के सामने एक नया संकट खड़ा हो सकता है। अगर मृत्यु पर बिल माफ जैसा नियम लाया जाता है तो होगा यह कि निजी अस्पताल गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को भर्ती करने से बचेंगे। ऐसे में आम जनता के लिए एक नई समस्या पैदा हो सकती है। लिहाजा सरकार को चाहिए कि पूरा बिल माफ करने की जगह कुछ प्रतिशत की छूट का प्रविधान लागू करना चाहिए, ताकि मृत्यु के बाद उस परिवार को जनहानि के साथ धनहानि न हो सके। फिर भी, इस समस्या का कोई व्यावहारिक समाधान तलाशा जाना चाहिए।

सरकारी अस्पतालों की दशा भी हो दुरुस्त

भारत में सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं के अपेक्षाकृत स्तरीय न होने के कारण लोग निजी क्षेत्रों की ओर रुख करते हैं। निजी अस्पतालों के महंगे स्वास्थ्य खर्चों का भुगतान करने के कारण प्रतिवर्ष लगभग छह करोड़ लोग यहां गरीबी के चंगुल में फंस रहे हैं। इस मामले में थाइलैंड, क्यूबा और कोस्टारिका ने अलग-अलग तरीके अपनाकर अपने देश में विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करा दी हैं। थाइलैंड ने तो इसे संवैधानिक अधिकार बना दिया है और स्वास्थ्य अधिनियम के द्वारा इस क्षेत्र में ढांचागत सुधार किए हैं। हम भी अगर अपने देश की जनता के स्वास्थ्य को उत्तम स्तर तक पहुंचाना चाहते हैं, तो हमें पर्याप्त संसाधन जुटाने होंगे। सरकार को स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति अपने दृष्टिकोण को पूरी तरह से बदलना होगा। हमारे देश के लगभग 75 प्रतिशत अस्पताल निजी क्षेत्र में हैं। केवल 25 प्रतिशत अस्पताल सरकार द्वारा संचालित किए जाते हैं, जिनमें भी अधिकतर अस्पतालों में डाक्टर, नर्स एवं गुणवत्ता वाले चिकित्सीय संसाधनों का अभाव रहता है। ऐसे में सुविधा एवं संसाधनों से पूर्ण निजी अस्पतालों की मनमानी स्वाभाविक है। इनकी मनमानी भरे रवैये पर नकेल कसने के लिए सरकार को निजी अस्पतालों में हो रही सारी जांचों, उपलब्ध दवाइयों, सर्जरी, परामर्श तथा हो रहे हर प्रकार के इलाज के लिए दरें तय कर देनी चाहिए। निजी अस्पतालों में उपलब्ध आइसीयू बेड, वेंटिलेटर इत्यादि सुविधाओं की यथास्थिति आनलाइन होनी चाहिए। इन नियमों का उल्लंघन करने पर निजी अस्पताल पर कार्रवाई होनी चाहिए।

इसके साथ-साथ सरकार को सरकारी अस्पतालों की संख्या, वहां पर डाक्टरों, नर्सों एवं आधुनिक संसाधनों में वृद्धि पर ध्यान देना चाहिए। कहा जा सकता है कि निजी अस्पतालों में मनमानी होने के कारण सरकारी अस्पतालों में अव्यवस्था है। ऐसा नहीं है कि देश में सरकारी अस्पताल की कमी है। हमारे देश में सरकारी अस्पतालों की कमी नहीं, बल्कि गुणवत्तायुक्त सुविधा की कमी है। अक्सर देखा जाता है कि सरकारी अस्पतालों में मरीज इधर-उधर भटकते रहते हैं। फिर मजबूरी में मरीजों को निजी अस्पताल की ओर जाना पड़ता है। अगर सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था ठीक कर दी जाए तो हालात बदल सकते हैं। दूसरी मुख्य बात, सरकार को निजी अस्पतालों के शुल्क तय करने चाहिए।

उल्लेखनीय है कि 1972 के अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार विजेता अमेरिका के कैनोथ एरो ने चेतावनी दी थी कि स्वास्थ्य सेवा को बाजार के हवाले कर देना आम नागरिक के लिए घातक होगा। ऐसा लगता है कि स्वास्थ्य सेवाओं का निजीकरण हो गया है जिसका आनंद कुछ ब्रांडेड अस्पतालों द्वारा उठाया जा रहा है।

इलाज पर होने वाले कुल खर्चे में सरकारी खजाने का हिस्सा महज 25 प्रतिशत है, बाकी का बोझ लोगों की जेब पर पड़ता है। परिणामस्वरूप सालाना तौर पर दस लाख भारतीय साधनों के अभाव में उपचार नहीं करा पाते और उनकी मौत हो जाती है। मेडिकल काउंसिल आफ इंडिया द्वारा डाक्टरों के लिए कोड आफ एथिक्स तय किया गया है, लेकिन ऐसा लगता है कि यह एक मृत पत्र बनकर रह गया है। कहा तो यह भी जाता है कि कोई डाक्टर जितना अधिक डायग्नोस्टिक टेस्ट की सिफारिश करता है या एक रोगी को आइसीयू में अधिक समय तक रखता है, उतना ही उसके पैसे बनते हैं।

फिलहाल देश के निजी अस्पतालों को ऐसी मनमानी से बचना चाहिए। ऐसा तभी होगा जब सरकार कठोर रूप से ऐसे सभी अस्पतालों पर कार्रवाई करेगी। हमें इस बात को समझना होगा कि किसी भी बीमारी का निराकरण समग्र रूप से किया जा सकता है। भारत को स्वस्थ बनाने का उत्तरदायित्व व्यक्तिगत एवं निजी क्षेत्र के प्रयासों से सरकार को सहयोग देना है। हमारे देश की इस जटिल समस्या को सुलझाने के लिए कोई जादुई मंत्र तो नहीं है, जो क्षणभर में कायापलट कर दे। परंतु ऐसा भी नहीं है कि हम अपेक्षित उपायों को तत्परता से अपनाकर इस समस्या को सुलझा न सकें।

(लालजी जायसवाल)

खरी-खरी

महत्वपूर्ण सवाल

ऋषभ जैन

कांग्रेस प्रवक्ता ने रोहित शर्मा के बढ़ते वजन पर टिप्पणी कर दी है। देश के कप्तान को न चाहते हुए भी कुछ दिन और मोटा रहना पड़ेगा। हमें तो इस प्रकरण में विदेशी हाथ नजर आता है। यह हाथ अमेरिका को छोड़कर किसी भी देश का हो सकता है। अमेरिका का दूसरे देशों में हाथ पहुंचाने वाला विभाग बंद किया जा चुका है। यह यूएस एड कहलाता था। प्रवक्ता का बयान आने के बाद से राजनीतिक खेमों में खलबली मची हुई है।

इधर भाजपा स्वाभाविक रूप से यह सिद्ध करने में जुट गई है कि कप्तान साहब एकदम फिट हैं। सुधांशु सर अगले डिबेट में गुप्त और मौर्य कालीन योद्धाओं के चरित्र चित्रण करते हुए बताने वाले हैं कि डेढ़-दो सौ किलो के वे शूरवीर जब दुश्मनों पर आक्रमण करते तो कैसे त्राहिमाम मच जाया करता था। अर्थात युद्ध और क्रिकेट में वजन ज्याद होने से पराक्रम में बढ़ोतरी होती है। अर्थात विपक्षियों को देश के समृद्ध इतिहास का ज्ञान नहीं है।

तृणमूल कांग्रेस के एक सांसद द्वारा भी रोहित के मोटापे से सहमति व्यक्त की गई है। इससे यह तो सिद्ध नहीं होता रोहित वाकई मोटे हुए हैं अथवा नहीं, परंतु यह अवश्य सुनिश्चित हो जाता है कि आगामी विधानसभा चुनावों में बंगाल में आइएनडीआइए संगठित दिखने वाला है। अखिलेश सर ने अभी तक रोहित के मोटे होने की पुष्टि नहीं की है। हालांकि इस कारण विपक्षी गठबंधन के प्रति उनकी निष्ठा पर संदेह नहीं किया जा सकता।

तमिलनाडु वाले स्टालिन सर का कहना है कि वे इस मामले में कांग्रेस का समर्थन नहीं करेंगे, क्योंकि बयान हिंदी में दिया गया है। शशि थरूर भी कुछ कहना चाह रहे थे। फिलहाल वे आलाकमान से पूछ रहे हैं कि कांग्रेस में मेरी भूमिका पता लगे तो उस हिसाब से बोलूं। वैसे उन्हें अपनी वाली अंग्रेजी में बात कह देनी चाहिए। किसको समझ आनी है। राजनीतिक दलों में बयान के पक्ष या विरोध में आने की बैठकें चल ही रही थीं कि कांग्रेस ने स्वयं ही प्रवक्ता के बयान से किनारा कर लिया है। नागरिकों पर यह संकट की घड़ी है। इस महत्वपूर्ण सवाल पर उन्हें अब अपना निर्णय स्वयं लेना होगा कि रोहित मोटे हैं या नहीं।

X पोस्ट

औरंगजेब को महान दिखाने की मूर्खता में आपने भी कुछ लोगों को कहते सुना होगा कि मुगल और खासकर औरंगजेब ने भारत की अर्थव्यवस्था को चमकाया, अन्यथा भारत कुछ था ही नहीं। सच्चाई यह है कि मुगलों के समय भारत की अर्थव्यवस्था नीचे चली गई थी।
सुशांत सिन्हा@SushantBSinha

चैंपियंस ट्राफी में भारत की जीत के बाद इंदौर में बड़ा बवाल हुआ। जीत के जश्न का जुलूस निकाल रहे लोगों पर हमला। पत्थरबाजी, आगजनी व तोड़फोड़। आखिर भारत की जीत से किसे समस्या है?
अभय प्रताप सिंह@IAbhay_Pratap

चैंपियंस ट्राफी जीतकर भारत ने क्रिकेट का अश्वमेध यज्ञ पूरा किया। आलोचनाओं की परवाह किए बिना रोहित शर्मा ने अपनी नेतृत्व क्षमता से भारत को ताज पहनाया। जब रवींद्र जडेजा आठवें क्रम पर उतरते हों तो इससे हमारी बैटिंग की गहराई का पता चलता है। जसप्रीत बुमराह के बिना भी एक बड़ा टूर्नामेंट जीतकर भारत ने अपनी निरंतर बढ़ती ताकत का भी अहसास कराया है।
सुशील दोशी@RealSushilDoshi

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या अमेरिका के टैरिफ वार के बीच चीन के मित्रता प्रस्ताव पर भारत को भरोसा करना चाहिए?

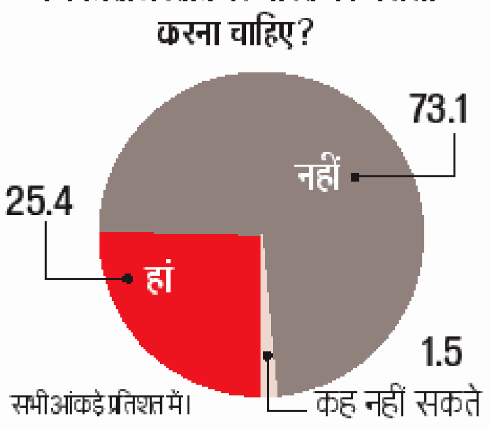

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

क्या रोहित शर्मा का वनडे मुकाबलों से रिटायर न होने का फैसला सही है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

ट्राफी जीती इंडिया दुबई के मैदान,
हाथ मल रहा होस्ट बन अबकी पाकिस्तान।
अबकी पाकिस्तान धरा सब किया कराया,
बाहर बैठे आप हाथ कुछ भी ना आया।
दर्शक बनकर पाक रह गया पीता काफी,
लाई अपनी टीम खेलकर बढ़िया ट्राफी।
- ओमप्रकाश तिवारी

उत्तम नाथ पाठक
संपादकीय प्रभारी, जमशेदपुर

ओडिशा डायरी

नए रंग में दिखने लगा ओडिशा

ओडिशा में मोहन चरण मांझी की सरकार तीव्र गति से विकास होने के दावे कर रही है। चाहे प्रवासी दिवस के अवसर पर प्रवासी भारतीय सम्मेलन की बात हो या फिर उत्कर्ष ओडिशा का आयोजन हो। इन आयोजनों में बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीय आए और निवेश के कई समझौते हुए। निश्चित ही इससे ओडिशा विकास की पटरी पर तीव्र गति से दौड़ेगा और बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार भी मिलेगा। इसका पूरा श्रेय भाजपा सरकार को जाएगा। विकास के साथ तेज गति से कदमताल कर रही मांझी सरकार इसे चिर स्मरणीय स्थापित करने के लिए सार्वजनिक परिवहन के साधनों (बस और बस स्टैंड) समेत सभी सरकारी भवनों-कार्यालयों को गेरुआ रंग में रंग रही है।

ताजा मामला सरकारी स्कूलों के रंग बदले जाने के निर्णय का है। ओडिशा के स्कूल शिक्षा कार्यक्रम (ओएसईपीए) प्राधिकरण की तरफ से राज्य के सभी जिलों को एक आधिकारिक पत्र जारी किया गया है। जिसमें स्पष्ट आदेश दिया गया है कि सरकारी स्कूल की इमारतों के रंग को लेकर जारी अब तक के सभी पुराने निर्देश रद किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री विद्यालय सहित सभी सरकारी स्कूलों में निर्माण, मरम्मत और नवीकरण कार्य के दौरान अनुमोदित रंग कोड नारंगी अपनाने के लिए कहा गया है। स्कूल की दीवारों को नारंगी रंग और किनारों को गहरे नारंगी रंग में रंगा जाना है। पिछली बीजद की सरकार ने अपने पार्टी के झंडे के रंग के अनुरूप हरे और सफेद रंग में स्कूलों को रंगा था।

वहीं मोहन चरण मांझी सरकार ने मुख्यमंत्री छात्र परिधान योजना के तहत माध्यमिक स्कूलों के छात्रों की पोशाक के रंग और डिजाइन में भी बदलाव कर दिया है। पहले पोशाक का रंग सफेद और हरा था, जिसे बदलकर हल्का भूरा और मैरून कर दिया गया है।

ओडिशा में बदला जा रहा है सरकारी बसों का रंग। फाइल

सरकार के साथ रंग में बदलाव : ओडिशा में लगभग ढाई दशक तक रही नवीन पटनायक के नेतृत्व में बीजद सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान लगभग सभी सरकारी भवनों को हरे रंग से रंग दिया था। यहां तक कि कटक स्थित एससीबी मेडिकल कालेज का रंग भी हरा हो गया था। अब मांझी सरकार की तरफ से भवन निर्माण विभाग ने सरकारी भवनों के लिए एक समान रंग कोड बनाया है। इसमें सरकारी भवनों की बाहरी दीवारों की मरम्मत और जीर्णोद्धार से जुड़े कार्यों के दौरान नारंगी रंग का उपयोग किए जाने की बात कही गई है। अभी कुछ समय पहले सार्वजनिक परिवहन के प्रमुख साधन बसों के नाम और रंग को भी बदल दिया गया है। नवीन पटनायक के समय चलाई गई लक्ष्मी बस सेवा को हरे से बदलकर गेरुआ रंग में कर दिया गया। वहीं लक्ष्मी बस सेवा की जगह इसका नाम बदलकर मुख्यमंत्री बस सेवा कर दिया गया है।

बीजद के विधायकों का आरोप है कि भाजपा की सरकार के पास कोई नया विजन नहीं है, इसलिए वह केवल पिछले सरकार के काम और नाम के निशान को मिटाने में जुटी है। लेकिन वह सफल नहीं होगी, क्योंकि नवीन पटनायक ने जितने काम कर दिए हैं, उतना भाजपा के लिए करना संभव नहीं है। बीजद सरकार की सबसे बेहतरीन योजनाओं में से एक मानी जाने वाली बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना (बीएसकेवाइ) को भाजपा ने गोपालबंधु जन आरोग्य योजना कर दिया। इसे केंद्र सरकार की पीएम जन आरोग्य योजना और बीएसकेवाइ को मिलाकर बनाया गया है। हालांकि पूर्व मुख्यमंत्री एवं विपक्ष के नेता नवीन पटनायक ने बीते दिनों इस संदर्भ में अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा था कि उनकी 40 योजनाओं के नाम बदल दिए गए हैं। इनमें सबसे प्रमुख बीएसकेवाइ को गोपालबंधु जन आरोग्य योजना नाम दे दिया गया। वहीं कालिया योजना को सीएम किसान योजना बना दिया, अमा ओडिशा नवीन ओडिशा को विकसित गांव विकसित ओडिशा कर दिया गया। मिलेट मिशन को श्री अन्न अभियान। बीजू सेतु योजना से सेतु बंधना योजना, बीजू पक्का घर योजना को अंत्योदय गृह योजना कर दिया गया। मेक इन ओडिशा को उत्कर्ष उत्कल कर दिया गया। ऐसे कई उदाहरण हैं। इनके अलावा सड़क पर लगे दिशासूचक बोर्ड को भी भगवा रंग में रंग दिया गया है।

खैर यह प्रचलन तो अधिकांश राज्यों में है कि सरकार बदलने के बाद सरकारी भवनों का रंग व योजनाओं का नाम बदला जाता है। इसलिए इसे नया शगल कहना सही नहीं होगा। वैसे इन बदलावों के बीच सीएम मोहन चरण मांझी प्रदेश में विकास की कितनी बयार बहा सकते हैं या लोगों के जीवन में कितना बदलाव ला सकते हैं, यह तो भविष्य में पता चलेगा, क्योंकि उन्हें अपनी पार्टी के अंदर से ही फिलहाल कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

मंथन

विनय ठाकुर
वरिष्ठ पत्रकार

हिंदी का राजनीतिक विरोध

तमिलनाडु में पिछले कुछ समय से एक बार फिर हिंदी विरोध के राजनीतिक स्वर मुखर हैं। अगले साल यहां विधानसभा चुनाव है, लिहाजा डीएमके ने अभी से भाजपा के विरुद्ध मोर्चा खोल दिया है

चुनावी ताप में तमिलनाडु में एक बार फिर से हिंदी को लेकर राजनीति उबाल पर है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति और परिसीमन को लेकर केंद्र सरकार और तमिलनाडु राज्य सरकार आमने-सामने हैं। दोनों ही सरकारें अपने अपने रुख को लोक हितकारी साबित करने के लिए अपने-अपने तर्क, व्याख्या को मजबूती से लोगों के सामने परोसने में लगी हैं। राज्य सरकार इसे केंद्र सरकार द्वारा ब्लैकमेल करार देकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बहाने हिंदी लादने का प्रयास बता रही है तो केंद्र सरकार इसे राजनीतिक लाभ के लिए संविधान और राष्ट्रीय हित विरोधी कार्य करार दे रही है। अपना पक्ष मजबूत करने के लिए हिंदी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के समर्थन में भाजपा द्वारा स्कूली बच्चों के हस्ताक्षर हासिल करने का अभियान चला रही है। डीएमके द्वारा इस अभियान को बच्चों पर अत्याचार बताकर गिरफ्तारी की जा रही है। पर असली लड़ाई अलग पहचान की है जो आर्य बनाम द्रविड़ और उत्तर बनाम दक्षिण के द्वंद्व के सहारे अपना आकार ग्रहण करती रही है।

वस्तुतः यह संघर्ष प्रक्रिया आजादी के पहले से ही 1937 से ही चल रही है। इसे जन्म देने में तत्कालीन मुख्यमंत्री राजगोपालाचारी द्वारा वहां के सामाजिक राजनीतिक यथार्थ की अनदेखी व अपने मुकाबले विरोधियों के राजनीतिक चातुर्य व संगठन क्षमता को कम करके आंकना रहा है। इस संघर्ष के परिणामस्वरूप हिंदी को उत्तर व ब्राह्मणवादी वर्चस्व के साथ जोड़ दिया गया। वर्ष 1937 में हिंदी को स्कूलों में अनिवार्य करने और 15 हजार हिंदी शिक्षकों की नियुक्ति के निर्णय को ब्राह्मणों के वर्चस्व को मजबूत करने के साथ जोड़ना आसान था, क्योंकि उस दौर में वहां प्रशासन और शैक्षणिक जगत पर ब्राह्मणों का अत्यधिक वर्चस्व था और राजगोपालाचारी के ब्राह्मण होने के करण द्रविड़ राजनीति के लिए ऐसा करना अपेक्षाकृत आसान था।

बहुभाषा परंपरा : तमिलनाडु के कुछ इलाकों में एक साथ चार-पांच भाषाएं बोली जाती हैं। खासकर होसूर, कोयंबटूर जैसे इलाकों में। तंजौर में मराठों की ऐतिहासिक उपस्थिति की वजह से वहां बहुभाषी ग्रंथों की परंपरा रही है। तमिलनाडु के कई राजनीतिज्ञ तेलुगु भाषी हैं तो यहां गुजरातियों की भी अच्छी खासी संख्या है। मदुरै कामराज विश्वविद्यालय में हाल के दिनों तक मलयालम भाषा का विभाग था जिसका खर्च केरल द्वारा उठाया जाता था। केरल के रजवाड़ों में प्रशासनिक उच्च पदों पर तमिल ब्राह्मणों का वर्चस्व रहा था और व्यावसायिक कारणों से दक्षिण तमिलनाडु में मलयालम सामान्य तौर पर समझी व बोली जाने वाली भाषा है।

भाषाई विविधता और भाषा की राजनीतिक ताकत की परख करुणानिधि के पास थी और इसीलिए अपने आरंभिक राजनीतिक जीवन के एक महत्वपूर्ण चुनाव में जब वह त्रिची से चुनाव लड़ रहे थे तो वहां तेलुगु भाषी लोगों के व्यापक प्रभाव को देखते हुए उन्होंने चुनाव प्रचार का काम एक तेलुगु भाषी को सौंपा था।

सामाजिक न्याय की राजनीति : तमिलनाडु में बाद के दौर में सामाजिक न्याय की राजनीति का आरंभ हुआ और कई जातियां सही मायने में सत्ता संरचना में हाशिये से निकलकर ऊपरी पायदानों पर आईं। अन्य राज्यों की तरह सशक्तीकरण केवल राजनीतिक नहीं हुआ, बल्कि आर्थिक और शैक्षणिक भी हुआ। ब्राह्मणों का वर्चस्व राजनीतिक क्षेत्र में तो समाप्त हुआ ही, अन्य क्षेत्रों में भी वे हाशिये पर आ गए। जब आर्थिक आधार पर पीड़ित होने का तर्क अपनी प्रासंगिकता खो चुका है, वहां एक अलग पहचान के आधार पर संरक्षक की मजबूत भूमिका वाली राजनीति के लिए विरोध का एक प्रमुख बिंदु हिंदी बन गई। विडंबना यह है कि इस नीति का पूरा फायदा केरल से आने वाले छात्रों को मिलता है जो सरकारी एवं शैक्षणिक प्रतिष्ठानों में हिंदी एवं राजभाषा से जुड़े सभी नियुक्तियों में लाभकारी स्थिति में रहते हैं। जनसंख्या दर में कमी आने के असर आर्थिक स्तर पर साफ दिखने लगा है कि यहां के श्रम बाजार में तमिल श्रमिकों की उपस्थिति घटने लगी है। यहां संगठित और असंगठित दोनों ही क्षेत्रों में गैर तमिल श्रमिकों की उपस्थिति देखने को मिल रही है।

भाजपा विरोध का बड़ा केंद्र : तमिलनाडु भाजपा विरोध का सबसे बड़ा केंद्र है, जहां भाजपा अपने प्रसार के लिए कठिन संघर्ष में जूझ रही है। अपने पक्ष को मजबूत करने के लिए परिसीमन को लेकर तमिलनाडु एक साझा मोर्चा बनाने के लिए अन्य दक्षिणी राज्यों के साथ संवाद स्थापित कर रहा है। अन्य दक्षिणी राज्यों की तुलना में तमिलनाडु की राजनीति का राष्ट्रीय राजनीति के साथ आरंभ से ही एक अलग प्रकार का रिश्ता रहा है। राष्ट्रीय राजनीति में अपने मजबूत हस्तक्षेप के लिए यहां के राजनीतिक दल केंद्र में स्थित सत्ताधारी राजनीतिक दल के साथ गठबंधन बनाते रहे हैं, अनेक बार किंगमेकर की भूमिका लेते रहे हैं।

एमके स्टालिन: हिंदी पर जारी गतिरोध। फाइल

हिंदी प्रचार सभा : दक्षिण भारतीय हिंदी प्रचार सभा हिंदी का प्रचार तो कर पा रही है, परंतु हिंदी विरोध को कम नहीं कर पा रही है। सेंगोल जैसे तमिल सांस्कृतिक प्रतीक और काशी तमिल संगमम के जरिये केंद्र सरकार इसका प्रयास कर रही है, परंतु यह दीर्घकालीन प्रक्रिया है। स्थानीय दलों के सहयोग के बगैर केंद्र की राह कठिन है। डीएमके हिंदी व परिसीमन मामले को इस तरह से सुलगाए रखना चाहती है कि केंद्र को कोई स्थानीय राजनीतिक सहयोगी न मिले। डीएमके का ओबीसी राजनीति के माध्यम से द्रविड़ राजनीति पर एकाधिकार है। अगले साल तमिलनाडु में चुनाव है और डीएमके व भाजपा दोनों ही कोई मौका नहीं चूकना चाहते।

****

राष्ट्रीय संस्करण

मंगलवार 11 मार्च, 2025

बिजनेस

दैनिक जागरण

www.jagran.com

सरकार ने इरडा चेयरमैन के लिए मांगे आवेदन

नई दिल्ली : वित्त मंत्रालय ने बीमा नियामक इरडा के चेयरमैन पद के लिए आवेदन मांगे है। इरडा के मौजूदा चेयरमैन देबाशीष पाण्डा का कार्यकाल 13 मार्च को समाप्त होने जा रहा है। इरडा के ओर से जारी विज्ञापन के अनुसार, आवेदकों के पास कम से कम 30 वर्ष का प्रासंगिक कार्य अनुभव होना चाहिए। इस पद के लिए छह अप्रैल तक आवेदन किया जा सकता है। (प्रेट्र)

टेक इनोवेशन क्षमता में वृद्धि और विस्तार के लिए हमने भारत में एक और कार्यालय की शुरुआत की है। इससे कारोबार बढ़ाने में मदद मिलेगी।

— कार्तिक राव, सीईओ, नीलसन

सेंसेक्स 74,115.17 ▼ 217.41 | निफ्टी 22,460.30 ▼ 92.20 | सोना प्रति दस ग्राम ₹ 88,750 ▼ ₹150 | चांदी प्रति किलोग्राम ₹99,250 ▼ ₹250 | डालर ₹87.31 ▲ ₹0.36 | क्रूड (ब्रेंट) प्रति बैरल $70.60

एक नजर में

हीरो मोटोकार्प की जांच रिपोर्ट का परीक्षण जारी

नई दिल्ली : कारपोरेट मामलों के मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि हीरो मोटोकार्प लिमिटेड और साल्ट एक्सपीरियंसेज एंड मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड की जांच संबंधी रिपोर्ट का परीक्षण किया जा रहा है। अभी तक इन जांच रिपोर्ट से कोई निष्कर्ष नहीं निकाला गया है। मंत्रालय ने अपने क्षेत्रीय कार्यालय को जून 2023 में दोनों कंपनियों की जांच करने का निर्देश दिया था। (प्रेट्र)

2027 तक एआइ क्षेत्र में 23 लाख नौकरियां होंगी

नई दिल्ली: बेन एंड कंपनी ने एक ताजा अध्ययन में कहा है कि भारत का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) क्षेत्र तेजी से विकास के लिए तैयार है। अध्ययन में उम्मीद जताई गई है कि 2027 तक भारत में इस क्षेत्र में नौकरियों की संख्या 23 लाख के पार पहुंच जाएगी। अध्ययन के अनुसार, कंपनियां एआइ के लिए पेशेवरों की कमी का सामना कर रही हैं। (एएनआइ)

साबुन का मूल्य बढ़ाने पर विचार कर रही गोदरेज

नई दिल्ली : एफएमसीजी कंपनी गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लाभ बनाए रखने के लिए साबुन के मूल्य में वृद्धि पर विचार कर रही है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि पाम तेल की कीमतों में वृद्धि के कारण इस पर विचार किया जा रहा है। प्रमुख उत्पादक देशों इंडोनेशिया और मलेशिया में बाढ़ के कारण हाल में पाम तेल का मूल्य बढ़ा है। (रायटर)

तीन वर्ष तक 19 प्रतिशत की दर से बढ़ेगा एसी उद्योग

नई दिल्ली : ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल ने ताजा रिपोर्ट में कहा है कि अगले तीन वर्ष तक भारत के एयर कंडीशनर (एसी) उद्योग में 19 प्रतिशत तक वृद्धि रहेगी। खर्च करने योग्य आय और तापमान में वृद्धि का इस उद्योग को लाभ मिलेगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि एसी बाजार के तेजी से विस्तार के साथ, कंप्रेसर और तांबे की ट्यूब उपकरणों की मांग भी बढ़ने की उम्मीद है। (एएनआइ)

इस वर्ष गेहूं और चावल का होगा रिकार्ड उत्पादन

कृषि मंत्रालय ने 2024-25 के लिए मुख्य फसलों के उत्पादन के दूसरे अग्रिम अनुमान में जताई उम्मीद

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने 2024-25 के लिए मुख्य कृषि फसलों (खरीफ एवं रबी) के उत्पादन का दूसरा अग्रिम अनुमान जारी कर दिया है। इसमें चावल, गेहूं, मक्का, मूंगफली एवं सोयाबीन के रिकार्ड उत्पादन की उम्मीद जताई गई है। मंत्रालय की ओर से जारी डाटा के अनुसार, खरीफ चावल का उत्पादन 1,206.79 लाख टन हो सकता है, जो 2023-24 की तुलना में 74.20 लाख टन ज्यादा है। पिछले वर्ष 1,132.59 लाख टन हुआ था। इसी तरह गेहूं का उत्पादन 1,154.30 लाख टन होने का आकलन है, जो 21.38 लाख टन अधिक है। पिछले वर्ष 1,132.92 लाख टन गेहूं का उत्पादन हुआ था। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसे केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न कृषि योजनाओं के जरिए किसानों को सहायता एवं प्रोत्साहन का प्रतिफल बताया है।

खरीफ और रबी मिलाकर कुल खाद्यान्न 3,328.18 लाख टन होने का अनुमान है। इसमें खरीफ 1,663.91 लाख टन और रबी 1,645.27 लाख टन शामिल है। पिछले वर्ष कुल 3,322.98 लाख टन खाद्यान्न का उत्पादन हुआ था। यानी इस वर्ष 5.20 लाख टन ज्यादा खाद्यान्न के उत्पादन का अनुमान है। अभी तीसरा अनुमान आना अभी बाकी है। डाटा के अनुसार, खरीफ मक्का की उपज 248.11 लाख टन रहने का अनुमान है, जो अबतक का सबसे ज्यादा है। रबी मक्का 124.38 लाख टन होने का अनुमान है। खरीफ श्रीअन्न का 137.52 लाख टन और रबी 30.81 लाख टन उत्पादन हो सकता है।

दालों की चाल भी अच्छी दिख रही है। तुअर (अरहर) 35.11 लाख टन, चना 115.35 लाख टन और मसूर 18.17 लाख टन होने का अनुमान है। तिलहन का उत्पादन भी पिछले वर्ष से ज्यादा है। खरीफ और रबी मिलाकर 416.69 लाख टन हो सकता है। पिछले वर्ष 396.69 लाख तिलहन का उत्पादन हुआ था। मूंगफली 104.26 लाख टन और रबी 8.87 लाख टन होने का अनुमान है। सोयाबीन का भी रिकार्ड 151.32 लाख टन उत्पादन हो सकता है। रेपसीड एवं सरसों का अनुमान 128.73 लाख टन का है। गन्ना निराश करने वाला है। पिछले वर्ष 4,531.58 लाख टन हुआ था, जबकि इस बार 4,350.79 लाख टन पर ही सिमट सकता है। कपास उत्पादन 294.25 लाख गांठ होने का अनुमान है।

1,206.79 लाख टन खरीफ चावल उत्पादन का अनुमान

1,154.30 लाख टन गेहूं के उत्पादन का लगाया गया है अनुमान

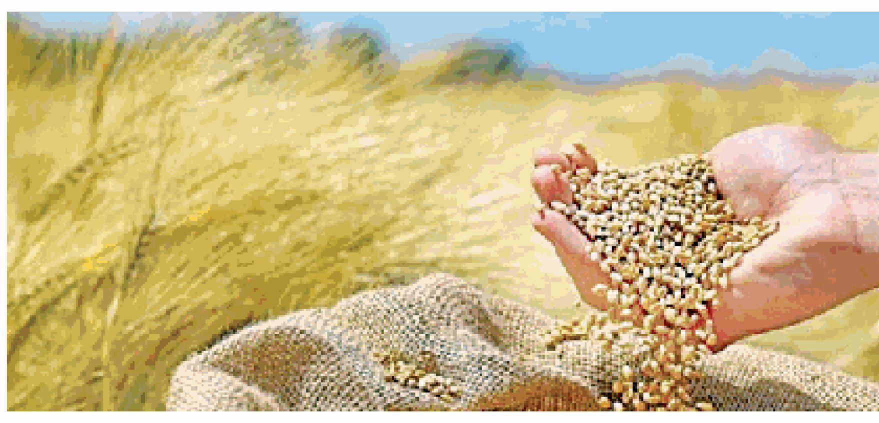

पिछले वर्ष 1,132.92 लाख टन गेहूं का उत्पादन हुआ था ● प्रतीकात्मक फोटो

ऐसे तैयार किया गया उत्पादन का आंकड़ा

कृषि मंत्रालय ने इस आंकड़े को राज्यों से मिले फसलों के क्षेत्रफल को रिमोट सेंसिंग, फसल मौसम निगरानी समूह एवं अन्य एजेंसियों से प्राप्त इनपुट के आधार पर सत्यापित किया है। इसके अलावा अनुमान को अंतिम रूप देने से पहले मंत्रालय ने खरीफ एवं रबी मौसम के लिए उद्योग एवं अन्य विभागों के अधिकारियों की राय ली है। हितधारकों से परामर्श किया। साथ ही उपज अनुमान फसल कटाई प्रयोगों, पिछली प्रवृत्तियों एवं अन्य सहयोगी कारकों की भी पड़ताल कर तैयार किया है। आंकड़ों में सिर्फ खरीफ और रबी मौसम की फसलों को ही शामिल किया गया है। जायद मौसम के आंकड़ों को शामिल नहीं किया गया है। खरीफ में भी तुअर, गन्ना एवं अरंडी आदि का वास्तविक अनुमान अभी बाकी है, जबकि रबी फसलों का उत्पादन औसत उपज पर आधारित है। अंतिम अनुमान में आंकड़ों में परिवर्तन भी संभव है। अंतिम अनुमान में जायद फसलों को भी शामिल किया जाता है।

बार-बार टैक्स में कमी की मांग न करे उद्योग : गडकरी

नई दिल्ली, प्रेट्र: केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को उद्योग जगत से कहा कि वे बार-बार टैक्स में कटौती की मांग न करें। इसका कारण यह है कि सरकार को गरीबों के लिए कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के लिए धन की जरूरत है। एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत में लाजिस्टिक लागत दो साल के भीतर नौ प्रतिशत तक कम हो जाएगी।

अपने बेबाक विचारों के लिए मशहूर गडकरी ने कहा कि जीएसटी और टैक्स में कटौती की मांग न करें। यह एक सतत प्रक्रिया है जो चल रही है। यदि हम टैक्स कम करते हैं, तो आप और अधिक मांगेंगे, क्योंकि यह मानव स्वभाव है। उन्होंने कहा कि हम कराधान कम करना चाहते हैं, लेकिन कराधान के बिना सरकार कल्याणकारी योजनाओं को आगे नहीं बढ़ा सकती। सरकार का दृष्टिकोण अमीर लोगों से टैक्स लेना और गरीबों को लाभ देना है। इसलिए सरकार की भी अपनी सीमाएं हैं।

नितिन गडकरी ●

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री ने कहा, सरकार को कल्याणकारी योजनाओं के लिए होती है धन की जरूरत

गडकरी के अनुसार, वर्तमान में भारत की लाजिस्टिक लागत 14 से 16 प्रतिशत है। मैं आपको भरोसा दिलाता हूं कि दो साल के भीतर हमारी लाजिस्टिक लागत नौ प्रतिशत हो जाएगी। इससे हम अंतरराष्ट्रीय बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी होंगे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चीन में लाजिस्टिक लागत आठ प्रतिशत है और अमेरिका तथा यूरोपीय देशों में यह 12 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि भारतीय उद्योग जगत को गुणवत्ता से समझौता किए बिना उत्पादन की लागत कम करने की जरूरत है।

वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 3-5% बढ़ेगी

नई दिल्ली, प्रेट्र: अगले वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान वाणिज्यिक वाहनों की थोक बिक्री में 3-5 प्रतिशत तक की वृद्धि रह सकती है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने सोमवार को यह बात कही। एजेंसी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री स्थिर रह सकती है। इसका कारण यह है कि आम चुनावों के कारण पहली छमाही में वाणिज्यिक वाहनों की मांग में नरमी रही है।

इक्रा की सीनियर वाइस प्रेसिडेंट किंजल शाह ने कहा कंस्ट्रक्शन और इन्फ्रास्ट्रक्चर गतिविधियों की बहाली, स्थिर ग्रामीण मांग के साथ सरकारी आदेशों से पुराने बेड़े में बदलाव से चालू वित्त वर्ष के अंत तक और अगले वित्त वर्ष के दौरान वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री बढ़ने में मदद मिलेगी। इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास, खनन गतिविधियों में लगातार वृद्धि और सड़क संपर्क में सुधार से भी समर्थन मिलने की उम्मीद है।

सब्जियों के मूल्य में गिरावट से शाकाहारी थाली की लागत घटी

- मासिक आधार पर पांच प्रतिशत घटी शाकाहारी थाली की लागत
- प्याज, आलू और टमाटर के मूल्य में नरमी से लागत में कमी

नई दिल्ली, प्रेट्र: सब्जियों और ब्रायलर के मूल्य में कमी के कारण फरवरी में घर पर बनाई जाने वाली शाकाहारी और मांसाहारी थाली की लागत में मासिक आधार पर पांच प्रतिशत की कमी आई है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल ने सोमवार को अपनी मासिक 'रोटी राइस रेट' रिपोर्ट में बताया कि ताजा आपूर्ति के कारण पिछले महीने प्याज, आलू और टमाटर के मूल्य में क्रमशः सात, 17 और 25 प्रतिशत की गिरावट रही है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण भारत में बर्ड फ्लू के डर से ब्रायलर की मांग में कमी रही है। इससे ब्रायलर के मूल्य में इसी वर्ष जनवरी के मुकाबले पांच प्रतिशत की कमी आई है। वार्षिक आधार पर शाकाहारी थाली की लागत में एक प्रतिशत की गिरावट रही है। वहीं, पिछले वर्ष फरवरी के मुकाबले पिछले महीने मांसाहारी थाली की लागत छह प्रतिशत बढ़ी है। वार्षिक आधार पर शाकाहारी थाली के मूल्य में गिरावट का प्रमुख कारण टमाटर और एलपीजी सिलिंडर के मूल्य में कमी आना रहा है। पिछले महीने टमाटर का मूल्य 28 प्रतिशत घटकर 23 रुपये किलो रहा है। फरवरी 2024 में टमाटर का मूल्य 32 रुपये प्रति किलो था। वार्षिक आधार पर मांसाहारी थाली की कीमतों में बढ़ोतरी का कारण इस दौरान ब्रायलर के मूल्य में 15 प्रतिशत की वृद्धि रहना रहा है। मांसाहारी थाली की कुल लागत में ब्रायलर की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी होती है।

रियल्टी परियोजनाओं की निर्माण लागत चार प्रतिशत तक बढ़ी

नई दिल्ली, प्रेट्र: कैलेंडर वर्ष 2024 के दौरान रियल्टी परियोजनाओं की निर्माण लागत में चार प्रतिशत तक की बढ़ोतरी रही है। रियल एस्टेट कंसल्टेंट सीबीआरई की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, ज्यादा इनुपट दर के कारण पिछले वर्ष निर्माण लागत में वृद्धि रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष सीमेंट, स्टील और एल्युमिनियम की लागत क्रमशः 6-8 प्रतिशत, 3-5 प्रतिशत और 0-12 प्रतिशत घटी है। वहीं पेंट की लागत स्थिर रही है। दूसरी ओर, लकड़ी और पत्थर के मूल्य में क्रमशः 3-6 प्रतिशत और 0-2 प्रतिशत की वृद्धि रही है। पिछले वर्ष एनसीआर में ऊंचे भवनों (30 मंजिला) के लिए निर्माण लागत 5,500-6,200 रुपये प्रति वर्ग फिट और 12 मंजिला भवन के लिए यह लागत 3,100-3,500 रुपये प्रति वर्ग फिट रही है।

सेबी ने सख्त किए एसएमई आइपीओ के नियम

- आइपीओ में 20 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी नहीं बेच सकेंगे प्रमोटर
- तीन में से दो वित्त वर्ष में एक करोड़ रुपये का संचालन लाभ अनिवार्य

नई दिल्ली, प्रेट्र: कैपिटल मार्केट रेग्युलेटर सेबी ने लघु एवं मध्यम उद्यमों (एसएमई) से जुड़े आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आइपीओ) के नियमों में सख्ती की है। इसमें लाभ की आवश्यकता और आफर फार सेल (ओएफएस) से तहत की जाने वाली शेयर बिक्री की सीमा शामिल है। नियमों को सख्त करने का उद्देश्य निवेशकों के हितों की रक्षा करते हुए अच्छे एसएमई को जनता से धन जुटाने का अवसर प्रदान करना है।

सेबी के नए नियमों के अनुसार, आइपीओ लाने की योजना बनाने वाले एसएमई का पिछले तीन वित्त वर्षों में से कम-से-कम दो के लिए न्यूनतम संचालन लाभ एक करोड़ रुपये होना आवश्यक है। इसी तरह प्रमोटर कुल आइपीओ के 20 प्रतिशत के बराबर ही अपनी हिस्सेदारी ओएफएस के तहत बेच सकेंगे। इसके अतिरिक्त, विक्रेता शेयरधारकों को अपनी मौजूदा हिस्सेदारी के 50 प्रतिशत से अधिक बिक्री की अनुमति नहीं होगी। एसएमई आइपीओ में गैर-संस्थागत निवेशकों (एनआइआइ) के लिए आवंटन पद्धति में एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए शेयर बाजार के मेनबोर्ड पर अपनाए गए दृष्टिकोण के अनुरूप बनाया गया है।

एसएमई आइपीओ में सामान्य कारपोरेट उद्देश्य (जीसीपी) के लिए आवंटित राशि कुल निर्गम आकार का 15 प्रतिशत या 10 करोड़ रुपये, जो भी कम हो, पर सीमित की गई है। एसएमई आइपीओ के लिए विवरण पुस्तिका (डीआरएचपी) को 21 दिन के लिए सार्वजनिक टिप्पणियों के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। जारीकर्ताओं को समाचार पत्रों में घोषणाएं प्रकाशित करने और डीआरएचपी तक आसान पहुंच के लिए एक क्यूआर कोड शामिल करने की जरूरत होगी।

कारपोरेट अनुपालन फर्म एमएमजेसी एंड एसोसिएट्स के संस्थापक और साझेदार मकरंद एम जोशी ने कहा, 'इसके अलावा सेबी ने एसएमई आइपीओ के लिए न्यूनतम आवेदन आकार को बढ़ाकर दो लाट कर दिया है। इससे एसएमई आइपीओ को लेकर अनावश्यक अटकलों पर विराम लगेगा।

राष्ट्रीय फलक

'गैर-एसी यात्रा के लिए सब्सिडी जारी रखे रेलवे'

नई दिल्ली, प्रेट्र : संसद की समिति ने रेलवे को क्षमता विस्तार, भीड़ प्रबंधन में सुधार और यात्रियों की सुरक्षा को प्राथमिकता देने को कहा है। समिति ने कहा है कि रेलवे को उपनगरीय और गैर-एसी यात्रा के लिए सब्सिडी जारी रखनी चाहिए। समिति ने रेलवे को आय के स्रोत तलाशने को भी कहा है।

रेलवे संबंधी स्थायी समिति ने सोमवार को लोकसभा में पेश अपनी दूसरी रिपोर्ट में कहा कि रेल मंत्रालय को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत चिन्हित 1,337 स्टेशनों के आधुनिकीकरण में तेजी लानी चाहिए तथा नियमित निगरानी के जरिए तय समय सीमा के भीतर इनका पूरा होना सुनिश्चित करना चाहिए। समिति यह भी महसूस करती है कि अमृत भारत स्टेशन योजना का दायरा बढ़ाकर इसमें और अधिक स्टेशनों को शामिल करने की आवश्यकता है, विशेष रूप से पिछड़े और ग्रामीण क्षेत्रों में स्टेशनों को विकसित करना चाहिए।

रेल मंत्रालय की अनुदान मांगों (2024-25) पर समिति की पहली रिपोर्ट की सिफारिशों पर सरकार द्वारा की गई कार्रवाई पर दूसरी रिपोर्ट में स्थायी समिति ने पाया कि मंत्रालय ने आय बढ़ाने के लिए कई पहल की हैं, जैसे वंदे भारत और अमृत भारत जैसी प्रीमियम ट्रेनें शुरू करना, फ्लेक्सी-फेयर योजनाओं को युक्तिसंगत बनाना शामिल है। समिति की पहली रिपोर्ट, जो 13 दिसंबर, 2024 को लोकसभा में पेश की गई में 14 टिप्पणियां/सिफारिशें शामिल थीं। मंत्रालय ने 11 फरवरी, 2025 को रिपोर्ट में शामिल सभी टिप्पणियों/सिफारिशों पर अपनी कार्रवाई संबंधी टिप्पणियां पेश कीं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि रेलवे को कम आय वाले यात्रियों का खयाल रखते हुए राजस्व बढ़ाने के लिए व्यापक, बहुआयामी रणनीति अपनानी चाहिए। इसमें मांग के आधार पर फ्लेक्सी- फेयर स्कीम्स की नियमित समीक्षा, ई-नीलामी नीतियों, विज्ञापन और रेलवे परिसंपत्तियों के कमर्शियल उपयोग जैसी पहलों के माध्यम से गैर-किराया राजस्व का विस्तार करना शामिल है। माल ढुलाई गलियारों पर मंत्रालय की प्रतिक्रिया के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है, 'मंत्रालय ने कहा है कि संभावित समर्पित माल ढुलाई गलियारों (डीएफसी) अर्थात पूर्वी तट गलियारा, पूर्व-पश्चिम गलियारा और उत्तर-दक्षिण उप-गलियारा के लिए डीपीआर तैयार कर ली गई है।

संसदीय समिति की अन्य महत्वपूर्ण सिफारिशें

- विद्युतीकरण और ऊर्जा कुशल प्रौद्योगिकियों के माध्यम से परिचालन दक्षता में सुधार लाएं
- बजटीय सहायता के लिए सरकार पर अपनी निर्भरता कम करें
- रणनीतिक साझेदारों और अन्य निवेशकों को जोड़कर लक्ष्य निर्धारित करें

रेलवे के कामकाज में सुधार, राजस्व सृजन के लिए की कई सिफारिशें

संसदीय समिति ने कहा कि रेलवे को स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली "कवच" का शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित करना चाहिए। लोकसभा में सोमवार को पेश "रेल मंत्रालय की अनुदान मांगों (2025-26)" पर तीसरी रिपोर्ट में रेलवे के कामकाज में सुधार के साथ-साथ राजस्व सृजन के लिए कई सिफारिशें की गई हैं। इनमें ऊर्जा-कुशल प्रौद्योगिकियों को अपनाना, ट्रेनों में सुविधाएं बढ़ाना तथा रेलवे लाइनों के दोहरीकरण के सुझाव शामिल हैं। समिति ने रेलवे को आय बढ़ाने के स्रोत तलाशने को कहा है। रिपोर्ट के अनुसार मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना के संबंध में समिति ने कहा कि जनवरी 2025 तक अब तक 71,116 करोड़ रुपये खर्च हो चुका है लेकिन केवल 48 .55 प्रतिशत काम पूरा हुआ है। समिति ने कहा कि मंत्रालय को इस परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए कदम उठाने को कहा है।

ट्रंप के शुल्क दावों पर केंद्र ने कहा- वार्ता जारी, अभी नहीं हुआ कोई समझौता

नई दिल्ली, प्रेट्र: केंद्रीय वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने सोमवार को विदेश मामलों की संसदीय समिति को बताया कि भारत-अमेरिका के बीच वार्ता जारी है और अभी तक व्यापार शुल्कों पर कोई समझौता नहीं हुआ है। समिति के कई सदस्यों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस दावे पर चिंता व्यक्त की कि भारत शुल्क घटाने पर सहमत हो गया है। इस पर बर्थवाल ने कहा, किसी को भी अमेरिकी राष्ट्रपति के दावों व मीडिया रिपोर्टों पर भरोसा नहीं करना चाहिए क्योंकि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर वार्ता अभी भी जारी है। भारत ने व्यापार शुल्कों पर अमेरिका से कोई प्रतिबद्धता व्यक्त नहीं की है। सूत्रों ने बताया कि वाणिज्य सचिव ने यह भी कहा, व्यापार वार्ताओं के दौरान देश के हितों का ध्यान रखा जाएगा। भारत मुक्त व उदार व्यापार के पक्ष में है जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने में मदद मिलेगी। टैरिफ वार से किसी भी देश को फायदा नहीं होगा, बल्कि इससे मंदी आ सकती है। कुछ सदस्यों ने जब सवाल किया कि कनाडा और मेक्सिको की तरह भारत शुल्कों के विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद क्यों नहीं कर रहा है, तो वाणिज्य सचिव ने कहा, दोनों देशों से कोई तुलना नहीं हो सकती क्योंकि उनके साथ अमेरिका की सुरक्षा चिंताएं एवं सीमा आव्रजन के मुद्दे हैं। बर्थवाल ने कहा, भारत पारस्परिक लाभ के समझौते पर हस्ताक्षर करेगा और उन उद्योगों को संरक्षित करेगा जो उसकी घरेलू अर्थव्यवस्था के लिए अहम हैं। कहा, विकासशील देश हर चीज पर शुल्क कम नहीं कर सकते। भारत पारस्परिक व द्विपक्षीय तरीके से शुल्कों में कमी कर सकता है, पर बहुपक्षीय रूप से नहीं। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने चीन व यूरोप के साथ भारत के संबंधों के बारे में समिति के सदस्यों को जानकारी दी। बताया कि ब्रह्मपुत्र नदी पर बांध का निर्माण भारत के लिए चिंता का विषय है क्योंकि चीन ने योजना परिव्यय में इसके विकास के लिए धनराशि निर्धारित की है।

केंद्रीय वाणिज्य सचिव ने विदेश मामलों की संसदीय समिति को दी जानकारी

सुनील बर्थवाल। फाइल

सीजीएसटी ने अप्रैल से जनवरी तक 1.95 लाख करोड़ की कर चोरी पकड़ी

लोकसभा में वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने दी जानकारी

नई दिल्ली, प्रेट्र : वर्तमान वित्त वर्ष में दिसंबर, 2024 तक कार्ड्स, इंटरनेट व डिजिटल पेमेंट्स में धोखाधड़ी की वजह से लोगों को 107 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा। वहीं, अप्रैल से जनवरी के दौरान सेंट्रल जीएसटी के अधिकारियों ने 25,397 मामलों में 1.95 लाख करोड़ की कर चोरी का पता लगाया। इस दौरान इन मामलों में स्वेच्छा से जमा कराई गई राशि 21,520 करोड़ रुपये थी।

लोकसभा में लिखित जवाब में वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने बताया कि देश में डिजिटल पेमेंट फ्राड समेत धोखाधड़ी की घटनाएं पिछले कुछ वर्षों में बढ़ी हैं। वर्ष 2023-24 में धोखाधड़ी की 13,384 घटनाओं की वजह से 177 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था जबकि 2022-23 में 6,699 घटनाओं में 69.68 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। साइबर अपराधों के विरुद्ध जागरूकता फैलाने के लिए सरकार ने समय-समय पर विभिन्न पहल भी की हैं। लोकसभा में साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में केंद्र सरकार के अधिकारियों ने जीएसटी चोरी के 86,711 मामलों में 6.79 लाख करोड़ रुपये से अधिक की चोरी का पता लगाया है। 2023-24 में सीजीएसटी चोरी के 20,582 मामलों में 2.30 लाख करोड़ रुपये, 2022-23 में 1.32 लाख करोड़ रुपये, 2021-22 में 73,238 करोड़ रुपये और 2020-21 में 49,384 करोड़ रुपये की चोरी का पता लगा था। वर्तमान वित्त वर्ष में 13,018 मामलों में 46,472 करोड़ रुपये की इनपुट टैक्स क्रेडिट की धोखाधड़ी हुई।

दिसंबर तक डिजिटल पेमेंट फ्राड में 107 करोड़ का नुकसान

सुरक्षा पर प्रतिवर्ष 1.14 लाख करोड़ रुपये खर्च कर रहा रेलवे : वैष्णव

राज्यसभा ने रेलवे संशोधन विधेयक को दी मंजूरी, लोकसभा से पिछले साल पारित हुआ था यह विधेयक

नई दिल्ली, प्रेट्र : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को कहा कि सरकार रेलवे में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। रेलवे सुरक्षा पर प्रतिवर्ष 1.14 लाख करोड़ रुपये खर्च कर रहा है। राज्य सभा में रेलवे संशोधन विधेयक 2024 पर चर्चा का जवाब देते हुए मंत्री ने कहा, वार्षिक रेल दुर्घटना दर 171 घटनाओं से घटकर 30 हो गई है। रेलवे संशोधन विधेयक 2024 को राज्यसभा में ध्वनिमत से मंजूरी दे दी गई। यह विधेयक पिछले साल 11 दिसंबर को लोकसभा में पारित किया गया था। रेलवे संशोधन विधेयक, 2024 में रेलवे बोर्ड की स्वतंत्रता बढ़ाने व कामकाज बेहतर करने का प्रविधान है।

रेल मंत्री ने कहा, संप्रग सरकार में सुरक्षा बढ़ाने के लिए निवेश आठ हजार से 10 हजार करोड़ रुपये के बीच हुआ करता था। आज हम सुरक्षा बढ़ाने पर हर साल 1.14 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर रहे हैं। पटरियों, सुरक्षा उपकरणों व लेवल क्रासिंग को बेहतर बनाने के लिए कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा, संप्रग के कार्यकाल में 4.11 लाख नौकरियां दी गईं, राजग सरकार में 5.02 लाख नौकरियां दी गई हैं। उन्होंने कहा, अब महाप्रबंधकों के पास अनुबंध स्वीकार करने का 100 प्रतिशत अधिकार है, चाहे निविदा राशि 10 करोड़ रुपये हो या 1,000 करोड़ रुपये।

विपक्ष को दी दुर्घटनाओं को लेकर राजनीति न करने की नसीहत : रेल मंत्री ने कुंभ के दौरान नयी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ जैसी रेल दुर्घटनाओं को लेकर राजनीति नहीं करने की नसीहत देते हुए कहा कि रेल मंत्रालय ने इस घटना से सीख लेते हुए तमाम उपाय किए हैं जिनमें देश के प्रमुख स्टेशनों पर भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रतीक्षा क्षेत्र बनाना शामिल है।

पिता की दूसरी शादी का आया प्रस्ताव तो दो नाबालिग बेटों ने दे दी जान

जासं, भुवनेश्वर : ओडिशा के नयागढ़ जिले में एक अधेड़ की दूसरी शादी का प्रस्ताव मिलने के बाद उसके दो नाबालिग बेटों ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। अधेड़ की पहली पत्नी की तीन वर्ष पूर्व मौत हो चुकी है। पुलिस ने आरोपित पिता को गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार, धानचागड़ा गांव के अच्युत महांति के बेटे प्रकाश महांति की शादी 15 साल पहले हुई थी। उसके दो बेटे थे। बड़ा बेटा 14 साल का जबकि छोटा बेटा 11 साल का था। प्रकाश की पत्नी की तीन साल पहले मौत हो गई थी। महांति के पिता अच्युत महांति ने बताया कि प्रकाश महांति की एक दिन पहले रविवार को दूसरी शादी का प्रस्ताव आया था। इसके बाद उसके दोनों बेटों ने गले में कपड़े का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मोहल्ले के कुछ लोगों को संदेह है कि दोनों नाबालिग लड़कों की हत्या कर आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की जा रही है।

'सनसनी फैलाने के लिए प्रसारित की जाती है कार्यवाही की क्लिप'

सुप्रीम कोर्ट के जज ने कहा-इस प्रकार की क्लिप्स से गलत सूचना, न्यायिक चर्चाओं की गलत व्याख्या और गलत रिपोर्टिंग हो सकती

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस बीआर गवई ने कानूनी कार्यवाही की संपादित क्लिप्स को इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित करने की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका को अदालतों की लाइव स्ट्रीमिंग के लिए दिशानिर्देश बनाने पड़ सकते है। न्यायपालिका के भीतर प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल विषय पर केन्या में एक कार्यक्रम के दौरान जस्टिस गवई ने कहा कि अदालती कार्यवाही के क्लिप्स को संदर्भ से बाहर संपादित कर इंटरनेट मीडिया पर साझा किया जाता है, जिससे कार्यवाही सनसनीखेज बन जाती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की क्लिप्स से गलत सूचना, न्यायिक चर्चाओं की गलत व्याख्या और गलत रिपोर्टिंग हो सकती है।

उन्होंने कहा कि यूट्यूबर्स सहित कई कंटेंट क्रिएटर ने सुनवाई के छोटे अंशों को अपने कंटेंट के रूप में पुनः अपलोड किया, जिससे बौद्धिक संपदा अधिकारों और न्यायिक रिकार्डिंग के स्वामित्व पर चिंताएं पैदा हुईं। ऐसी चुनौतियों का प्रबंधन न्यायपालिका के लिए एक उभरता हुआ मुद्दा है और अदालतों को लाइव-स्ट्रीम की गई कार्यवाही के उपयोग पर दिशानिर्देश तय करने पड़ सकते हैं। न्यायाधीश ने कहा कि यद्यपि प्रौद्योगिकी की वजह से न्यायिक कार्यवाहियों तक पहुंच में उल्लेखनीय सुधार हुआ है लेकिन इसने कई नैतिक चिंताओं को भी जन्म दिया है। जस्टिस गवई ने कहा कि दुनिया भर की अदालतें कार्यकुशलता में सुधार लाने, निर्णय लेने की क्षमता बढ़ाने तथा न्याय तक पहुंच को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी को तेजी से एकीकृत कर रही हैं। न्यायाधीश ने कानूनी अनुसंधान में एआइ के उपयोग से जुड़े महत्वपूर्ण जोखिमों को भी रेखांकित किया।

****

13 हवाईअड्डों पर उड़ानें प्रभावित हुई जर्मनी में कर्मचारियों की एक दिवसीय हड़ताल के चलते, फ्रैंकफर्ट, म्यूनिख तथा देश के अन्य सभी मुख्य गंतव्यों की अधिकांश उड़ानों को रद करना पड़ा

सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी ने जस्टिन ट्रूडो के इस्तीफे के बाद मार्क कार्नी को चुना अपना नेता

भारत के साथ रिश्तों में आई खटास को दूर करेंगे कनाडा के नए पीएम

ओटावा, आइएएनएस : कनाडा में सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी ने जस्टिन ट्रूडो की जगह मार्क कार्नी को अपना नेता चुन लिया है। नौ साल तक सत्ता में रहने वाले ट्रूडो के इस्तीफे के बाद अब अगले प्रधानमंत्री के रूप में कार्नी भारत के साथ संबंधों में आई खटास को दूर करते हुए इसे नए सिरे से मजबूत करना चाहते हैं। वह एक जाने-माने अर्थशास्त्री हैं और बैंक आफ कनाडा के गवर्नर भी रह चुके हैं। उन्होंने अपने हालिया चुनाव अभियान के दौरान भारत के साथ तनावपूर्ण संबंधों के 'पुनर्निर्माण' का संकल्प लिया था। 59-वर्षीय कार्नी ने लिबरल पार्टी के सदस्यों के 85 प्रतिशत से अधिक वोट जीतकर अगले कनाडाई प्रधानमंत्री बनने की दौड़ जीत ली।

- 59 वर्षीय कार्नी ने पार्टी सदस्यों के 85 फीसद वोट जीतकर पीएम बनने की दौड़ जीत ली
- प्रचार के दौरान भारत के साथ तनावपूर्ण संबंधों को पुनर्निर्माण करने का लिया था संकल्प

ओटावा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कनाडा का नया प्रधानमंत्री चुने जाने पर अपनी जीत का भाषण देते लिबरल पार्टी के नेता मार्क कार्नी। एपी

कार्नी अक्टूबर में होने वाले आम चुनाव तक सत्ता में बने रहेंगे और उस समय संभवतः सत्ता की लड़ाई में उनका मुकाबला कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पियरे पोलीवरे से होगा। गौरतलब है कि पिछले साल ट्रूडो द्वारा बार-बार दिए गए ''बेतुके बयानों'' के कारण भारत-कनाडा संबंधों में गिरावट आई थी। इसके कारण पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों को और नुकसान पहुंचा। हालांकि, ट्रूडो की जगह लेने के लिए खुद को सबसे आगे बताते हुए कार्नी ने संबंधों को सुधारने के संकेत दिए हैं।

हाल ही में कार्नी ने कहा था कि 'कनाडा समान विचारधारा वाले देशों के साथ अपने व्यापारिक संबंधों में विविधता लाना चाहता है और भारत के साथ संबंधों को फिर से निर्माण करने के कई अवसर हैं।''

कनाडा के साथ भारत के संबंधों में तेजी से गिरावट देखी गई है। कनाडा में उग्रवाद, हिंसा की संस्कृति और भारत विरोधी गतिविधियों के बारे में भारत ने बार-बार अपनी गहरी चिंता व्यक्त की है और कनाडाई अधिकारियों से इन गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा है।

जस्टिन ट्रूडो ने दावा किया था कि पिछले साल कनाडा में खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का हाथ होने के उनके पास ''विश्वसनीय आरोप'' हैं। भारत ने सभी आरोपों का खंडन करते हुए इन्हें ''बेतुका'' और 'प्रेरित'' बताया था तथा कनाडा पर अपने देश में चरमपंथी और भारत विरोधी तत्वों को जगह देने का आरोप लगाया था। इसके साथ ही भारत ने कनाडा से कहा था कि वह लगाए गए आरोपों के संबंध में साक्ष्य मुहैया कराए जो आज तक नहीं मिले।

कार्नी ने कहा, कनाडा कभी भी अमेरिका का हिस्सा नहीं होगा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'व्यापार युद्ध' और कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की उनकी बात से कनाडा के लोगों में बहुत आक्रोश है। कार्नी ने ''अनुचित टैरिफ'' के लिए ट्रंप की आलोचना करते हुए कहा कि अमेरिकी किसी भी गलतफहमी में ना रहें क्योंकि कनाडा व्यापार युद्ध में उसी तरह जीतेगा जैसे वह हाकी में जीतता है। कार्नी ने कहा, ''अमेरिकी हमारे संसाधन, हमारा पानी, हमारी जमीन, हमारा देश हड़पना चाहते हैं। इस बारे में हमें सोचने की जरूरत है। अगर वे सफल हो गए तो वे हमारी जीवनशैली को नष्ट कर देंगे। अमेरिका में स्वास्थ्य सेवा एक बड़ा व्यवसाय है, मगर कनाडा में यह एक अधिकार है। अमेरिका एक पिघलने वाला बर्तन (मेल्टिंग पाट) है, जबकि कनाडा मोज़ेक (एक ऐसा डिजाइन जो रंग-बिरंगे टाइल के कई छोटे टुकड़ों से बना होता है) है। अमेरिका, कनाडा नहीं है और कनाडा कभी भी, किसी भी तरह से, आकार या रूप में अमेरिका का हिस्सा नहीं होगा। ये काले दिन हैं...एक ऐसे देश द्वारा लाए गए काले दिन जिस पर हम अब भरोसा नहीं कर सकते। हमें आने वाले कठिन दिनों के लिए एक साथ आने की जरूरत है।''

भारत विरोधी गतिविधियों को रोके ब्रिटेन : जयशंकर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कहा, भारतीय उच्चायोग व इसके सभी कार्यालयों को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करे
- ब्रिटेन यात्रा के दौरान वहां के पीएम और अन्य नेताओं के सामने उठाया यह मुद्दा

भारत ने एक बार फिर ब्रिटेन से कहा है कि वह भारत विरोधी गतिविधियों पर रोक लगाए और भारतीय उच्चायोग व इसके सभी कार्यालयों को पर्याप्त सुरक्षा प्रदान करे। यह आग्रह विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पिछले सप्ताह अपनी ब्रिटेन यात्रा के दौरान वहां के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर, उपप्रधानमंत्री एंजेला रेनर, विदेश मंत्री डेविड लैमी के साथ द्विपक्षीय बैठकों में किया। विदेश मंत्री की इस यात्रा के दौरान ही उनकी कार के सामने एक खालिस्तानी समर्थक भारतीय तिरंगे का अपमान करते हुए आ खड़ा हुआ था। इस पर ब्रिटेन ने अफसोस जताया है। अब विदेश मंत्रालय की तरफ से बताया गया है कि जयशंकर ने अपनी बैठकों में भारतीय उच्चायोग, मिशनों व इनमें काम करने वाले कर्मचारियों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया और भारत विरोधी गतिविधियों पर रोक लगाते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आग्रह किया है।

जयशंकर की लंदन में भारत व ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर भी बातचीत हुई है। दोनों देशों ने कारोबारी संबंधों की राह की बाधाओं को दूर करने और बाजार की हिस्सेदारी बढ़ाने का आह्वान किया है। भारत ने ब्रिटेन के साथ प्रतिभाओं के आसानी से एक देश से दूसरे देश में जाने का मुद्दा खास तौर पर उठाया है।

एस जयशंकर। फाइल

इस बारे में जयशंकर की ब्रिटेन के गृह मंत्री के साथ हुई बैठक में खास तौर पर बातचीत हुई है। विदेश मंत्रालय ने बताया है कि भारत और ब्रिटेन के बीच आतंकवाद व अतिवाद को रोकने को लेकर भी काफी गहरा सहयोग पहले से ही चल रहा है, जिसे और विस्तार देने पर सहमति बनी है। विदेश मंत्रालय का कहना है कि इस यात्रा से भारत व ब्रिटेन की समग्र रणनीतिक साझेदारी को मजबूत बनाने में मदद मिली है। ज्ञात हो हाल के दिनों में ब्रिटेन में भारत विरोधी शक्तियां अचानक सक्रिय हो गई हैं।

भारत-बांग्लादेश ने बंगाल की खाड़ी में शुरू किया द्विपक्षीय अभ्यास

ढाका, एएनआइ: भारत-बांग्लादेश ने सोमवार को बंगाल की खाड़ी के बोंगोसागोर क्षेत्र में द्विपक्षीय अभ्यास शुरू किया। छठे संयुक्त गश्त और चौथे द्विपक्षीय अभ्यास में बांग्लादेश नौसेना का युद्धपोत बीएनएस अबू उबैदाह व समुद्री गश्ती विमान तथा भारतीय नौसेना का युद्धपोत आइएनएस रणवीर व एक हेलीकाप्टर गश्त और अभ्यास में भाग ले रहे हैं। यह संयुक्त गश्त व अभ्यास 12 मार्च तक जारी रहेगा।

यह संयुक्त गश्त 2018 से बांग्लादेश और भारत के बीच हो रही है। यह संयुक्त गश्त और अभ्यास दोनों देशों के निर्दिष्ट समुद्री क्षेत्रों में अवैध मछली पकड़ने, तस्करी, मानव तस्करी, समुद्री डकैती और मादक पदार्थों की तस्करी सहित विभिन्न आपराधिक गतिविधियों को खत्म करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

भारत-जापान संयुक्त सैन्य अभ्यास संपन्न

फूजी, एएनआइ: भारत-जापान संयुक्त युद्धाभ्यास धर्म गार्जियन का छठा संस्करण जापान के पूर्वी फूजी प्रशिक्षण क्षेत्र में संपन्न हुआ। भारतीय सेना ने एक बयान में कहा कि 24 फरवरी से नौ मार्च तक आयोजित यह अभ्यास द्विपक्षीय रक्षा सहयोग में मील का पत्थर साबित हुआ। इसे कंपनी-शक्ति स्तर पर सैनिकों की भागीदारी के साथ उन्नत पैमाने पर आयोजित किया गया था।।

विश्व के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं परमाणु हथियार : डोनाल्ड ट्रंप

न्यूयार्क, एएनआइ : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विश्व को परमाणु हथियारों के खतरे से आगाह किया है। कहा है कि विश्व के सामने यह खतरा किसी अन्य खतरे से ज्यादा बड़ा है। यह पर्यावरण में हो रहे बदलाव के खतरे से बहुत ज्यादा बड़ा है। पर्यावरण बदलाव से जहां अगले 300 वर्षों में समुद्र का जलस्तर एक इंच का आठवां हिस्सा बढ़ेगा लेकिन परमाणु हथियार से विश्व का विनाश महज एक दिन में हो सकता है, वह दिन आने वाला कल भी हो सकता है।

ट्रंप ने यह बात संडे मार्निंग फ्यूचर्स के साथ इंटरव्यू में कही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, परमाणु हथियार का खतरा किसी अन्य खतरे से विनाश की कल्पना से कहीं ज्यादा भयावह है। अगर कभी इसका इस्तेमाल हुआ तो यह पूरे विश्व को नष्ट कर सकता है। ट्रंप ने उन लोगों की आलोचना की जो पर्यावरण में बदलाव को बड़ा खतरा बताते हुए परमाणु हथियार के खतरे की लगातार अनदेखी कर रहे हैं। यूक्रेन युद्ध की चर्चा करते हुए ट्रंप ने वहां के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को एहसान न मानने वाला बताया। कहा कि अमेरिका ने यूक्रेन को 350 अरब डालर की मदद दी और यूरोपीय देशों ने महज 100 अरब डालर दिए लेकिन जेलेंस्की उसके लिए अमेरिका का एहसान नहीं मानते हैं। बाइडन के शासनकाल में अमेरिका के धन का दुरुपयोग हुआ। जेलेंस्की को इतनी बड़ी धनराशि उसी तरह दी गई जैसे कि एक बच्चे को चूसने के लिए लगातार कैंडी दी जाती है।

- पर्यावरण बदलाव से 300 साल में समुद्री जल थोड़ा ऊंचा होगा

लेकिन परमाणु हथियार से दुनिया कल भी खत्म हो सकती है

यूक्रेन के साथ खनिज सौदे पर ट्रंप ने कहा, वह सोचते हैं कि सौदा होगा। यूक्रेन युद्ध के विषय में ट्रंप ने कहा, अगर वह अमेरिका के राष्ट्रपति होते तो यह युद्ध नहीं होता। इसी प्रकार से इजरायल पर भी हमास का हमला नहीं होता। अफगानिस्तान से भी अमेरिकी सेना की वापसी अपमानजनक तरीके से नहीं होती। इस सबके लिए राष्ट्रपति के तौर पर जो बाइडन की नीतियां जिम्मेदार थीं। वह स्थितियों को अच्छे तरीके से संभाल नहीं पाए। ट्रंप ने कहा, ईरान टूट रहा है। उसके पास जरूरी खर्चों के लिए धन नहीं है। अब वह हमास और हिजबुल्ला को धन नहीं दे पा रहा है।

कुर्स्क में रूसी सेना ने घेरे हजारों यूक्रेनी सैनिक

मास्को, रायटर : रूसी सुरक्षा बल कुर्स्क में आगे बढ़ रहे हैं और यूक्रेनी सेना को पीछे हटते हुए सिमटना पड़ रहा है। रविवार को रूसी कमांडो यूनिट के हमले के बाद यह स्थिति यूक्रेनी सेना के कब्जे वाले रूस के इलाके में बनी है। रूसी कमांडो ने रविवार को डेढ़ मीटर चौड़ी-ऊंची गैस पाइपलाइन के जरिये कुर्स्क इलाके में पहुंचकर यूक्रेनी सेना पर अचानक हमला किया था। बताया गया है कि रूसी सुरक्षा बलों ने कुर्स्क में मौजूद यूक्रेन के हजारों सैनिकों को घेर लिया है और घिरे हुए सैनिकों पर रूसी वायुसेना हवाई हमले भी कर रही है।

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कुर्स्क में हजारों सैनिकों के घिरने पर यूक्रेनी सेना के सर्वोच्च कमांडर जनरल से बात की है। यूक्रेनी सेना ने अगस्त 2024 में सीमावर्ती रूसी इलाके कुर्स्क पर हमला कर वहां की करीब 1,300 वर्ग किलोमीटर भूमि पर कब्जा कर लिया था लेकिन बाद में रूसी सेना ने 800 वर्ग किलोमीटर भूमि मुक्त करवा ली थी। पता चला है कि ताजा कार्रवाई में रूसी सुरक्षा बलों ने कुर्स्क में तीन प्रमुख ठिकाने मुक्त करवा लिए हैं। बताया गया है कि अब यूक्रेनी सेना कुछ सौ वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में सिमटकर रह गई है। कुर्स्क में यह सब तब हो रहा है जब मंगलवार को सऊदी अरब में युद्धविराम पर वार्ता के सिलसिले में यूक्रेन के विदेश मंत्री अमेरिकी विदेश मंत्री से मुलाकात करेंगे। इस दौरान अमेरिका-यूक्रेन के बीच खनिज सौदे पर भी बात होगी। विदित हो कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यूक्रेन युद्ध की जल्द समाप्ति के लिए प्रयासरत हैं।

- गैस पाइपलाइन के जरिये पहुंचे रूसी कमांडो ने किया अचानक हमला
- युद्धविराम पर सऊदी अरब में आज होगी अमेरिका-यूक्रेन के बीच वार्ता

यूक्रेन में सेना तैनाती पर विचार करेंगे 30 देश : यूक्रेन में युद्धविराम की बढ़ती संभावना के बीच मंगलवार को फ्रांस की राजधानी पेरिस में 30 से ज्यादा देशों के सैन्य अधिकारी अंतरराष्ट्रीय शांति सेना के गठन पर विचार करेंगे। यह शांति सेना यूक्रेन में तैनात होगी और यह यूक्रेन के लिए सुरक्षा गारंटी का काम करेगी। जबकि यूक्रेन की स्थिति पर विचार के लिए शनिवार को लंदन में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री किएर स्टार्मर समान विचारधारा वाले देशों के नेताओं के साथ बैठक करेंगे।

रूस ने जासूसी के आरोप में दो ब्रिटिश राजनयिकों को निकाला

मास्को, रायटर : रूस ने सोमवार को दो ब्रिटिश राजनयिकों को जासूसी के आरोप में निकाल दिया है। उन्हें देश छोड़ने के लिए दो सप्ताह का समय दिया गया है। ब्रिटेन के विदेश कार्यालय ने अपने राजनयिकों के खिलाफ आरोपों को निराधार बताते हुए इसे खारिज कर दिया। रूस की संघीय सुरक्षा सेवा ने कहा कि दोनों राजनयिकों ने रूस में प्रवेश करने की अनुमति प्राप्त करते समय गलत जानकारी दी थी। साथ ही उन्होंने रूसी सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने वाले उनके द्वारा किए गए खुफिया और विध्वंसक कार्य के संकेतों की पहचान की।

रूसी विदेश मंत्रालय ने निष्कासन के मामले में ब्रिटिश दूतावास के एक प्रतिनिधि को तलब किया। ब्रिटेन द्वारा यूक्रेनी सेना को लगातार समर्थन दिए जाने और प्रधानमंत्री किएर स्टारमर द्वारा हाल में यूक्रेन में संभावित शांति सेना के रूप में ब्रिटिश सैनिकों को उतारने वाले बयानों ने मास्को को नाराज कर दिया है। क्रेमलिन ने कहा कि रूस की खुफिया सेवाएं राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास कर रही हैं। मास्को के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए ब्रिटेन के विदेश कार्यालय ने एक बयान में कहा कि यह पहली बार नहीं है कि रूस ने हमारे कर्मचारियों के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण और निराधार आरोप लगाए हैं।

रूबियो ने कहा, यूएसएड के 82% कार्यक्रम खत्म हो गए हैं

वाशिंगटन, एपी : अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने सोमवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन ने छह सप्ताह की समीक्षा के बाद छह दशक पुरानी अमेरिकी अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) के 82 प्रतिशत कार्यक्रमों को खत्म कर दिया है। बचे हुए 18 प्रतिशत सहायता और विकास कार्यक्रमों को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप विदेश विभाग के अधीन स्थानांतरित कर देंगे।

रूबियो ने एक्स पर एक पोस्ट में यह घोषणा की। विदेशी सहायता और विकास को लेकर अमेरिकी सरकार की नीति में यह एक ऐतिहासिक बदलाव है। एलन मस्क के नेतृत्व में सरकारी दक्षता विभाग की टीमों द्वारा इसे क्रियान्वित किया गया है। रूबियो ने अपनी पोस्ट में सरकारी दक्षता विभाग और इसके मेहनती कर्मचारियों को धन्यवाद दिया, जिन्होंने विदेशी सहायता में इस लंबित और ऐतिहासिक सुधार को हासिल करने के लिए काफी काम किया।

- शेष कार्यक्रमों को विदेश विभाग के अधीन स्थानांतरित कर देंगे ट्रंप

राष्ट्रपति ट्रंप ने 20 जनवरी को एक कार्यकारी आदेश जारी किया, जिसमें विदेशी सहायता निधि को रोकने और विदेश में अमेरिकी सहायता और विकास कार्यों के तहत अरबों डालर खर्च करने की समीक्षा का निर्देश दिया गया। ट्रंप ने आरोप लगाया कि विदेशी सहायता का अधिकांश हिस्सा बेकार है और यह उदारवादी एजेंडे को आगे बढ़ाता है। रूबियो ने अपनी पोस्ट में सोमवार को कहा कि समीक्षा अब आधिकारिक रूप से समाप्त हो रही है। इसमें यूएसएड के 6,200 कार्यक्रमों में से लगभग 5,200 को समाप्त कर दिया गया है। उन कार्यक्रमों में अरबों डालर इस तरह से खर्च किए गए, जो अमेरिका के राष्ट्रीय हितों के लिए उपयुक्त नहीं थे (और कुछ मामलों में तो राष्ट्रीय हित को नुकसान भी पहुंचा)।

सीरिया में असद के वफादारों के खिलाफ सैन्य अभियान समाप्त करने की घोषणा

दमिश्क, एपी : सीरिया में अंतरिम सरकार के सुरक्षा बलों और अपदस्थ राष्ट्रपति बशर असद के वफादारों के बीच संघर्ष में 1,130 लोग मारे जा चुके हैं। इनमें 830 आम नागरिक हैं। ब्रिटेन स्थित युद्ध निगरानी संस्था सीरियन आब्जर्वेटरी फार ह्यूमन राइट्स ने यह जानकारी दी है। इस बीच, सीरिया की अंतरिम सरकार ने सोमवार को असद के वफादारों के खिलाफ सैन्य अभियान की समाप्ति की घोषणा की है। सीरिया के अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने की कसम खाई है। साथ ही झड़पों और हत्याओं की जांच के लिए स्वतंत्र समिति का गठन किए जाने की बात कही है।

सीरिया के नए अंतरिम इस्लामवादी शासक देश भर में अधिकार जमाने व अल्पसंख्यक समुदायों, विशेष रूप से पूर्वोत्तर के कुर्दों व दक्षिणी सीरिया में ड्रूज के साथ राजनीतिक समझौते के लिए संघर्ष कर रहे हैं। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता

- सुरक्षा बलों-असद के वफादारों के बीच संघर्ष में 1,130 की हो चुकी मौत
- झड़पों और हत्याओं की जांच के लिए स्वतंत्र समिति का गठन किए जाने की घोषणा

सीरिया के लटकिया में सोमवार को वाहनों की जांच करते सुरक्षा बल के जवान। रायटर

कर्नल हसन अब्देल-गनी ने कहा, असद के वफादारों को हमारा साफ संदेश है। अगर आप वापस लौटते हैं, तो हम भी लौटेंगे। आप अपने सामने ऐसे लोगों को पाएंगे जो पीछे हटना नहीं जानते और जो उन लोगों पर दया नहीं करेंगे जिनके हाथ निर्दोष लोगों के खून से रंगे हैं।

अब्देल-गनी ने कहा, सुरक्षा बल स्लीपर सेल और असद के वफादारों के विद्रोह से निपटने के लिए सतर्कता बरतेंगे। हालांकि सरकार की जवाबी कार्रवाई से उग्रवाद पर काफी हद तक काबू पा लिया गया, पर अल्पसंख्यक अलावी समुदाय पर हमले के फुटेज सामने आए हैं। अंतरिम सरकार सुन्नी इस्लामिक समूह हयात तहरीर अल-शाम के सदस्यों से बनी है, जिसने दिसंबर में असद को उखाड़ फेंका था। असद परिवार अलावी है। इस बीच, जार्डन ने अम्मान में क्षेत्रीय सम्मेलन आयोजित किया, जिसमें सुरक्षा, पुनर्निर्माण व शरणार्थी मुद्दों पर चर्चा के लिए तुर्किये, इराक, लेबनान और सीरिया के अधिकारियों ने भाग लिया। वहीं, रूस ने कहा है कि सीरिया में बढ़ती हिंसा को लेकर अमेरिका के साथ समन्वय कर रहा है।

ब्रिटिश तट पर तेल टैंकर-मालवाहक जहाज में टक्कर के बाद लगी आग

लंदन, एपी : पूर्वी ब्रिटेन के तट पर सोमवार को एक मालवाहक जहाज ने जेट ईंधन ले जा रहे एक टैंकर को टक्कर मार दी, जिससे दोनों जहाजों में आग लग गई। स्थानीय सांसद ग्राहम स्टुअर्ट ने कहा कि परिवहन सचिव ने उन्हें बताया कि दोनों जहाजों पर 37 चालक दल के सदस्य सवार थे और एक को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

उन्होंने कहा कि दोनों चालक दल के अन्य 36 नाविक सुरक्षित हैं और उनके बारे में पता चल गया है। जहाज-ट्रैकिंग साइट वेसलफाइंडर के अनुसार, अमेरिकी ध्वज वाला तेल टैंकर एमवी स्टेना इमैक्युलेट ग्रीस से रवाना होने के बाद सोमवार सुबह ग्रिम्सबी बंदरगाह के पास लंगर डाले हुए था। पुर्तगाल ध्वज वाला मालवाहक जहाज सोलोंग स्काटलैंड के ग्रेंजमाउथ से नीदरलैंड के राटरडैम जा रहा था।

स्टेना इमैक्युलेट का संचालन करने वाली अमेरिका स्थित समुद्री प्रबंधन फर्म क्राउली ने कहा कि जहाज के टैंकर से टकराने पर टैंकर में जेट-ए1 ईंधन युक्त कार्गो टैंक फट गया, जिससे आग लग गई और जहाज पर कई विस्फोट हुए, जिससे ईंधन समुद्र में फैल गया।

- अमेरिकी ध्वज वाला तेल टैंकर स्टेना ग्रिम्सबी बंदरगाह के पास लंगर डाले हुए था
- नीदरलैंड के राटरडैम जा रहे पुर्तगाली ध्वज वाले मालवाहक जहाज सोलोंग ने मारी टक्कर

क्राउली की ओर से बताया गया है कि मालवाहक जहाज की टक्कर के बावजूद तेल टैंकर पर सवार सभी 23 नाविक सुरक्षित हैं और उनके बारे में पता चल गया है। स्टेना इमैक्युलेट अमेरिकी सरकार के टैंकर सुरक्षा कार्यक्रम का हिस्सा है, जो वाणिज्यिक जहाजों का एक समूह है, जिसे जरूरत पड़ने पर सेना के लिए ईंधन ले जाने के लिए अनुबंधित किया जा सकता है।

न्यूज गैलरी

खैबर पख्तूनख्वा में दो पुलिस अधिकारियों की हत्या

पेशावर : पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने दो पुलिस अफसरों की गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना कोहट जिले में टंडा बांध में हुई। आतंकवाद विरोधी विभाग के उप निरीक्षक एक सिपाही के साथ यात्रा कर रहे थे। टंडा बांध क्षेत्र में दोनों पर हमला हुआ और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। (प्रेट्र)

आतंकवाद से मुकाबले को सुरक्षा क्षमता बढ़ाएं : जरदारी

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने सोमवार को कट्टरपंथी और आतंकवादी घटनाओं में वृद्धि को देखते हुए इनसे मुकाबले के लिए सुरक्षा क्षमता मजबूत करने और कानूनी प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया। संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए जरदारी ने आतंकवाद के समाधान के लिए सांसदों से वंचित और गैरबराबरी को समाप्त करने को कहा। (प्रेट्र)

वनातु की नागरिकता वैध कारणों से ही लेनी चाहिए : जोथन

प्रथम पृष्ठ से आगे

वनातु के प्रधानमंत्री जोथन नापाट की तरफ से जारी बयान में बताया गया है, 'हम स्वीकार करते हैं कि संबंधित व्यक्ति पर लगे आरोपों को अभी न्यायालय में साबित नहीं किया जा सका है। इस मामले में हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं। वनातु में उन पर इन मामलों को नहीं चलाया जाएगा। मुझे इस बात की सूचना मिली है कि ललित मोदी के विरुद्ध रेड कार्नर नोटिस जारी करने के भारतीय एजेंसियों के प्रस्ताव को दो बार इंटरपोल ने पर्याप्त सुबूत नहीं होने के आधार पर खारिज कर दिया है। मैंने नागरिकता आयोग को निर्देश दिया है कि ललित मोदी के वनातु पासपोर्ट को रद करने की प्रक्रिया शुरू करे।' बयान में कहा गया है, 'प्रधानमंत्री ने कहा है कि वनातु का पासपोर्ट रखना अधिकार नहीं, बल्कि विशेष सुविधा है और आवेदकों को वैध कारणों से ही नागरिकता लेनी चाहिए। इन वैध कारणों में से किसी में भी प्रत्यर्पण से बचने का प्रयास शामिल नहीं है। जबकि हाल में सामने आए तथ्यों से संकेत मिलता है कि ललित मोदी का इरादा यही था।'

जोथन नापाट। फाइल

...तो हो जाएंगे अवैध प्रवासी : मामले के जानकार लोगों का कहना है कि भारत ने वनातु की सरकार से ललित मोदी का पासपोर्ट रद करने का अनुरोध किया था और उसके मामले से जुड़े कुछ विवरण भेजे थे। वनातु में भारत का कोई मिशन नहीं है और न्यूजीलैंड में भारतीय उच्चायोग उसके साथ संबंधों को संभालता है। अगर भारत पासपोर्ट रद करने का ललित मोदी का आवेदन स्वीकार कर लेता है और वनातु भी नागरिकता रद कर दे तो वह ब्रिटेन में अवैध प्रवासी हो जाएंगे। भारत में ललित मोदी पर आरोप है कि आइपीएल प्रमुख के रूप में वह करोड़ों रुपये की हेराफेरी में शामिल थे।

नागरिकता योजना के कारण ईयू ने रद किया था वीजा मुक्त समझौता : वनातु के प्रधानमंत्री कार्यालय ने कहा कि सरकार ने पिछले चार वर्षों में अपने निवेश के जरिये नागरिकता कार्यक्रम को काफी मजबूत किया है जिससे वित्तीय खुफिया इकाई के जरिये गहन जांच के कारण खारिज होने वाले आवेदनों में खासी वृद्धि हुई है। प्रक्रिया में हुए इस सुधार में तीन एजेंसियों से जांच शामिल है। वनातु ने ऐसा इसलिए किया है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों से चिंता व्यक्त की जा रही थी कि निवेश के जरिये नागरिकता योजना अपराधियों को मनी लांड्रिंग करने और अपने देश में न्याय प्रक्रिया से बचने में मदद करती है। इन्हीं वजहों से यूरोपीय यूनियन ने पिछले वर्ष दिसंबर में वनातु के साथ वीजा मुक्त समझौता रद कर दिया था। हालांकि यह 2022 से ही निलंबित था।

आइएनएस तरकश ने हिंद महासागर में ईरानी पोत को पहुंचाई सहायता

नई दिल्ली, एएनआइ: समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय सहयोग के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करते हुए भारतीय नौसेना के युद्धपोत आइएनएस तरकश ने सोमवार को सोमाली तट के पास एक ईरानी पोत और उसके चालक दल की सहायता की। जिस जहाज ने संकटकालीन सूचना जारी की थी, उसे पेयजल की गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था, जबकि खराब मौसम के कारण चालक दल का एक सदस्य घायल हो गया था।

सूचना पर नौसेना के युद्धपोत आइएनएस तरकश के चालक दल ने तुरंत कार्रवाई करते हुए, नाव के खराब हो चुके आरओ प्लांट को ठीक किया, जिससे नाव पर सवार लोगों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध हो सका। साथ ही जहाज की मेडिकल टीम ने घायल नाविक को तुरंत प्राथमिक उपचार दिया, जिससे उसकी हालत स्थिर हो गई। यह मिशन हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय नौसेना की चल रही तैनाती का हिस्सा है, जो समुद्र में सुरक्षा और मानवीय सहायता बनाए रखने में भारत की सक्रिय भूमिका को दर्शाता है। भारत और ईरान के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंध गहरे ऐतिहासिक और सभ्यतागत संबंधों पर आधारित हैं। ये संबंध उनके कूटनीतिक और सांस्कृतिक जुड़ाव को आकार देते रहते हैं, जिन्हें व्यापार, संपर्क और लोगों के बीच आपसी संपर्क के क्षेत्र में उच्च स्तरीय आदान-प्रदान और सहयोग द्वारा समर्थन मिलता है।

- ईरानी पोत गंभीर पेयजल की समस्या का कर रहा था सामना
- खराब मौसम के कारण चालक दल का एक सदस्य घायल भी था

उल्लेखनीय है कि भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल के जवान इससे पहले भी कई देशों के पोत और मालवाहक जहाजों को संकट से बचा चुके हैं।

उत्तर कोरिया ने समुद्र में कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

सियोल, रायटर : उत्तर कोरिया ने सोमवार को समुद्र में कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। यह कदम दक्षिण कोरिया और अमेरिका द्वारा संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू करने के कुछ घंटों बाद उठाया गया। सहयोगी देशों का वार्षिक फ्रीडम शील्ड अभ्यास 20 मार्च तक चलेगा। दक्षिण कोरिया की सेना ने कहा कि मिसाइलों को उत्तर कोरिया के पश्चिमी क्षेत्र से यलो सागर की ओर दागा गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जनवरी में पदभार संभालने के बाद से यह इस तरह का पहला मामला है।

दक्षिण कोरियाई रक्षा मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि मिसाइलों को नजदीकी रेंज की बैलिस्टिक मिसाइल माना जाता है। अमेरिकी सेना ने इस कदम की निंदा की और उत्तर कोरिया से आगे इस तरह के कदम उठाने से बचने का आह्वान किया। हिंद-प्रशांत कमांड ने कहा कि वह स्थिति की निगरानी करेगा, जिसके बारे में उसने कहा कि यह अमेरिका या उसके सहयोगियों के लिए तत्काल खतरा नहीं है।

****

भारत की जीत के एक और नायक गंभीर

मुख्य कोच गौतम की रणनीति ने बनाया विजेता चार स्पिनरों को खिलाने की योजना रही कारगर

अभिषेक त्रिपाठी
दुबई से

गौतम गंभीर ● प्रेट्र

भारतीय टीम ने रविवार को न्यूजीलैंड को हराकर 12 साल बाद चैंपियंस ट्राफी जीती। मैदान पर भले ही रोहित शर्मा और उनकी टीम ने अजेय रहते हुए हर टीम को धूल चटाई, लेकिन इस जीत का एक और नायक रहा, जिसने पर्दे के पीछे रणनीति तैयार की। ये नायक हैं मुख्य कोच गौतम गंभीर। पिछले साल अक्टूबर-नवंबर में न्यूजीलैंड से घर में टेस्ट सीरीज में 3-0 की शर्मनाक हार और आस्ट्रेलिया में बार्डर गावस्कर ट्राफी में 3-1 से हार के बाद गंभीर की रणनीति की काफी आलोचना हुई थी। वहीं, जब से गंभीर ने भारतीय टीम की कमान संभाली थी, तब से वनडे प्रारूप में टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। श्रीलंका में भारत को वनडे सीरीज में 2-0 से हार मिली थी। न्यूजीलैंड और बार्डर-गावस्कर ट्राफी में हार के बाद गंभीर के सामने सबसे बड़ी चुनौती थी 12 साल बाद भारत को फिर से आइसीसी चैंपियंस ट्राफी खिताब दिलाना।

गंभीर ने चैंपियंस ट्राफी की तैयारी शुरू की पिछले महीने इंग्लैंड के विरुद्ध तीन मैचों की वनडे सीरीज के साथ। इंग्लैंड पर 3-0 की जीत के बाद गौतम गंभीर ने दुबई में पांच स्पिनरों को लेकर जाने की रणनीति बनाई। टीम में पांच स्पिनरों को शामिल करने पर कई दिग्गजों ने सवाल उठाए, लेकिन गंभीर को पता था कि वह टीम से क्या चाहते हैं। चैंपियंस ट्राफी के लिए शुरुआती टीम में चुने गए बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को बाहर कर मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को टीम में जगह दी गई और बाद में वह एक्स फैक्टर साबित हुए। न्यूजीलैंड के विरुद्ध लीग मैच, आस्ट्रेलिया के विरुद्ध सेमीफाइनल और न्यूजीलैंड के विरुद्ध फाइनल में चार स्पिनर वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा व एक तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के साथ उतरे। दूसरे तेज गेंदबाज के रूप में नई गेंद हार्दिक पांड्या को सौंपी। गंभीर की यह रणनीति विरोधी टीमों के लिए सिरदर्द बन गई।

चाहे अक्षर पटेल को प्रमोट करके पांचवें नंबर बल्लेबाजी कराना हो क्योंकि ये गंभीर ही हैं जिनको बाएं दाएं हाथ का संयोजन बहुत पसंद है। केएल राहुल के चयन पर बहुत सवाल उठ रहे थे लेकिन लखनऊ सुपर जायंट्स के अपने पुराने साथी को उन्होंने नया भूमिका दी।

उन्हें छठे नंबर पर फिनिशर का रोल दिया जबकि वह एंकर के रोल के लिए जाने जाते हैं। 2023 विश्व कप के फाइनल में धीमी पारी खेलकर भारत की हार का कारण बने राहुल इस टूर्नामेंट में हीरो बनकर उभरे। उन्होंने इस टूर्नामेंट में फिनिशर के तौर पर लंबे लंबे छक्के मारे और फाइनल सहित कई मैचों में नाबाद रहकर टीम को जीत दिलाई। यही नहीं हार्दिक को सातवें नंबर का रोल दिया गया जिसे उन्होंने बखूबी निभाया। कप्तान रोहित शर्मा ने मैदान के अंदर जिस तरह गेंदबाजों का सुंदर प्रयोग किया उसे बाहर बैठकर कोच गंभीर ने तैयार किया।

जब भारतीय टीम न्यूजीलैंड से और आस्ट्रेलिया से टेस्ट सीरीज हारी तो उनकी सबसे ज्यादा आलोचना हुई। भारतीय टीम का मुख्य प्रायोजक के रूप में ड्रीम इलेवन से करार है। अधिकतर बड़े खिलाड़ी फैंटेसी लीग का विज्ञापन करते है लेकिन जब गौतम ने फाइनल मुकाबले से पहले एक फैंटेसी लीग एप को लेकर पोस्ट किया तो उन्हें ट्रोल किया गया। इसके बावजूद रविवार को जब दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में जब भारतीय टीम ट्राफी हाथ में उठाए थी तब गंभीर चुपचाप खड़े मुस्कुरा रहे थे। गंभीर का बतौर कोच यह पहला आइसीसी खिताब है।

नई भूमिका को लेकर बहुत तैयारी की थी : केएल राहुल

विशेष संवाददाता, दुबई : केएल राहुल सफलतापूर्वक छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने के बाद खुश हैं और उन्होंने इसे अपनी अथक 'तैयारी' और अपने खेल में लगातार सुधार का परिणाम बताया। आमतौर पर पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले राहुल को चैंपियंस ट्राफी में एक स्थान नीचे खिसका दिया गया और उन्होंने यहां चार पारियों में 140 रन बनाए। राहुल ने टीम की खिताबी जीत के बाद कहा, यह मेरे लिए वाकई सुखद है। मैं अलग-अलग भूमिकाओं में जो काम कर रहा हूं उसके लिए काफी तैयारी की जरूरत होती है। क्रिकेट के मैदान से बाहर काम, यह सोचना कि मुझे प्रत्येक मैच को कैसे लेना है और विभिन्न परिस्थितियों में कैसे प्रदर्शन करना है, पांचवें और छठे नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले कुछ खिलाड़ियों को देखना और देखना कि वे कैसे सफल रहे हैं। राहुल ने कहा कि वह टीम के लिए यह नई जिम्मेदारी लेकर खुश हैं। केएल ने कहा, मुझे मेरे कोच ने बहुत कम उम्र से सिखाया है कि क्रिकेट एक टीम खेल है और टीम को आपसे जो भी चाहिए आपको उसे स्वीकार करने और टीम के लिए प्रदर्शन करने का तरीका खोजने की जरूरत है। आपको यह समझने में सक्षम होना चाहिए कि आपकी भूमिका क्या है, जिम्मेदारी क्या है, यह समझें कि विभिन्न क्रम पर सफल बल्लेबाजी करने के लिए क्या करना पड़ता है।

आइसीसी की टीम में पांच भारतीय, रोहित को जगह नहीं

दुबई : आइसीसी ने चैंपियंस ट्राफी की टीम में पांच भारतीयों को जगह दी है, लेकिन इसमें भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को जगह नहीं मिली है। न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सैंटनर को टीम का कप्तान चुना गया है। टीम में भारत की ओर से विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, वरुण चक्रवर्ती, मोहम्मद शमी और केएल राहुल को टीम में शामिल किया गया है। अक्षर पटेल को 12वां खिलाड़ी चुना गया है। फाइनल में पहुंचने वाले भारत और न्यूजीलैंड के अलावा केवल अफगानिस्तान के खिलाड़ियों को इसमें जगह दी गई है।

आइसीसी टीम आफ द टूर्नामेंट

रचिन रवींद्र (न्यूजीलैंड), इब्राहिम जादरान (अफगानिस्तान), विराट कोहली (भारत), श्रेयस अय्यर (भारत), केएल राहुल (विकेटकीपर, भारत), ग्लेन फिलिप्स (न्यूजीलैंड), अजमतुल्ला ओरमजई (अफगानिस्तान), मिशेल सैंटनर (कप्तान, न्यूजीलैंड), मोहम्मद शमी (भारत), मैट हेनरी (न्यूजीलैंड), वरुण चक्रवर्ती (भारत)। अक्षर पटेल (12वां खिलाड़ी, भारत)।

बतौर कोच गंभीर का प्रदर्शन

	मैच	जीत	हार	ड्रा/टाई
टी-20	12	10	2	0
टेस्ट	10	3	6	1
वनडे	11	8	2	1

सीरीज दर सीरीज प्रदर्शन

- श्रीलंका से टी-20 सीरीज 3-0 से जीते
- श्रीलंका से वनडे सीरीज 2-1 से हारे
- न्यूजीलैंड से टेस्ट सीरीज में 3-0 से हार
- आस्ट्रेलिया से टेस्ट सीरीज 4-1 से हारे
- इंग्लैंड से टी-20 सीरीज 4-1 से जीते
- इंग्लैंड से वनडे सीरीज 3-0 से जीती
- चैंपियंस ट्राफी में पांचों मैच भारत जीता

2027 वनडे विश्व कप से पहले भारत को खेलने हैं लगभग 27 वनडे मैच

कब तक वनडे खेल पाएंगे रोहित?

टी-20 विश्व कप व चैंपियंस ट्राफी के साथ रोहित शर्मा ● आइसीसी

नई दिल्ली, प्रेट्र: चैंपियंस ट्राफी फाइनल के बाद रविवार को रोहित शर्मा की लंबी प्रेस कांफ्रेंस के दौरान दो बार ऐसा हुआ जब उनके संन्यास का मुद्दा उठा। दुबई में विजयी अभियान के बाद जब पहली बार इस विषय पर उनसे बात की गई तो रोहित ने जवाब दिया, भविष्य की कोई योजना नहीं है, जैसे चल रहा है, चलता रहेगा। उन्होंने अगली बार स्वेच्छा से इसका जिक्र किया। रोहित का बयान बहुत ही महत्वपूर्ण था क्योंकि जोर 'इस प्रारूप' पर था जो कि 50 ओवर का क्रिकेट है। रोहित ने पिछले साल टी-20 विश्व कप जीतने के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस प्रारूप को अलविदा कह दिया था और टेस्ट क्रिकेट में उनके भविष्य को लेकर सवाल बने हुए हैं क्योंकि भारतीय टीम इस साल गर्मियों में इंग्लैंड का दौरा करेगी।

भारतीय कप्तान ने महत्वाकांक्षाओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया और 2027 विश्व कप को लेकर उनके कुछ अधूरे सपने हैं जिसकी मेजबानी दक्षिण अफ्रीका, जिंबाब्वे और नामीबिया करेंगे। रोहित ने अपने इरादे स्पष्ट कर दिए हैं, जब तक वह रन बना रहे हैं, उम्र कोई बाधा नहीं बनेगी। हालांकि अगले वनडे विश्व कप तक वह 40 के करीब होंगे। अगर रोहित केवल वनडे प्रारूप खेलना चाहते हैं तो वह अगले विश्व कप तक 50 ओवर के अधिकतम 27 मैच खेल सकते हैं। उनके पास हालांकि आइपीएल के अलावा कभी-कभार विजय हजारे ट्राफी में खेलने का विकल्प होगा।

अगर रोहित इंग्लैंड में टेस्ट नहीं खेलते हैं तो वह अगले दो वर्ष में तीन-तीन वनडे मुकाबलों की केवल नौ सीरीज खेलेंगे। ये सीरीज अगस्त 2025 में बांग्लादेश, अक्टूबर 2025 में आस्ट्रेलिया, दिसंबर में घर पर दक्षिण अफ्रीका से, जनवरी 2026 में घर पर न्यूजीलैंड से, इंग्लैंड से, जून 2026 में अफगानिस्तान से घर पर, सितंबर-अक्टूबर 2026 में घर पर वेस्टइंडीज से, अक्टूबर 2026 में न्यूजीलैंड से और दिसंबर 2026 में घर पर श्रीलंका के विरुद्ध होंगी। इस दौरान फिटनेस को भी ध्यान में रखा जाएगा। हालांकि संन्यास लेना पूरी तरह से क्रिकेटर का व्यक्तिगत निर्णय है लेकिन अगर चयनकर्ताओं व बीसीसीआइ को लगता है कि उन्हें बड़ी तस्वीर देखने की जरूरत है और वनडे टीम में रोहित और विराट में से किसी एक को ही रखा जा सकता है। इस बीच, यशस्वी जायसवाल पर भी चयनकर्ताओं की नजरें होंगी। अगर चयनकर्ता यशस्वी को चुनते हैं तो उन्हें इन 27 मैचों में खेलना होगा। मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर और कोच गौतम गंभीर की भूमिका भी यहां महत्वपूर्ण होगी। अगर उन्हें लगता है कि उन्हें अधिक अनुभवी खिलाड़ियों के साथ जाना चाहिए तो यशस्वी के टीम में फिट होने की संभावना नहीं है। एक पूर्व चयनकर्ता ने कहा, जब विराट या रोहित जैसे बड़े खिलाड़ियों को चुनने की बात आती है तो चयन समिति कभी भी अपने आप निर्णय नहीं लेती है। यह बीसीसीआइ के शीर्ष अधिकारी और निश्चित रूप से कोई ऐसा व्यक्ति होगा जिसका निर्णय बोर्ड में अंतिम होगा।

2027 वनडे विश्व कप में खेलूंगा या नहीं, इस बारे में बोलने का कोई मतलब नहीं : रोहित शर्मा

दुबई, प्रेट्र: रोहित शर्मा जल्द ही वनडे क्रिकेट से संन्यास नहीं ले रहे हैं लेकिन वह बहुत आगे के बारे में सोचकर 2027 विश्व कप खेलने की प्रतिबद्धता नहीं देना चाहते हैं क्योंकि ट्राफियों की उनकी अलमारी में आइसीसी का सिर्फ यही खिताब मौजूद नहीं है। रोहित ने फाइनल के बाद कहा, मेरे लिए बहुत आगे के बारे में सोचना उचित नहीं होगा। इस समय मेरा ध्यान अच्छा खेलने और सही मानसिकता बनाए रखने पर है। मैं कोई सीमा नहीं खींचना चाहता और यह नहीं कहना चाहता कि मैं 2027 विश्व कप में खेलूंगा या नहीं। अभी इस तरह के बयान देने का कोई मतलब नहीं है। मुझे भविष्य के बारे में बहुत दूर तक सोचना पसंद नहीं है और मैंने अतीत में भी ऐसा नहीं किया है। फिलहाल मैं अपने क्रिकेट और इस टीम के साथ बिताए समय का आनंद ले रहा हूं। मुझे उम्मीद है कि मेरे साथी भी मेरी मौजूदगी का आनंद लेंगे। इस समय यही मायने रखता है। रोहित ने कहा कि वह हमेशा एक ऐसी भारतीय टीम बनाना चाहते हैं जिसे विपक्ष कभी हल्के में नहीं ले। उन्होंने कहा, मैं यह तय नहीं करना चाहता कि दूसरी टीमें हमें किस तरह से देखें। मैं बस यही चाहता हूं कि वे हमें कभी हल्के में नहीं लें। हम में अब खेल को पलटने की क्षमता है।

एक नजर में

सुकांत कदम, नितेश कुमार ने जीते स्वर्ण पदक

नई दिल्ली: पेरिस पैरालिंपिक चैंपियन कुमार नितेश और सुकांत कदम ने भारत को स्पेन के विटोरिया में स्पेनिश पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2025 (दो) में क्रमशः एसएल3 और एसएल4 वर्गों में स्वर्ण पदक दिलाए। नितेश ने एसएल3 वर्ग के फाइनल में जापान के डेसुके फुजिहारा पर 21-19 21-19 से जीत दर्ज की जबकि सुकांत ने रविवार को एसएल4 वर्ग में हमवतन भारतीय तरुण को 21-13 21-10 से हराया। एसएच6 वर्ग में नित्याश्रे ने पोलैंड के रुजमिगेल को फाइनल में हराकर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। पुरुष डबल्स में नितेश और तरुण ने जगदीश और शिवकुमार को हराया। (प्रेट्र)

सीजीएफ ने नाम बदलकर राष्ट्रमंडल खेल किया

लंदन : राष्ट्रमंडल खेल महासंघ (सीजीएफ) ने सोमवार को अपना नाम बदलकर राष्ट्रमंडल खेल कर लिया और कहा कि यह संचालन संस्था से एक 'आंदोलन' बनने का बदलाव है। नाम बदलने के फैसले की घोषणा 10 मार्च को राष्ट्रमंडल दिवस के मौके पर की गई। राष्ट्रमंडल खेल और राष्ट्रमंडल युवा खेलों की संचालन संस्था ने कहा, राष्ट्रमंडल दिवस 2025 से राष्ट्रमंडल खेल महासंघ को राष्ट्रमंडल खेल के नाम से जाना जाएगा। (प्रेट्र)

भारतीयों शटलरों के सामने इंग्लैंड में कड़ी चुनौती

बर्मिंघम: चोटों, स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों और खराब फार्म से जूझ रहे भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों को मंगलवार से शुरू हो रही आल इंग्लैंड चैंपियनशिप में कठिन चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। प्रकाश पादुकोण की 1980 में ऐतिहासिक जीत और 2001 में पुलेला गोपीचंद की जीत के बाद से कोई भी भारतीय यह प्रतिष्ठित खिताब नहीं जीत पाया है। यह चैंपियनशिप ओलिंपिक और विश्व चैंपियनशिप के बाद बैडमिंटन का सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है। विश्व मंच पर अपनी कई सफलताओं के बावजूद कोई भी आल इंग्लैंड चैंपियनशिप जीतने में सफल नहीं हो पाया है। सिंधू को चोटों का सामना करना पड़ा, प्रणय चिकनगुनिया से धीरे-धीरे उबरे, लक्ष्य खराब फार्म से जूझ रहे हैं। (प्रेट्र)

आठ साल बाद सपना पूरा हुआ : हार्दिक

अभिषेक त्रिपाठी ● जागरण

चैंपियंस ट्राफी के साथ अक्षर पटेल, हार्दिक पांड्या और रवींद्र जडेजा ● एपी

दुबई: 12 साल बाद भारत को चैंपियंस ट्राफी जिताने में स्टार आलराउंडर हार्दिक पांड्या की भी अहम भूमिका रही। इसके साथ ही इस ऐतिहासिक जीत ने 2017 के टूर्नामेंट में पाकिस्तान से भारत की हार की कड़वी यादों को मिटाने में भी मदद की जिसका वह भी हिस्सा थे। हार्दिक ने कहा, मैं कह सकता हूं कि आज एक अधूरा सपना पूरा हो गया। लेकिन आठ साल बहुत लंबा समय होता है। आठ साल में जीवन में बहुत कुछ हुआ। लेकिन साथ ही जीतना, और वह भी भारत के लिए, मेरे लिए यह बहुत-बहुत महत्वपूर्ण है। यह कोई डायलाग नहीं, बल्कि मेरे जीवन का नियम है। मैंने हमेशा कहा है कि अगर हार्दिक पांड्या कुछ नहीं करते हैं, तो कोई बात नहीं। लेकिन अगर टीम अच्छा प्रदर्शन करती है, तो यह बहुत अच्छा होगा।

जसप्रीत बुमराह के चोटिल होने के बाद चैंपियंस ट्राफी में मोहम्मद शमी का साथ देने के लिए भारतीय टीम के पास अर्शदीप सिंह जैसा गेंदबाज था, लेकिन टीम प्रबंधन ने नई गेंद से गेंदबाजी के लिए हार्दिक पांड्या पर भरोसा जताया। भारतीय टीम की जीत में हार्दिक का जितना योगदान बल्ले से रहा उतना ही गेंदबाजी से भी रहा। दुबई की परिस्थितियों में नई गेंद से गेंदबाजी करना आसान नहीं था, लेकिन इस आलराउंडर ने अपनी स्वाभाविक क्षमताओं से खुद को इस भूमिका में ढाल लिया। हार्दिक ने पांच मैच में सिर्फ 24.3 ओवर गेंदबाजी की और चार विकेट लिए। पांड्या ने कहा, गेंदबाजी अपना काम खुद करती है। यह साल सीखने और चुनौतियों से भरा रहा। मेरी मानसिकता ने मुझे कभी चुनौतियों से भागना नहीं सिखाया। मेरा मानना रहा है कि अगर चुनौतियां कठिन हैं तो सामना करो। अगर आप मैदान नहीं छोड़ते हैं, तो आपके पास मौका होता है। मुझे हमेशा खुद पर भरोसा रहा है कि मैं यह कर सकता हूं। और साथ ही पर्दे के पीछे की गई कड़ी मेहनत रंग लाती है। मेरा मानना है कि आप जिस तरह से तैयारी करते हैं, आप उसे खेल में भी दिखा पाएंगे।

प्रतिनिधि नहीं बुलाने पर विरोध दर्ज करेगा पीसीबी

विराट को पदक पहनाते आइसीसी चेयरमैन जय शाह ● एपी

लाहौर, प्रेट्र: पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) दुबई में टूर्नामेंट के समापन समारोह के दौरान अपने सीईओ और चैंपियंस ट्राफी टूर्नामेंट के निदेशक सुमैर अहमद सैयद को नजरअंदाज करने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) के सामने अपना विरोध दर्ज करेगा।

पीसीबी के एक सूत्र ने सोमवार को कहा कि आइसीसी ने इस संबंध में जो स्पष्टीकरण दिया है उससे बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी संतुष्ट नहीं हैं। सूत्र ने कहा, 'आइसीसी ने स्पष्ट किया है कि उसने मोहसिन नकवी के मंच पर आने की तैयारी कर ली थी, इसलिए जब वह फाइनल में नहीं आए तो उसने अपनी योजना बदल दी।'

भारत ने खिताबी मुकाबले में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराया। पीसीबी ने इस स्पष्टीकरण को खारिज कर दिया है और कहा है कि आइसीसी ने टूर्नामेंट के दौरान मेजबान देश के रूप में पाकिस्तान की स्थिति के संबंध में कई गलतियां की थीं। इसमें भारत और बांग्लादेश के बीच खेले गए मैच के सीधे प्रसारण में चैंपियंस ट्राफी 2025 का लोगो बदलना और लाहौर में आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच खेले गए मैच में भारतीय राष्ट्रगान बजाना शामिल था।

आइसीसी ने दावा किया कि प्लेलिस्ट में गड़बड़ी के कारण त्रुटि को ठीक करने से पहले कुछ सेकेंड के लिए भारतीय राष्ट्रगान बज गया था। पुरस्कार वितरण समारोह में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआइ) के अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने भारतीय खिलाड़ियों को सफेद कोट और मैच अधिकारियों को पदक प्रदान किए, जबकि आइसीसी अध्यक्ष जय शाह ने कप्तान रोहित शर्मा को ट्राफी सौंपी और विजेताओं को पदक दिए।

मंच पर बीसीसीआइ सचिव देवजीत सैकिया और न्यूजीलैंड क्रिकेट के सीईओ रोजर टूसे भी उपस्थित थे। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने भी एक्स पर एक वीडियो डालकर कहा था, 'भारत ने चैम्पियंस ट्राफी जीती, लेकिन पीसीबी का कोई प्रतिनिधि फाइनल के बाद नहीं था। पाकिस्तान मेजबान था। मेरी यह समझ में नहीं आया कि पीसीबी से कोई वहां क्यों नहीं था।'

इस बीच पीसीबी अध्यक्ष ने टूर्नामेंट की सफलता के लिए अपनी टीम, कानून प्रवर्तन एजेंसियों, प्रांतीय सरकारों, आइसीसी अधिकारियों और मेहमान टीमों का आभार व्यक्त किया है। नकवी ने अपने इंटरनेट मीडिया हैंडल पर कहा, 'आपकी प्रतिबद्धता और सामूहिक प्रयासों से इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का सफल आयोजन संभव हो पाया। पाकिस्तान चैंपियंस ट्राफी की मेजबानी करने और इसे दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों के लिए शानदार टूर्नामेंट बनाने में बहुत गर्व महसूस करता है।'

आइपीएल से फिर हटे ब्रूक, लग सकता है प्रतिबंध

नई दिल्ली, जेएनएन: इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक लगातार दूसरे वर्ष आइपीएल से हट गए हैं, जिसके बाद उन पर दो साल का प्रतिबंध लगाया जा सकता है। 26 वर्षीय हैरी ब्रूक को दिल्ली कैपिटल्स ने पिछले वर्ष नवंबर में हुई मेगा नीलामी में छह करोड़ रुपये में खरीदा था। इससे पूर्व 2024 में भी ब्रूक दिल्ली कैपिटल्स की टीम में शामिल थे, लेकिन उन्होंने आइपीएल से हटने का निर्णय किया था। इसके बाद बीसीसीआइ ने नीलामी में बिकने के बाद हटने वाले खिलाड़ियों पर सख्ती करते हुए नियम बनाया था कि अगर कोई खिलाड़ी बिना चोटिल हुए टूर्नामेंट से हटता है तो उस पर दो वर्ष का प्रतिबंध लगाया जाएगा। ऐसे में ब्रूक पर बीसीसीआइ कार्रवाई कर सकता है।

ब्रूक ने सोमवार को एक्स पर लिखा, मैंने आइपीएल के अगले सत्र से हटने का बहुत मुश्किल फैसला किया है। मैं दिल्ली कैपिटल्स और उनके समर्थकों से बिना शर्त माफी मांगता हूं। यह इंग्लैंड क्रिकेट के लिए वास्तव में महत्वपूर्ण समय है और मैं आगामी सीरीज की तैयारी के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध होना चाहता हूं। इसके लिए मुझे अपने अब तक के करियर के सबसे व्यस्त दौर के बाद तरोताजा होने के लिए समय चाहिए। मैं जानता हूं कि हर कोई इसे नहीं समझेगा और मैं उनसे इसकी उम्मीद भी नहीं करता हूं, लेकिन मुझे वह करना होगा जो मुझे लगता है कि सही है और अपने देश के लिए खेलना मेरी प्राथमिकता है और मेरा पूरा ध्यान इसी पर है।

दिल्ली ने छह करोड़ रुपये में मेगा नीलामी में खरीदा था

हैरी ब्रूक ● फाइल फोटो, एक्स

स्वास्थ्य मंत्रालय का आइपीएल में शराब तंबाकू के विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश

नई दिल्ली, प्रेट्र: स्वास्थ्य मंत्रालय ने इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) को 22 मार्च से शुरू होने वाले टूर्नामेंट के दौरान 'सरोगेट' विज्ञापनों सहित सभी प्रकार के तंबाकू और शराब के प्रचार पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया है।

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक अतुल गोयल ने आइपीएल अध्यक्ष अरुण धूमल को लिखे पत्र में कहा कि क्रिकेट खिलाड़ी भारत के युवाओं के लिए आदर्श हैं। उन्हें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी भी प्रकार के तंबाकू या शराब के विज्ञापन से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। गोयल ने लिखा, 'आइपीएल को सरोगेट विज्ञापनों सहित तंबाकू और शराब से जुड़े सभी प्रकार के विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाने वाले नियमों को सख्ती से लागू करना चाहिए। स्टेडियम के अंदर और राष्ट्रीय टेलीविजन पर प्रसारण के दौरान भी इस तरह के विज्ञापन नहीं दिखाए जाने चाहिए। प्रतियोगिता के दौरान और खेल सुविधा में तंबाकू और शराब के उत्पादों की बिक्री नहीं होनी चाहिए।' पत्र में कहा गया, 'उन खिलाड़ियों (कमेंटेटरों सहित) को हतोत्साहित करें जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शराब या तंबाकू से जुड़े उत्पादों का समर्थन करते हैं।'

आइपीएल के दौरान अधिकतर भारतीय क्रिकेट प्रेमी टीवी पर इसका आनंद उठाते हैं और इसलिए यह टूर्नामेंट विज्ञापनदाताओं का पसंदीदा बन जाता है। गोयल ने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना क्रिकेटरों का नैतिक दायित्व है। उन्होंने कहा, 'स्वस्थ और सक्रिय जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए क्रिकेट खिलाड़ी युवाओं के लिए रोल माडल हैं जबकि आइपीएल देश का सबसे बड़ा खेल मंच है। सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और सरकार की स्वास्थ्य पहल का समर्थन करना नैतिक दायित्व है।'

भारती फूलमाली का अर्धशतक बेकार, मुंबई ने जायंट्स को हराया

मुंबई, प्रेट्र: गुजरात जायंट्स की टीम भारती फूलमाली (61 रन) के शानदार अर्धशतक के बावजूद सोमवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के रोमांचक मैच में मुंबई इंडियंस से नौ रन से हार गई। मुंबई इंडियंस अब तालिका में दिल्ली कैपिटल्स के बराबर 10 अंक हैं, लेकिन नेट रन रेट के कारण दूसरे स्थान पर बनी हुई है। मुंबई इंडियंस को रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु से एक और मैच खेलना है जिससे उसका लक्ष्य शीर्ष पर रहकर सीधे फाइनल के लिए क्वालीफाई करने का होगा।

दोनों टीमें पहले ही प्लेआफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी थीं और मुकाबला शीर्ष स्थान के लिए था। कप्तान हरमनप्रीत कौर (54 रन) की शानदार अर्धशतकीय पारी से मुंबई इंडियंस ने छह विकेट पर 179 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया, पर गुजरात की टीम फूलमाली (61 रन) ने अर्धशतक जड़ा। हालांकि उनकी पारी के बावजूद टीम नौ विकेट पर 170 रन ही बना सकी।

गत चैंपियन इगा स्वियातेक ने फिर दिखाया दबदबा

खेल डायरी

इगा स्वियातेक

इंडियन वेल्स, रायटर: गत चैंपियन इगा स्वियातेक ने रविवार को इंडियन वेल्स के चौथे दौर में प्रवेश करने के लिए दयाना यास्त्रेम्स्का को 6-0, 6-2 से और 2023 की चैंपियन एलिना रिबाकिना ने ब्रिटेन की कैटी बौल्टर को 6-0, 7-5 से हराया। यह स्वियातेक का टूर्नामेंट का दूसरा बैगल (बिना एक अंक गंवाए सेट जीतना) सेट था, इससे पहले उन्होंने अपने पहले मैच में कैरोलिन गार्सिया को 6-2, 6-0 से हराया था। पांच बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन ने 2024 में रोलां गैरो में अपनी जीत के बाद से कोई खिताब नहीं जीता है। यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने 14वीं वरीयता प्राप्त डेनियल कोलिंस को 6-2, 6-4 से हराया। अगले दौर में उनका सामना चौथी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला से होगा, जिन्होंने चीन की वांग जिन्यू को 6-2, 6-1 से हराया। हमवतन मार्टा कोस्त्युक ने कैरोलिन डोलेहाइड को 6-3, 6-3 से हराया।

आडवाणी ने स्नूकर खिताब की हैटट्रिक बनाई

मुंबई, प्रेट्र : स्टार क्यू खिलाड़ी पंकज आडवाणी ने बेस्ट आफ 15 फ्रेम में फाइनल में ईशप्रीत चड्ढा को 8-6 से हराकर 13.5 लाख इनामी सीसीआइ स्नूकर क्लासिक टूर्नामेंट में खिताब की हैटट्रिक बनाई। आडवाणी शुरुआत में लय हासिल करने के लिए जूझ रहे थे और एक समय 1-4 से पिछड़ रहे थे लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार छह फ्रेम जीतकर जोरदार वापसी की और फिर मुकाबला जीत लिया।

****

कृष्ण के साथ एकांतवास है होली

कृष्ण की होली प्रेम की होली है। कृष्ण के साथ होली खेलने का एक ही उपाय है, मन में उनके दर्शन की उत्कंठा पैदा करें। यही सिद्धि है। यह उत्कंठा ही कृष्ण के साथ एकांतवास के लिए प्रेरित करती है, जो वास्तविक होली है। होली पर विशेष...

चिंतन धरोहर

ओशो

जीवन का सत्य है हिरण्यकशिपु-प्रह्लाद कथा

हिरण्यकशिपु कभी हुआ या नहीं, मुझे प्रयोजन नहीं है। व्यर्थ की बातों में मुझे रस नहीं है, लेकिन इतना पता है कि पुराण में जिधर इशारा है, वह रोज होता है। जहां मनुष्य होगा, पुराण का सत्य दोहराया जाएगा। पुराण मनुष्य के जीवन का अंतर्निहित सत्य है।

तुम समझते हो कि नास्तिक आस्तिक का विरोधी है। यह मिथ्या है। नास्तिकता को आस्तिकता का पता ही नहीं है तो विरोध में कैसे हो सकती है। आस्तिकता तो नास्तिकता के भीतर से आविर्भूत होती है। नास्तिकता बीज है और आस्तिकता उसका अंकुरण। अंकुर तो तभी होगा, जब बीज मिटेगा और खो जाएगा। बीज अंकुर का विरोधी कैसे हो सकता है! हिरण्यकशिपु पिता है। पिता से ही पुत्र आता है। पुत्र उसी का अंकुर है। हिरण्यकशिपु को पता नहीं कि मेरे प्राणों से आस्तिकता जन्मेगी, लेकिन प्रह्लाद जन्मा। छोटा-सा अंकुर। उससे हिरण्यकशिपु को डर भी क्या था? लेकिन जीवनभर की मान्यताएं-धारणाएं दांव पर लग गई होंगी। हर बेटा बाप के विरुद्ध खड़ा होता है। हर आज, कल के विरुद्ध खड़ा होता है। वर्तमान, अतीत से छुटकारे की चेष्टा है। अतीत पिता है, वर्तमान पुत्र है। बीता कल जा चुका, फिर भी उसकी पकड़ गहरी है। तुम उससे छूटना चाहते हो, पर अतीत तुम्हें पकड़ता है।

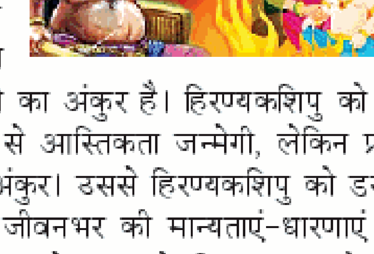

संप्रदाय अतीत है, धर्म वर्तमान है। संप्रदाय यानी हिरण्यकशिपु; धर्म यानी प्रह्लाद। निश्चित ही हिरण्यकशिपु शक्तिशाली है। प्रह्लाद की सामर्थ्य क्या है? नया-नया उगा अंकुर है। सारी शक्ति तो अतीत की है, वर्तमान तो ताजा-ताजा है। पर मजा यही है कि वर्तमान जीतेगा और अतीत हारेगा; क्योंकि वर्तमान जीवंतता है और अतीत मृत्यु है।

हिरण्यकशिपु के पास शक्ति थी, पर शक्ति नहीं जीतती, जीवन जीतता है। इसलिए मैं कहता हूं, पुराण तथ्य नहीं है, सत्य है। हिरण्यकशिपु और प्रह्लाद प्रत्येक व्यक्ति के भीतर घटनेवाली घटनाएं हैं। जब तक तुम्हारे मन में संदेह है, हिरण्यकशिपु है। भीतर उठते श्रद्धा के अंकुरों को तुम पहाड़ों से गिराओगे, पानी में डुबाओगे, आग में जलाओगे, लेकिन उसको जलाने में तुम्हारे ही हाथ जल जाएंगे।

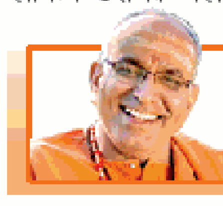

अगले मंगलवार को पढ़ें स्वामी मैथिलीशरण का चिंतन

सप्ताह के व्रत त्योहार

11 मार्च, मंगलवार : भौम प्रदोष व्रत
13 मार्च, गुरुवार : होलिका दहन
14 मार्च, शुक्रवार : स्नान-दानादि की फाल्गुनी पूर्णिमा महाप्रभु चैतन्य जयंती। काशी में होली
15 मार्च, शनिवार : वसंतोत्सव। होली। रंगोत्सव
16 मार्च, रविवार : भ्रातृ द्वितीया

जीवन दर्शन

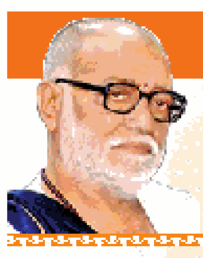

मोरारी बापू
प्रसिद्ध कथावाचक

होली भीतर की दुष्प्रवृत्तियों को जलाने और प्रेम व सद्भावना को बढ़ाने का त्योहार है। हम और आप, अपने मन और समाज में व्याप्त दुष्प्रवृत्तियों को समाप्त कर नए सिरे से जीवन आरंभ करें। होली किसी भी प्रकार की वर्ण व वर्ग व्यवस्था की दूरियों को मिटाता है। इन दूरियों को मिटाना आज के समय की एक बड़ी आवश्यकता है।

होली प्रकृति के निकट आने का पर्व है। हम प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं। हमारे यहां प्रकृति को औषधि कहा गया है। सूर्य, चंद्रमा, पृथ्वी, वायु, जल सब औषधियां हैं, लेकिन हम इनको भूल गए हैं। इन्हें प्रदूषित कर दिया है। हम इनकी देखभाल करें। विशेषतः होली पर पानी व्यर्थ नष्ट मत करें। प्रेम से फूल और अबीर-गुलाल की होली खेलें। ऐसे-वैसे रंग और केमिकल का इस्तेमाल न करें, जिनसे किसी की आंखों को नुकसान हो या शरीर को कोई तकलीफ हो। होली ऐसे खेलना कि अस्वच्छता न हो। न अंदर, ना बाहर। शरीर भी स्वच्छ रहे और मन भी। होली जरूर खेलना। मुबारक हो होली, मगर कीचड़ और आयल जैसी बीभत्सता न आ जाए, इसका भी ध्यान रखना। वातावरण स्वच्छ रहना चाहिए।

पर्यावरण को संभाल कर रखना हम सबका दायित्व है। होली पर विशेष रूप से पर्यावरण की रक्षा होनी चाहिए। पूरे देश, पूरी दुनिया से यह कहना चाहता हूं कि होली इस तरह से खेलें कि किसी को तकलीफ न हो। होली के कारण कहीं भी किसी तरह का संघर्ष नहीं होना चाहिए। अकारण कोई विवाद न हो, इसका ध्यान सभी को रखना चाहिए।

हमारे जीवन की समस्त घटनाएं हमें श्रीकृष्ण की ओर ले जाती हैं... चित्र : फ्रीपिक

कोरोना के समय होली पर वायरस से बचने के लिए मैं सजग रहने के लिए कहता था। उस समय सोशल डिस्टेंसिंग की बात बहुत कही जाती थी। होली पर मैं याद दिला दूं कि इस सूत्र को व्यास पीठ से दशकों से कहा जा रहा है कि सभी से प्रामाणिक डिस्टेंस बनाकर रखना चाहिए। होली पर यह और भी आवश्यक हो सकता है। हम होली खेलें, लेकिन एक प्रामाणिक दूरी सभी से बनाकर रखें। न तो किसी के बहुत ज्यादा प्रभाव में आएं और ना ही बहुत ज्यादा किसी को प्रभावित करने की कोशिश करें। यह सहज जीवन जीने का भी एक सूत्र भी है।

मुझसे अक्सर पूछा जाता है कि बापू क्या आप होली खेलते हैं, तो मैं कहता हूं कि हां, मैं तो रोज ही होली खेलता हूं। मेरी तो रोज होली है। मेरी रामचरितमानस 'होली बुक' है अर्थात पवित्र ग्रंथ है। लोग सवाल करते हैं कि क्या आपके राम ने कभी होली खेली? कृष्ण तो होली खेलते हैं, जगजाहिर है। वे तो गजब के हैं, लेकिन राम तो मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। मैं कहता हूं कि राम ने भी होली खेली, लेकिन उनकी पिचकारी भिन्न थी। पुराने समय की पिचकारी ऐसी होती थी कि नीचे झुकाकर पानी भरो और फिर ऊपर उठाकर किसी पर तानकर पानी छोड़ दो। आप ध्यान दें कि बिल्कुल ऐसी ही मुद्रा राम के तीर चलाने की है। राम की होली कल्याण की होली है। उन्होंने जिससे भी होली खेली, उसे वैकुंठ दे दिया। निज पद दे दिया। उसे अपने स्वरूप के अंदर ही समा लिया।

कृष्ण के उपासकों को होली के अवसर पर यह बात समझ लेनी चाहिए कि हमारे जीवन में जो भी घटनाएं घट रही हैं, वे कृष्ण की ओर ले जाने वाली घटनाएं हैं। ऐसा पूरा भरोसा रखना चाहिए, वरना समझो कृष्ण उपासना अभी कच्ची है। पूरा भरोसा होना चाहिए कि मेरे जीवन मे जो भी आए... मान, अपमान, दुख, सुख, प्रत्येक घटना कृष्ण की ओर ही ले जा रही है। इसके सिवा अन्य के गति नहीं है।

भक्त कवि रूप गोस्वामी जी ने कहा है-भगवान कृष्ण को देखने की उत्कंठा का जागना ही सिद्धि है। कृष्ण दिखें या न दिखें, उत्कंठा मात्र ही सिद्धि है। कृष्ण ने ब्रज के लोगों के साथ होली खेली। बृजवासियों ने कृष्ण के साथ होली खेली, लेकिन हम कैसे कृष्ण के साथ होली खेलें? इसका एक ही उपाय है, मन में उनके दर्शन की उत्कंठा पैदा करें। यह उत्कंठा ही कृष्ण के साथ होली खेलने के समान है। कृष्ण दर्शन की उत्कंठा ही प्रेमियों की सिद्धि है। इससे ज्यादा कोई सिद्धि हमें नहीं चाहिए। प्रेमी ऐसा निर्णय करके बैठ गया है दर्शन के लिए। भगवान सोचते हैं, मनुष्य तड़प रहा है... मेरा आश्रित है...। कृष्ण को ऐसा प्रतीत होता है कि मैं उसके निकट जाऊं। इसे तुष्टि कहते हैं। हम खुद से कभी तृप्ति नहीं पा सकेंगे। वह तृप्ति देगा, तभी होगा, वरना हमारी मांगें बढ़ती ही रहेंगी। जब हमारी पुकार सुनकर उसे लगता है कि अब देर ना हो जाए, इसलिए कृपा करके स्वयं हमारे सामने आ जाता है। कृष्ण को स्वयं आने देना, खींचकर मत लाना। एक और बात है, भगवान कृष्ण के साथ एकांतवास। पहले सिद्धि, फिर करुणा करके भगवान सामने आए तो तृप्ति और फिर संगमो शब्द कहा है। भगवान कृष्ण के संग एकांतवास। यही वास्तविक होली है। **प्रस्तुति : राज कौशिक**

लेख विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

गीता सार

ए.सी. भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद

लोकेस्मिन्द्विविधा निष्ठा पुरा प्रोक्ता मयानघ।
ज्ञानयोगेन सांख्यानां कर्मयोगेन योगिनाम्।।

(अध्याय : तीन, श्लोक : तीन)

अर्थ : श्रीभगवान ने कहा – हे निष्पाप अर्जुन! मैं पहले ही बता चुका हूं कि आत्म-साक्षात्कार का प्रयत्न करने वाले दो प्रकार के पुरुष होते हैं। कुछ इसे ज्ञानयोग द्वारा समझने का प्रयत्न करते हैं, तो कुछ भक्ति-मय सेवा के द्वारा।

तात्पर्य : द्वितीय अध्याय के 39वें श्लोक ने दो प्रकार की पद्धतियों का उल्लेख किया है – सांख्य योग तथा कर्मयोग या बुद्धियोग। इस श्लोक में इनकी अधिक स्पष्ट विवेचना की गई है। सांख्ययोग अथवा आत्मा तथा पदार्थ की प्रकृति का वैश्लेषिक अध्ययन उन लोगों के लिए है, जो व्यावहारिक ज्ञान तथा दर्शन द्वारा वस्तुओं का चिंतन-मनन करना चाहते हैं। दूसरे प्रकार के लोग कृष्णभावनामृत में कार्य करते हैं। 39वें श्लोक में भी भगवान ने बताया है कि बुद्धियोग या कृष्णभावनामृत के सिद्धांतों पर चलते हुए मनुष्य कर्म के बंधनों से छूट सकता है तथा इस पद्धति में कोई दोष नहीं है। 61वें श्लोक में इसी सिद्धांत को और अधिक स्पष्ट किया गया है कि बुद्धियोग पूर्णतया परब्रह्म (विशेषतया कृष्ण) पर आश्रित है और इस प्रकार से समस्त इंद्रियों को सरलता से वश में किया जा सकता है। अतः दोनों प्रकार के योग धर्म तथा दर्शन के रूप में अन्योन्याश्रित हैं। दर्शनविहीन धर्म मात्र भावुकता या धर्मांधता है और धर्मविहीन दर्शन मानसिक ऊहापोह है। अंतिम लक्ष्य तो श्रीकृष्ण हैं, क्योंकि जो दार्शनिक परम सत्य की खोज करते हैं, वे अंततः कृष्णभावनामृत को प्राप्त होते हैं। संपूर्ण पद्धति का उद्देश्य परमात्मा के संबंध में अपनी वास्तविक स्थिति को समझ लेना है। इसकी अप्रत्यक्ष पद्धति दार्शनिक चिंतन है, जिसके द्वारा कृष्णभावनामृत तक पहुंचा जा सकता है। प्रत्यक्ष पद्धति में कृष्णभावनामृत में ही प्रत्येक वस्तु से अपना संबंध जोड़ना होता है। इन दोनों में से कृष्णभावनामृत का मार्ग श्रेष्ठ है, क्योंकि इसमें दार्शनिक पद्धति द्वारा इंद्रियों को विमल नहीं करना होता। कृष्णभावनामृत स्वयं ही शुद्ध करने वाली प्रक्रिया है और भक्ति की प्रत्यक्ष विधि सरल तथा दिव्य होती है।

नारी का सम्मान करें युवा

भ्रातृ द्वितीया

डा. चिन्मय पण्ड्या
देवसंस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति व आध्यात्मिक विचारक

भारतीय संस्कृति के प्रत्येक सिद्धांत, आदर्श एवं विधि-विधान की रचना इसी दृष्टि से की गई है कि उसका प्रभाव जनमानस को उच्च एवं परिष्कृत बनाने के लिए उपयोगी सिद्ध हो। जिस प्रकार व्यक्तिगत जीवन की वैयक्तिक मनोभूमि के निर्माण हेतु षोडश संस्कारों की रचना हुई है, उसी प्रकार सामूहिक जीवन को, सारे समाज को सुसंस्कृत बनाने के लिए हमारे ऋषियों ने पर्व-त्योहारों की परंपरा बनाई है। इन्हीं में से एक है भ्रातृ द्वितीया का पर्व, जिसे हम भाई दूज कहते हैं। यह पर्व भाई-बहन के संबंधों को सशक्त बनाने के लिए मनाया जाता है। उनके बीच स्नेह, विश्वास और सम्मान की भावना को प्रगाढ़ करता है।

भ्रातृ द्वितीया अर्थात भाईदूज का पर्व वर्ष में दो बार आता है- दीपावली के बाद और होली के बाद। होली के बाद आने वाला भाईदूज इस वर्ष 16 मार्च को है। प्रचलित भाषा में इसे 'होली भाईदूज' कहा जाता है। इस पर्व के माध्यम से पारिवारिक संबंधों का सम्मान करने के साथ एक अन्य सकारात्मक संदेश भी प्राप्त होता है। यह संदेश है कि व्यक्ति को हर नारी को अपनी बहन, बेटी और मां के समान ही सम्मान देना चाहिए। इससे नारी के प्रति सम्मान और सशक्तीकरण की भावना को बढ़ावा मिलता है। पूरे समाज में यह आदर्श स्थापित हो कि महिलाओं को सिर्फ एक परिवार के सदस्य के रूप में नहीं, बल्कि समाज का अभिन्न हिस्सा माना जाना चाहिए।

ऋग्वेद (8/49/4) में उल्लेख है-

समानी व आकूतिः समाना हृदयानि वः।
समानमस्तु वो मनो यथा वः सुसाहसति।।

अर्थात हमारा (महिला व पुरुष) आचरण समान हो, हमारे हृदय समान हों, हमारे मन समान हों और हम एक-दूसरे की निर्मल मन से सहायता के लिए सदा तत्पर रहें।

जीवन की सफलता, शांति, सुव्यवस्था इस बात पर निर्भर है कि हमारे घर-परिवार, समाज में बहन-बेटियों का जीवन सुखी और संतुष्टिपूर्ण हो। उनका समुचित विकास हो। जिस प्रकार मदालसा, अदिति, अपाला, जुहू, वागांभृणी, विश्ववारा, शश्वती, सूर्या, इंद्राणी आदि नारियों को ऋषियों ने न सिर्फ ज्ञान प्रदान किया, बल्कि पवित्र भाव से आगे बढ़ाने में सहायक भी रहे, उसी प्रकार हमारी युवा पीढ़ी को नारी मात्र के लिए पवित्र भाव रखकर उन्हें आगे आने में मदद करनी चाहिए। जब नारी को सम्मान, अवसर और समान अधिकार मिलेंगे, तब समाज का प्रत्येक वर्ग उन्नति की ओर अग्रसर होगा। समाज में समानता, प्रेम और सहिष्णुता का वातावरण तैयार करने के लिए भी यह आवश्यक है कि हम नारी को समान दृष्टिकोण से देखें। होली भाई दूज यह पर्व पुनः हमें याद दिलाने आया है कि हम सब एक ही ईश्वर की संतान हैं। सबके प्रति पवित्र भाव रखें।

बहन-भाई के पावन पर्व होली भ्रातृ द्वितीया के अवसर पर हम, विशेषकर युवा यह शपथ लें कि प्रत्येक नारी को सम्मान और आदर के भाव से देखेंगे। नारी के विरुद्ध होने वाले किसी भी प्रकार के भेदभाव और हिंसा का विरोध करेंगे। महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करेंगे। ताकि एक स्वस्थ, सभ्य और सुसंस्कृत समाज की रचना हो सके और हम सिर गर्व से ऊंचा रख सकें।

प्रेरक प्रसंग

नाम संकीर्तन का रत्न

चैतन्य महाप्रभु की जयंती (14 मार्च) पर विशेष...

एक बार चैतन्य महाप्रभु हरिनाम संकीर्तन करते हुए कहीं जा रहे थे। वहां एक ग्वाला मट्ठा (छाछ) बेच रहा था। महाप्रभु को प्यास लगी थी, उन्होंने ग्वाले से छाछ पिलाने को कहा। महाप्रभु ने पूरा छाछ पी लिया। ग्वाले ने पैसे मांगे तो महाप्रभु ने कहा, 'मेरे पास पैसे तो नहीं है, लेकिन जो है, मैं तुम्हें वह दे देता हूं। मेरे पास हरिनाम रसधारा है। तुम भी हरिनाम का जाप करो।' ग्वाले ने कहा, 'प्रभु, मैं इसका क्या करूंगा।' तो महाप्रभु बोले, 'पीछे मेरे शिष्य आ रहे हैं, उनके पास कुछ हो तो ले लेना।' इतना कहकर महाप्रभु आगे बढ़ गए। थोड़ी देर में कृष्णानंद प्रभु और उनके शिष्य वहां से गुजरे। माथे पर तिलक और गले में कंठी देखकर ग्वाले ने जान लिया कि ये भी संन्यासी हैं। ग्वाले ने कहा, 'आपके गुरु मेरा छाछ पीकर गए हैं। उसके बदले में आप मुझे कुछ देंगे।' वे कहने लगे, 'जैसे हमारे गुरु वैरागी हैं, वैसे ही हम भी हैं। हमारे पास भी देने को कुछ नहीं है। हमारे पास हरिनाम का मंत्र है, वही दे सकते हैं।' ऐसा कहकर वे भी चले गए।

ग्वाले ने अपना खाली घड़ा सिर पर रखा और अपने घर के लिए चल दिया। रास्ते में उसने सोचा कि आज मैंने साधु सेवा की है और बदले में मुझे जो हरिनाम का प्रसाद मिला है, उसे मैं बांटता जाऊंगा। उसने चलते-चलते हरि नाम जपना शुरू कर दिया। चलते-चलते घड़ा भारी होने लगा। घर पहुंचकर उसने घड़ा जमीन पर रखा और ढक्कन खोल कर देखा तो आश्चर्यचकित रह गया। वह बहुमूल्य रत्नों से भरा हुआ था। वह सोचने लगा कि इस संन्यासी ने इस घड़े को ही हाथ लगाया और इस घड़े की कीमत इतनी बढ़ गई। अगर वह साधु मुझे छू देगा तो क्या होगा? मेरा जीवन धन्य हो जाएगा। उसने घड़े को फेंक दिया और महाप्रभु के पास पहुंच गया। वह उनके साथ रहकर हरि नाम संकीर्तन करने लगा। हरिनाम संकीर्तन के रूप में उसे असली रत्न मिल गया था।

इस पेज के बारे में कृपया अपनी सम्मति एवं सुझावों से अवगत कराएं: feature@jagran.com

आज का भविष्यफल-11 मार्च, 2025 मंगलवार

पं. के.ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रहस्थिति :
फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष द्वादशी।
आज का राहुकाल :
अपराह्न 03 बजे से 04 बजकर 30 मिनट तक।
आज का दिशाशूल : उत्तर
आज का पर्व एवं त्योहार :
भौम प्रदोष व्रत एवं गोविंद द्वादशी

कल 12 मार्च, 2025 का पंचांग

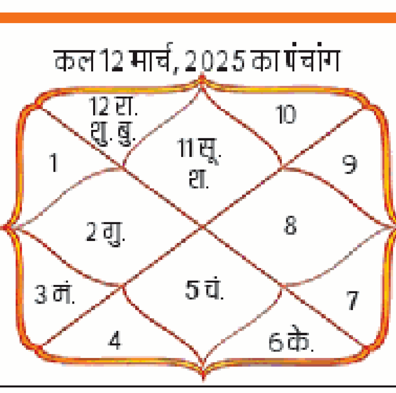

कल का दिशाशूल : उत्तर
विक्रम संवत 2081 शके 1946 उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी 09 घंटे 12 मिनट तक, तत्पश्चात चतुर्दशी, मघा नक्षत्र 28 घंटे 06 मिनट तक, तत्पश्चात पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र सुकर्मा योग 13 घंटे तक, तत्पश्चात धृति योग, सिंह में चंद्रमा।

मेष : संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। बुद्धि से किया गया कार्य संपन्न होगा। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा।
वृष : शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। रिश्तों में निकटता आएगी। उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी।
मिथुन : पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी।
कर्क : किसी कार्य के संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
सिंह : जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा।
कन्या : स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आर्थिक प्रगति होगी।
तुला : जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। शिक्षा में प्रयास सार्थक होगा।
वृश्चिक : महिला अधिकारी का सहयोग मिलेगा। चल या अचल संपत्ति मे वृद्धि होगी।
धनु : रिश्तों में निकटता आएगी। पिता या धर्मगुरु का सहयोग मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
मकर : जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। उपहार या सम्मान मे वृद्धि होगी।
कुंभ : दांपत्य जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होगा। आर्थिक प्रगति होगी।
मीन : संतान या शिक्षा के कारण चिंतित रहेंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी। आर्थिक मामलों में सुधार होगा।

वर्ग पहेली-2923

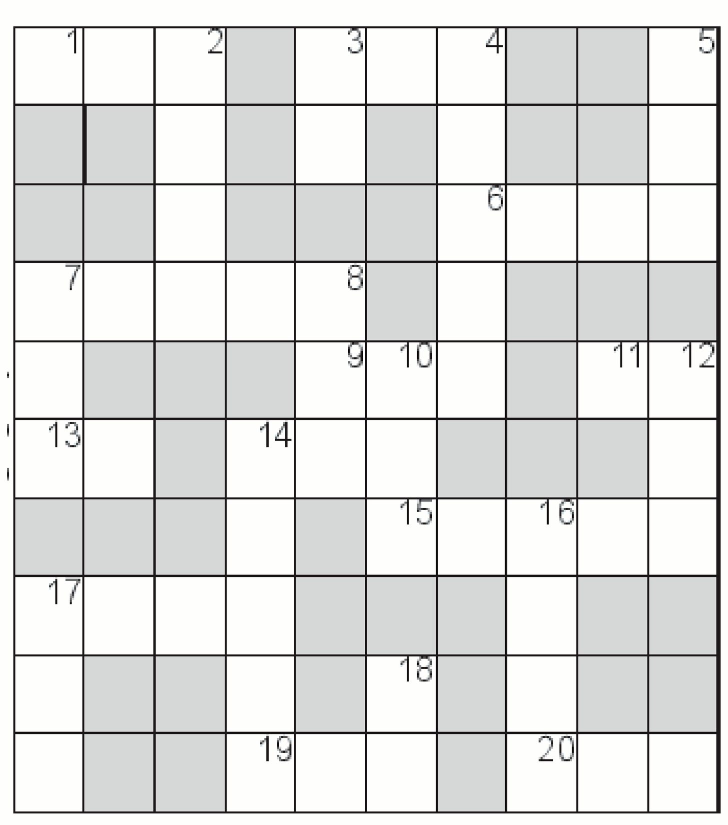

© Bird Features & Writing Agency

बाएं से दाएं
1. पूर्वस्थिति को प्राप्त, स्वस्थ (3)।
3. कारण, हेतु (3)।
6. ललचाया हुआ (4)।
7. हलफनामा (5)।
9. अधिकार या वश में करने वाला (3)। 11. तीस दिनों का समय (2)।
13. प्राण, सांस (2)।
14. बड़ा वन, घना जंगल (3)।
15. खून की प्यास (2,3)।
17. जो कच्चा और पका दोनों हो (4)। 19. देवर्षि, पौराणिक पात्र (3)।
20. योग्य, काबिल (3)।

ऊपर से नीचे
2. पूरी तरह से तर, भीगा हुआ (4)। 3. टेढ़ा, तिरछा (2)।
4. आक्रमणकारी (5)।
5. कहा हुआ (3)।
7. मधु, हनी (3)।
8. चिंता, व्याकुलता (3)।
10. बंदर, कपीश (3)।
12. हठात, एकाएक, अचानक (3)।
14. धूर्तता में बढ़-चढ़ जाना (2,3)।
16. दुर्बल, कमजोर (4)।
17. प्रभाव, नतीजा, छाप (3)।
18. विचार, मत (2)।

कल का हल

का	म	चौ	र		न	ग	रा	ध्य	क्ष
न		र	क्त	बी	ज				य
का		बा			रा	म	से	व	क
ट		जा			ना			न	र
नी	ग	र	ता					च	
	ह				के	त	र	न	
है	रा			मा			न		य
बे	ना	ब	ना	या			ग		नों
क				जा	य	फ	ल		ज
नी	च	म	ह	ल		टे	ना	ट	न

जागरण सुडोकू-2923

		6		8			7	
	3			7			5	
2		7			5			1
		3		2		9		
1	4			3			6	2
			7					
9				4	3	1		8
	2	8	1		7		9	6
	1	4		9			3	

कल का हल

9	5	1	6	3	4	2	8	7
3	2	6	5	8	7	4	9	1
4	7	8	9	2	1	3	6	5
8	1	3	7	6	2	9	5	4
2	4	7	8	9	5	1	3	6
5	6	9	4	1	3	8	7	2
7	3	4	1	5	8	6	2	9
6	8	5	2	4	9	7	1	3
1	9	2	3	7	6	5	4	8

राष्ट्रीय फलक

जन-जन तक गंगाजल पहुंचाएगी योगी सरकार, महाकुंभ का दिखाया जाएगा वीडियो

- महाकुंभ के सफल आयोजन के लिए मंत्रिमंडल की बैठक में मुख्यमंत्री का हुआ अभिनंदन
- 25 मार्च को योगी सरकार के आठ वर्ष पूरे होने पर गिनाई जाएंगी सरकार की उपलब्धियां

राज्य ब्यूरो, जागरण • लखनऊ

महाकुंभ की सफलता के बाद अब उत्तर प्रदेश की योगी सरकार उन लोगों की भी चिंता कर रही है, जो महाकुंभ में पुण्य की डुबकी लगाने से वंचित रह गए हैं। सरकार राज्य के ऐसे लोगों तक महाकुंभ के समय का पवित्र गंगाजल पहुंचाएगी। कुछ जिलों में गंगाजल का वितरण शुरू भी हो गया है। गंगाजल प्रयागराज से वापस आई फायर ब्रिगेड की गाड़ियों में भरकर लाया गया है। सरकार महाकुंभ के वीडियो भी जन-जन को दिखाएगी। 25 मार्च को योगी सरकार के आठ वर्ष पूरा होने पर सरकार अपनी उपलब्धियां भी गिनाएगी।

लोकभवन में सोमवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सभी मंत्रियों ने मिलकर अभिनंदन किया। मंत्रियों ने कहा कि महाकुंभ में 66.30 करोड़ श्रद्धालुओं ने पुण्य की डुबकी लगाई है। वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बताया कि महाकुंभ का आयोजन देश में माडल बनकर उभरा है। इससे उत्तर प्रदेश का सम्मान बढ़ा और सनातन धर्म की स्वीकार्यता बढ़ी है। इस सफल आयोजन के लिए मुख्यमंत्री को सम्मानित किया गया। बैठक में तय हुआ कि महाकुंभ की उपलब्धियों को आम जनता तक पहुंचाया जाए। इसके लिए एक वीडियो भी दिखाया गया। मुख्यमंत्री सहित कई मंत्रियों ने इसमें कुछ और चीजें जोड़ने के लिए कहा है।

25 मार्च को योगी सरकार अपने आठ वर्ष पूरे कर रही है। इस दौरान प्रभारी मंत्री अपने-अपने प्रभार वाले जिलों में जाकर कार्यक्रम कर सरकार की उपलब्धियां गिनाएंगे। प्रभारी मंत्री जिलों में प्रेस कान्फ्रेंस भी करेंगे। इस दौरान आठ वर्ष की उपलब्धियों पर प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। कार्यक्रम स्थल पर भी गंगाजल वितरित किया जाएगा।

एक ट्रिलियन डालर अर्थव्यवस्था के लिए विभाग करें समीक्षा

मुख्यमंत्री ने सोमवार की बैठक में एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को ध्यान में रखकर सभी मंत्रियों को अपने-अपने विभागों की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था तक पहुंचने के लिए सभी विभागों को लक्ष्य दिए गए हैं। कुछ विभागों ने बहुत अच्छा किया है जबकि कुछ विभाग सुस्त हैं। पिछड़े विभाग अपने लक्ष्य के अनुसार काम में तेजी लाएं। वहीं, मुख्यमंत्री ने 31 मार्च तक बजट खर्च करने के भी निर्देश दिए। कहा कि मंत्री अपने-अपने विभाग की समीक्षा कर लें।

विशिष्ट जरूरतों वाले बच्चों के लिए अध्यापकों की भर्ती का निर्देश

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देशित किया है कि 28 मार्च तक विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के शिक्षण के लिए अध्यापकों के पदों को भरने के लिए अधिसूचित करें। कोर्ट जस्टिस सुधांशु धूलिया और के.विनोद चंद्रन ने पाया कि वर्ष 2021 के फैसले के बावजूद किसी भी राज्य या केंद्र शासित प्रदेश ने निर्देशित पदों पर अभी तक नियुक्तियां नहीं की हैं। असल में ज्यादातर राज्यों ने तो ऐसे पदों को चिन्हित तक नहीं किया है। अदालत ने कहा कि प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश को इन पदों की संख्या को लेकर अधिसूचना जारी करनी होगी और फिर विशेष बच्चों की जरूरतों के अनुरूप ही अधिसूचित पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी। विगत सात मार्च के इस आदेश में कहा गया है कि इन पदों को मंजूर और अधिसूचित तीन हफ्तों के अंदर किया जाना है। साथ ही इस विषय में दो बड़े सर्कुलेशन वाले दो अखबारों में इसका विज्ञापन देना होगा।

****

आज शिक्षा के साथ तकनीक को समझाने की जरूरत : द्रौपदी मुर्मु

- गुजवि के दीक्षा समारोह में पहुंचीं राष्ट्रपति, 2090 छात्रों को डिग्रियां दीं

जागरण संवाददाता, हिसार

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि शिक्षा जीवन मूल्यों को विकसित करने का माध्यम है। शिक्षा से सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक होते हैं। वर्तमान समय में शिक्षा के साथ तकनीक को समझाने की जरूरत है। युवा पीढ़ी को बदलती वैश्विक मांगों को लेकर तैयार रहना चाहिए। उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए भी चुनौतीपूर्ण कार्य है। देश के संतुलित एवं सतत विकास के लिए यह भी आवश्यक है कि शिक्षा एवं प्रौद्योगिकी का लाभ गांवों तक पहुंचे। देश के विकास के लिए हर गांव तक तकनीक का पहुंचना जरूरी है। युवाओं को चुनौती को समझ कर उसे अवसर में बदलना होगा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु सोमवार को गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (गुजवि) के छठे दीक्षा समारोह में बतौर मुख्यातिथि शामिल हुईं। समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल व विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बंडारू दत्तात्रेय ने की। दीक्षा समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार को डाक्टरेट की उपाधि दी गई।

राष्ट्रपति मुर्मु के दौरे से पहले दीवार पर लिखे खालिस्तान समर्थित नारे

जासं, बठिंडा : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मंगलवार को बठिंडा की केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में शामिल होंगी। सोमवार को शरारती तत्वों ने विश्वविद्यालय की दीवार पर खालिस्तान समर्थित नारे लिख दिए। एक बैनर भी लगा दिया। विदेश में बैठे आतंकी पतवंत सिंह पन्नू ने एक वीडियो में दावा किया कि उनके साथियों ने केंद्रीय विश्वविद्यालय की दीवार पर पोस्टर लगाकर नारे लिखे हैं।

हाई कोर्ट की समूह-घ परीक्षा में नकल कराने वाला कोचिंग संचालक गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, लखनऊ : इलाहाबाद उच्च न्यायालय के समूह-घ (ग्रुप-डी) भर्ती की मुख्य परीक्षा में नकल कराने वाले गिरोह के चार सदस्यों को एसटीएफ ने सोमवार को चिनहट व गोमतीनगर विस्तार क्षेत्र से गिरफ्तार किया। गिरोह का सरगना कोचिंग संचालक है। आरोपितों के पास से मोबाइल समेत अन्य दस्तावेज बरामद हुए हैं। वहीं, एसटीएफ गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश कर रही है।

एसटीएफ के अनुसार फिरोजाबाद के कोचिंग संचालक वेद प्रकाश, मथुरा के हरेंद्र, राजस्थान में भरतपुर के डीह थाना क्षेत्र निवासी बनवारी और फिरोजाबाद निवासी अभ्यर्थी रिंकू गुज्जर को चिनहट के प्रज्ञा बालिका इंटर कालेज और गोमतीनगर विस्तार स्थित भरवारा के लोएला इंटरनेशनल स्कूल से गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपित वेद प्रकाश ने बताया कि वह प्रतियोगी परीक्षाओं की कोचिंग चलाता है और अभ्यर्थियों के स्थान पर परीक्षा देता है।

औरंगजेब ने छत्रपति शिवाजी के पुत्र संभाजी की हत्या की

1689 में आज ही मुगल सम्राट औरंगजेब ने छत्रपति शिवाजी के पुत्र संभाजी की हत्या कर दी थी। फरवरी में संभाजी को बंदी बना लिया गया था। संभाजी की मृत्यु ने मराठा और मुगल साम्राज्य के बीच चल रहे संघर्ष को और तीव्र कर दिया था।

9.0 तीव्रता के भूकंप ने जापान में मचाई भारी तबाही

2011 में आज ही 9.0 तीव्रता के भूकंप व उसके बाद आई सुनामी ने जापान में भारी तबाही मचाई थी। इसमें लगभग 20 हजार लोग मारे गए थे। इससे फुकुशिमा दाइची परमाणु ऊर्जा संयंत्र भी क्षतिग्रस्त हो गया था। भूकंप के कारण पृथ्वी अपनी धुरी से करीब 6.5 इंच तक खिसक गई थी।

कैंसर रोगियों की देखभाल के लिए समर्पित रहीं डा. वी शांता

डाक्टर वी शांता का जन्म 1927 में आज ही मद्रास (अब चेन्नई) में हुआ था। 1955 में कैंसर संस्थान (डब्ल्यूआइए) से जुड़ गईं और 1997 तक संस्थान के निदेशक सहित कई पदों पर अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने इसे एक छोटे अस्पताल से विश्व स्तरीय कैंसर केंद्र के रूप में विकसित किया। वह संस्थान के परिसर में ही एक कमरे में रहती थीं, ताकि चौबीसों घंटे अपने रोगियों के लिए उपलब्ध रह सकें। कैंसर पर गहन अध्ययन कर रोगियों के लिए गुणवत्तापूर्ण और किफायती उपचार सुलभ कराने में योगदान दिया। 2005 में रेमन मैग्सेसे और 2016 में पद्म विभूषण से सम्मानित हुईं।

इधर-उधर की

कागज का प्लेन उड़ाकर बना दिया वर्ल्ड रिकार्ड

लंदन, एजेंसी : बचपन में हम सभी ने कागज का प्लेन बनाकर उड़ाए होंगे लेकिन अमेरिका के डेविड रश ने कागज का प्लेन उड़ाकर गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। लंदन में गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स के मुख्यालय में डेविड ने सबसे तेजी से (5.12 सेकेंड) में कागज का प्लेन बनाने और उड़ाने का रिकार्ड बनाया। रश ने बताया कि यह सुनने में जितना आसान लगता है, उससे कहीं ज्यादा मुश्किल है क्योंकि आपको प्लेन बनाने के लिए गिनीज के नियमों के अनुसार कागज को खास तरीके से मोड़ना होता है। दूसरी शर्त यह है कि इसे कम से कम दो मीटर तक उड़ना होगा तभी रिकार्ड मान्य होगा। डेविड के नाम 250 से अधिक गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड दर्ज हैं।

कम से कम दो मीटर तक उड़ाना था प्लेन। इंटरनेट मीडिया

बस एक बार छिड़काव और महीने भर बैक्टीरिया, वायरस, फफूंद से बचाव

जागरण विशेष कोलाइडल नैनो सिल्वर पार्टिकल का कमाल, बीएचयू छात्र के शोध ने लिया उत्पाद का रूप, आरंभ किया स्टार्टअप

शैलेश अस्थाना • जागरण

वाराणसी: अब हानिकारक बैक्टीरिया, वायरस व फफूंद से बचाव के लिए बार-बार सैनिटाइज करने की आवश्यकता नहीं होगी। अल्कोहल आधारित सैनिटाइजर से त्वचा, आंख आदि पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों से बचाव तो होगा ही, सांस के रोगियों को भी राहत मिलेगी। बीएचयू के शोध अध्येता व स्टार्टअप उद्यमी डा. फणींद्रपति पांडेय ने एक ऐसा सैनेटाइजर विकसित किया है, जिसका एक बार छिड़काव करने के बाद प्रभावित क्षेत्र में महीने भर से अधिक समय तक बैक्टीरिया, वायरस, फफूंद आदि नहीं पनपेंगे।

डा. पांडेय का यह सैनेटाइजर नैनो सिल्वर आधारित है और इसे उन्होंने कोलाइडल नैनो सिल्वर पार्टिकल नाम दिया है। वह बताते हैं कि चांदी के नैनो कणों को पानी में घोलकर इसका छिड़काव किसी भी बड़े या छोटे धरातल पर किया जा सकता है। इसमें मिश्रित पानी तो कुछ ही देर में सूख जाता है, लेकिन चांदी के अत्यंत महीन नैनो कण सतह पर चिपक जाते हैं। चांदी के प्रभाव से पूरे क्षेत्र में लगभग दो महीने तक बैक्टीरिया, फफूंद या वायरस का प्रभाव नहीं होता। चांदी के अत्यंत धीमी गति से आक्सीकरण के गुण के कारण यह नैनो सतह काफी समय तक बनी रहती है। इस नैनो घोल का प्रयोग हैंड सैनिटाइजर के रूप में भी किया जा सकता है। बड़े क्षेत्रों में किए जाने वाले सैनिटाइजेशन के लिए भी यह काफी उपयोगी है। यदि यह छिड़काव खुले क्षेत्र में किया गया है तो भी वर्षा, धूल, हवा, पदचाप आदि झेलते हुए एक माह तक प्रभावी बने रह सकते हैं। उत्पादन होने पर इसकी कीमत 80 रुपये प्रति लीटर तक रखी जाएगी।

सूक्ष्मजीवियों को पनपने नहीं देते कोलाइडल नैनो सिल्वर पार्टिकल: चांदी के ये छोटे नैनो कण एक मीटर का एक अरबवां हिस्सा होते हैं। इन्हें देखने के लिए सामान्य सूक्ष्मदर्शी के स्थान पर इलेक्ट्रान सूक्ष्मदर्शी का प्रयोग करते हैं। चांदी की प्रकृति के अनुसार इन नैनो कणों का आयनीकरण होता है, इसलिए लंबे समय तक सतह पर बने रहते हैं और सूक्ष्मजीवी प्रतिरोधी सक्रियता बनाए रखते हैं। सतह पर इनकी उपस्थिति से कोई भी जीवाणु, फफूंद, विषाणु नहीं पनप सकता। ये उन्हें निष्क्रिय कर देते हैं और समाप्त कर देते हैं। चांदी के नैनो कण विषाणुओं (वायरस) के डीएनए संरचना को नष्ट कर देते हैं। कूड़ों पर इनके प्रभाव को अत्यंत बेहतर पाया गया है।

विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

स्टार्टअप बढ़ाने के लिए बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन से चेक प्राप्त करते डा. फणींद्रपति पांडेय (मध्य में) • सौ. डा. फणींद्रपति पांडेय

प्रचलित सैनेटाइजर्स की अपेक्षा लाख गुना बेहतर

डा. पांडेय बताते हैं कि पूरी दुनिया में क्लीनर व सैनेटाइजर के नाम पर आइसोप्रोपाइल अल्कोहल, एथेनाल, एथिसिटीन आदि का प्रयोग किया जाता है। इन्हें एक बार प्रयोग करने के बाद कुछ ही देर में यह वातावरण में घुल जाते हैं। इनके घुलते ही बैक्टीरिया, वायरस पुन: पनपने लगते हैं। फिर इन रसायनों का अधिक प्रयोग भी त्वचा व श्वसन संबंधी समस्याएं बढ़ा सकता है, लेकिन नैनो सिल्वर का एक बार कोट कर देने पर यह लंबे समय तक प्रभावी बने रहते हैं और चांदी किसी भी प्रकार से हानिकर नहीं है।

मिला अनुदान, उत्पादन आरंभ, उत्पाद को प्रयोग में ला रहे अनेक संस्थान

डा. फणींद्रपति पांडेय ने अपने शोध को पेटेंट कराने के लिए आवेदन किया है। साथ ही बीएचयू के बायो-नेस्ट में साइटेक इजी रिसर्च एवं टेक्नालाजी प्रा. लि. नाम से स्टार्ट अप आरंभ किया। केंद्र सरकार ने डीबीटी बाइरैक योजना के अंतर्गत बायोटेक्नालोजी इग्नीशिएशन ग्रांट के रूप में 50 लाख रुपये व बिहार सरकार के स्टार्टअप इंडिया डीआइए पटना की ओर से 20 लाख रुपये का अनुदान मिला। उन्होंने ग्रेटर नोएडा में प्लांट स्थापित कर उत्पादन भी आरंभ कर दिया है। उत्पाद गुणवत्ता के लिए नेशनल एक्रीडेशन बोर्ड फार टेस्टिंग कैलिबेशन लैब द्वारा प्रमाण पत्र मिलने के बाद अब यह होम केयर, हेल्थ केयर व कृषि उद्योग के अतिरिक्त अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में प्रयुक्त होने लगा है। आइआइटी बीएचयू, डीआरडीओ, बिट्स पिलानी जैसे संस्थानों ने भी उनके उत्पाद को सराहा है।

लैब में कार्य करतीं विज्ञानी।

क्रानिक दर्द से पीड़ित 40% वयस्कों में अवसाद का जोखिम

अध्ययन ▶ महिलाओं में होती है सर्वाधिक आशंका, पुराने दर्द के इलाज के साथ मानसिक स्वास्थ्य की जांच भी जरूरी

नई दिल्ली, प्रेट्र : वैसे तो अवसाद के कई कारण होते हैं, लेकिन एक अध्ययन में पाया गया है कि क्रानिक दर्द से पीड़ित 40 प्रतिशत वयस्कों में चिंता या अवसाद की भी समस्या हो सकती है। महिलाओं, युवाओं तथा फाइब्रोमायल्जिया जैसे रोगों से पीड़ित लोगों में चिंता और अवसाद होने की आशंका सर्वाधिक होती है। बता दें कि फाइब्रोमायल्जिया एक ऐसी स्थिति है, जिसमें शरीर में काफी दर्द और कोमलता होती है, भले ही ऊतक क्षति जैसी कोई शारीरिक चोट न भी हो। यह अध्ययन समीक्षा जर्नल आफ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन नेटवर्क ओपन में प्रकाशित हुआ है।

अमेरिका की जांस हापकिंस यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं सहित अन्य विज्ञानियों 50 देशों के लगभग 3.5 लाख लोगों को शामिल करते हुए 376 अध्ययनों का विश्लेषण किया। प्रतिभागियों की औसत उम्र लगभग 50 वर्ष थी और इनमें लगभग 70 प्रतिशत महिलाएं थीं। अध्ययन में सबसे अधिक रिपोर्ट की गई क्रानिक दर्द की स्थितियों में फाइब्रोमायल्जिया, पीठ के निचले हिस्से में दर्द और रुमेटाइड गठिया (जोड़ों की सूजन) शामिल हैं। क्रानिक दर्द उस स्थिति को कहा जाता है यदि यह तीन महीने से अधिक समय तक बना रहता है।

अध्ययन के लेखकों के मुताबिक, क्रानिक दर्द से पीड़ित व्यक्तियों में अवसाद और चिंता के इस व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण में, लगभग 40 प्रतिशत वयस्कों में चिकित्सकीय रूप से महत्वपूर्ण अवसाद और चिंता थी।

पुराने दर्द के और भी हैं साइड इफेक्ट। प्रतीकात्मक

इसलिए क्रानिक दर्द से पीड़ित रोगियों की मानसिक स्वास्थ्य जांच भी महत्वपूर्ण है। दर्द के बायोसाइकोसोशल माडल के अनुसार, हालांकि तीव्र दर्द किसी चोट या सर्जरी के कारण हो सकता है, लेकिन क्रानिक दर्द में इसके संक्रमण के मनोवैज्ञानिक निहितार्थ होते हैं। पिछली शताब्दी के छठे दशक में विकसित यह माडल बताता है कि बाहरी कारणों की प्रतिक्रिया में दर्द का अनुभव जैविक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कारकों में एक जटिल अंतर्संबंध है।

महिलाओं को विशेष रूप से क्रानिक दर्द के प्रति ज्यादा संवेदनशील माना जाता है, जिसके लिए हार्मोनल चक्र और बढ़ी हुई भावनात्मक प्रतिक्रिया सहित विभिन्न कारक जिम्मेदार होते हैं। इसके अलावा, महिलाओं, युवा और नोसिप्लास्टिक दर्द (दर्द को महसूस करने के तरीके में बदलाव से उत्पन्न) वाले लोगों में अवसाद और चिंता होने की सबसे अधिक आशंका देखी गई।

द लैंसेट जर्नल में दर्द अनुसंधान पर 2023 के राउंड-अप लेख के अनुसार, खराब नींद, निराशा, थकान, तनाव और 30 से अधिक का बाडी मास इंडेक्स जैसे बायोसाइकोसोशल जोखिम कारक स्थानीयकृत दर्द के क्रानिक दर्द में बदलने के सबसे महत्वपूर्ण कारण थे। जबकि उपचार में आमतौर पर एंटी-इंफ्लेमेटरी ड्रग्स और अन्य दवाएं, जिसमें एंटीडिप्रेसेंट और ओपिओइड शामिल होते हैं, उनका इस्तेमाल करने वाले लोगों को विशेषज्ञ मनोचिकित्सकों की सलाह लेनी चाहिए।

न्यूजीलैंड की आकलैंड यूनिवर्सिटी आफ टेक्नोलाजी की मनोवैज्ञानिक डा. डेबी बीन का मानना है कि क्रानिक दर्द के साथ जीना किसी के जीवन के कई पहलुओं को प्रभावित कर सकता है, जिनमें काम व सामाजिक रिश्ते शामिल हैं। क्रानिक दर्द से पीड़ित लोग कलंक का भी अनुभव कर सकते हैं, जहां दूसरे लोग उनके दर्द को गंभीरता से नहीं लेते हैं, या वे अपने दर्द के लिए अविश्वास या आलोचना भी महसूस कर सकते हैं।

पर्याप्त नींद न लेने व रात्रि शिफ्ट में काम से संक्रमण का खतरा अधिक

अनुसंधान

अपने काम के साथ-साथ स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना जरूरी होता है। खासकर पर्याप्त नींद लेना जरूरी है। एक अध्ययन में सामने आया है कि पर्याप्त नींद न लेने और रात की पाली में काम करने से कई संक्रमणों का खतरा बढ़ जाता है। नार्वे के शोधकर्ताओं का यह शोध क्रोनोबायोलाजी इंटरनेशनल पत्रिका में प्रकाशित किया गया है। अध्ययन में नार्वे की 1,335 नर्सों की नींद के पैटर्न और शिफ्ट में काम करने के कारण प्रतिरक्षा प्रणाली पर पड़ने वाले प्रभावों की जांच की गई।

बर्गेन स्थित हाकलैंड यूनिवर्सिटी हास्पिटल के स्लीप डिसआर्डर्स के नार्वेजियन काम्पिटेंस सेंटर की सिरी बागे ने कहा कि निष्कर्षों से पता चला कि खास कर रात की शिफ्ट में काम करने वालों में सर्दी सहित कई संक्रमणों का उच्च जोखिम पाया गया। थोड़ी कम नींद लेने वाली नर्सों में निमोनिया/ब्रोंकाइटिस का जोखिम 129 प्रतिशत अधिक था और ऐसी नर्स जिनमें नींद की कमी की स्थिति गंभीर थी उनमें खतरा 288 प्रतिशत अधिक था। नींद के कमी के बढ़ते स्तर के साथ साइनसाइटिस और गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संबंधी संक्रमणों का जोखिम भी अधिक पाया गया। (आइएएनएस)

स्क्रीन शाट

दिलीप साहब के कहने पर गोविंदा ने छोड़ी थीं फिल्में

अपने पुराने दिनों को गोविंदा ने किया याद। इंटरनेट मीडिया

अभिनेता गोविंदा इस समय भले ही अपनी निजी जिंदगी को लेकर इस समय मीडिया की सुर्खियों में हों, लेकिन एक वक्त था, जब वह करीब 49 फिल्मों में काम कर रहे थे। अभिनेता मुकेश खन्ना के साथ बातचीत के दौरान गोविंदा ने कहा कि मैं दिलीप साहब (दिलीप कुमार) का चेला था। मैं सेट पर कभी टाइम पर पहुंचा नहीं करता था। मेरी 49 फिल्में फ्लोर पर थीं। यहां से वहां सेट पर भागता-दौड़ता रहता था। दिलीप साहब ने मेरी 25 फिल्में छुड़वाई थीं। मैंने कहा कि सर फिल्में छोड़ी तो पैसे लौटाने पड़ेंगे। उन्होंने कहा कहीं से पैसे दिलवा देता हूं भर दे, फिल्में छोड़ दे। मैंने किसी फाइनेंसर को बुलाया तो उन्होंने कहा कि अभी गरीबी से निकले हो, दिमाग खराब है, लेकिन मैंने मना कर दिया। एक बार देरी से पहुंचने की वजह से निर्माता ने कहा कि डेढ़ दिन बाद जागा है। पर काम कर रहा था तभी उन फिल्मों को पूरा किया। मैं अपने अनुभवों को किसी दिन किताब में लिखूंगा।

वर्धन पुरी को पता ही नहीं था कि कौन हैं कावेरी के माता-पिता

फिल्मकार शेखर कपूर और गायिका सुचित्रा कृष्णमूर्ति के बेटी कावेरी कपूर ने हालिया प्रदर्शित फिल्म बाबी और ऋषि की लव स्टोरी से हिंदी सिनेमा में पदार्पण किया। उनके साथ दिवंगत अभिनेता अमरीश पुरी के पोते तथा अभिनेता वर्धन पुरी मुख्य भूमिका में हैं। दोनों के घरों के बीच भले ही काफी पुरानी जान पहचान हो, लेकिन यह फिल्म करने से पहले दोनों कभी नहीं मिले थे। वर्धन तो जानते भी नहीं थे कि कावेरी के माता-पिता कौन हैं? वह बताते बताते हैं, 'हम दोनों की कास्टिंग एक साथ ही हुई थी। हमारे परिवारों का भले ही पुराना जुड़ाव रहा हो, लेकिन इससे पहले हमारी कभी एक-दूसरे से मुलाकात नहीं हुई थी। पहले तो मुझे पता भी नहीं था कि वह शेखर कपूर और सुचित्रा कृष्णमूर्ति की बेटी है। मुझे तो बस इतना पता था कि वह इंडस्ट्री में एक नई लड़की है। मैंने तब प्रोडक्शन वालों से पूछा भी कि कावेरी कौन है तो उन्होंने कहा कि इंटरनेट पर खोज लो कावेरी शेखर कपूर। मैंने इंटरनेट पर खोजा तो उनके स्मेल आफ द रेन गाने का वीडियो मुझे दिखा। जब मैंने वह गाना देखा तब मुझे लगा लड़की में कुछ तो अलग बात है। उनका गाना कमाल है, स्क्रीन प्रजेंस भी है उसके साथ चेहरे पर एक मासूमियत है। फिर हमने एक साथ फिल्म की जिसमें हमें बड़ा मजा आया।'

फिल्म बाबी और ऋषि की लव स्टोरी में एक साथ नजर आए वर्धन और कावेरी। @vardhanpuri02 (इंस्टाग्राम)

सलमान के लिए लिखी फिल्म से अलग है बी हैप्पी : रेमो डिसूजा

साल 2018 में प्रदर्शित फिल्म रेस 3 में कोरियोग्राफर और निर्देशक रेमो डिसूजा ने अभिनेता सलमान खान को निर्देशित किया था। उसके बाद खबरें आई कि रेमो सलमान के साथ एक और फिल्म बनाने वाले हैं, जो पिता पुत्री के रिश्तों पर आधारित होगी। उस फिल्म का नाम डांसिंग डैड बताया गया। हालांकि, फिर सलमान और रेमो के बीच बात न बनी और वह फिल्म नहीं बन सकी। फिर रेमो ने अभिनेता अभिषेक बच्चन के साथ-साथ पिता पुत्री के रिश्तों पर आधारित फिल्म बी हैप्पी बनाई। जिसके बाद दावा किया गया कि सलमान से बात न बनने पर रेमो ने उसी फिल्म को नया शीर्षक देकर अभिषेक के साथ बनाई है। यह फिल्म 14 मार्च को अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रदर्शित होगी। हालांकि, अब रेमो ने स्पष्ट किया है कि उन्होंने सलमान के लिए जो कहानी लिखी थी, वह इस फिल्म से अलग थी। उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता उस (सलमान के साथ बनने जा रही) फिल्म का अस्थायी शीर्षक बाहर आया, लेकिन फिल्म बहुत अलग थी। वह स्क्रिप्ट अभी भी सलमान सर के साथ ही है। उस फिल्म की स्क्रिप्ट और बी हैप्पी की स्क्रिप्ट में कोई समानता नहीं है। मेरे पास पिता-पुत्री के रिश्तों पर आधारित सिर्फ एक नहीं, कई स्क्रिप्ट हैं। ऐसी ही एक फिल्म हम नास्सर सर के साथ भी बनाने की कोशिश कर रहे थे।' इस दौरान रेमो ने बताया कि फिल्म बी हैप्पी के कुछ हिस्से उनके पिता की जिंदगी से प्रेरित हैं।

फिल्म बी हैप्पी में रेमो ने किया है अभिषेक बच्चन को निर्देशित। @remodsouza (इंस्टाग्राम)

जब जयदीप की हुई इरफान से तुलना

इरफान के फैन हैं जयदीप। @jaideepahlawat (इंस्टाग्राम)

अच्छा काम दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींच ही लेता है। कई बार काम पसंद आ जाए तो दर्शक उस कलाकार की तुलना किसी दिग्गज कलाकार से भी कर देते हैं। फिर तो उनका खुश होना स्वाभाविक ही है। ऐसा ही कुछ हुआ अभिनेता जयदीप अहलावत के साथ भी। पाताल लोक अभिनेता जयदीप से पूछा गया कि वह जिस तरह से रोल चुन रहे हैं, उससे उनकी तुलना दर्शक इरफान से कर रहे हैं, ऐसे में वह इस बात को कैसे देखते हैं? इस पर जयदीप ने कहा, जब उनसे तुलना होती है तो आप केवल शुक्रगुजार होते हैं, उन लोगो के, जिन्होंने दुआएं दी, निर्देशक, निर्माता, कास्ट्यूम डिजाइनर की जिन्होंने आपको ऐसा काम दिया कि उनसे तुलना हो सके। आगे जयदीप ने कहा कि वह कई कलाकारों से कुछ ना कुछ सीखते रहते हैं। इरफान के अलावा उन्होंने शाह रुख खान से प्यार करना सीखा है। वह कहते हैं कि मैंने उनसे हर किसी से प्यार करना सीखा है, उनमें बहुत ज्यादा प्यार है। जयदीप आगामी दिनों में वेब सीरीज ज्वैलथीफ और फिल्म इक्कीस में नजर आएंगे।

हुमा का डांस नंबर

फिल्म की कहानी कुछ यूं है कि राजकुमार अभिनीत पात्र लोकल गुंडे से आगे बढ़कर एक बड़ा गैंगस्टर बनता है। इसी बीच उसे पता चलता है कि जिन लड़कों को वो खोज रहे हैं, वो किसी बार में हैं। फिर वह अपने गैंग के साथ उस बार में पहुंचता है, जहां हुमा का डांस नंबर दिखेगा।

@iamhumaq

स्त्री 2 की सफलता के बाद पिछले साल अभिनेता राजकुमार राव की अगली फिल्म मालिक की घोषणा हुई थी। इसमें राजकुमार एक गैंगस्टर की भूमिका में होंगे। अब इस फिल्म में अभिनेत्री हुमा कुरैशी के भी शामिल होने की खबरें हैं। सूत्रों के अनुसार, फिल्म में हुमा मेहमान भूमिका में होंगी। मुंबई के एक बार में उनका डांस नंबर शूट किया गया है। इस डांस नंबर गाने को संगीतबद्ध किया है सचिन जिगर की संगीतकार जोड़ी ने और विजय गांगुली ने इसके कोरियोग्राफी की जिम्मेदारी संभाली है। विजय ने इस गाने को चिकनी चमेली... की तर्ज पर कोरियोग्राफ किया है। इससे पहले फिल्म बदलापुर के गाने सोने का पानी.. पर हुमा का डांस काफी लोकप्रिय हुआ था।

मुझे बहुत बार बंगाली समझ लिया जाता है

अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह आगामी दिनों में वेब सीरीज खाकी : द बंगाल चैप्टर में राजनेता की भूमिका में नजर आएंगी। कहानी कोलकाता में सेट है और शूटिंग भी वहीं हुई है। चित्रांगदा कहती हैं, 'पता नहीं क्यों लेकिन मुझे बहुत बार बंगाली समझ लिया जाता है। कई बार लोग मुझसे बांग्ला में बात भी करने लगते हैं। मेरा सरनेम सिंह है लेकिन लोग सेन समझ लेते हैं। एक बार कोलकाता के एक अखबार ने मेरा नाम चित्रांगदा सेन लिखा था, लेकिन यही लोगों का प्यार है।' शूटिंग के अनुभव को लेकर चित्रांगदा ने कहा, 'इसमें भाषण देने का सीन है, उसे विक्टोरिया मेमोरियल के सामने मैदान में शूट किया था। वो काफी यादगार रहा।'

@chitrangda

फिर स्टूडेंट बनेंगी अनन्या

करीब छह साल पहले अभिनेत्री अनन्या पांडे ने करण जौहर द्वारा निर्मित स्टूडेंट आफ द ईयर 2 से अपने अभिनय सफर की शुरुआत की थी। हाल ही में करण की ही फिल्म नादानियां में दिखाए कालेज की काफी तीखी आलोचना हुई। हालांकि कालेज दिखाने से करण जौहर का दिल अभी भरा नहीं है। पिछले साल नवंबर में उन्होंने अनन्या और लक्ष्य को लेकर चांद मेरा दिल बनाने की घोषणा की थी। अब खबर है कि विवेक सोनी के निर्देशन में बनने वाली यह फिल्म इंजीनियरिंग के छात्रों पर केंद्रित एक कालेज रोमांस है। निर्देशक इस सप्ताह के अंत में इस परियोजना पर काम शुरू करेंगे।

विवेक सोनी के निर्देशन में बनने वाली फिल्म चांद मेरा दिल आज के युवाओं के लिए प्यार का क्या मतलब है उस पर आधारित होगी। अनन्या और लक्ष्य इंजीनियरिंग के छात्रों की भूमिका निभा रहे हैं। विवेक इसकी शूटिंग 15 मार्च से आरंभ करेंगे।

@ananyapanday

'माम' के सीक्वल में होंगी खुशी कपूर

निर्माता बोनी कपूर अपनी बेटी खुशी कपूर के साथ श्रीदेवी की आखिरी फिल्म माम का सीक्वल बनाने की योजना बना रहे हैं। बोनी इससे पहले अपनी बेटी जाह्नवी कपूर के साथ फिल्म मिली और बेटे अर्जुन कपूर के साथ फिल्म तेवर बना चुके हैं। बोनी ने कहा, 'मैंने खुशी की सभी फिल्में द आर्चीज, लवयापा और नादानियां देखी हैं। मैं नो एंट्री 2 के बाद उनके साथ भी एक फिल्म बनाने की योजना बना रहा हूं। यह माम 2 हो सकती है। वह अपनी मां के नक्शेकदम पर चलने की कोशिश कर रही हैं। उनकी मां उन सभी भाषाओं में शीर्ष स्टार थीं, जिनमें उन्होंने काम किया। मुझे उम्मीद है कि खुशी और जाह्नवी इसी तरह परफेक्शन हासिल करने में सफल होंगी।'

@khushikapoor

****